THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 155 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.8 2083 शुक्रवार, 4 सितंबर-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर * पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

नेपाल त्रासदी : लापता कैलाश मानसरोवर तीर्थयात्रियों का अभी भी कुछ पता नहीं

काठमांडू, 3 सितंबर (एजेंसियां)। रिचा टूर्स नामक कंपनी के माध्यम से कैलाश मानसरोवर गए तीर्थयात्रियों का अभी तक कुछ पता नहीं चल सका है। जिससे लापता तीर्थयात्रियों के परिजन बेहद दुखी और निराश हैं। अब इन परिजनों ने सरकार से भावुक अपील करते हुए एक याचिका जारी की है।

इस याचिका में नेपाल में भारत के राजदूत और भारतीय विदेश सचिव से लापता लोगों की खोज के लिए तुरंत तलाशी अभियान चलाने और फोरेंसिक पहचान के लिए भारत से टीम भेजने, परिवारों के साथ स्पष्ट बातचीत करने और सम्मानजनक दस्तावेजी प्रक्रिया करने की अपील की गई है।

सीएम रेवंत रेड्डी का बड़ा एक्शन

वन मंत्री कोंडा सुरेखा की कैबिनेट से छुट्टी

जी. चिन्ना रेड्डी की भी नियुक्ति रद्द

तेलंगाना मुख्यमंत्री के खिलाफ टिप्पणियां पड़ी भारी

- मंत्री कोंडा सुरेखा सीएम रेवंत की कैबिनेट से बाहर।
- दिल्ली में बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने की कार्रवाई।
- सेरखा की बेटी लगातार सीएम के खिलाफ कर रही थीं बयानबाजी।
- रेड्डी कैबिनेट में वन मंत्री थीं कोंडा सुरेखा।

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने विवादित टिप्पणियों के बाद गुरुवार को अपनी कैबिनेट सहयोगी कोंडा सुरेखा को मंत्रिमंडल से हटाने की सिफारिश राज्यपाल को भेज दी है। साथ ही जी. चिन्ना रेड्डी की राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष पद पर नियुक्ति भी रद्द कर दी गई है।

दोनों नेताओं के खिलाफ कांग्रेस की अनुशासनात्मक समिति पहले ही कड़ी कार्रवाई की सिफारिश कर चुकी थी। सरकार ने अब योजना बोर्ड में गडवाल विजयलक्ष्मी और केयूडीए में पूर्व सांसद जी. सुधा रानी को नई जिम्मेदारियां दी हैं।

राज्यपाल को भेजी गई सिफारिश

मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, सुरेखा को मंत्रिपरिषद से हटाने की सिफारिश राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला को भेज दी गई है। राज्य की वन एवं बंदोबस्त मंत्री कोंडा सुरेखा अपनी बेटी की ओर से मुख्यमंत्री और कांग्रेस के अन्य नेताओं के खिलाफ की गई आलोचनात्मक टिप्पणियों को लेकर विवादों में घिर गई थीं। इन टिप्पणियों पर सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायकों और पदाधिकारियों ने तीखी प्रतिक्रिया जताई थी। सुरेखा को मंत्रिमंडल से हटाने के साथ ही मुख्यमंत्री ने जी. चिन्ना रेड्डी की राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष के तौर पर नियुक्ति भी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी। ये फैसले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, उनके डिप्टी मल्लू भट्टी विक्रमार्का और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ की पिछले कुछ दिनों में दिल्ली में एआईसीसी नेताओं के साथ हुई बातचीत के बाद सामने आए हैं।

इन नेताओं ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और के.सी. वेणुगोपाल समेत अन्य वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की थी। कांग्रेस की राज्य इकाई की अनुशासनात्मक समिति पहले ही पार्टी नेतृत्व से कोंडा सुरेखा और जी. चिन्ना रेड्डी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की सिफारिश कर चुकी थी।

सीजेपी के नाम से बनी एक और पार्टी

मनीष ब्रह्मभट्ट ने लॉन्च की कॉकरोच जनता पार्टी-डेमोक्रेटिक

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। मनीष ब्रह्मभट्ट ने गुरुवार को 'कॉकरोच जनता पार्टी-डेमोक्रेटिक' नाम से नए राजनीतिक मंच के गठन का एलान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों से ऐसी राष्ट्रीय टीम बनाने की अपील की, जो पारदर्शी और लोकतांत्रिक तरीके से काम करे। ब्रह्मभट्ट ने खास तौर पर कहा कि इस मंच को किसी एक नेता या व्यक्ति की टीम नहीं बनाया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि देशभर के लोगों को इस पहल से जुड़ने के लिए सोशल मीडिया, व्हाट्सऐप और मिस्ड कॉल समेत कई माध्यम उपलब्ध कराए गए हैं। ब्रह्मभट्ट के मुताबिक, नए संगठन का मुख्य जोर पारदर्शिता और जवाबदेही पर रहेगा। उनका कहना है कि संगठन के महत्वपूर्ण फैसले सदस्यों की राय लेकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत किए जाएंगे।

'संवाद और कूटनीति से ही यूक्रेन प.एशिया में शांति संभव'

पीएम मोदी ने आर्थिक वृद्धि को सराहा

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत और बेल्जियम, यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्षों के जल्द समाधान का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि संवाद और कूटनीति से ही संघर्षों का समाधान संभव है। पीएम मोदी ने बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर के साथ द्विपक्षीय मुलाकात के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये बातें कही।

यूक्रेन और पश्चिम एशिया में शांति प्रयासों को दिया समर्थन

पीएम मोदी ने कहा, 'आज हमने क्षेत्रीय और वैश्विक घटनाक्रमों पर विस्तार से चर्चा की। भारत और बेल्जियम, दोनों ही देश कानून के शासन, संवाद और कूटनीति में विश्वास रखते हैं। चाहे यूक्रेन हो या पश्चिम एशिया, हम संघर्ष के जल्द समाधान और शांति के प्रयासों का समर्थन करते हैं। आतंकवाद को उसके सभी रूपों में जड़ से खत्म करना, हमारी साझा प्रतिबद्धता है।' पीएम मोदी ने वैश्विक उथल-पुथल के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था में तेजी की तारीफ की और कहा कि यह देश की विकास यात्रा में दुनिया के विश्वास का स्रोत है। पीएम मोदी ने कहा, 'इस समय दुनिया उथल-पुथल के दौर से गुजर रही है। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में संघर्ष की स्थिति बनी हुई है और अनिश्चितता खाद्य और ईंधन को लेकर आपूर्ति श्रृंखलाओं को प्रभावित कर रही है।

ऐसे चुनौतीपूर्ण माहौल में भी भारतीय अर्थव्यवस्था ने गति बनाए रखी है। हमने पिछली तिमाही में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। आज भारत की विकास गाथा दुनिया के लिए विश्वास और नए अवसरों का स्रोत बन रही है।' प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर कहा कि इससे दुनिया के दो बड़े लोकतांत्रिक देशों के बीच अभूतपूर्व सहयोग, स्थिरता, विकास और साझा समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

नालसार विवाद : क्या बीसीआई को छात्रों पर कार्रवाई का अधिकार?

सुप्रीम कोर्ट ने दिया स्पष्ट जवाब

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को कहा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) के पास कानून के छात्रों के आचरण को नियंत्रित करने की वैधानिक शक्ति नहीं है।

अदालत ने कहा कि छात्रों के खिलाफ कार्रवाई करना संबंधित शिक्षण संस्थान का विषय है। संस्थान अपने नियमों और विनियमों के अनुसार इस पर फैसला ले सकता है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची तथा न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने यह आदेश हैदराबाद स्थित नालसार यूनिवर्सिटी ऑफ लॉ से जुड़े विवाद की सुनवाई के दौरान दिया। यह विवाद बीसीआई की उस कार्रवाई के बाद सामने आया था, जो नालसार के छात्रों द्वारा मुख्य न्यायाधीश की प्रस्तावित विश्वविद्यालय यात्रा और दीक्षांत समारोह में उनकी भागीदारी को लेकर जताई गई आपत्तियों से जुड़ी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में बीसीआई की ओर से जारी दो अधिसूचनाओं को रद्द कर दिया। खास बात यह है कि विवाद बढ़ने और व्यापक आलोचना के बाद बीसीआई ने दोनों अधिसूचनाएं जारी होने के कुछ ही घंटों के भीतर वापस ले ली थीं। 14 अगस्त को विवाद उस समय बढ़ गया था, जब बीसीआई ने राज्य बार काउंसिलों को निर्देश दिया था कि वे नालसार के 2026 के स्नातकों का अधिवक्ता के रूप में नामांकन अगले आदेश तक न करें।

असम में नहीं थम रहा बाढ़ का कहर, 25 हजार से अधिक लोग प्रभावित

गुवाहाटी, 3 सितंबर (एजेंसियां)। असम में बाढ़ से 25 हजार से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। पश्चिम कार्बी आंगलोंग जिले में बाढ़ से एक महिला की मौत के साथ ही असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के नवीनतम आकलन के अनुसार मृतकों की संख्या 108 पहुंच गई है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को बताया कि बाढ़ से सात जिले प्रभावित हुए हैं, जिसमें गोलपारा, शिवसागर, बिश्वनाथ, नागांव, मोरीगांव, पश्चिम कार्बी आंगलोंग और कछार शामिल हैं।

नेपाल त्रासदी : अब तक 1252 शव बरामद

> 95 की हो पाई शिनाख्त, चितवन में सबसे ज्यादा मौतें

काठमांडू, 3 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल में अचानक आई विनाशकारी बाढ़ के बाद मौत का आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। गुरुवार दोपहर तक 'नेशनल डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड मैनेजमेंट अथॉरिटी' (एनडीआरआरएमए) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, मरने वाले वालों की संख्या 1252 पहुंच गई है जबकि 4,216 लोग अब भी लापता हैं।

काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सबसे ज्यादा मौतें चितवन में दर्ज की गई हैं, जहां 355 शव मिले। इसके बाद नवलपरासी ईस्ट में 218, नवलपरासी वेस्ट में 208 और नुवाकोट में 177 मौतें हुई हैं। रसुवा, जहां से यह आपदा शुरू हुई थी, वहां 127 मौतें दर्ज की गई हैं। इसके अलावा गोरखा, धाडिंग और तनाहुन जिलों में भी शव बरामद किए गए हैं। इनमें से केवल 95 लोगों की पहचान हो पाई है। पहचान के बाद शवों को उनके परिजनों को सौंप दिया गया। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, प्रशासन की ओर से राहत और बचाव अभियान जारी है। हजारों लोग अभी भी लापता हैं, उनकी तलाश की जा रही है।

इनमें विदेशी नागरिकों के साथ-साथ पनबिजली परियोजनाओं के कर्मचारी, सुरक्षाकर्मी और सरकारी कर्मचारी भी शामिल हैं। काठमांडू पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि लापता लोगों में सिर्फ पनबिजली परियोजनाओं के लगभग 900 कर्मचारी हैं। अधिकारियों का कहना है कि जैसे-जैसे प्रभावित इलाकों से और जानकारी मिलेगी तथा रिपोर्टों का सत्यापन होगा, लापता लोगों की संख्या में बदलाव हो सकता है।

तेलंगाना समेत चार राज्यों में छापेमारी

नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में कार्रवाई

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ((ईडी) ने नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गुरुवार को चार राज्यों में एक साथ कार्रवाई की। अधिकारियों के मुताबिक, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना और केरलम में कई ठिकानों पर समन्वित तरीके से तलाशी अभियान चलाया गया।

यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत की गई। अधिकारियों ने बताया कि तमिलनाडु के चेन्नई और रामनाथपुरम के अलावा केरलम के कोच्चि, कन्नूर, मलप्पुरम और त्रिशूर समेत कई स्थानों को जांच के दायरे में लिया गया है।

30 ठिकानों पर तलाशी

ईडी के अधिकारियों के अनुसार, चार राज्यों में करीब 30 परिसरों में तलाशी ली गई। इनमें तमिलनाडु और केरलम के कई स्थान शामिल हैं। जांच एजेंसी की यह कार्रवाई नशीले पदार्थों की तस्करी से जुड़े मामलों में दर्ज पुलिस एफआईआर के आधार पर आगे बढ़ाई गई है। अधिकारियों ने बताया कि ड्रग्स तस्करी से संबंधित करीब आठ पुलिस एफआईआर इस मनी लॉन्ड्रिंग जांच का आधार बनी हैं। इन्हीं मामलों में सामने आए वित्तीय लेनदेन और कथित अवैध धन से जुड़े पहलुओं की ईडी जांच कर रही है।

अधिकारियों के मुताबिक, ईडी की यह कार्रवाई केंद्र सरकार के 'नशा मुक्त भारत अभियान' के तहत नशीले पदार्थों की तस्करी और उससे जुड़े अवैध धन के खिलाफ चलाए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित 290 करोड़ रुपये के बैंक लोन धोखाधड़ी से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गुरुवार को कोलकाता में कई ठिकानों पर छापेमारी की। अधिकारियों के मुताबिक, यह कार्रवाई प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के तहत की गई।

गडकरी बोले-सभी राज्य बाइक टैक्सी को मंजूरी दें

8 करोड़ रोजगार मिलेंगे, ट्रैफिक नियम तोड़ने पर ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड-कैंसिल होगा

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने सभी राज्य सरकारों से बाइक टैक्सी को मंजूरी देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि निजी बाइक और स्कूटर से यात्रियों को ले जाने की सुविधा से खासकर ग्रामीण इलाकों में रोजगार के बड़े अवसर मिलेंगे। इससे करीब 8 करोड़ लोगों को रोजगार मिल सकता है।

गडकरी ने बताया कि केंद्र ने बाइक टैक्सी की अनुमति दे दी है, लेकिन परिवहन राज्य का विषय होने के कारण कुछ राज्यों में अभी इसकी मंजूरी नहीं है। उन्होंने राज्यों से इसे मंजूरी देने की अपील की, ताकि लोगों को कमाई का नया जरिया मिल सके। गडकरी ने कहा कि सरकार बार-बार ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों पर सख्ती करेगी। इसके लिए मोटर व्हीकल एक्ट में बदलाव कर ड्राइवरों के लिए नेगेटिव पॉइंट सिस्टम लागू करने का प्रस्ताव है। गडकरी ने भारी वाहन और निर्माण उपकरण चलाने वाले ड्राइवरों की अनिवार्य ट्रेनिंग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अभी ऐसी कोई जरूरी व्यवस्था नहीं है। उन्होंने जेसीबी इंडिया जैसी कंपनियों से उपकरण देने से पहले ड्राइवरों को ट्रेनिंग देने की अपील की। गडकरी ने 'सुरक्षा' पायलट प्रोग्राम शुरू किया। इसके तहत हाईवे, खनन और निर्माण जैसे जोखिम वाले कामों से जुड़े करीब 10 लाख ड्राइवरों और कर्मचारियों की मुफ्त मेडिकल जांच व काउंसलिंग होगी। पहले चरण में नागपुर-कामठी के NH-44 और चंद्रपुर के माइनिंग क्षेत्र में करीब 10 हजार लोगों की जांच का लक्ष्य है। गडकरी के मुताबिक, भारत में दोपहिया हादसों में 81,780 मौतें हुई हैं, जो दुनिया में सबसे ज्यादा हैं। सीट बेल्ट न लगाना, हिट एंड रन, गलत दिशा में ड्राइविंग, शराब और मोबाइल का इस्तेमाल हादसों की बड़ी वजह हैं। सीट बेल्ट न लगाने से 14,466 और हिट एंड रन में 34,030 मौतें हुईं।

कानून के विरुद्ध हीरा व्यापारी पर ठोका 425 करोड़ का जुर्माना

सुप्रीम कोर्ट से कस्टम अफसर का आदेश रद्द

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक कस्टम अफसर के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें गुजरात के एक हीरा व्यापारी पर 425 करोड़ रुपये से ज्यादा का जुर्माना लगाया गया था। संबंधित कस्टम अफसर ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित ऐसे केस लॉ का इस्तेमाल किया, जिसका अस्तित्व ही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस शील नागू की बेंच ने बुधवार के अपने आदेश में इस मामले को उसी रैंक के किसी अन्य अफसर के द्वारा तय किए जाने के लिए वापस भेज दिया है। लाइवलॉ के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कस्टम अफसर के मूल आदेश और उसके खिलाफ अपील पर गुजरात हाई कोर्ट के आदेश दोनों को खारिज कर दिया है।

आतंकियों के रडार पर 7 हजार कश्मीरी पंडित!

लश्कर के प्रॉक्सी ने लीक की निजी जानकारी, सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

जम्मू, 3 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर में कश्मीरी पंडित कर्मचारियों को लेकर आतंकी धमकी सामने आने के बाद सुरक्षा एजेंसियां को हाई अलर्ट पर रखा गया है। दरअसल लश्कर-ए-तैयबा के ऑनलाइन प्रॉक्सी फ्रंट यूनाइटेड लिबरेशन काउंसिल (यूएलसी) की ओर से जारी ताजा धमकी के बाद घाटी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विशेष पैकेज के तहत तैनात 7 हजार से अधिक कश्मीरी पंडित कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, खतरे की गंभीरता इसलिए भी बढ़ गई है, क्योंकि धमकी के साथ कुछ कर्मचारियों की निजी जानकारी भी सार्वजनिक की गई है। इसमें उनके नाम, घर के पते और गाड़ियों के नंबर शामिल हैं। इससे कर्मचारियों में डर का माहौल है और उनकी सुरक्षा को लेकर प्रशासन पर दबाव बढ़ गया है।

'हम आपसे बहुत कुछ सीख सकते हैं'

* राजनाथ सिंह के साथ बैठक में बोले बेल्जियम के रक्षा मंत्री

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर गुरुवार को तीन दिवसीय यात्रा पर भारत पहुंचे। पिछले साल फरवरी में पदभार संभालने के बाद यह उनकी पहली भारत यात्रा है। बेल्जियम के रक्षा मंत्री थियो फ्रेंकन भी प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा हैं। दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बेल्जियम के डिफेंस मिनिस्टर थियो फ्रेंकन के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की।

इस मौके पर बेल्जियम के रक्षा मंत्री ने कहा कि हम आपसे बहुत कुछ सीख सकते हैं। आप एक हाई-टेक्नोलॉजी वाला देश हैं। आप सबसे ज्यादा आबादी वाले देशों में से एक हैं, और हमें सच में साथ मिलकर काम करने की जरूरत है। ऐसा इसलिए क्योंकि बेल्जियम एक पुराना पश्चिमी यूरोपीय देश है जिसके पास बहुत सारी टेक्नोलॉजी है।

हमें इन चुनौतियों का सामना करना ही होगा

इस मौके पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि बेल्जियम के रक्षा मंत्री के तौर पर आपके हमारे देश के दूसरे दौरे पर आपका स्वागत करना वाकई खुशी की बात है। जैसा कि आप जानते हैं, दुनिया इस समय भारी भू-राजनीतिक और आर्थिक उथल-पुथल से गुजर रही है। इनमें से ज्यादातर हालात हमारी वजह से नहीं बने हैं, लेकिन हमें इन चुनौतियों का सामना करना ही होगा। ऐसे हालात में, आप जैसे दोस्त और अहम पार्टनर से मिलना विचारों और नजरिए के आदान-प्रदान का एक अच्छा मौका देता है।

राजनाथ सिंह ने कहा कि भारत और बेल्जियम के बीच आपसी सम्मान, लोकतांत्रिक मूल्यों और नियमों पर आधारित वैश्विक व्यवस्था के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर टिके गर्मजोशी भरे और पुराने रिश्ते हैं। जुलाई 2026 में हुई भारत-बेल्जियम स्ट्रैटेजिक डायलॉग ने रक्षा और सुरक्षा समेत हमारी द्विपक्षीय साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए एक संस्थागत ढांचा तैयार किया है। हम अपने द्विपक्षीय रक्षा सहयोग को बढ़ाने की काफी संभावना देखते हैं, और हम बेल्जियम और भारतीय रक्षा कंपनियों के बीच ज्यादा सहयोग का स्वागत करते हैं।

'आप' को राहत : सत्येंद्र जैन को कोर्ट से मिली जमानत

दिल्ली जल बोर्ड घोटाले में एसीबी ने किया था गिरफ्तार

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। राउज एवेन्यू कोर्ट ने पूर्व दिल्ली मंत्री सत्येंद्र जैन को डीजेबी एसटीपी टेंडर घोटाला मामले में जमानत दे दी है। उन्हें भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने इसी मामले में गिरफ्तार किए था। सत्येंद्र जैन को दो लाख रुपये के जमानत बॉन्ड और इतनी ही राशि के दो मुचलके पर जमानत मिली है।दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) के सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के टेंडर में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के मामले में एंटी करप्शन ब्रांच (एसीबी) ने बीती 18 अगस्त को पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन समेत छह आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इनमें तत्कालीन डीजेबी सीईओ और आईएएस अधिकारी उदित प्रकाश राय, बोर्ड के पूर्व संविदा सलाहकार अंकित श्रीवास्तव, एएन एंटरप्राइजेज के प्रोपराइटर नागेंद्र यादव, यूरोटेक एनवायरमेंट प्राइवेट लिमिटेड के मालिक राजा कुमार कुर्रा और सृजनहार के प्रोपराइटर पंकज वर्मा शामिल थे।

एसीबी के प्रमुख संयुक्त पुलिस आयुक्त विक्रमजीत सिंह ने बताया था कि मामला एसटीपी के उन्नयन और क्षमता बढ़ाने के लिए जारी टेंडरों में बड़े पैमाने पर अनियमितता, टेंडर शर्तों में हेरफेर और आपराधिक साजिश से जुड़ा था। जांच में सामने आया था कि टेंडर में ऐसी तकनीकी शर्तें शामिल की गईं, जिनसे एक खास तकनीक और उसके प्रदाता यूरोटेक को तौर पर फायदा हुआ। इससे प्रतिस्पर्धा सीमित हुई और सरकारी खजाने पर वित्तीय बोझ पड़ा। एसीबी ने इस मामले में 11 मई 2024 को एफआईआर दर्ज की थी।

हम डरने वाले नहीं : मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर को लेकर भाजपा पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दलितों और अन्य वंचित वर्गों से जुड़े मुद्दे उठाने वाले राहुल गांधी को डराने और उनका मनोबल गिराने की कोशिश की जा रही है।

खरगे ने साफ कहा कि कांग्रेस ऐसे मामलों से पीछे हटने वाली नहीं है। भाजपा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस के आरोपों को खारिज किया। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में कोई जातिगत पहलू नहीं है। साथ ही उन्होंने कांग्रेस पर हिंदू समाज में विभाजन पैदा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि राहुल गांधी लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं और संसद के भीतर तथा बाहर लगातार जनहित के मुद्दे उठाते रहे हैं। उन्होंने महंगाई, बेरोजगारी, छात्रों और महिलाओं से जुड़े सवालों के साथ दलितों की आवाज भी उठाई है।

यूक्रेन पर रूसी मिसाइल हमले में तेलंगाना के वर्कर की मौत

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मिली जानकारी के मुताबिक, यूक्रेन में काम कर रहे जगितियाल जिले के एक प्रवासी वर्कर की रूसी मिसाइल हमले में मौत हो गई। उसी जिले के एक और वर्कर के मिसाइल हमले में बाल-बाल बचने की खबर है। हुस्नाबाद गांव के रहने वाले वाविला सुदर्शन और तातिपल्ली गांव के उनके दोस्त (जिनका नाम अभी पता नहीं चला है) हाल ही में कंस्ट्रक्शन वर्कर के तौर पर 'कंपनी वीज़ा' पर यूक्रेन गए थे। मिली खबरों के मुताबिक, मिसाइल हमले के सायरन बजने पर तेलंगाना के दोनों वर्कर अपने रहने की जगह से बाहर निकले और अलग-अलग दिशाओं में भागे।

बदकिस्मती से, रूसी मिसाइल उसी दिशा में गिरी जिधर सुदर्शन भागा था। खबरों के मुताबिक, इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। तेलंगाना का दूसरा वर्कर सुरक्षित बताया जा रहा है। सुदर्शन ने कुछ समय दुबई में काम किया था और घर लौट आया था। उसे और उसके दोस्त को यूक्रेन की एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में नौकरी मिली थी और वे सिर्फ़ चार महीने पहले ही यूक्रेन गए थे।

जनता के लिए यह शासन नहीं एक हजार दिन की पीड़ा

केटीआर ने जारी किया आरोप-पत्र

हैदराबाद, 2 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति के कार्यकारी अध्यक्ष के। तारक रामाराव (केटीआर) ने कांग्रेस सरकार के एक हजार दिन पूरे होने पर उसके शासन के खिलाफ आरोप-पत्र जारी किया। उन्होंने कांग्रेस सरकार पर चुनावी वादे पूरे नहीं करने, किसानों, बेरोजगारों, महिलाओं, विद्यार्थियों और कर्मचारियों के साथ धोखा करने तथा राज्य में भ्रष्टाचार और अराजकता बढ़ाने का आरोप लगाया।

केटीआर ने कहा कि कांग्रेस ने सौ दिनों में छह गारंटी और पहले वर्ष में दो लाख नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन एक हजार दिन बाद भी जनता को इसका लाभ नहीं मिला। उन्होंने कहा कि बेरोजगार नौकरी और अधिसूचनाओं के लिए आंदोलन कर रहे हैं तथा कर्मचारियों को भी अपनी मांगों के लिए सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। उन्होंने किसानों की स्थिति पर सरकार को घेरते हुए कहा कि 50 हजार करोड़ रुपये की ऋणमाफी का वादा घटकर 20 हजार करोड़ रुपये तक रह गया। किसानों को यूरिया के लिए कतारों में खड़ा होना पड़ रहा है और रायथु बंधु तथा रैतू बीमा योजनाओं को लेकर भी सरकार ने किसानों को निराश किया है।

केटीआर ने कालेश्वरम परियोजना को लेकर सरकार पर राजनीतिक बदले की भावना से काम करने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि पानी उपलब्ध होने के बावजूद उसे उठाया नहीं जा रहा है। साथ ही उन्होंने बानकाचर्ला के मुद्दे पर तेलंगाना के जल हितों से समझौते का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि राज्य के पानी के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में शुल्क प्रतिपूर्ति के बकाये, गुरुकुल विद्यार्थियों की समस्याओं और जीओ-97 का मुद्दा भी उठाया। महिलाओं के लिए 2,500 रुपये मासिक सहायता, कल्याणलक्ष्मी के तहत एक तोला सोना और पेंशन बढ़ाने के वादे पूरे नहीं होने का भी आरोप लगाया।

केटीआर ने कहा कि 7 सितंबर से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र में बीआरएस सरकार को उसके एक हजार दिनों के शासन का हिसाब देने के लिए मजबूर करेगी।

नेपाल की बाढ़ में हैदराबाद का व्यक्ति लापता

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मणिकोंडा के रहने वाले 38 वर्षीय राल्लागुडेम धनपाल रेड्डी (जिन्हें धनवाल रेड्डी भी कहा जाता है) के परिवार वाले उनके बारे में जानकारी का बेसब्री से इंतज़ार कर रहे हैं। 26 अगस्त को इलाके में आई भयानक बाढ़ के बाद वे नेपाल में लापता हो गए थे। धनपाल रेड्डी एक ट्रैवल एजेंसी द्वारा आयोजित 66 सदस्यों के टूर ग्रुप के हिस्से के रूप में कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए नेपाल गए थे। वे 23 अगस्त को पुणे से निकले थे और तीन दिन बाद इलाके में अचानक आई बाढ़ के बाद उनका परिवार से संपर्क टूट गया। घटना की रात से ही उनका मोबाइल फ़ोन बंद है।

धनपाल ने आखिरी बार नेपाल इमिग्रेशन सेंटर से अपने परिवार से बात की थी। उसके बाद से कोई बातचीत नहीं हुई है, जिससे उनकी पत्नी सुप्रिया और माँ अनसूया बहुत परेशान हैं। परिवार के अनुसार, धनपाल को घूमना-फिरना पसंद था और वे हर साल अलग-अलग जगहों पर जाते थे। यह उनकी पहली विदेश यात्रा थी। परिवार ने बताया कि टूर ग्रुप में तेलंगाना से वे अकेले व्यक्ति थे। परिवार ने उन्हें खोजने में मदद के लिए साइबराबाद पुलिस से संपर्क किया है और राज्य व केंद्र सरकारों से अपील की है कि वे खोज और बचाव अभियान के लिए नेपाल के अधिकारियों के साथ तालमेल बिठाकर प्रयास तेज़ करें।

जमीनी कांग्रेस नेताओं को किया जा रहा नजर अंदाज: राजगोपाल रेड्डी

भविष्य में तेलंगाना का मुख्यमंत्री बनने का दावा

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोडे से कांग्रेस विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने एक बार फिर सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर राजनीतिक हलचल पैदा करते हुए आरोप लगाया है कि वास्तविक और पुराने कांग्रेस नेताओं को नजरअंदाज किया जा रहा है, जबकि दूसरी पार्टियों से कांग्रेस में शामिल हुए नेताओं को अधिक महत्व दिया जा रहा है। राजगोपाल रेड्डी ने बिना किसी का नाम लिए कुछ मंत्रियों और ऐसे नेताओं पर अप्रत्यक्ष निशाना साधा, जो अन्य राजनीतिक दलों से कांग्रेस में शामिल हुए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की विचारधारा के प्रति लंबे समय से प्रतिबद्ध नेताओं को पीछे धकेला जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वह किसी विशेष पद की मांग नहीं कर रहे हैं। उनके अनुसार, उचित समय आने पर पद स्वयं उनके पास आएंगे। साथ ही उन्होंने दावा किया कि भविष्य में वह तेलंगाना के मुख्यमंत्री बनेंगे।राजगोपाल रेड्डी ने कहा कि उनके लिए पद से अधिक महत्वपूर्ण राजनीतिक और प्रशासनिक सुधार हैं।

उन्होंने गरीबों की समस्याओं की अनदेखी और विकास कार्यों में हो रही देरी के खिलाफ अपनी आवाज लगातार उठाते रहने की बात कही। उनके ताजा बयानों से तेलंगाना कांग्रेस में चल रही आंतरिक खींचतान एक बार फिर सामने आई है। पार्टी का राजनीतिक फोकस इस समय दिल्ली स्थित पार्टी हाईकमान की ओर बढ़ने के बीच राजगोपाल रेड्डी की टिप्पणियों को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

शादनगर आरडीओ कार्यालय में राजस्व संबंधी मुद्दों की व्यापक समीक्षा

रंगारेड्डी, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के अतिरिक्त कलेक्टर (राजस्व) श्री चंद्र रेड्डी ने शादनगर आरडीओ कार्यालय में शादनगर डिवीजन से संबंधित विभिन्न राजस्व मुद्दों पर व्यापक समीक्षा बैठक आयोजित की। बैठक में लंबित राजस्व मामलों और सर्वेक्षण संबंधी कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। अतिरिक्त कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाते हुए निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करें।

उन्होंने राजस्व सेवाएं जनता को शीघ्र उपलब्ध कराने के लिए सभी अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने की सलाह दी। बैठक में शादनगर के आरडीओ, संबंधित मंडलों के तहसीलदार, एडीएसएलआर, डीसीएसओ, डीएमसीएस, मंडल सर्वेक्षक, लाइसेंस प्राप्त सर्वेक्षक और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने यात्राओं पर 400 करोड़ रुपये खर्च किए

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ अपना विरोध प्रदर्शन तेज कर दिया, जिसमें पार्टी नेता मन्ने कृशांक ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर दिल्ली और विदेश की कथित तौर पर लगातार यात्राओं को लेकर निशाना साधा। कैंटोनमेंट निर्वाचन क्षेत्र के बीआरएस नेताओं ने बेगमपेट हवाई अड्डे के पास विरोध प्रदर्शन किया और कांग्रेस द्वारा दी गई गारंटियों और वादों को लागू करने में कथित विफलताओं को उजागर करने वाले बड़े-बड़े बैनर प्रदर्शित किए। पुलिस ने बैनर हटा दिए, जिसके चलते पुलिसकर्मियों और कृशांक समेत बीआरएस नेताओं के बीच झड़प हुई।

बाद में मीडिया को संबोधित करते हुए, कृशांक ने आरोप लगाया कि रेवंत रेड्डी ने अपनी सरकार के पहले 1,000 दिनों में से लगभग 300 दिन तेलंगाना से बाहर बिताए, जिनमें दिल्ली और कई विदेशी स्थलों की यात्राएं शामिल हैं।

उन्होंने सवाल उठाया कि क्या मुख्यमंत्री की लगातार यात्राओं से राज्य में कोई बड़ा निवेश हुआ है और आरोप लगाया कि इन यात्राओं पर 400 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं।

जनप्रतिनिधि पर आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाला पुलिस कांस्टेबल निलंबित

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोशल मीडिया पर एक जनप्रतिनिधि के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ एम रमेश ने 2018 बैच के आर्म्ड रिजर्व पुलिस कांस्टेबल के अनिल को निलंबित कर दिया। क अनिल वर्तमान में साइबराबाद सीएआर से ऑर्डर टू सर्व के तहत हैदराबाद सीएआर मुख्यालय में ड्यूटी कर रहे थे।

अधिकारियों के संज्ञान में आया कि उन्होंने सोशल मीडिया पर एक जनप्रतिनिधि को लेकर आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। पुलिस आयुक्त डॉ. एम रमेश ने स्पष्ट किया कि पुलिस विभाग में कार्यरत प्रत्येक कर्मचारी को अनुशासन, पेशेवर आचरण और सम्मानजनक व्यवहार का पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने पुलिसकर्मियों को सोशल मीडिया का उपयोग करते समय भी जिम्मेदारी और संयम बरतने की सलाह दी। पुलिस विभाग की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने वाले आचरण के लिए के। अनिल के खिलाफ नियमों के अनुसार कार्रवाई करते हुए उन्हें निलंबित किया गया है।

राजेंद्रनगर और शमशाबाद क्षेत्रों में 184 उपद्रवियों को परामर्श दिया गया

हैदराबाद, 3 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने राजेंद्रनगर और शमशाबाद जोन में 184 कुख्यात अपराधियों के लिए दो दिवसीय परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें उन्हें दोबारा अपराध न करने की चेतावनी दी गई और उन्हें कानून का पालन करने वाला जीवन जीने का निर्देश दिया गया। यह काउंसलिंग राजेंद्रनगर और शमशाबाद जोन के अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त और पुलिस निरीक्षकों की देखरेख में आयोजित की गई थी। 184 प्रतिभागियों में से 136 राजेंद्रनगर जोन से और 48 शमशाबाद जोन से थे। पुलिस ने उपद्रवी अपराधियों को निर्देश दिया कि वे अच्छा व्यवहार बनाए रखें, आपराधिक और असामाजिक गतिविधियों से दूर रहें और कानून का सख्ती से पालन करें।

उन्हें चेतावनी दी गई कि यदि वे दोबारा अपराध करते हैं तो उन्हें गंभीर कानूनी परिणामों का सामना करना पड़ेगा। पुलिस ने कहा कि उपद्रवी अपराधियों की गतिविधियों, आचरण और ठिकाने पर हर महीने निगरानी रखी जाएगी और उनकी स्थिति की पुष्टि की जाएगी।

ट्रैफ़िक पुलिस को 15 ब्रेथ एनालाइज़र सौंपे

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में ट्रैफ़िक नियमों के पालन को मज़बूत करने की दिशा में एक कदम उठाते हुए, सेव लाइफ फ़ाउंडेशन ने हैदराबाद ट्रैफ़िक पुलिस को 15 ब्रेथ एनालाइज़र सौंपे। यह पहल 'प्रोजेक्ट संजीवनी' का हिस्सा है, जो दुर्घटना के बाद ट्रॉमा रिस्पॉन्स और हाईवे रेस्क्यू प्रोटोकॉल का एक एकीकृत कार्यक्रम है। इसे फ़ाउंडेशन राज्य सरकार और एनएचएआई के सहयोग से हैदराबाद और आदिलाबाद के बीच 251 किलोमीटर लंबे एनएच-44 कॉरिडोर पर पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर चला रहा है।

एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि आधुनिक ब्रेथ एनालाइज़र हैदराबाद ट्रैफ़िक पुलिस को ड्राइवरों की तेज़ी से और सबूत-आधारित जाँच करने और कॉरिडोर पर व उसके आस-पास शराब पीकर गाड़ी चलाने पर रोक लगाने में सक्षम बनाएंगे।

हैदराबाद ट्रैफ़िक पुलिस के संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफ़िक) डी। जोएल डेविस ने कहा, ब्रेथ एनालाइज़र हमारी क्षमताओं को और बढ़ाएंगे, जिससे हमारे अधिकारी शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों का पता लगाने और उनके ख़िलाफ़ तेज़ी से और सही ढंग से कार्रवाई करने में सक्षम होंगे।

यूरिया लेने के लिए किसानों ने लाइन में अपनी चप्पलें रखीं

मेडक, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तकनीकी खराबी के कारण यूरिया बांटने में देरी होने पर पापन्नापेट मंडल मुख्यालय में एक प्राइमरी एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव सोसाइटी के बाहर किसानों ने लाइन में अपनी चप्पलें रख दीं।

ऑनलाइन बुक किए गए यूरिया को बांटते समय मशीन से रसीद देना ज़रूरी है। हालाँकि, मशीन में खराबी के कारण प्रक्रिया में देरी हुई, जिससे किसानों को चिलचिलाती गर्मी में खड़े रहने से बचने के लिए लाइन में अपनी चप्पलें रखनी पड़ीं।

इस घटना ने राज्य में किसानों को यूरिया बांटने से जुड़ी समस्याओं को उजागर किया। जो किसान यूरिया के बैग लेने सेंटर पहुंचे थे, उन्हें कई घंटों तक इंतज़ार करना पड़ा। सेंटर पर यूरिया उपलब्ध होने की जानकारी मिलने के बाद, कई किसानों ने मंगलवार को इसे ऑनलाइन बुक किया था।

हालाँकि, इसके बावजूद उन्हें बुधवार को लंबे समय तक इंतज़ार करना पड़ा। मेडक ज़िले में लगभग हर दिन ऐसी समस्याएं देखने को मिल रही हैं।

राष्ट्रीय साइबर जागरूकता दिवस पर राज्यव्यापी कार्यक्रम मनाया गया

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में आज राष्ट्रीय साइबर जागरूकता दिवस मनाया गया। यह पहल देशभर में प्रत्येक माह के पहले साइबर जागरूकता, सुरक्षित डिजिटल व्यवहार और साइबर अपराधों की रोकथाम में नागरिकों की भागीदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित की जाती है। निदेशक, तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो तेलंगाना पुलिस, एस मोइनुद्दीन ने बताया कि तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो (टीजीसीएसबी) ने राज्यव्यापी जागरूकता गतिविधियों का समन्वय किया। ब्यूरो ने पुलिस इकाइयों को तेलुगु और अंग्रेजी में मानकीकृत साइबर जागरूकता सामग्री उपलब्ध कराई, जिसके आधार पर राज्यभर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस माह के साइबर जागरूकता दिवस के तहत डिजिटल भुगतान एवं डिजिटल सुरक्षा, ऑनलाइन शॉपिंग धोखाधड़ी और निवेश धोखाधड़ी जैसे विषयों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इन कार्यक्रमों में नागरिकों को सामान्य साइबर धोखाधड़ी, सुरक्षित ऑनलाइन व्यवहार तथा डिजिटल भुगतान या वित्तीय निवेश से पहले जानकारी का सत्यापन करने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। तेलंगाना के सभी कानून-व्यवस्था पुलिस थानों और संबंधित इकाई अधिकारियों ने अभियान में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा अपने-अपने क्षेत्रों में आम जनता के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। राज्यभर में कुल 438 साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 82,573 नागरिकों ने भाग लिया। गणेश चतुर्थी के अवसर पर विशेष जागरूकता पहल के तहत टीजीसीएसबी ने गणेश पंडालों और अन्य प्रमुख स्थानों पर प्रदर्शित करने के लिए साइबर सुरक्षा संबंधी जागरूकता सामग्री भी उपलब्ध कराई।

इसका उद्देश्य त्योहार के दौरान नागरिकों और श्रद्धालुओं को साइबर धोखाधड़ी के प्रति सतर्क रखना था। पुलिस इकाइयों की राज्यव्यापी भागीदारी तेलंगाना पुलिस की उस प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत साइबर जागरूकता को जमीनी स्तर तक पहुंचाने और राज्यभर के नागरिकों तक साइबर सुरक्षा संबंधी संदेश पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

हाईकोर्ट ने वारंगल मौत मामले में नई फोरेंसिक राय लेने का आदेश दिया

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाई कोर्ट की जस्टिस टी. माधवी देवी ने गीसुगोंडा पुलिस को निर्देश दिया है कि वे ओस्मानिया जनरल हॉस्पिटल के फोरेंसिक मेडिसिन विभाग के प्रमुख से एक व्यक्ति की मौत के मामले में नई फोरेंसिक राय लें। इस व्यक्ति की मौत के मामले को पहले एक मेडिकल राय के आधार पर बंद कर दिया गया था जिसमें मौत का कारण अचानक कार्डियक अरेस्ट बताया गया था। कोर्ट मृतक ल्याडेला राजू की पत्नी ल्याडेला प्रियंका द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि पुलिस वारंगल जिले के गीसुगोंडा पुलिस स्टेशन में दर्ज अपराध की निष्पक्ष और प्रभावी जांच करने में विफल रही।

याचिकाकर्ता के वकील बी. बालराजू ने कहा कि याचिकाकर्ता के पति मृत पाए गए थे और उनके शरीर पर चोटें थीं। इसके बावजूद, पुलिस ने काकतीय मेडिकल कॉलेज के फोरेंसिक मेडिसिन और टॉक्सिकोलॉजी के असिस्टेंट प्रोफेसर की राय पर भरोसा करते हुए मामले को बंद कर दिया था। उस राय में कहा गया था कि मौत अचानक कार्डियक अरेस्ट के कारण हुई थी और यह एक स्वाभाविक मौत थी। उन्होंने कोर्ट का ध्यान मृतक की तस्वीरों और उसके शरीर पर दिख रहे चोट के निशानों की ओर आकर्षित किया और तर्क दिया कि मौत को केवल स्वाभाविक मौत नहीं माना जा सकता। कोर्ट के सामने पेश किए गए तथ्यों पर गौर करते हुए, जस्टिस माधवी देवी ने इस निष्कर्ष पर गंभीर संदेह जताया कि मौत स्वाभाविक थी। कोर्ट ने गौर किया कि पुलिस ने पहले मृतक के शरीर पर पाई गई चोटों के संबंध में फोरेंसिक विशेषज्ञ से बिंदुवार स्पष्टीकरण मांगा था। हालांकि, बाद में दी गई सफाई में बस यही दोहराया गया कि मौत अचानक कार्डियक अरेस्ट (दिल का दौरा पड़ने) से हुई थी; इसमें जांच अधिकारियों द्वारा उठाए गए खास मुद्दों का कोई बिंदुवार जवाब नहीं दिया गया। जज ने मौखिक रूप से टिप्पणी की, रिकॉर्ड से ऐसा नहीं लगता कि यह स्वाभाविक मौत का मामला है। कृपया मुझे ऐसा न बताएं। जज ने यह भी संकेत दिया कि पुलिस को पहले से मिली राय के आधार पर ही आगे बढ़ने के बजाय अपनी तरफ से और जांच करनी चाहिए।

तस्वीरों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट की जांच करने के बाद - जिसमें मृतक के शरीर पर चोट के निशान का जिक्र था - कोर्ट ने माना कि पहले राय देने वाले अधिकारी से ऊंचे पद के मेडिकल ऑफिसर से नई राय लेना ज़रूरी है। इसके अनुसार, जस्टिस माधवी देवी ने संबंधित असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ़ पुलिस को निर्देश दिया कि वे पोस्टमार्टम रिपोर्ट, तस्वीरों और पहले की मेडिकल राय समेत सभी ज़रूरी रिकॉर्ड हैदराबाद के उस्मानिया जनरल हॉस्पिटल में फोरेंसिक मेडिसिन विभाग के प्रमुख को भेजें और मौत की संभावित वजह के बारे में राय लें। संबंधित अधिकारी को निर्देश दिया गया है कि वह सामग्री की जांच करे।

गजवेल के पास लॉरी की टक्कर से गणेश जी की विशाल मूर्ति क्षतिग्रस्त

सिद्दीपेट, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार तड़के गजवेल रिंग रोड के पास एक तेज़ रफ़्तार लॉरी की टक्कर से गणेश जी की एक विशाल मूर्ति क्षतिग्रस्त हो गई, जिसे ट्रक से धूलपेट से सिद्दीपेट ले जाया जा रहा था। चूंकि एक साइनबोर्ड मूर्ति ले जा रहे वाहन का रास्ता रोक रहा था, इसलिए ड्राइवर ने साइनबोर्ड हटवाने और अपनी मंज़िल की ओर आगे बढ़ने के लिए वाहन रोका। हालाँकि, एक लॉरी के लापरवाह ड्राइवर ने ट्रक को टक्कर मार दी और मूर्ति ट्रक से नीचे गिर गई। इस घटना में मूर्ति क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि ड्राइवर को मामूली चोटें आईं। लॉरी के पीछे आ रही एक कार भी उससे टकरा गई। गजवेल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

पत्नी पर शक के चलते चाकू मारकर हत्या की

मंचेरियल, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। नेन्नल गाँव में एक महिला की कथित तौर पर उसके पति ने वफ़ादारी पर शक के चलते चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि थोता सबिता (35) के गले में चाकू घोंपे जाने के बाद बहुत ज़्यादा खून बहने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हमला करने वाले मल्लेश को कथित तौर पर उसकी वफ़ादारी पर शक था। जब बच्चे घर पर नहीं थे, तब पति ने उस पर हमला किया और बाद में वह खून से लथपथ हालत में मिली।

स्कूल से लौटने पर उनके बेटे थिरुमलेश को लाश मिली। उसने पड़ोसियों को बताया, जिन्होंने घटना की जानकारी स्थानीय पुलिस को दी। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना किया और महिला के परिवार के सदस्यों व पड़ोसियों से बात करके ज़रूरी जानकारी जुटाई। मल्लेश कथित तौर पर सबिता से झगड़ता रहता था क्योंकि उसे शक था कि वह गाँव के दूसरे पुरुषों के साथ ज़्यादा घुल-मिल रही है। घर के बड़ों की सुलह कराने की कोशिशों के बावजूद, मल्लेश ने अपना व्यवहार नहीं सुधारा और मन में रंजिश पाले रखी। थांडुर मंडल के अचुलपुर की रहने वाली सबिता की शादी 17 साल पहले मल्लेश से हुई थी। उनकी एक बेटी और एक बेटा था। महिला के परिवार के सदस्य से मिली शिकायत के आधार पर, मल्लेश के खिलाफ़ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। मामले की जाँच शुरू कर दी गई है।

करेगुट्टा पहाड़ियों में आईईडी धमाके में आदिवासी व्यक्ति की मौत

मुलुगु, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। ज़िले की करेगुट्टा पहाड़ियों पर माओवादियों द्वारा कथित तौर पर लगाए गए इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) के फटने से एक आदिवासी व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक, ज़िले के वेंकटपुरम मंडल के नुगुर गाँव के रहने वाले मडाकम नागेश्वर राव (60) थे। बताया जाता है कि वह पाँच अन्य लोगों के साथ बांस इकट्ठा करने के लिए जंगल गए थे।

मृतक के साथ गए लोगों में से एक, कुरसम पापा राव ने मीडिया को बताया कि वे सोमवार को करेगुट्टा के जंगलों में गए, मंगलवार रात वहीं रुके और बुधवार को बांस काटे। शाम को घर लौटते समय वे एक-दूसरे के पीछे चल रहे थे; नागेश्वर राव का पैर गलती से प्रेशर बम पर पड़ गया; धमाके के असर से वह हवा में उछले और नीचे गिर पड़े। उन्हें गंभीर चोटें आईं; घावों को कपड़ों से ढका गया और उन्हें लाठी और कपड़ों से बने कामचलाऊ स्ट्रेचर पर ले जाया गया।

पापा राव ने बताया कि लौटते समय, वे जंगल में एक जगह रुके क्योंकि वह चाय पीना चाहते थे और गाँव पहुँचने से पहले ही उनकी मौत हो गई। यह घटना गाँव से लगभग 10 किलोमीटर दूर बेडेमगुट्टा में हुई। शव गुरुवार तड़के गाँव पहुँचा। घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय पुलिस गाँव पहुँची और मामले की जाँच शुरू की।

धमाके में एससीसीएल के पांच खनिक घायल

पेद्दापल्ली, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार देर रात रामागुंडम इलाके के गोदावरीखानी में एससीसीएल के अद्रियाला लॉन्गवॉल प्रोजेक्ट के अंदर एक एयर टैंकर फटने से पाँच कोयला खनिक घायल हो गए। एससीसीएल अधिकारियों ने बताया कि टैंकर फटने के बाद खनिकों को मामूली चोटें आईं। धमाके के असर से उनमें से दो की सुनने की क्षमता चली गई।

घायल खनिकों को गोदावरीखानी में कंपनी के एरिया अस्पताल में भर्ती कराया गया। हादसे की सही वजह की जांच की जा रही है। इस बीच, कोयला खनिकों ने काम की जगहों पर अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई। उन्होंने अफ़सोस जताया कि एससीसीएल मैनेजमेंट भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ज़रूरी सुरक्षा उपाय करने में लापरवाही बरत रहा है।

उन्होंने अधिकारियों से उन खनिकों की सुरक्षा को सबसे ज़्यादा अहमियत देने की अपील की जो कोयला निकालने के काम में अपनी जान जोखिम में डालते हैं।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 4 सितंबर, 2026

सु वि चा र: प्रेम एक बड़ी शक्ति है परन्तु पवित्र प्रेम करने के लिए बहुत शक्ति चाहिए

पुराने शहर में मेट्रो से लेकर मूसी पुनर्जीवन तक, विकास को नई रफ्तार : रेवंत रेड्डी

> नलगोंडा क्रॉस रोड स्टील फ्लाईओवर का मुख्यमंत्री ने किया उद्घाटन > विपक्ष पर विकास कार्यों में बाधा डालने का बड़ा आरोप

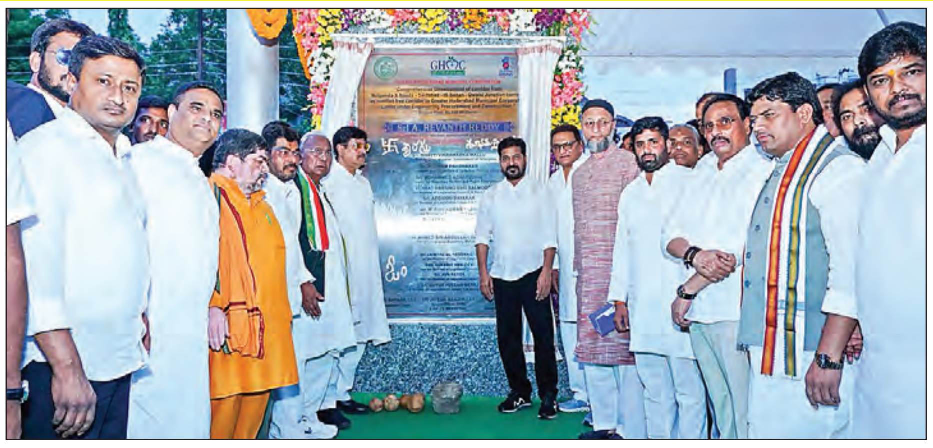

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि हैदराबाद में मूसी पुनर्जीवन परियोजना को लेकर भारत राष्ट्र समिति और भारतीय जनता पार्टी बाधाएं पैदा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य मूसी नदी के पुनर्जीवन के साथ हैदराबाद में रात्रिकालीन अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देना और स्थानीय गरीबों, विशेषकर मुस्लिम समुदाय के युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को शहर के नलगोंडा क्रॉस रोड पर नवनिर्मित स्टील फ्लाईओवर का उद्घाटन करने के बाद आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती भारत राष्ट्र समिति सरकार ने दस वर्षों के शासन में शहर के बुनियादी ढांचे के विकास पर पर्याप्त धन खर्च नहीं किया और केवल परियोजनाओं की आधारशिला रखने तक सीमित रही। उन्होंने कहा कि जिस पुल का पूर्व सरकार ने शिलान्यास किया था, उसके निर्माण के लिए तत्कालीन सरकार ने एक पैसा भी खर्च नहीं किया। जनता की कांग्रेस सरकार ने आवश्यक धन उपलब्ध कराकर पुल का निर्माण पूरा किया है। मुख्यमंत्री ने पुराने शहर को हैदराबाद का 'मूल शहर' बताते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले गौलीगुड़ा से चंद्रायनगुट्टा तक मेट्रो रेल का निर्माण पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगली बार वह मेट्रो रेल से पुराने शहर पहुंचकर जनता से वोट मांगेंगे। उन्होंने नागोल से एलबी नगर, बंदलागुड़ा, राजेंद्रनगर होते हुए शमशाबाद तक मेट्रो रेल संपर्क विस्तार की योजनाओं का भी उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि मीर आलम टैंक पर तीन किलोमीटर लंबा केबल पुल निर्माणाधीन है, जो दुर्गम चेरुवु के प्रसिद्ध केबल पुल की तर्ज पर बनाया जा रहा है और शहर में आकर्षण का नया केंद्र बनेगा। रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी की 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान देशभक्ति प्रदर्शित करने के लिए प्रशंसा की।

उन्होंने कहा कि राजनीतिक विचारधाराएं अलग हो सकती हैं, लेकिन देशभक्ति के मामले में सभी एकजुट हैं। हिंदू और मुस्लिम समुदायों के एकजुट होकर आगे बढ़ने पर ही तेलंगाना का विकास संभव है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को ओवैसी द्वारा सुझाए गए प्रत्येक विकास कार्य को मंजूरी देने का निर्देश दिया। वहीं, मलकपेट विधायक बाला के अनुरोध पर 25 करोड़ रुपये मंजूर किए गए और 18 माह में कार्य पूरा करने को कहा गया। उन्होंने हैदराबाद में गरीबों के लिए एक लाख इंदिरम्मा मकानों, मुसलमानों को चार प्रतिशत आरक्षण, गरीब परिवारों को 200 यूनिट मुफ्त बिजली तथा 500 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरकार विकास को प्राथमिकता देगी और राजनीति केवल चुनाव के समय करेगी। कार्यक्रम में मंत्री पोन्नम प्रभाकर और मोहम्मद अज़हरुद्दीन, सांसद असदुद्दीन ओवैसी, वेम नरेंद्र रेड्डी, अनिल कुमार यादव और रघुवीर रेड्डी के अलावा विधायक, एमएलसी और निगम अध्यक्ष शामिल हुए।

सचिवालय जाते समय तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष समेत कई नेता गिरफ्तार

> फीस प्रतिपूर्ति बकाया को लेकर देने जा रहे थे सीएम को ज्ञापन

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को सचिवालय के पास तनाव का माहौल छा गया, जब तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष एन रामचंद्र राव और पार्टी के कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। ये लोग आठ लाख से अधिक छात्रों द्वारा हस्ताक्षरित ज्ञापन प्रस्तुत करने का प्रयास कर रहे थे, जिसमें राज्य के 15,000 करोड़ रुपये के लंबित शुल्क प्रतिपूर्ति बकाया के तत्काल भुगतान की मांग की गई थी।

राव ने तीन दिन पहले मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को पत्र लिखकर व्यक्तिगत रूप से अपनी बात रखने के लिए समय मांगा था और आरोप लगाया कि सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं मिला है। सरकार द्वारा छात्रों की चिंताओं का जवाब देने में विफल रहने पर, राव ने भाजपा कार्यकर्ताओं का नेतृत्व करते हुए सचिवालय की ओर मार्च किया और उन्हें अपनी ज्ञापन सौंपी। पुलिस ने सचिवालय के गेट के पास भाजपा नेताओं को रोक दिया, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। पुलिस ने राव को हिरासत में ले लिया और उन्हें चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन भेज दिया। गिरफ्तार किए गए लोगों में भाजपा के राज्य महासचिव गौतम राव, बीजेएलपी नेता अलेटी महेश्वर रेड्डी, सांसद डीके अरुणा, एमएलसी मलका कोमरैया और राज्य सचिव बंडारू विजयलक्ष्मी शामिल थे। गिरफ्तारियों की निंदा करते हुए राव ने कांग्रेस सरकार पर अहंकारी और विद्यार्थी-विरोधी रवैया अपनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उन्होंने भूख हड़ताल की, मुख्यमंत्री को पत्र लिखे और छात्रों से आठ लाख से अधिक ज्ञापन एकत्र किए, लेकिन सरकार कार्रवाई करने में विफल रही। राव ने जोर देकर कहा कि कांग्रेस सरकार लगभग 40 लाख छात्रों को चुप नहीं करा सकती और चेतावनी दी कि लंबित शुल्क वापसी का भुगतान होने तक भाजपा अपना आंदोलन जारी रखेगी।

पूर्व मंत्री तलसानी ने मुख्यमंत्री आवास के घेराबंदी की धमकी दी

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस के उप-सभापति तलसानी श्रीनिवास यादव ने गुरुवार को जीओ 97 को तत्काल वापस लेने की मांग की और चेतावनी दी कि यदि सरकार 7 सितंबर तक आदेश को रद्द करने में विफल रहती है तो पॉलिटेक्निक के छात्र मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी के आवास का घेराव करेंगे। तलसानी, जिन्होंने इंदिरा पार्क में विरोध प्रदर्शन कर रहे पॉलिटेक्निक छात्रों को समर्थन दिया, ने कहा कि सरकार ने जीओ 97 के खिलाफ उनके 20 दिनों से चल रहे आंदोलन को नजरअंदाज कर दिया है, जिससे उनके अनुसार एक लाख से अधिक छात्रों का भविष्य खतरे में है। उन्होंने सरकार पर पॉलिटेक्निक कॉलेजों की संपत्तियों पर नियंत्रण हासिल करने के गुप्त इरादे से सरकारी आदेश लाने का आरोप लगाया और संस्थानों को स्किल यूनिवर्सिटी को हस्तांतरित करने के प्रस्तावित कदम को उनके निजीकरण की दिशा में एक कदम बताया।

तलसानी ने आरोप लगाया कि पॉलिटेक्निक की संपत्तियों को निजी व्यक्तियों को सौंपने या गिरवी रखने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने सरकार के इस निर्णय के पीछे के तर्क पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि उसकी नीतियों ने छात्रों को सड़कों पर उतरने के लिए मजबूर कर दिया है। छात्रों से हौसला न हारने का आग्रह करते हुए तलसानी ने उनसे आंदोलन को और तेज करने और दृढ़ संकल्प के साथ लड़ने का आह्वान किया। उन्होंने याद दिलाया कि कैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनरेशन जेड के नेतृत्व वाले संघर्ष के आगे घुटने टेक दिए और एक केंद्रीय मंत्री को इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया।

एसीबी ने घी में मिलावट की जांच में टीटीडी अधिकारी को गिरफ्तार किया

तिरुपति, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने गुरुवार को तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) के डिप्टी एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (ईओ) मेंडु लोकनाथम को गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी टीटीडी को सप्लाई किए जाने वाले घी में कथित मिलावट की जांच के सिलसिले में उनसे जुड़ी जगहों पर तलाशी के बाद की गई। गुरुवार को उनके घर, ऑफिस और अन्य जगहों पर तलाशी पूरी होने के बाद एसीबी ने लोकनाथम को गिरफ्तार किया।

लोकनाथम अभी तिरुमाला मंदिर के डिप्टी ईओ के तौर पर काम कर रहे हैं। बताया जाता है कि उन्होंने पिछली सरकार में अहम पदों पर काम किया था। अधिकारियों ने बुधवार को तिरुपति जिले में लोकनाथम से जुड़ी चार जगहों पर एक साथ छापेमारी की। उन्होंने प्रॉपर्टी के कागजात, 12 लाख रुपये कैश, दो किलो सोना, 6.5 किलो चांदी और अन्य सामान समेत सबूत ज़ब्त किए।

तिरुपति के पेड्डाकापू लेआउट में लोकनाथम के घर, उनकी पत्नी के भाइयों - मुनिकृष्णा और रमेश - के घरों और येरपेडु मंडल में उनके छोटे भाई के घर पर तलाशी ली गई। भ्रष्टाचार-रोधी एजेंसी ने करीब 5 करोड़ रुपये की संपत्ति का पता लगाया। मौजूदा बाजार भाव के हिसाब से इसकी कीमत ज़्यादा हो सकती है।

एजेंसी के मुताबिक, पेड्डाकापू लेआउट में एक रिहायशी प्रॉपर्टी लोकनाथम की पत्नी मंजुला के नाम पर खरीदी गई थी। अधिकारियों ने गोललावनीगुंटा में दो हाउस प्लॉट, वडमालापेटा मंडल के पादिरेडु वन क्षेत्र में एक प्लॉट और तिरुपति शहर के श्रीनिवासनगर में उनके बेटे के नाम पर एक हाउस प्लॉट का भी पता लगाया। लोकानाथम और उनके बेटे के नाम पर चार फिक्स्ड डिपॉज़िट भी मिलीं।

एसीबी ने कहा कि उसने उन अधिकारियों की निगरानी के तहत ये तलाशी ली, जिन पर टीटीडी को सप्लाई किए गए घी में मिलावट की जांच से जुड़ी गड़बड़ियों में मदद करने का शक था। घी में मिलावट के कथित मामले की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम ने सिफारिश की थी कि अधिकारियों और गड़बड़ियों से जुड़े अन्य संदिग्धों की भूमिका का पता लगाया जाए।

इसके बाद, एसीबी विशाखापत्तनम ने के. चिन्ना अप्पन्ना के खिलाफ मामला दर्ज किया, जो उस समय टीटीडी चेयरमैन वाय यू. सुब्बा रेड्डी के पर्सनल असिस्टेंट थे; उन पर घी सप्लायर्स को प्रभावित करने में भूमिका निभाने का आरोप था। जांच आगे बढ़ने पर मामला डिप्टी ईओ लोकानाथम तक पहुंचा।

मेरा ध्यान कांग्रेस के सच्चे कार्यकर्ताओं पर : राजगोपाल रेड्डी

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोडे के विधायक कोमाटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि उनका प्राथमिक ध्यान यह सुनिश्चित करना है कि कठिन समय में पार्टी के साथ खड़े रहने वाले वास्तविक कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय न हो। यादद्री-भुवनगिरी जिले के नारायणपुर मंडल के सरवेल गांव में 76.20 करोड़ रुपये की सड़क विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मुनुगोडे निर्वाचन क्षेत्र में कई प्रमुख सड़क परियोजनाएं चल रही हैं। राजगोपाल रेड्डी ने कहा कि गांवों की सड़कें, जो पहले लगभग 3.75 मीटर तक सीमित थीं, बढ़ती यातायात की जरूरतों को पूरा करने और कनेक्टिविटी में सुधार करने के लिए 5.5 मीटर तक चौड़ी की जा रही हैं, क्योंकि अब कारें, दोपहिया वाहन और बसें दूरदराज के गांवों तक भी पहुंच रही हैं। उन्होंने कार्यों को शुरू करने में सहयोग देने के लिए मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क और उनके भाई तथा सड़क एवं भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी को धन्यवाद दिया। उन्होंने ग्रामीणों, अधिकारियों और मीडिया से कार्यों के सुचारू निष्पादन के लिए सहयोग देने की अपील की। प्रस्तावित मंत्रिमंडल विस्तार और मंत्री पदों के आवंटन पर राजगोपाल रेड्डी ने कहा कि यह निर्णय पूरी तरह से कांग्रेस हाई कमांड पर निर्भर करता है और पार्टी नेता राहुल गांधी द्वारा लिए गए किसी भी निर्णय का वह पालन करेंगे। उन्होंने कहा, जब भी मैं इन मुद्दों पर बोलता हूं, मेरी चिंता यही रहती है कि पिछले एक दशक में कांग्रेस के लिए कड़ी मेहनत करने वाले सच्चे पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ अन्याय न हो। मैं उन मेहनती कार्यकर्ताओं के लिए आवाज उठाता रहूंगा।

पॉलिटेक्निक छात्रों के मुद्दे विधानसभा में उठाए जाएंगे : केटीआर

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने विरोध प्रदर्शन कर रहे पॉलिटेक्निक छात्रों को आश्वासन दिया कि 7 सितंबर से शुरू होने वाले विधानसभा सत्र में उनकी चिंताओं को सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ उठाया जाएगा।

पॉलिटेक्निक के छात्रों के एक समूह ने महात्मा गाधी विश्वविद्यालय के पास केटीआर से मुलाकात की, जब वह मिरयालगुडा में एक बैठक में जा रहे थे, और पॉलिटेक्निक कॉलेज की जमीनों, संस्थानों के भविष्य और तकनीकी शिक्षा की स्थिति को लेकर अपनी शिकायतों को उजागर करते हुए एक ज्ञापन सौंपा। केटीआर ने छात्रों को आश्वासन दिया कि वह विधानसभा में इस मुद्दे को मजबूती से उठाएंगे और सरकार द्वारा उनकी मांगों पर स्पष्ट जवाब और स्पष्टता दिए जाने तक पीछे नहीं हटेंगे। पॉलीटेक्निक कॉलेजों द्वारा कब्जा की गई मूल्यवान जमीनों में सरकार की कथित रुचि पर चिंता व्यक्त करते हुए, केटीआर ने कहा कि छात्रों के भविष्य और तकनीकी शिक्षा को मजबूत करने को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि छात्रों को बेहतर तकनीकी कौशल और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए जर्मनी जैसे देशों में अपनाए जाने वाले तकनीकी शिक्षा मॉडल को अपनाया जाए, जिसमें दोहरी शिक्षा कार्यक्रम, शिक्षुता और अभ्यास-उन्मुख शिक्षा शामिल हैं। केटीआर ने छात्रों को आश्वासन दिया, छात्रों को चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं है। बीआरएस विधानसभा में आपके मुद्दों को मजबूती से उठाएगा।

साइबराबाद नगर निकाय ने 185 अवैध निर्माण गिराए

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद नगर निगम (सीएमसी) के प्रवर्तन विभाग ने अब तक अपने अधिकार क्षेत्र में बन रहे 185 अवैध निर्माणों को गिरा दिया है। सीएमसी ज़ोन में सेरिलिंगमपल्ली ज़ोन में सबसे ज़्यादा 81 निर्माण गिराए गए। सीएमसी कमिश्नर ने प्रवर्तन टीमों के साथ एक विशेष अभियान 24 अगस्त को शुरू किया था।

यह अभियान गच्चीबोवली के अंजैया नगर में बन रही सात मंज़िला अवैध इमारत के गिरने (22 अगस्त) के दो दिन बाद शुरू किया गया था, जिसमें दो मज़दूरों की मौके पर ही मौत हो गई थीं। 81 निर्माण गिराने के साथ सेरिलिंगमपल्ली सीएमसी ज़ोन में सबसे आगे रहा, इसके बाद कुथबुल्लापुर (64) और कुकटपल्ली (40) का स्थान रहा। एक प्रेस बयान में, सीएमसी अधिकारियों ने कहा कि टीमें सभी ज़ोन में ज़मीनी स्तर पर पहचान और प्रवर्तन का काम जारी रखे हुए हैं। पहचाने गए मामलों पर निर्धारित प्रक्रियाओं और लागू भवन नियमों के तहत कार्रवाई की जा रही थी।

निम्स के डॉक्टरों ने हाई-रिस्क हार्ट प्रोसीजर से मज़दूर की जान बचाई

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के एक 30 वर्षीय मज़दूर, जो दिल की कई बीमारियों - जैसे अनियमित धड़कन, दिल के पंपिंग चैंबर का बढ़ना और दिल की मांसपेशियों का कमज़ोर होना - से जूझ रहे थे, का निज़ाम इंस्टीट्यट ऑफ़ मेडिकल साइंसेज (निम्स) में 'मिनिमली इनवेसिव' इलाज किया गया।

कार्डियोलॉजी टीम, जिसके प्रमुख और प्रोफेसर ओ. साई सतीश थे, ने एडवांस्ड 3डी मैपिंग का इस्तेमाल करके ईपीएस (इलेक्ट्रोफिजियोलॉजिकल स्टडी) और आरएफए (रेडियोफ्रीक्वेंसी एब्लेशन) जैसे प्रोसीजर किए। 3डी मैपिंग का इस्तेमाल करके, डॉक्टरों ने दिल के मुख्य वॉल्व और एक बड़ी कोरोनरी आर्टरी (धमनी) के ठीक बगल में अनियमित धड़कन के स्रोत का पता लगाया। दिल में कमज़ोर जगहों का इलाज करना जोखिम भरा था क्योंकि एक गलती से ज़रूरी रक्त वाहिकाओं या दिल के वॉल्व को नुकसान पहुँच सकता था। इसे सुरक्षित रूप से करने के लिए, डॉक्टरों ने एंजियोग्राम का इस्तेमाल करके रक्त वाहिकाओं की सावधानीपूर्वक मैपिंग की और अनियमित लय का कारण बनने वाले दिल के टिश्यू के छोटे से हिस्से को बेअसर करने के लिए रेडियोफ्रीक्वेंसी एनर्जी पहुँचाई। डॉ. सतीश ने कहा मरीज़ ने प्रोसीजर को अच्छी तरह से सहन किया और बिना किसी परेशानी के ठीक हो गए। प्रोसीजर के बाद की निगरानी में अनियमित धड़कन पूरी तरह से ठीक हो गई। यह प्रोसीजर आरोग्यश्री योजना के तहत मुफ़्त में किया गया।

रिश्वतखोरी के आरोप में फॉरेस्ट बीट ऑफिसर और उसका बिचौलिया गिरफ्तार

कोत्तागुडेम, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के अधिकारियों ने गुरुवार को जिले के अलापल्ली मंडल में एक फॉरेस्ट बीट ऑफिसर को रिश्वत के मामले में पकड़ा। अधिकारियों के अनुसार, आरोपी फॉरेस्ट बीट ऑफिसर बनोथ रवि कुमार ने कचनपल्ली फॉरेस्ट रेंज में शिकायतकर्ता द्वारा खेती की जा रही 'पोडु' ज़मीन पर खाई न खोदने के बदले 30,000 रुपये की रिश्वत मांगी थी। रवि कुमार को मंडल के रामानुजागुडेम गांव में एक बिचौलिए के ज़रिए रिश्वत की रकम लेते हुए पकड़ा गया। बिचौलिए सादिक और फॉरेस्ट बीट ऑफिसर को हिरासत में ले लिया गया और रिश्वत के पैसे ज़ब्त कर लिए गए। अधिकारियों ने बताया कि दोनों को वारंगल में एसीबी कोर्ट में पेश किया जाएगा। यह ज़िले में वन विभाग के कर्मचारियों से जुड़ा भ्रष्टाचार का चौथा मामला है, जिससे विभाग में बढ़ते भ्रष्टाचार को लेकर चिंता बढ़ गई है। अधिकारियों ने इससे पहले रिश्वत के मामलों में 3 जनवरी को तेलंगाना राज्य वन विकास निगम कोत्तागुडेम के डिविज़नल मैनेजर, 30 अप्रैल को गुंडाला के फॉरेस्ट बीट ऑफिसर और 7 मई को भद्राचलम के फॉरेस्ट डिविज़नल ऑफिसर और तेगाडा के डिप्टी रेंज ऑफिसर को पकड़ा था।

अपर कलेक्टर ने सरूरनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का किया औचक निरीक्षण

रंगारेड्डी , 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला अपर कलेक्टर डॉ. किरणमयी और जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. स्वर्णा कुमारी ने गुरुवार को सरूरनगर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अधिकारियों ने स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही चिकित्सा सेवाओं, मरीजों की उपस्थिति, बाह्य रोगी विभाग के पंजीकरण, कर्मचारियों की उपस्थिति, दवाओं की उपलब्धता, प्रयोगशाला सेवाओं तथा प्रसूति एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया।

उन्होंने कर्मचारियों से मरीजों को दी जा रही चिकित्सा सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की और विभिन्न सेवाओं की स्थिति की समीक्षा की। अपर कलेक्टर डॉ. किरणमयी ने कर्मचारियों को समय का पालन करते हुए कर्तव्य निभाने और स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध सभी चिकित्सा सेवाओं की जानकारी आम जनता तक पहुंचाने का निर्देश दिया, ताकि सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लोगों को अधिक प्रभावी ढंग से मिल सके। उन्होंने स्वास्थ्य केंद्र में निरंतर स्वच्छता बनाए रखने तथा आवश्यक दवाओं की कमी नहीं होने देने के लिए उचित कदम उठाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। अपर कलेक्टर ने कहा कि सरकार का प्रमुख उद्देश्य लोगों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना है और चिकित्सा कर्मचारियों को इसी उद्देश्य के अनुरूप पूरी जिम्मेदारी एवं समर्पण के साथ कार्य करना चाहिए।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं.: eT-South-RGDA-02-2026, दिनांक: 20.08.2026

कार्य का नाम: रायगडा मंडल की KK-I लाइन पर सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/अरकु (ARK) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/P-WAY/श्रृंगवरपुकोटा (SUP) के अधीन वर्ष 2026-27 के लिए KM. 03/0 से 60/14 के बीच अनुभाग में दिनांक 30.09.2027 तक की अवधि के लिए P.WAY कार्यों के निष्पादन हेतु जोनल संविदा।

कार्य की अनुमानित लागत: रु. 1,57,80,105.00, EMD: रु. 3,15,600.00.

(2) सूचना सं.: eT-South-RGDA-03-2026, दिनांक: 20.08.2026

कार्य का नाम: रायगडा मंडल की KK-I लाइन पर सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/अरकु (ARK) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/P-WAY/अरकु (ARK) के अधीन वर्ष 2026-27 के लिए KM. 60/14 से 107/00 के बीच अनुभाग में दिनांक 30.09.2027 तक की अवधि के लिए P.WAY कार्यों के निष्पादन हेतु जोनल संविदा।

कार्य की अनुमानित लागत: रु. 1,58,78,152.90, EMD: रु. 3,17,600.00.

(3) सूचना सं.: eT-South-RGDA-04-2026, दिनांक: 20.08.2026

कार्य का नाम: रायगडा मंडल की KK-I लाइन पर सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/कोरापुट (KRPU) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/P-WAY/पाढूआ (PFU) के अधीन वर्ष 2026-27 के लिए KM. 107/00 से 165/00 के बीच अनुभाग में दिनांक 30.09.2027 तक की अवधि के लिए P.WAY कार्यों के निष्पादन हेतु जोनल संविदा।

कार्य की अनुमानित लागत: रु. 1,45,77,705.90, EMD: रु. 2,91,600.00.

(4) सूचना सं.: eT-South-RGDA-05-2026, दिनांक: 20.08.2026

कार्य का नाम: रायगडा मंडल की KK-I लाइन पर सहायक मंडल अभियंता (ADEN)/कोरापुट (KRPU) के अधिकार क्षेत्र के अधीन वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (SSE)/P-WAY/कोरापुट (KRPU) के अधीन वर्ष 2026-27 के लिए KM. 165/0 से 218/04 के बीच अनुभाग में दिनांक 30.09.2027 तक की अवधि के लिए P.WAY कार्यों के निष्पादन हेतु जोनल संविदा।

कार्य की अनुमानित लागत: रु. 1,61,73,879.32, EMD: रु. 3,23,500.00.

कार्य समापन अवधि: 12 (बारह) महीने (सभी क्रम सं. के लिए)।

निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 11.09.2026 को 1500 बजे (सभी क्रम सं. के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्तावों को किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

ऊपर उल्लेखित ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।

द्रष्टव्य: प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के 10 (दस) दिन पहले वेबसाइट का पुनः अवलोकन करें।

मंडल रेल प्रबंधक (Engg.)/ रायगडा

PR-396/R/26-27

स्कूल बस ने कुचला तीन साल का मासूम, मौके पर मौत

मेरठ, 3 सितंबर (एजेंसियां)। परीक्षितगढ़ क्षेत्र में भावना इंटरनेशनल स्कूल की बस की चपेट में आने से तीन वर्षीय मासूम की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया। कार्रवाई की मांग को लेकर परिजन बच्चे का शव लेकर थाने पहुंच गए। करीब दो घंटे तक पुलिस कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए गुस्साए परिजनों ने थाने के सामने शव रखकर जाम लगा दिया। गांव आलमगीरपुर बढ़ला निवासी पिंस का तीन वर्षीय पुत्र नवनीत अपनी दादी उर्मिला के पीछे आया था।

इसी दौरान वह स्कूल बस की चपेट में आ गया। हादसा इतना गंभीर था कि नवनीत की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही परिवार में चीख-पुकार मच गई। मृतक की पांच वर्षीय बहन जसमीत कौर भावना इंटरनेशनल स्कूल में पढ़ती है। हादसे के बाद परिजन नवनीत का शव लेकर परीक्षितगढ़ थाने पहुंच गए। उन्होंने बस चालक और स्कूल प्रबंधन के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

पीएम मोदी ने वाराणसी के डीएम से की बात

बाढ़ से जुड़े हालात का लिया जायजा

वाराणसी, 3 सितंबर (एजेंसियां)। गंगा में बढ़ते जलस्तर और वाराणसी के कुछ हिस्सों में बने बाढ़ के हालात के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को मेयर और कलेक्टर से फोन पर बात कर स्थिति का जायजा लिया। प्रधानमंत्री ने अधिकारियों से बाढ़ से प्रभावित इलाकों और राहत-बचाव के लिए किए जा रहे इंतजामों की जानकारी ली। उन्हें राहत कार्यों के बारे में विस्तार से बताया गया। पीएम मोदी ने अधिकारियों से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि बाढ़ के कारण आम लोगों को कम से कम परेशानी का सामना करना पड़े। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के अनुसार, गुरुवार सुबह वाराणसी में गंगा का जलस्तर 70.54 मीटर पहुंच गया। यह चेतावनी स्तर 70.262 मीटर से ऊपर है। सुबह 6 बजे राजघाट गेज स्थल पर दर्ज किए गए जलस्तर में करीब 2 सेंटीमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ोतरी हो रही थी।

राजघाट गेज स्थल पर गंगा का खतरे का निशान 71.262 मीटर है, जबकि यहां अब

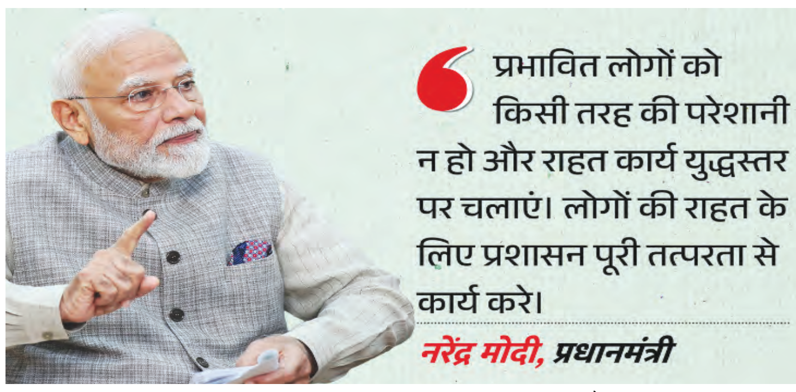

तक का उच्चतम बाढ़ स्तर यानी एचएफएल 73.901 मीटर है। गंगा के बढ़ते जलस्तर के बीच वाराणसी के कई हिस्सों में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। जिला प्रशासन गंगा और वरुणा नदी के किनारे प्रभावित इलाकों पर लगातार नजर रख रहा है। इससे पहले मंगलवार को वाराणसी के पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल और जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण किया था। दोनों अधिकारियों ने बढ़ते पानी के कारण प्रभावित और विस्थापित लोगों के लिए किए गए इंतजामों की भी समीक्षा की। अधिकारी नमो घाट से एनडीआरएफ की नाव के जरिए प्रभावित इलाकों में पहुंचे। उन्होंने सालारपुर, सरैया, कोनिया, पुल कोहना, ढेलवरिया और सराय मोहाना का दौरा कर जलभराव और वहां रहने वाले लोगों की स्थिति का जायजा लिया।

लोगों से बातचीत कर हरसंभव मदद का भरोसा

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उन्हें प्रशासन की ओर से हरसंभव मदद का भरोसा दिया। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने और प्रभावित क्षेत्रों की लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जरूरत पड़ने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने की व्यवस्था पहले से तैयार रखी जाए। इसके साथ ही राहत और बचाव कार्यों के लिए नावों और अन्य जरूरी संसाधनों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया।

पुलिस और एनडीआरएफ को लगातार निगरानी के निर्देश

पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने पुलिस और एनडीआरएफ के जवानों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखने और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने नदी किनारे रहने वाले लोगों से भी सतर्क रहने और प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों का पालन करने की अपील की।

राहत शिविरों का भी लिया जायजा

अधिकारियों ने सालारपुर के प्राथमिक विद्यालय और विद्या विहार इंटर कॉलेज में बनाए गए बाढ़ राहत शिविरों का भी निरीक्षण किया। यहां उन्होंने प्रभावित परिवारों से बातचीत की और उनकी जरूरतों के बारे में जानकारी ली। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को राहत शिविरों में पर्याप्त भोजन, पीने का पानी, बिजली, रोशनी, साफ-सफाई, स्वास्थ्य सुविधाएं और सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने खास तौर पर बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की जरूरतों पर ध्यान देने को कहा।

आसमान में एयर इंडिया की फ्लाइट के कॉकपिट से उठा धुआं

155 यात्रियों की सांसें अटकी! लखनऊ एयरपोर्ट पर कराई गई इमरजेंसी लैंडिंग

लखनऊ, 3 सितंबर (एजेंसियां)। लखनऊ में एयर इंडिया एक्सप्रेस की एक फ्लाइट में धुएं का संकेत मिलने के बाद एहतियातन लैंडिंग कराई गई। एयर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट आईएक्स 1253 वाराणसी से दिल्ली जा रही थी। इसी दौरान विमान के पिछले कार्गो कंपार्टमेंट में धुएं का संकेत मिला, जिसके बाद विमान को लखनऊ एयरपोर्ट की ओर मोड़ दिया गया। धुएं का संकेत मिलने के बाद फ्लाइट आईएक्स 1253 ने सुबह 8 बजकर 52 मिनट पर लखनऊ एयरपोर्ट पर एहतियाती लैंडिंग की।

विमान को सुरक्षित तरीके से एयरपोर्ट पर उतारा गया। विमान की लैंडिंग के बाद

लखनऊ एयरपोर्ट की इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम ने उसका विजुअल इंस्पेक्शन किया। जांच के दौरान विमान में किसी तरह का धुआं दिखाई नहीं दिया।

इसके बाद विमान को लखनऊ एयरपोर्ट के स्टैंड पर पार्क कर दिया गया। विमान के स्टैंड पर पार्क होने के बाद यात्रियों को उतारने की प्रक्रिया सुबह 9 बजकर 2 मिनट पर शुरू की गई। विमान में सवार सभी यात्रियों और क्रू को सुरक्षित उतारा गया। एयर इंडिया एक्सप्रेस की इस फ्लाइट में कुल 155 यात्री और क्रू सदस्य सवार थे।

सभी लोग सुरक्षित हैं। धुएं के संकेत के बाद सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विमान की लखनऊ में एहतियाती लैंडिंग कराई गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, विमान के पिछले कार्गो कंपार्टमेंट में धुएं का संकेत मिलने के बाद सुरक्षा के लिहाज से लैंडिंग कराने का फैसला लिया गया। हालांकि, लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरने के बाद किए गए विजुअल इंस्पेक्शन के दौरान किसी तरह का धुआं दिखाई नहीं दिया।

महिला का निर्वस्त्र शव बरामद पास में चप्पल-मोबाइल मिला रेप के बाद हत्या की आशंका

गोरखपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। झंगहा थाना क्षेत्र स्थित गहिरा गांव में गुरुवार की सुबह एक महिला का निर्वस्त्र शव मिलने से सनसनी फैल गई है। आशंका जताई जा रही है कि महिला के साथ रेप के बाद उसकी हत्या कर शव फेंका गया है। शव से थोड़ी दूर पर ही चप्पल और मोबाइल फोन मिला है जिसे पुलिस ने कब्जे में ले लिया है। महिला के शव की पहचान नहीं हो सकी है। महिला के गले पर चोट के निशान है। मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने पुलिस को जानकारी दी। सूचना मिलते ही हड़कंप मच गया है। मौके पर एसपी नॉर्थ ज्ञानेंद्र कुमार फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल किया।

स्वाइन फ्लू से एक ही परिवार की 3 महिलाओं की मौत

बलिया, 3 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी में स्वाइन फ्लू पैर पसारता जा रहा है। ज्यादातर जिलों से इस बुखार के पीड़ितों की बढ़ती संख्या दिन पर दिन सामने आ रही है। लेकिन बलिया से सामने आई ये खबर ना केवल दुखदाई बल्कि चौंकाने वाली भी है। यहां एक ही परिवार की तीन महिलाओं की मौत स्वाइन फ्लू से हो गई। इस घटना से आसपास के लोगों में दशहत भी फैली हुई है। गौर करने वाली बात ये है कि इस घर की बेटी प्रीति जिसकी शादी की तैयारियां चल रही थीं, उसकी भी मौत इस बुखार की वजह से हो गई है। इसकी जानकारी मिलते ही डीएम ने स्वास्थ्य टीम को मौके पर भेजा है। दरअसल, बलिया जिले के बेल्थरारोड क्षेत्र में एक ही परिवार की 3 महिलाओं की 4 दिनों के भीतर मौत से हड़कंप मच गया है। चौकिया मोड़ पर रहने वाले शिवचंद का परिवार करीब एक महीने पहले कर्नाटक से अपने घर लौटा था। इसके बाद परिवार में स्वास्थ्य संबंधी परेशानी सामने आई।

चार दिनों के भीतर परिवार की तीन महिलाओं की मौत हो गई। मृतकों में मां जोन्हिया, बेटी प्रीति और पत्नी आशा शामिल हैं। बताया जा रहा है कि तीनों को सांस लेने में परेशानी, शरीर में दर्द और कमजोरी की समस्या थी। परिवार में बेटी प्रीति की शादी की तैयारी भी चल रही थी। शादी से पहले परिवार में हुई लगातार तीन मौतों से परिजन सदमे में हैं।

सीएम योगी के एआई वीडियो पर भड़की बीजेपी, कहा- माफी मांगें अखिलेश यादव

लखनऊ, 3 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के मीडिया सेल द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के एआई जनरेटड वीडियो को लेकर सियासत तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी ने इस वीडियो पर लेकर कड़ी नाराजगी जताते हुए इसे सनातन धर्म का अपमान बताया है। ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। भाजपा नेता विनीत शारदा ने कहा कि सीएम योगी का ऐसा वीडियो बनाने बेहद आपत्तिजनक है। बीजेपी व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष विनीत शारदा ने सीएम योगी एआई वीडियो पर नाराजगी जताते हुए समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला किया है।

उन्होंने इसे सपा की 'नीच हरकत' बताया और कहा कि इस तरह की राजनीति से साफ जाहिर होता है कि सपा किस स्तर तक गिर चुकी है। विनीत शारदा ने कहा कि सीएम योगी आदित्यनाथ किसी एक पार्टी के नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री को सनातन धर्म का प्रतीक बताते हुए कहा कि इस तरह का वीडियो बनाना बेहद आपत्तिजनक है। बीजेपी ने मांग की कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से इसके लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए और वीडियो को अपने सोशल मीडिया हैंडल से तत्काल हटाया जाना चाहिए। दरअसल यूपी चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच सोशल मीडिया पर घमासान छिड़ गया हैं।

बीजेपी ने पहले सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का एआई वीडियो बनाते हुए सपा सरकार के कार्यकाल लेकर निशाना साधा। जिसके जवाब में समाजवादी पार्टी की ओर से भी एक एआई वीडियो रिलीज़ किया गया है। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने इस वीडियो को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भी दिखाया। सपा के इस वीडियो में सीएम योगी भगवा वस्त्रों में हैं और चिलम पीते दिख रहे हैं। इसके साथ सपा ने राम मंदिर चंदा चोरी, स्कूल बंद किए जाने और बेरोजगारी व महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल उठाते हुए वीडियो बनाया है। जिसे बीजेपी की ओर से सनातन का अपमान बताया जा रहा है।

'केवल अखबार की खबर ठोस सबूत नहीं'

पटना हाई कोर्ट का बड़ा फैसला; पूर्व प्राचार्य के खिलाफ विभागीय कार्रवाई रद्द

पटना, 3 सितंबर (एजेंसियां)। केवल अखबार में प्रकाशित खबर को आधार बनाकर किसी सरकारी कर्मचारी को दोषी ठहराना और दंडित करना कानूनन टिकाऊ नहीं है। पटना हाईकोर्ट ने श्रम संसाधन विभाग की ओर से सरकारी आईटीआई महकार, गया के तत्कालीन प्राचार्य-सह-केंद्र अधीक्षक पंकज कुमार के खिलाफ की गई विभागीय कार्रवाई को रद कर दिया है। न्यायाधीश कुमार मनीष की एकलपीठ ने याचिका स्वीकार करते हुए विभागीय चार्ज मेमो, सजा आदेश और पुनर्विचार याचिका खारिज करने के आदेश को निरस्त कर दिया। मामला जुलाई 2018 में आयोजित आल इंडिया ट्रेड टेस्ट से जुड़ा है। पंकज कुमार ने परीक्षा से पहले केंद्र में आधारभूत सुविधाओं की कमी की जानकारी विभाग को दी थी।

24 जुलाई 2018 को परीक्षा हुई, जिसे केंद्र पर तैनात मजिस्ट्रेट और आब्जर्वर ने अपनी रिपोर्ट में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष बताया था। अगले दिन परीक्षा में देरी और कुप्रबंधन से संबंधित समाचार प्रकाशित हुआ। इसके आधार पर 26 जुलाई को उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया और बाद में 8 मार्च 2019 को विभागीय आरोप पत्र जारी किया गया। हाईकोर्ट ने पाया कि आरोप पत्र में गवाहों की संख्या "निल" थी। खबर के समर्थन में पत्रकार, फोटोग्राफर या किसी परीक्षार्थी को गवाह नहीं बनाया गया।

कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि स्वतंत्र साक्ष्य से प्रमाणित किए बिना अखबार की खबर आरोपों का ठोस प्रमाण नहीं हो सकती। मामले में पंकज कुमार ने आरोपों के बचाव के लिए तकनीकी मानक, निरीक्षण संबंधी दस्तावेज और वीडियो रिकॉर्डिंग मांगी थी, लेकिन विभाग ने इसे उचित नहीं मानते हुए उपलब्ध नहीं कराया। कोर्ट ने इसे प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन माना। कोर्ट ने यह भी कहा कि आरोप तथ्यात्मक हों और कर्मचारी उनका खंडन करे तो उचित जांच आवश्यक है।

प्रशांत किशोर को बिहार विधानसभा में मिली जरूरी जिम्मेदारी, 10 सदस्यों वाली कमेटी में हुए शामिल

बांकीपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। जन सुराज पार्टी के सूत्रधार और बांकीपुर से विधायक प्रशांत किशोर को बिहार विधानसभा की पर्यटन उद्योग संबंधी समिति का सदस्य बनाया गया है। विधानसभा सचिवालय ने इसे लेकर अधिसूचना जारी कर दी है। प्रशांत किशोर को चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 की शेष अवधि के लिए समिति में शामिल किया गया है। इस वित्तीय वर्ष में अब करीब सात महीने की अवधि बची है। उनके शामिल होने के बाद समिति में सदस्यों की संख्या बढ़कर 10 हो गई है। पर्यटन उद्योग संबंधी समिति की अध्यक्षता जदयू विधायक मनोरंजन सिंह उर्फ धूमल सिंह कर रहे हैं। प्रशांत किशोर अब समिति में उनके साथ पर्यटन क्षेत्र से जुड़े मामलों की समीक्षा करेंगे। विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी अधिसूचना के बाद समिति में प्रशांत किशोर की नई जिम्मेदारी तय हो गई है।

बिहार विधानसभा की पर्यटन उद्योग संबंधी समिति का काम राज्य के पर्यटन क्षेत्र से जुड़े मामलों की समीक्षा करना है। समिति पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए चल रही योजनाओं और

कामकाज पर भी नजर रखती है। इसके अलावा पर्यटन से जुड़े उद्योगों और संबंधित विभागों के कामकाज की समीक्षा भी समिति करती है। समिति सिर्फ सरकारी कामकाज की समीक्षा तक सीमित नहीं रहती। पर्यटन क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए सकारात्मक सुझाव भी दिए जाते हैं। समिति जरूरत के अनुसार अपनी रिपोर्ट तैयार करती है। इसके बाद यह प्रतिवेदन विधानसभा में पेश किया जाता है।

प्रशांत किशोर के समिति में शामिल होने से अब पर्यटन क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर उनकी भूमिका भी अहम होगी। बिहार में पर्यटन की संभावनाओं को देखते हुए समिति के सामने राज्य के पर्यटन स्थलों, पर्यटन उद्योग और उससे जुड़े विकास कार्यों को लेकर कई महत्वपूर्ण विषय रहेंगे।

डीएम मेधा रूपम की सैलरी से कटेगा 5 लाख का मुआवजा

डीयू छात्रा आकृति चौधरी पर गलत एनएसए लगाना पड़ा भारी

नोएडा, 3 सितंबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नोएडा-ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में श्रमिक आंदोलन से जुड़े मामले में दिल्ली विश्वविद्यालय की छात्रा और सामाजिक कार्यकर्ता आकृति चौधरी को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने एनएसए (राष्ट्रीय सुरक्षा कानून) के तहत उनकी निरुद्धि को अवैध करार देते हुए आदेश रद्द कर दिया है। कोर्ट ने निर्देश दिया है कि अगर वह किसी अन्य मामले में वांछित नहीं हैं तो उन्हें रिहा किया जाए। हाईकोर्ट ने आकृति चौधरी को पांच लाख रुपये का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया है।

यह राशि गौतमबुद्ध नगर की जिलाधिकारी मेधा रूपम के वेतन से अदा करने को कहा गया है। यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति अचल सचदेव की खंडपीठ ने आकृति चौधरी की ओर से दाखिल बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर दिया। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने केंद्र और राज्य सरकार से आकृति चौधरी को रासुका के तहत निरुद्ध किए जाने के आधार के साथ पुलिस की कार्रवाई के समर्थन में उपलब्ध साक्ष्य और दस्तावेज पेश करने को कहा था।

कोर्ट ने उपलब्ध सामग्री का परीक्षण करने के बाद पाया कि आकृति चौधरी को रासुका के तहत निरुद्ध करने की कार्रवाई को उचित ठहराने के लिए पर्याप्त आधार और सामग्री (सबूत) प्रस्तुत नहीं की जा सकी। इसके बाद न्यायालय ने आकृति चौधरी के खिलाफ जारी निरुद्धि आदेश को रद्द कर दिया। इससे पहले हाईकोर्ट ने सरकार से यह भी पूछा था कि एफआईआर दर्ज करने से पहले आकृति चौधरी को शांति भंग की आशंका के संबंध में कोई नोटिस दिया गया था या नहीं।

कोर्ट ने कथित तौर पर मजदूरों को भड़काने वाले वीडियो और वॉट्सऐप चैट से जुड़ी सामग्री भी मांगी थी। पुलिस की ओर से आरोप लगाया गया था कि 13 अप्रैल को वेतन वृद्धि की मांग को लेकर चल रहे श्रमिक आंदोलन के दौरान आकृति चौधरी ने मजदूरों को भड़काने का प्रयास किया था। पुलिस के मुताबिक, इसके बाद हिंसा और आगजनी हुई तथा सार्वजनिक व्यवस्था प्रभावित हुई। हालांकि, हाईकोर्ट में इन आरोपों के समर्थन में पर्याप्त साक्ष्य पेश नहीं किए जा सके।

वैशाली में थानाध्यक्ष समेत तीन पुलिस अधिकारी निलंबित

वैशाली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। पुलिस अधीक्षक शुभांक मिश्रा ने हरलोचनपुर थानाध्यक्ष समेत तीन पुलिस पदाधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई हरलोचनपुर थाना कांड संख्या 23/26 के अनुसंधान में सामने आई गंभीर खामियों के बाद की गई है।

मामले की जांच महुआ अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने की थी। जांच के दौरान अनुसंधानकर्ताओं की ओर से केस डायरी लिखने और मामले की विवेचना में कई गंभीर प्रक्रियात्मक त्रुटियां सामने आईं।

निलंबन के बाद तीनों अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से पुलिस केंद्र, हाजीपुर लाइन हाजिर संबद्ध किया गया है।

वहीं, थाने की प्रशासनिक व्यवस्था सुचारू रखने के लिए एसआई सुबोध कुमार को हरलोचनपुर थाने का नया थानाध्यक्ष बनाया गया है।

नाबालिग से गैंगरेप, अपहरण कर कार में ले गए थे आरोपी, 2 गिरफ्तार

औरंगाबाद, 3 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में औरंगाबाद के कुटुंबा थाना क्षेत्र के एक 15 साल की नाबालिग बच्ची के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। बच्ची का पहले अपहरण किया गया और फिर इस घटना को अंजाम दिया गया। पीड़िता 7वीं कक्षा की छात्रा है। पुलिस ने इस मामले में तुरंत एक्शन लेते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक की तलाश जारी है। पीड़िता को इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल में एडमिट कराया गया है। पीड़िता बच्ची 4 भाई-बहनों में सबसे बड़ी है। उसके पिता मजदूरी करते हैं। घटना के दिन पिता मजदूरी के लिए गए हुए थे। पीड़िता की मां छोटे भाई को लेकर अस्पताल गई थी। इस कारण पीड़िता को अकेले ही कुटुंबा अस्पताल जाना पड़ रहा था। वह पिछले 2-3 दिन से बुखार से पीड़ित थी। पीड़िता के अनुसार वह घर से पैदल कुटुंबा अस्पताल के लिए निकली थी। गांव से करीब एक किलोमीटर दूर पहुंचते ही पीछे से एक कार आई। कार में तीन लड़के सवार थे। आरोपियों ने कार रोककर पूछा कि कहां जा रही हो। पीड़िता ने बताया कि उसकी तबीयत ठीक नहीं है और वह इलाज के लिए कुटुंबा अस्पताल जा रही है। आरोप है कि इसी दौरान आरोपियों ने उसे जबरन कार में बैठा लिया और उसका मुंह बंद कर दिया ताकि वह शोर न मचा सके। उसका मोबाइल फोन भी छीन लिया गया। पुलिस को जब पीड़िता ने पूरी कहानी और घटनास्थल बताया, तब पता चला कि आरोपी उसे करीब 35 किलोमीटर दूर ले गए थे। पुलिस के अनुसार आरोपी अंबा बाजार से एनएच 139 होते हुए शंकरपुर आरओबी के पास धावा गांव जाने वाले रास्ते तक गए, जहां वारदात को अंजाम दिया गया।

लखीमपुर खीरी में बाढ़ से घिरे कई गांव सड़कों पर पानी, फसलें डूबी, स्कूल बंद

लखीमपुर खीरी, 3 सितंबर (एजेंसियां)। बनबसा बैराज से मंगलवार को 1.91 लाख क्यूसेक पानी छोड़े जाने के बाद लखीमपुर खीरी जिले में शारदा नदी बुधवार शाम खतरे के निशान से 32 सेंटीमीटर ऊपर बहने लगी। जलस्तर बढ़ने से पलिया, भीरा और विजुआ क्षेत्र के कई गांवों में पानी घुस गया। उधर, तिकुनिया क्षेत्र में मोहाना और धौरहरा में घाघरा नदी की कटान तेज हो गई है। निघासन क्षेत्र जसनगर में मोहाना नदी के आए पानी से घिरे कई घरों को खाली कराकर ग्रामीणों को प्रशासन सुरक्षित स्थानों पर भेज रहा है।

वहीं अत्यधिक वर्षा, जलभराव एवं अतिवृष्टि की आशंका को देखते हुए बीएसए प्रवीण तिवारी ने जिले में कक्षा एक से आठ तक के विद्यालयों में तीन सितंबर को अवकाश घोषित कर दिया है। पलिया तहसील की ग्राम पंचायत शाहपुर के मजरा ढकिया, कुंवरपुर, नरायनपुरवा, बझेड़ा समेत कई गांवों में पानी घुस गया।

बाढ़ के बीच दिक्कतों से जूझते हुए नरायनपुरवा गांव का परिवार नाव पर खाना बनाते दिखा। कुंवरपुर खुर्द के 30 से 40 घरों में पानी भर गया। कई परिवार छतों पर रहने के लिए मजबूर हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि हर साल शारदा के उफान पर गांव में पानी भरता है, लेकिन स्थायी समाधान नहीं किया जाता। ग्रामीणों ने बताया कि लेखपाल और कानूनगो मौके पर पहुंचे, लेकिन समस्याएं सुने बिना लौट गए। राहत सामग्री और खाने-पीने की व्यवस्था भी नहीं की गई।

जलभराव के कारण लोग दूषित पानी पीने के लिए मजबूर हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम भी गांव नहीं पहुंची है।

जम्मू कश्मीर में तैनात बेगूसराय के बीएसएफ जवान मनीष सिंह की मौत

बेगूसराय, 3 सितंबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में तैनात बेगूसराय के रतनपुर निवासी बीएसएफ जवान मनीष कुमार सिंह की इलाज के दौरान मौत हो गई। ड्यूटी के दौरान करीब चार दिन पहले अचानक उनकी तबीयत बिगड़ी थी। हालत गंभीर होने पर उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया था। इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली। जवान की मौत की खबर मिलते ही परिवार और पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। बेगूसराय के रतनपुर निवासी बीएसएफ जवान मनीष कुमार सिंह जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में तैनात थे। करीब चार दिन पहले ड्यूटी के दौरान अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई।

इसके बाद उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल में चिकित्सकों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा था। हालत में सुधार नहीं होने पर करीब दो दिन पहले उनकी स्थिति अत्यधिक गंभीर हो गई। इसके

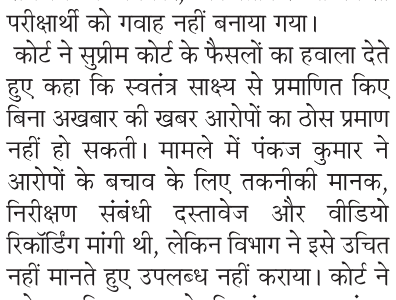

बाद डॉक्टरों ने उन्हें वेंटिलेटर पर रखा था। परिजनों और साथी जवानों को उम्मीद थी कि मनीष कुमार सिंह इलाज के बाद स्वस्थ होकर वापस लौटेंगे। हालांकि इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मौत की खबर मिलते ही रतनपुर स्थित उनके घर में कोहराम मच गया। परिजनों के मुताबिक बीएसएफ में नौकरी लगने के बाद मनीष कुमार सिंह ने अपने कार्यकाल का बड़ा हिस्सा सीमावर्ती क्षेत्रों में ड्यूटी करते हुए बिताया। देश की सुरक्षा से जुड़े कई बड़े सैन्य अभियानों में भी उनके शामिल रहने की बात कही जा रही है। हाल में हुए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई कार्रवाई में भी मनीष कुमार सिंह की महत्वपूर्ण भूमिका बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार उन्होंने देश की सेवा के दौरान कई मुश्किल परिस्थितियों का सामना किया था। परिजनों ने बताया कि मनीष के शरीर पर गोली लगने के कई निशान भी थे। परिवार के अनुसार वह देश की रक्षा करते हुए लगातार जोखिम भरे क्षेत्रों में ड्यूटी करते रहे। रतनपुर के लोगों के बीच मनीष कुमार सिंह की पहचान एक खुशमिजाज और मिलनसार युवक के रूप में थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक छुट्टी में घर आने पर वह लोगों से बेहद आत्मीयता से मिलते थे।

मनीष के अचानक निधन की खबर से उनके परिचित और शुभचिंतक स्तब्ध हैं। जैसे-जैसे उनके निधन की जानकारी इलाके में फैली, बड़ी संख्या में लोग उनके घर पहुंचने लगे। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

'बच्चों को मत मारो', सुनते ही बौखलाए दबंग, सड़क पर महिला को चप्पलों और लात-घूंसों से पीटा

मुरादाबाद, 3 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद जनपद अंतर्गत पाकबड़ा थाना क्षेत्र से दबंगई और बर्बरता का एक रोंगटे खड़े कर देने वाला मामला सामने आया है। बच्चों के विवाद में केवल बीच-बचाव करने पहुंची एक महिला पर पड़ोस के ही दबंगों ने जानलेवा हमला कर दिया। आरोपियों ने महिला को चप्पलों, लात और घूंसों से बेरहमी से पीटा, जिससे उसका सिर फट गया। इस पूरी हैवानियत का 4 मिनट का एक सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसने इलाके में हड़कंप मचा दिया है। घटना पाकबड़ा कस्बे की बंगाली वाली गली की है। पीड़िता पूजा (पत्नी धर्मवीर) ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनके पड़ोसी बच्चों की पिटाई कर रहे थे। जब उन्होंने केवल इतना कहा कि "बच्चों को मत मारो", तो आरोपी भड़क उठे और गाली-गलौज करने लगे।

भूकंप के झटकों से हिली महाराष्ट्र के गढ़चिरौली की धरती

गढ़चिरौली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। भारत समेत दुनियाभर के विभिन्न देशों में भूकंप की घटनाएं लगातार बढ़ती चली जा रही हैं। बीते कुछ समय में भूकंप के कारण अलग-अलग देशों में हजारों लोगों की मौत भी देखने को मिली है। ऐसे में भूकंप को लेकर लोगों के मन में डर बढ़ता चला जा रहा है। इसी क्रम में अब गुरुवार को महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। गढ़चिरौली में ये भूकंप तड़के तड़के सुबह 4 बजे के करीब आया जिससे लोग डर गए। अब तक मिली जानकारी के अनुसार, गढ़चिरौली जिले के सिरोंचा-अहेरी क्षेत्र में गुरुवार को तड़के करीब 4 बजकर 36 मिनट पर भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.6 मापी गई है। भूकंप की गहराई धरती से करीब 10 किलोमीटर की बताई जा रही है।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, भूकंप का केंद्र सिरोंचा तालुका के आरक्षित वन क्षेत्र में होने की जानकारी सामने आई है। अब तक मिली जानकारी के अनुसार, गढ़चिरौली जिले में आए इस भूकंप को हल्के स्तर का माना जा रहा है।

अभिनंदन वर्धमान की नई पारी

पाकिस्तान का फाइटर जेट मार गिराने वाले वायुवीर, अब एयरलाइन के साथ भरेंगे उड़ान

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना के पूर्व ग्रुप कैप्टन और वीर चक्र से सम्मानित अभिनंदन वर्धमान ने अब विमानन क्षेत्र में नई पारी शुरू की है। सूत्रों के मुताबिक, उन्होंने गोवा स्थित क्षेत्रीय एयरलाइन फ्लाई91 में पायलट के तौर पर ज्वाइन किया है। सूत्रों ने बताया कि अभिनंदन अगस्त में एयरलाइन से जुड़े। हालांकि, एफएलवाई91 के प्रवक्ता ने कर्मचारियों की निजी जानकारी का हवाला देते हुए इस मामले पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। अभिनंदन वर्धमान 2019 में भारत-पाकिस्तान के बीच हवाई संघर्ष के दौरान दुश्मन के एक विमान को मार गिराने के बाद चर्चा में आए थे।

इसके बाद उन्हें पाकिस्तान में तीन दिन तक हिरासत में रखा गया था। हवाई मुकाबले के दौरान असाधारण कर्तव्यनिष्ठा दिखाने के लिए उन्हें 2021 में वीर चक्र से सम्मानित किया गया था। वीर चक्र भारत के तीसरे सर्वोच्च युद्धकालीन वीरता पुरस्कारों में शामिल है। पुरस्कार के प्रशस्ति पत्र में उनके कर्तव्य के प्रति असाधारण समर्पण और साहस की सराहना की गई थी। गोवा स्थित एफएलवाई91 ने मार्च 2024 में अपनी उड़ान सेवाएं शुरू की थीं। एयरलाइन के पास फिलहाल छह एटीआर 72-600 विमान हैं। कंपनी के दो प्रमुख बेस गोवा और हैदराबाद में हैं। अभिनंदन के फ्लाई91 से जुड़ने की खबर ऐसे समय सामने आई है, जब भारतीय विमानन क्षेत्र में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी पर भी लगातार जोर दिया जा रहा है। दरअसल, वायुसेना ने 26-27 फरवरी की रात पाकिस्तान के बालाकोट में एयरस्ट्राइक की थी। भारतीय सेना के हमले में 300 से ज्यादा आतंकियों की मौत हो गई थी।

जिसके बाद अगले दिन ही बौखलाए पाकिस्तान की वायुसेना ने भारत में घुसने की कोशिश की, लेकिन भारतीय वायुसेना ने उसे खदेड़ दिया। उसी दौरान तत्कालीन विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान मिग-21 उड़ा रहे थे। उन्होंने इस दौरान पाकिस्तान के F-16 को मार गिराया था। हालांकि बाद में अभिनंदन का विमान पाकिस्तान की सीमा में क्रैश हो गया, जिसके बाद पाकिस्तानी सेना ने उन्हें अपनी गिरफ्त में ले लिया था। भारत के दबाव में पाकिस्तान ने करीब 60 घंटे बाद अभिनंदन को छोड़ा था। छोड़ने के बाद पूरे देश में खुशी की लहर दौड़ गई थी।

पंजाब में कटा राघव चड्ढा का नाम

एसआईआर पर कहा- वोटर लिस्ट में मेरा नाम गलत दिखाया 'आप' पर लगाया आरोप

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब में एसआईआर की लिस्ट से राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम हटने के बाद राजनीति शुरू हो गई है। राघव ने कहा कि उन्हें वोटर लिस्ट के ड्राफ्ट से 'शिफ्टेड' मार्क करके हटाया गया है, जो बदले की राजनीति का स्पष्ट संकेत है। चड्ढा ने ईसीआई की गाइडलाइंस के उल्लंघन का भी दावा किया है। भाजपा के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने पंजाब सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने राजनीतिक बदले की भावना से काम किया है। चड्ढा के अनुसार, मतदाता सूची के मसौदे में उनका नाम गलत तरीके से 'दूसरी जगह चले जाने वाला' (शिफ्टेड) दिखाया गया है। वह पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं और उनका मतदाता पहचान पत्र मोहाली में पंजीकृत है। चड्ढा ने एक्स पर एक पोस्ट साझा कर यह जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह केवल मसौदा मतदाता सूची है, अंतिम सूची नहीं। 'दावे और आपत्तियों' की प्रक्रिया चल रही है, जिसमें नामों में सुधार किया जा सकता है। अंतिम मतदाता सूची अक्टूबर 2026 में प्रकाशित होगी।

सांसद चड्ढा ने बताया कि यह स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) दिशानिर्देशों के तहत उपलब्ध उपायों का लाभ उठा रहे हैं। उन्होंने इसे केवल एक लिपिकीय त्रुटि मानने से इन्कार किया। चड्ढा ने इसे राजनीतिक प्रतिशोध का स्पष्ट मामला बताया। उन्होंने सवाल उठाया कि उनका नाम ₹दूसरी जगह चले जाने वाला किसने चिह्नित किया। इसका सत्यापन और उच्च स्तर पर प्रसंस्करण आप की पंजाब सरकार के अधिकारियों ने किया।

महाराष्ट्र के मंत्री पर की आपत्तिजनक टिप्पणी, वीडियो वायरल करने का आरोप; यूट्यूबर गिरफ्तार

मुंबई, 3 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार के मंत्री चंद्रकांत पाटिल और एक महिला पार्षद से जुड़े मानहानिकारक वीडियो और कंटेंट सोशल मीडिया पर प्रसारित करने के आरोप में पुणे पुलिस ने एक यूट्यूबर को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार यूट्यूबर की पहचान संतोष पंडित के रूप में हुई है। पुणे के कोथरूड पुलिस थाने में दर्ज शिकायत के आधार पर पुलिस ने सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर संतोष पंडित के खिलाफ यह कार्रवाई की है।

शिकायतकर्ता का कहना है कि यूट्यूबर संतोष पंडित ने सोशल मीडिया के जरिए मंत्री से जुड़े आपत्तिजनक वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किए। शिकायतकर्ता का कहना है कि पोस्ट और वीडियो मानहानिकारक और आपत्तिजनक थे और उन्हें बड़ी संख्या में देखा गया। शिकायत के आधार पर पुणे पुलिस ने गुरुवार को कोथरूड पुलिस थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 75(1), 75(3), 356(2) और 352 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 67 के तहत एफआईआर दर्ज की है। सोशल मीडिया पर एक अन्य वीडियो भी खूब देखी जा रही है, जिसमें पुणे पुलिस यूट्यूबर संतोष पंडित को हिरासत में लेती हुई नजर आ रही है।

फिलहाल पुलिस आरोपों की जांच कर रही है। पुणे के ही एक सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज में प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर हटाने के विवाद में भी पुलिस ने एक अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। इस तरह इस मामले में अब तक कुल तीन लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मनसे कार्यकर्ता आशीष साबले के रूप में हुई है।

तीन मृतक श्रमिकों के नाम से आर्थिक सहायता लेने का प्रयास, प्राथमिकी दर्ज

देहरादून, 3 सितंबर (एजेंसियां)। श्रम विभाग में तीन मृतक श्रमिकों के नाम पर फर्जीवाड़ा कर आर्थिक सहायता लेने के प्रयास का मामला सामने आया है। मामले में विभाग की ओर से तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। उत्तराखंड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड के अधिकारियों के मुताबिक बोर्ड को मृत्यु के बाद आश्रितों को आर्थिक सहायता के लिए मेहरबान शाह, नदीम और मेनपाल तीनों निवासी लक्सर, जिला हरिद्वार के नाम से ऑनलाइन आवेदन मिले थे। जिसकी जांच कराए जाने पर पता चला कि तीनों की बहुत पहले मौत हो चुकी है। जिनके परिजनों की ओर अब फर्जी दस्तावेज तैयार कर आर्थिक सहायता के लिए आवेदन किया गया है। जांच में यह भी सामने आया कि ग्राम पंचायत के मृत्यु अभिलेखों में इनका नाम दर्ज नहीं है।

चीनी मिलों के लिए राहत पैकेज

सरकार लाएगी 2,000 करोड़ की आसान ऋण योजना

मुंबई, 3 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार की ओर से सहकारी चीनी मिलों के लिए आसान लोन योजना और बाय प्रोडक्ट पॉलिसी लाई जाएगी। सहकारी चीनी मिलों को आर्थिक स्थिरता देने और गन्ना किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित करने के लिए सरकार केंद्र सरकार की पॉलिसी के आधार पर एक सॉफ्ट लोन स्कीम शुरू करने जा रही है। डिप्टी सीएम सुनेत्रा पवार ने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे मंजूरी के लिए राज्य कैबिनेट के सामने तुरंत एक औपचारिक प्रस्ताव पेश करें। प्रस्तावित योजना के तहत, योग्य सहकारी चीनी मिलों को लगभग 2,000 करोड़ का कम ब्याज वाला सॉफ्ट लोन फंड मिल सकेगा। इन लोन को चुकाने के लिए 7 साल का समय मिलेगा और राज्य सरकार सालाना लगभग 100 करोड़ रुपए का ब्याज का बोझ उठाएगी।

यह फंड हर फैक्ट्री की गन्ना पेराई क्षमता और आर्थिक स्थिति की समीक्षा के बाद डिस्ट्रिक्ट सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक (डीसीसीबी) और महाराष्ट्र स्टेट कोऑपरेटिव बैंक (एमएससीबी) के जरिए दिया जाएगा। सरकार की ओर से यह फैसला ऐसे समय पर लिया गया है कि जब राज्य की चीनी मिलें भारी आर्थिक संकट से जूझ रही हैं और उन पर पिछले पेराई सीजन का किसानों का लगभग 200 करोड़ का बकाया है।

इस फंड से मिलों को बकाया चुकाने और आने वाले पेराई सीजन के लिए आसानी से तैयारी करने में मदद मिलेगी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री ने चीनी उद्योग की कच्ची चीनी उत्पादन पर निर्भरता कम करने और उसकी वित्तीय स्थिति मजबूत करने के लिए चीनी उप-उत्पादों पर केंद्रित एक स्वतंत्र और व्यापक नीति तैयार करने के निर्देश दिए हैं। इस रोडमैप का उद्देश्य सौर ऊर्जा, को-जनरेशन बिजली, प्रथम और द्वितीय पीढ़ी (1जी और 2 जी) एथेनॉल, कंप्रेस्ड बायो-गैस (सीबीजी), ग्रीन हाइड्रोजन और सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (एसएएफ) जैसे वैकल्पिक क्षेत्रों में विनिर्माण और प्रसंस्करण क्षमताओं को बढ़ावा देना है।

बच्चे पढ़ रहे थे, तभी सरकारी स्कूल की छत का हिस्सा गिरा, 6 घायल

बागलकोट, 3 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के बागलकोट जिले में एक सरकारी स्कूल में क्लास की छत का एक हिस्सा गिर गया। इस दुर्घटना में 6 बच्चों को चोटें आईं। शिक्षा विभाग ने स्कूल की इमारत की तुरंत मरम्मत करने के निर्देश दिए हैं। बागलकोट तालुक के मुगालोली थांडा में सरकारी स्कूल में पढ़ रहे बच्चों पर छत का कंक्रीट गिर गया, लेकिन अच्छी बात यह रही कि छात्र सुरक्षित बच गए। बागलकोट जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ने बताया कि घटना में मामूली रूप से घायल छात्रों का तुरंत इलाज किया गया।

घटना में घायल सभी छह बच्चे पूरी तरह सुरक्षित हैं और उन्हें अस्पताल में उचित इलाज दिया जा रहा है। पंचायत राज इंजीनियरिंग विभाग (महीनो) को स्कूल की गिरी हुई छत की तुरंत मरम्मत करने के स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। स्कूल शिक्षा के उप निदेशक (डीडीपीआई) व्यक्तिगत रूप से अस्पताल गए और बच्चों की सेहत और इलाज पर नजर रखी जा रही है।

बागलकोट जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गजानन बाले ने एक बयान में कहा कि स्कूल की जर्जर हालत को देखते हुए अभिभावकों ने स्थायी मरम्मत और सुरक्षा उपायों की मांग की है, और मैनेजमेंट मरम्मत का काम जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कदम उठा रहा है।

40 लाख लेने थे बैंक ने नीलाम कर दी 3 .6 करोड़ की प्रॉपर्टी

बचे पैसे भी नहीं लौटाए, सुप्रीम कोर्ट ने केस ही रद्द कर दिया

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में लोन घोटाले से जुड़ा एक हैरान करने वाला मामला सामने आया, जिसमें बैंक ने आरोपियों की संपत्तियों को नीलाम कर दिया और लोन की रकम के अलावा बचे पैसे भी वापस नहीं किए। 35 साल तक चले इस मामले के दौरान 3 में 2 आरोपियों की मौत हो गई। अब इस मामले में घोटाले के आरोपियों के परिवार को 3 करोड़ रुपये की रकम मिल सकती है।

बता दें कि बैंक ने 50 लाख रुपये का लोन चुकाने के लिए दो अन्य आरोपियों की संपत्ति 3.6 करोड़ रुपये में नीलाम कर दी और बाकी बची रकम कानूनी वारिसों को नहीं लौटाई। अकेले बचे आरोपी एक ब्रांच मैनेजर रह चुके हैं। उन पर 13.5 लाख और 10 लाख के लोन मंजूर करने के बावजूद उन पैसों को खुद हड़पने का आरोप है। एफआईआर दर्ज होने के बाद बैंक ने 2010 में रिकवरी की प्रक्रिया शुरू की। दो आरोपियों में से एक की प्रॉपर्टी की नीलामी से 1.2 करोड़ मिले, जिसमें से 16.4 लाख का इस्तेमाल लोन की रकम और उस पर लगे ब्याज को चुकाने में किया गया।

दूसरे आरोपी के खिलाफ रिकवरी की प्रक्रिया में बैंक ने उसकी संपत्ति बेचकर 2.8 करोड़ हासिल किए और 40 लाख लोन की देनदारी चुकाने में इस्तेमाल किए। जस्टिस जेबी पारदीवाला और के। विनोद चंद्रन की बेंच ने कहा कि यह बात मानी गई है कि प्रॉपर्टी की नीलामी पूरी हो गई थी और बैंक का पूरा बकाया मिल गया था। और भी दिलचस्प बात यह है जो सरकारी गवाहों के बयानों से सामने आई है कि लोन अकाउंट में एडजस्टमेंट के बाद नीलामी से मिली अतिरिक्त रकम अभी भी बैंक के पास ही है। जीवित बचे आरोपियों को क्लीन चिट देते हुए और मामले को मनगढ़ंत करार देते हुए पीठ ने कहा कि हमें आश्चर्य है कि कानूनी उत्तराधिकारियों को खोजने और पैसे देने का कोई प्रयास नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने इंडियन बैंक की अन्ना नगर शाखा के प्रबंधक से नीलामी से प्राप्त धन के उपयोग और ऋण के बदले गिरवी रखी गई संपत्तियों के मालिकाना हक से संबंधित रिकॉर्ड पेश करने को कहा। अदालत ने कहा कि हालांकि आपराधिक मामले का निपटारा कर दिया गया है,

लेकिन वह मामले की अगली सुनवाई 5 अक्टूबर को तय कर रही है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि नीलामी से प्राप्त अतिरिक्त धन कानूनी उत्तराधिकारियों तक पहुंचे।

दिल्ली के नरेला में प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के नरेला में हमलावरों ने प्रॉपर्टी डीलर को गोली मार दी है। अस्पताल में इलाज के दौरान प्रमोद की मौत हो गई है। हमलावरों ने जिम के बाहर इस वारदात को अंजाम दिया। ये घटना नरेला थाना क्षेत्र के बाकनेर गांव में जिम के बाहर हुई है। एक सोशल मीडिया पोस्ट में प्रमोद की हत्या की जिम्मेदारी हिमांशु भाऊ और नीरज फरीदपुर ने ली है। बताया जा रहा है कि प्रमोद रोजाना की तरह जिम करने के लिए जिम पहुंचा था। जिम के बाहर ही हमलावरों ने प्रमोद को गोली मार दी और मौके से फरार हो गए।

गोली लगते ही प्रमोद जमीन पर गिर पड़े और हमलावर तुरंत भाग गए, जिससे कि उन्हें कोई पकड़ ना पाए। गोली लगने के बाद प्रमोद को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, वहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। लोकल लोगों ने प्रमोद को आननफानन में हॉस्पिटल पहुंचाया था। घटना की सूचना मिलते ही नरेला थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से जानकारी ले रही है। मामले की तह तक जाने की कोशिश कर रही है।

मैसूरु-बेंगलुरु एक्सप्रेसवे पर हादसा, यात्रियों से भरी बस ने ट्रक को पीछे से मारी टक्कर; 9 लोग घायल

मैसूरु, 3 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक में मैसूरु-बेंगलुरु एक्सप्रेसवे पर केरलम राज्य परिवहन निगम की बस दुर्घटना का शिकार हो गई। इस हादसे में बस के ड्राइवर सहित 9 लोग घायल हुए हैं। यह एक्सीडेंट रामनगर के पास चन्नापटना में हुआ, यात्रियों से भरी बस ने एक माल ढोने वाले ट्रक के पिछले हिस्से को टक्कर मार दी। बता दें कि यह एक्सीडेंट आज (गुरुवार को) तड़के हुआ है। घायल हुए 9 लोगों में से 3 को प्राथमिक उपचार के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। ड्राइवर और कंडक्टर सहित 6 लोगों का अभी इलाज चल रहा है। एक्सीडेंट का शिकार हुई बस कन्नूर से बेंगलुरु जा रही सुपर डीलक्स एयर बस थी।

वारदात के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी का माहौल हो गया। हादसे की खबर मिलते ही लोकल पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। बस में बैठे यात्रियों को बाहर निकालकर घायलों को तुरंत करीबी हॉस्पिटल में पहुंचाया गया।

अभिषेक बनर्जी के कार्यालय पर हमला हथियारबंद लोगों ने कर्मचारियों को पीटा

कोलकाता, 3 सितंबर (एजेंसियां)। कैमक स्ट्रीट स्थित अभिषेक बनर्जी के कार्यालय पर 'हमला' हुआ। अभिषेक ने हमले का वीडियो सोशल मीडिया पर पोस्ट किया। आरोपों, तोड़फोड़ और हिंसा के बाद कार्यालय कर्मचारियों के फोन छीन लिए गए। अभिषेक ने भाजपा पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने पुलिस पर निष्क्रियता का भी आरोप लगाया है। अभिषेक ने सीसीटीवी कैमरे में कैद फुटेज की क्लिप सुबह करीब 4:30 बजे सोशल मीडिया पर साझा की। अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया- भाजपा के हथियारबंद गुंडे जबरन पार्टी कार्यालय में घुस गए और हमला किया। कार्यकर्ताओं के मोबाइल फोन छीनकर कार्यालय में तोड़फोड़ की गई और फर्नीचर को भी नुकसान पहुंचाया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि बार-बार फोन और ईमेल करने के बावजूद करीब दो घंटे तक पुलिस की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। अभिषेक बनर्जी का दावा है कि हमला बुधवार रात को हुआ। उनका कहना है कि यह घटना पुलिस की मौजूदगी में घटी। उस समय अभिषेक बनर्जी के कर्मचारी दफ्तर की सुरक्षा कर रहे थे। आरोप है कि हथियारबंद कर्मचारी दफ्तर में घुस आए, पहले कर्मचारियों की पिटाई की और उनके फोन छीन लिए।

फिर वे ऊपरी मंजिल पर गए और दफ्तर में तोड़फोड़ की। खबर मिलते ही तृणमूल आईटी सेल की अध्यक्ष उपासना चौधरी सुबह वहां पहुंचीं। उन्होंने कहा-जो कुछ हो रहा है, वह सब गुंडागर्दी है। जहां से भी विपक्ष की आवाज उठ रही है, हर जगह को निशाना बनाया जा रहा है। एक गंदी साजिश चल रही है। उपासना और अन्य तृणमूल कार्यकर्ता कार्यालय के नीचे खड़े थे। सुबह कैमक स्ट्रीट स्थित पूरे कार्यालय को पुलिस ने घेर लिया था। अंदर प्रवेश वर्जित था।

नशा तस्कर और शराब निर्माता भाजपा के संरक्षण में, राज्य बन रहा उड़ता महाराष्ट्र : शिवसेना (यूबीटी)

मुंबई, 3 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार द्वारा 2029 तक राज्य को नशामुक्त बनाने के संकल्प के बाद शिवसेना के उद्धव बालासाहेब ठाकरे ने गुरुवार को भाजपा पर निशाना साधा है। मुखपत्र 'सामना' में एक संपादकीय में इस पहल को पाखंडी और घटना-आधारित तमाशा करार देते हुए सवाल उठाया कि एक दशक से अधिक समय तक सत्ता में रहने के बावजूद सत्तारूढ़ प्रशासन फलते-फूलते नशीले पदार्थों के व्यापार पर अंकुश लगाने में क्यों विफल रहा। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार 2014 से केंद्र में सत्ता में है जबकि देवेंद्र फडणवीस लगभग इतने ही समय से महाराष्ट्र में हैं। पार्टी ने नागरिकों से अपने कैलेंडर में 2029 की समय सीमा अंकित करने और समय सीमा समाप्त होने पर वर्तमान राजनीतिक नेतृत्व को जवाबदेह ठहराने का आग्रह किया। संपादकीय में राज्य प्रशासन के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए, जिसमें दावा किया गया कि अवैध मादक पदार्थों के व्यापार नेटवर्क, शराब निर्माता और तस्करी करने वाले आपूर्तिकर्ता स्पष्ट राजनीतिक संरक्षण के तहत काम करते हैं।

अपने ही गवाह के बयान से फंसा आरोपी, अदालत ने चेक बाउंस मामले में बरी करने का फैसला पलटा

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। चेक बाउंस के एक मामले में बेगुनाही साबित करने के लिए आरोपित ने जिस गवाह को अदालत में पेश किया, उसी के बयान ने उसकी मुश्किल बढ़ा दी। कड़कड़डूमा स्थित सत्र अदालत ने ट्रायल कोर्ट के फैसले को पलटते हुए आरोपित विजय कुमार को दोषी करार दिया है। मामला वर्ष 2018 का है। करावल नगर निवासी गौरव बिल्डर्स के मालिक विजय कुमार के खिलाफ शिकायतकर्ता जय किशोर ने तीन लाख रुपये का चेक बाउंस होने पर मुकदमा दर्ज कराया था। बैंक में भुगतान पर रोक होने के कारण चेक बाउंस हो गया था। इस मामले में ट्रायल कोर्ट ने 24 नवंबर 2025 को विजय कुमार को बरी कर दिया था। इसके बाद जय किशोर ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ सत्र अदालत में अपील दायर की। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष के गवाह राम प्रसाद ने स्पष्ट रूप से बताया कि चेक उसकी मौजूदगी में भरा गया था और उस पर हस्ताक्षर भी किए गए थे। वहीं, आरोपित का दावा था कि उसके बेटे ने सुरक्षा के तौर पर बिना हस्ताक्षर वाला कोरा चेक दिया था।

आरटीओ में अवैध वसूली का खेल बेनकाब, 2 एआरटीओ निलंबित; जांच में 40 हजार से अधिक नकद बरामद

कानपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर में संभागीय परिवहन कार्यालय में वाहन संबंधी काम कराने पहुंचे लोगों से कथित अवैध वसूली के मामले ने अब बड़ा प्रशासनिक रूप ले लिया है। शिकायतों के बाद हुए औचक निरीक्षण में अनियमितताओं के सामने आने पर परिवहन विभाग ने दो एआरटीओ को निलंबित कर दिया है, जबकि आरटीओ प्रशासन को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। मामले में कार्यालय से जुड़े कर्मचारियों समेत कुल 15 लोगों के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज कराई गई है। इस मामले में कार्रवाई परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह के निर्देश पर की गई थी। जिलाधिकारी के निर्देश पर अपर पुलिस उपायुक्त और ज्वाइंट मजिस्ट्रेट/उप जिलाधिकारी के नेतृत्व में टीम ने संभागीय एवं सहायक परिवहन कार्यालय का औचक निरीक्षण

किया था, इस दौरान टीम ने कार्यालय में मौजूद करीब 50 लोगों से पूछताछ की थी जिसके दौरान जांच में 11 संदिग्ध लोगों को चिन्हित किया गया था जिन पर वाहन पंजीकरण और ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के नाम पर आवेदकों से अवैध रूप से पैसे लेने का आरोप सामने आया था।

कानपुर में आरटीओ में निरीक्षण के दौरान संदिग्ध लोगों के पास से 43485 रुपये नकद बरामद किए गए। इस दौरान जब जांच आगे बढ़ी तो परिवहन कार्यालय के दो लिपिक मधुर मिश्रा और विपिन कुमार की भूमिका भी सामने आई। इसके बाद प्रशासन की ओर से थाना काकादेव में कुल 15 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई, मामले में विभागीय अधिकारियों की भूमिका भी जांच के दायरे में आ गई। प्रथम दृष्टया अनियमितताओं, कार्यालय की निगरानी में लापरवाही और अधीनस्थ कर्मचारियों पर प्रभावी नियंत्रण नहीं रखने के आरोप में एआरटीओ प्रवर्तन तृतीय दल सोमलता यादव और एआरटीओ प्रशासन आलोक कुमार को निलंबित किया गया है।

औचक निरीक्षण के दौरान एक ट्रक चालक ने जांच टीम को बताया कि कार्यालय के एक कर्मचारी ने उससे 26750 रुपये लिए, लेकिन उसे सिर्फ 21 750 रुपये की जमा पर्ची दी गई। नकद मिलान के दौरान भी टीम को इस तरह की अनियमितता के संकेत मिले।

आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले में पनिहाटी नगरपालिका के पूर्व प्रमुख सोमनाथ डे गिरफ्तार

कोलकाता ।2024 में आरजी कर बलात्कार-हत्या मामले में उत्तर 24 परगना जिले के पनिहाटी नगरपालिका के पूर्व प्रमुख सोमनाथ डे को बेंगलुरु में गिरफ्तार कर लिया गया है। पश्चिम बंगाल पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सोमनाथ डे पर पीड़िता के शव के जल्दबाजी में अंतिम संस्कार की साजिश में शामिल होने का आरोप है। सोमनाथ डे फिलहाल पश्चिम बंगाल पुलिस की हिरासत में हैं। उन्हें ट्रांजिट रिमांड पर कोलकाता लाया जाएगा और फिर उत्तर 24 परगना जिले के बैरकपुर जिला न्यायालय में पेश किया जाएगा। लोक अभियोजक इस मामले में उसकी पुलिस हिरासत की मांग करेगा। इससे पहले, जल्दबाजी में शवदाह की साजिश के मामले में दो अन्य सह-आरोपियों- पनिहाटी से तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक निर्मल घोष और पनिहाटी में पीड़ित परिवार के पड़ोसी संजीव मुखर्जी को राज्य पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था।

'एसपी साहब ने पांच महीने से मेरी सैलरी रोक रखी है, कोई तो सुन लो मेरी', एसआई पूजा रघुवंशी

अशोकनगर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के अशोकनगर जिले में सोशल मीडिया पर एक महिला पुलिस अधिकारी ने रोते हुए अपनी परेशानी बयां की है। उसने इसे लेकर वीडियो पोस्ट किया है। महिला पुलिस अधिकारी का नाम पूजा रघुवंशी है। वह कह रही है कि कोई तो मेरी मदद करे। एसपी साहब ने पांच महीने से हमारी सैलरी रोक रखी है। पूजा रघुवंशी अशोकनगर जिले में एसआई के रूप में पदस्थ हैं। उनका आरोप है कि मैं सड़क हादसे में घायल हुई थी। आने के बाद भी स्पाइनल की समस्या से जूझ रही हूं। लेकिन विभाग के अधिकारियों से सपोर्ट नहीं मिल रहा है। पूजा रघुवंशी का आरोप है कि मेडिकल लीव पर होने के बावजूद एसपी साहब ने पांच महीने से मेरी सैलरी रोक रखी है। यह पूरा मामला अशोकनगर पुलिस से जुड़ा है। एसआई पूजा रघुवंशी एक साल पहले एक कार एक्सीडेंट में घायल हो गईं थीं।

इसके बाद उनका स्पाइन फ्रैक्चर कर गया था। करीब एक साल तक वह छुट्टी पर रही हैं। काम लौटीं तो भी स्पाइन में दिक्कत है। लगभग सात और आठ महीने से उनके स्पाइन में बहुत तेज दर्द हो रहा है, जिसके चलते वह ग्राउंड लेवल पर भारी ड्यूटी नहीं कर पा रही है। इसको लेकर उन्होंने कई बार डॉक्टर की एडवाइजरी लेकर विभाग में भोपाल वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और जिला स्तर पर भी अधिकारियों को आग्रह किया है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो पा रही है। इतना ही नहीं उन्होंने विभाग के अधिकारियों पर उनके बीमारी की अनदेखी का आरोप लगाया।

हिमालय में 7 मिनट में तबाही, चीन की तैयारी नाकाम

पिछली बार झील फटी थी, इस बार ग्लेशियर ही टूट गया

बीजिंग, 3 सितंबर (एजेंसियां)। 26 अगस्त को चीन-नेपाल सीमा पर हिमालय की एक घाटी में ऐसी तबाही आई, जिसमें 1200 से ज्यादा लोगों की जान चली गई। हैरानी की बात ये थी कि चीन इस इलाके में ऐसी आपदा से निपटने की तैयारी पहले ही कर चुका था।

14 महीने पहले इसी इलाके में ग्लेशियर की एक झील फटने से भूस्खलन हुआ था। ट्रक, घर और एक पुल बह गए थे। इसके बाद चीन ने करीब छह महीने तक बॉर्डर पोर्ट बंद रखा और बाढ़ से बचाव का सिस्टम मजबूत किया।

पानी के स्तर पर 24 घंटे नजर रखने लगी, तटबंध और बाढ़ रोधी दीवारें बनाई गईं और पानी का रास्ता बदलने के लिए नहरें तैयार की गईं। अधिकारियों और ग्रामीणों की ट्रेनिंग हुई, मॉक ड्रिल कराई गई और जुलाई में तैयारियों की समीक्षा भी हुई।

यानी पिछली आपदा से सबक लेने में कोई कमी नहीं छोड़ी गई थी। फिर भी 26 अगस्त को कुछ ऐसा हुआ, जिसके लिए ये पूरा सिस्टम तैयार ही नहीं था।

इस बार बाढ़ किसी ग्लेशियल झील के फटने से नहीं आई। एक ग्लेशियर का बड़ा हिस्सा अचानक टूटकर नीचे आ गया। इसके साथ बर्फ, बड़े पत्थर और पानी इतनी तेजी से नीचे आए कि कुछ ही देर में ये सब सुनामी जैसी लहर में बदल गया।

ग्यिरोंग पोर्ट कॉम्पलेक्स में पहुंचते ही इस लहर ने 27 इमारतों को तबाह कर दिया। इसके बाद ये तबाही नेपाल की ओर बढ़ गई।

अधिकारियों के मुताबिक, ग्लेशियर का हिस्सा टूटने और ग्यिरोंग पोर्ट तक पहुंचने के बीच सिर्फ छह-सात मिनट का समय था। इतनी कम अवधि में लोगों को चेतावनी देना और उन्हें सुरक्षित जगह पहुंचाना बेहद मुश्किल था।

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, ग्लेशियर का यह हिस्सा अचानक क्यों टूटा, इसकी पूरी तस्वीर अभी साफ नहीं है। इसके पीछे ग्लोबल वार्मिंग के कारण पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और चट्टानों के कमजोर होने जैसी वजहें हो सकती हैं।

इस आपदा ने एक बड़ा सवाल खड़ा किया है। ग्यिरोंग पोर्ट जैसी बड़ी सीमा चौकी इतनी जोखिम वाली जगह पर क्यों बनाई गई?

यह पोर्ट एक संकरी घाटी में उस जगह बना है, जहां ल्हेंडे खोला और त्रिशूली नदी मिलती हैं। दोनों नदियों में ग्लेशियरों का पानी आता है। इसी छोटी सी समतल जमीन पर पुल, कस्टम यार्ड, ड्राई पोर्ट और ट्रकों की पार्किंग है।

यानी ऊपर पहाड़ों से पानी, बर्फ या मलबा नीचे आता है तो सबसे पहले यही इलाका उसकी चपेट में आता है। डिजास्टर मैनेजमेंट एक्सपर्ट सस्वता सन्याल के मुताबिक, 2025 में भी लोग इसी कस्टम यार्ड से बह गए थे और इस साल भी यह इलाका फिर तबाही की चपेट में आ गया।

बार-बार प्राकृतिक आपदा झेलने के बाद भी चीन के लिए इस जगह को छोड़ना आसान नहीं है। पिछले एक दशक में ग्यिरोंग पोर्ट चीन और नेपाल के बीच मुख्य व्यापारिक रास्ता बन गया है।

दोनों देशों के कुल व्यापार का करीब एक-तिहाई हिस्सा इसी रास्ते से होता है। हर साल 1.80 लाख से ज्यादा लोग भी यहां से दोनों देशों के बीच आते-जाते हैं।

इससे पहले चीन-नेपाल के बीच झांगमू-कोदारी बॉर्डर रूट मुख्य रास्ता था। लेकिन 2015 के नेपाल भूकंप में यह रास्ता बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इसके बाद ग्यिरोंग का महत्व बढ़ता गया। समस्या यह है कि झांगमू वाला रास्ता भी प्राकृतिक आपदाओं से सुरक्षित नहीं है। 2016 में इसी इलाके में ग्लेशियल झील फटने से बाढ़ आई थी।

नेपाल से 55किमी दूर तिब्बत में 5 तीव्रता का भूकंप

एक हफ्ते पहले बाढ़-भूस्खलन से तबाही मची थी अब तक 1273 लोगों की मौत

काठमांडू, 3 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाल सीमा से करीब 55 किलोमीटर दूर तिब्बत में गुरुवार को 5 तीव्रता का भूकंप आया। भारत के नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक, भूकंप का केंद्र उत्तराखंड के जोशीमठ से करीब 128 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में था और इसकी गहराई जमीन से 10 किलोमीटर नीचे थी।

भूकंप जमीन की सतह से काफी कम गहराई पर आया। ऐसे भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं, क्योंकि इनकी भूकंपीय ऊर्जा सतह तक जल्दी पहुंचती है और रास्ते में कम कमजोर होती है। हालांकि, फिलहाल भूकंप से किसी तरह के नुकसान या लोगों के घायल होने की खबर नहीं है।

यह भूकंप ऐसे समय आया है, जब 26 अगस्त को तिब्बत और नेपाल में आई बाढ़ और भूस्खलन ने भारी तबाही मचाई थी। इस आपदा में अब तक कुल 1273 लोगों की मौत हो चुकी है। इनमें नेपाल में 1252 और तिब्बत में 21 लोगों की जान गई है।

नीदरलैंड्स ने अमेरिका-कनाडा से 86 टन सोना हटाकर लंदन भेजा

बैंक ऑफ इंग्लैंड में रखा, कहा- संकट आने पर यहां आसानी से बेच सकेंगे

एमस्टर्डम, 3 सितंबर (एजेंसियां)। नीदरलैंड्स ने अमेरिका और कनाडा में रखा अपना 86 टन सोना निकालकर लंदन भेज दिया है। डच सेंट्रल बैंक (डीएनबी) के मुताबिक, यह ट्रांसफर मार्च से अगस्त के बीच कई महीनों में किया गया। अब यह सोना बैंक ऑफ इंग्लैंड में रखा गया है।

डीएनबी ने बताया कि संकट की स्थिति में लंदन में रखा सोना ज्यादा आसानी से खरीदा-बेचा जा सकता है। बैंक ने इस फैसले के पीछे दुनिया में बढ़ते राजनीतिक तनाव का भी हवाला दिया है।

इस ट्रांसफर से पहले डीएनबी के कुल सोने का 31.3% न्यूयॉर्क और 19.7% ओटावा में रखा था। ट्रांसफर के बाद दोनों जगहों पर सोने की हिस्सेदारी घटकर 18.5% रह गई। वहीं, लंदन में रखे सोने की हिस्सेदारी 18.1% से बढ़कर 32.1% हो गई है। नीदरलैंड्स में 30.8% सोना अब भी रखा हुआ है। डीएनबी के मुताबिक, इस पूरी प्रक्रिया में 27 टन सोने की छड़ें न्यूयॉर्क और ओटावा से नीदरलैंड्स के जाइस्ट पहुंचाई गईं, फिर इसे लंदन भेजा गया। सोने की छड़ों को इस दौरान पिघलाने की जरूरत नहीं पड़ी। हालांकि, अटलांटिक महासागर के पार इतनी बड़ी मात्रा में सोना किस तरह पहुंचाया गया, इसकी जानकारी नहीं दी गई है। बाकी 59 टन सोने के लंदन भेजने के लिए अलग तरीका अपनाया गया। इसके लिए न्यूयॉर्क में रखा सोना बेच दिया गया और उसके बराबर मात्रा का सोना लंदन में खरीद लिया गया। डीएनबी के मुताबिक, बैंक ऑफ इंग्लैंड में रखा सोना दुनिया के सबसे ज्यादा ट्रेड होने वाले गोल्ड मार्केट तक आसानी से पहुंच देता है। लंदन का गोल्ड मार्केट दुनिया के सबसे बड़े और सबसे ज्यादा लिक्विड बाजारों में माना जाता है।

इसका मतलब है कि किसी संकट के समय लंदन में रखा सोना अमेरिका या कनाडा में रखे सोने की तुलना में जल्दी खरीदा या बेचा जा सकता है। जरूरत पड़ने पर सेंट्रल बैंक यहां रखे अपने सोने को दूसरे बैंकिंग संस्थानों को उधार भी दे सकते हैं। डीएनबी के मुताबिक, 2025 के अंत में नीदरलैंड्स के पास कुल 612.4 टन सोना था। इसकी कीमत करीब 72.2 अरब यूरो (करीब 8 लाख करोड़ भारतीय रुपए) थी।

फ्रांस की नेशनल गोल्ड काउंटर के प्रेसिडेंट लॉरेंट श्वाट्र्ज ने कहा कि दुनिया के कई सेंट्रल बैंक पिछले करीब 10 साल से अपने सोने को अलग-अलग देशों में रखने की जगह बदल रहे हैं।

अमेरिका में 1 डॉलर के सिक्के पर ट्रम्प की तस्वीर

एक सिक्का 230 रुपए तक बिका, कुछ घंटे में ही आउट ऑफ स्टॉक

वाशिंगटन, 3 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका ने अपनी 250वीं वर्षगांठ के मौके पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तस्वीर वाला 1 डॉलर का खास सिक्का जारी किया है। अमेरिकी मिंट ने बुधवार दोपहर 12 बजे इसकी बिक्री शुरू की।

1 सिक्के की कीमत 2.44 डॉलर यानी 230 रुपए तक रखी गई। 25 और 100 सिक्कों के पैक बिक्री के लिए जारी किए गए। बिक्री शुरू होने के सिर्फ 3 घंटे बाद ही सिक्के आउट ऑफ स्टॉक हो गए। सिक्के के एक तरफ ट्रम्प की तस्वीर है। इसके साथ 'इन गाड वी ट्रस्ट' और 'लिबर्टी' लिखा है। दूसरी तरफ अमेरिकी राष्ट्रपति की मुहर और अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के लिए '250' लिखा गया है। अमेरिकी मिंट के मुताबिक, 25 सिक्कों के पैक की कीमत 61 डॉलर और 100 सिक्कों के पैक की कीमत 154.50 डॉलर है। बिक्री शुरू होने के करीब आधे घंटे बाद ही वेबसाइट पर लोगों को वेटिंग एरिया में भेजा जाने लगा। वहां करीब 1 घंटे का वेटिंग टाइम बताया गया। गुरुवार दोपहर 2 बजे तक एक परिवार अधिकतम 2 खरीदारी कर सकता था।

अमेरिकी मिंट ने बताया कि 2.5 लाख सिक्कों को खास '4 जुलाई' निशान के साथ रैंडम तरीके से रोल और बैग में रखा गया है। ये सिक्के 4 जुलाई को बनाए गए थे। अमेरिका में इसी दिन स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है। अमेरिकी मिंट के मुताबिक, इससे पहले किसी जीवित राष्ट्रपति की तस्वीर 1926 में सिक्के पर दिखाई गई थी। उस समय राष्ट्रपति कैल्विन कूलिज की तस्वीर अमेरिका की स्वतंत्रता की घोषणा पर हस्ताक्षर की 150वीं वर्षगांठ के मौके पर जारी आधे डॉलर के सिक्के पर लगाई गई थी। अमेरिकी कानून के तहत किसी जीवित राष्ट्रपति या जीवित पूर्व राष्ट्रपति की तस्वीर सिक्के पर लगाना प्रतिबंधित है। हालांकि, अमेरिका की 250वीं वर्षगांठ के लिए कांग्रेस नेसर्कुलेटिंग कलेक्टिबल कॉइन रीडिजाइन एक्ट पास किया।

इसके तहत ट्रेजरी को इस अवसर पर खास $1 के सिक्के जारी करने की अनुमति मिली। कानून में यह भी कहा गया है कि सिक्के के पीछे वाले हिस्से पर किसी जीवित व्यक्ति का पोर्ट्रेट नहीं हो सकता।

रूबियो बोले- भारत-ईरान के बीच ट्रेड डील पर बातचीत नहीं

तेहरान की मदद करने वालों पर बैन लगाएंगे, मोदी-पजशकियान मुलाकात पर सवाल पूछा था

वॉशिंगटन डीसी, 3 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि भारत और ईरान के बीच कोई ट्रेड डील हुई है। उनसे पीएम मोदी और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पजशकियान की मुलाकात को लेकर सवाल किया गया था।

उन्होंने चेतावनी भी दी कि अगर कोई देश ईरान को अमेरिकी प्रतिबंधों से बचने में मदद करेगा, तो अमेरिका उस देश पर भी प्रतिबंध लगा सकता है।

अमेरिकी विदेश मंत्री का बयान पीएम मोदी और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान की एससीओ समिट के दौरान हुई मुलाकात के बाद आया है। दोनों नेताओं ने भारत-ईरान संबंध, व्यापार और पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा की थी। मोदी ने कहा था कि भारत ईरान के साथ अपने पुराने संबंधों को और मजबूत करना चाहता है। दोनों देशों के बीच व्यापार बढ़ाने और नए क्षेत्रों को इसमें शामिल करने पर भी जोर दिया गया था।

मोदी ने कहा था कि भारत ब्रिक्स और एससीओ जैसे मंचों पर ईरान के साथ सहयोग जारी रखेगा। उन्होंने पजशकियान को 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने का न्योता भी दिया। भारत और ईरान के बीच 2024-25 में 1.68 अरब डॉलर (करीब 15,960 करोड़) का कारोबार हुआ। इसमें भारत ने ईरान को 1.24 अरब डॉलर का निर्यात किया, जबकि ईरान से 44 करोड़ डॉलर का आयात हुआ। यानी कुल कारोबार में भारत के निर्यात की हिस्सेदारी करीब 74% रही। ईरान भारत से बासमती खरीदने वाले बड़े देशों में है। अप्रैल 2025 से जनवरी 2026 के बीच भारत ने ईरान को 7.91 लाख टन बासमती चावल निर्यात किया, जिसकी कीमत 5,424 करोड़ रही। एक साल पहले इसी अवधि में 6.27 लाख टन बासमती, 4,862 करोड़ में भेजा गया था, यानी मात्रा 26% और निर्यात मूल्य 12% बढ़ा।

भारत-ईरान का कारोबार सिर्फ बासमती तक सीमित नहीं है। दोनों देशों के बीच अनाज और दवाओं का कारोबार प्रमुख है। भारत ईरान को चाय, चीनी, मैनमेड फाइबर और इलेक्ट्रिकल मशीनरी भी निर्यात करता है।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव से शिपिंग और ईरानी बंदरगाहों का काम प्रभावित हुआ। 1 मार्च 2026 तक कांडला पोर्ट पर ईरान जाने वाला 35,962 टन माल अटका था।

कॉपर-टी से महिला की मौत का आरोप अस्पताल में हंगामा

जशपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में गर्भवती महिला ने बच्चे को जन्म दिया, लेकिन 1 महीने बाद उसकी मौत हो गई। परिवार वालों ने केरसई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि प्रसव के बाद कॉपर-टी लगाने के बाद महिला की तबीयत बिगड़ गई और एक महीने तक अलग-अलग अस्पतालों में इलाज के बाद उसकी मौत हो गई। हालांकि, डॉक्टरों ने मौत की वजह दिमाग की नस में ब्लड क्लॉट बताई है। आरोप है कि कॉपर-टी पेशाब की थैली में लगी दी गई थी, जिसे निकालने के लिए 4 घंटे तक ऑपरेशन चला।

इस मामले को लेकर परिवार वालों ने हंगामा किया, जिसके बाद कलेक्टर ने संज्ञान लिया। उनके निर्देश पर एक्सपर्ट डॉक्टरों की टीम ने पोस्टमॉर्टम किया।

जरदारी अचानक लंदन 'भागे', असीम मुनीर का संदेश लेकर पहुंचे नकवी

पाकिस्तान में सियासी संकट तेज

लंदन, 3 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन में पकिस्तानी राजनीति को लेकर बड़ी हलचल हो रही है। दरअसल पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ जरदारी इस समय लंदन में हैं। जरदारी से मिलने के लिए पाकिस्तानी गृह मंत्री भी लंदन गए हैं, जहां दोनों के बीच बैठक हुई है। माना जा रहा है कि जरदारी कुछ मुद्दों पर नाराज होकर लंदन गए हैं। ऐसे में पाक आर्मी चीफ असीम मुनीर के करीबी नकवी उनके पास पहुंचे हैं। आसिफ जरदारी की पार्टी पीपीपी के समर्थन से ही शहबाज शरीफ की सरकार चल रही है। बीचे कुछ दिनों में दोनों दलों में तनातनी देखी गई है। ऐसे में इसे किसी बड़ी राजनीतिक उठापटक का संकेत माना जा रहा है।

पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी और गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने लंदन में करीब 90 मिनट तक बैठक की है। यह बैठक देश में नए प्रांत या प्रशासनिक यूनिट बनाने की योजना को लेकर बढ़ती अटकलों के बीचल हुई है। इसे पाकिस्तान का राजनीतिक संकट को एक अहम मोड़ पर पहुंचने की तरह देखा जा रहा है।

असीम मुनीर का एक अहम संदेश लेकर नकवी लंदन गए थे। इस बैठक में मुख्य रूप से पाकिस्तान के प्रांतों के प्रस्तावित पुनर्गठन और उभरते राजनीतिक संकट को बढ़ने से रोकने के तरीकों पर चर्चा हुई। ऐसी चर्चा है कि जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी शहबाज सरकार का समर्थन जारी रखने पर विचार कर रही है।

दावा किया गया है कि लंदन में हुई बैठक के दौरान नकवी ने असीम मुनीर का खास संदेश राष्ट्रपति जरदारी तक पहुंचाया। दरअसल सेना नए प्रांत बनाने की दिशा में कदम उठाने पर जोर दे रही है। इस प्रस्ताव को लेकर जरदारी पर काफी दबाव है, जिससे वह खुश नहीं है। फिलहाल जरदारी ने राजनीतिक नतीजों को संभालने के मकसद से एक वैकल्पिक तरीका सुझाया है।

आसिफ जरदारी ने कथित तौर पर कहा है कि वह नए प्रांत बनाने पर विचार करने को तैयार हैं। हालांकि वह इसमें सिंध को पीछे रखना चाहते हैं, जो पीपीपी का गढ़ है। जरदारी चाहते हैं कि प्रक्रिया की शुरुआत पंजाब और खैबर पख्तूनख्वा को बांटने से होनी चाहिए, जहां विधानसभाओं ने नए प्रांत बनाने के संबंध में प्रस्ताव पारित किए हैं। आसिफ जरदारी सिंध और बलूचिस्तान में तुरंत नए प्रांत बनाने के खिलाफ हैं।

उन्हें सिंध को लेकर खास चिंता है क्योंकि सिंध को बांटने के पीपीपी के लिए गंभीर राजनीतिक नतीजे हो सकते हैं।

भारत के एस-400 डील पर बौखलाए पाकिस्तानी एयरफोर्स के अफसर

बोला झूठ तो मिला करारा जवाब, बोलती बंद

इस्लामाबाद, 3 सितंबर (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों के हाथों पिटने के बाद से पाकिस्तान लगातार झूठे दावे कर रहा है। इसमें पाकिस्तान भारत को नुकसान पहुंचाने की बात करता रहा है, लेकिन आज तक एक भी सबूत नहीं दे पाया है। अब पाकिस्तान के एयर वाइस मार्शल (रिटायर्ड) शहजाज चौधरी का नाम भी इसमें शामिल हो गया है। पाकिस्तानी एयर वाइस मार्शल ने दावा किया है कि मई 2025 में युद्ध के दौरान पाकिस्तान एयर फोर्स ने भारत के एस-400 डिफेंस सिस्टम की दो बैटरी, दो ब्रह्मोस साइट और चार राफेल विमान नष्ट कर दिए थे। पाकिस्तानी एयर मार्शल के दावों की एक्सपर्ट ने धज्जियां उड़ा दी हैं। चौधरी ने यहां तक कह दिया कि भारत की 114 राफेल और अतिरिक्त एस-400 की खरीद असल में मई 2025 के युद्ध में हुए नुकसान को छिपाने की कोशिश का हिस्सा है। पाकिस्तानी एयर मार्शल ने S-400 को नष्ट करने की जो कहानी सुनाई है, वह नई नहीं है। पाकिस्तान की सरकारी समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस पाकिस्तान ने सबसे पहले इस कहानी को बुना था। 10 मई 2025 की रिपोर्ट में इसने कहा कि पाकिस्तान ने हाइपरसोनिक मिसाइलों से आदमपुर में तैनात एस-400 यूनिट को नष्ट कर दिया है।

कुछ ही घंटों के भीतर भारत के पीआईबी फैक्ट चेक ने इसे गलत बता दिया। उसी शाम विंग कमांडर व्यामिका सिंह ने संयुक्त सैन्य ब्रीफिंग में एस-400 और ब्रह्मोस को नष्ट करने के दावे को पूरी तरह बेबुनियाद बताया। असल में यह पाकिस्तान के प्रोपेगैंडा अभियान का हिस्सा था, जिसमें सूरतगढ़, पठानकोट, भटिंडा, नलिया और भुज में भारतीय एयरबेस के बारे में झूठे बयान शामिल थे।

पाकिस्तानी एयर वाइस मार्शल के दावे की एक्सपर्ट ने हवा निकाल दी है। भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन (रिटायर्ड) अजय अहलावत ने एक पोस्ट में कहा कि शहजाद चौधरी के दावे को अजीब बताया है। अहलावत ने कहा कि एयर वाइस मार्शल को दावे से पहले कम से कम बेसिक रिसर्च तो करनी चाहिए थी।

उन्होंने सवाल उठाया कि युद्ध के एक साल बीत जाने के बाद भी पाकिस्तान कथित तबाही की एक भी सैटेलाइट तस्वीर नहीं ला पाया है। अहलावत ने कहा कि पाकिस्तान आगरा और दिल्ली के ऊपर ड्रोन उड़ाने का दावा करता है, तो उन ड्रोनों की तस्वीरें कहां हैं।

झारखंड में रोजगार के इंतजार में 3.98 लाख रजिस्टर्ड बेरोजगार

रांची, 3 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के 43 नियोजनालयों में रजिस्टर्ड 3,97,960 बेरोजगार युवाओं में से पिछले 2 वर्षों में महज 18,990 को ही रोजगार मिल सका है। सितंबर 2024 से अगस्त 2026 तक नियोजनालयों की ओर से आयोजित रोजगार मेलों और भर्ती कैंपों के जरिए इतनी ही संख्या में युवाओं को नौकरी मिली। यह कुल निबंधित बेरोजगारों का महज 4.55 प्रतिशत है।

यानी नियोजनालय में निबंधन कराने वाले 95 प्रतिशत से अधिक युवा अब भी रोजगार की तलाश में हैं। इन आंकड़ों से नियोजनालयों के जरिए रोजगार उपलब्ध कराने की व्यवस्था की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। निबंधित बेरोजगारों में अकुशल और आठवीं तक पढ़े युवाओं से लेकर स्नातक, डिप्लोमा और पीएचडी की डिग्री रखने वाले युवा तक शामिल हैं। नियोजनालय में रजिस्ट्रेशन कराने वाले युवाओं के लिए रोजगार की उम्मीद बनी रहती है, लेकिन आंकड़े बताते हैं कि बड़ी संख्या में युवाओं का इंतजार लंबा हो रहा है। पिछले दो वर्षों में राज्यभर में 18,990 युवाओं को रोजगार मिलने के बावजूद 3,97,960 निबंधित बेरोजगारों में से अधिकांश अभी भी नौकरी की तलाश में हैं। अकेला धनबाद ऐसा जिला है जहां 35,376 निबंधित बेरोजगारों के बीच रोजगार का इंतजार जारी है।

आरएसएस चीफ मोहन भागवत का कार्यक्रम रोकें

ब्रिटेन में 15 संगठनों ने लंदन मेयर सादिक खान को लिखी चिट्ठी

लंदन, 3 सितंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय स्वंय सेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत बुधवार से ब्रिटेन दौरे पर हैं। भागवत को अपने हालिया अमेरिका और कनाडा दौरे पर भारी विरोध का सामना करना पड़ा। अब ब्रिटेन में भी उनका विरोध शुरू हो गया है। कई संगठनों ने भागवत के लंदन में होने वाले कार्यक्रम का विरोध करते हुए मेयर से अपील की है कि आरएसएस के शहर में प्रोग्राम को समर्थन ना दिया जाए। बुधवार को भागवत के पहुंचने से पहले ही उनका विरोध देखा गया है। यूके के 15 सिविल सोसाइटी संगठनों और कई लोगों ने बुधवार को लंदन के मेयर सादिक खान को पत्र लिखा है। इसमें मांग की गई है कि मोहन भागवत के दौरे पर ग्रेटर लंदन अथॉरिटी की किसी जगह को आरएसएस के कार्यक्रम के लिए उपलब्ध ना कराया जाए। पत्र में विरोध की वजह आरएसएस का 'तानाशाही सैन्यवादी समूह' और 'फासीवाद' प्रवृति होना बताया गया है। ब्रिटेन को कट्टर-दक्षिणपंथी हिंसा के गंभीर इतिहास वाले समूह के नेता की मेजबानी नहीं करनी चाहिए। हमारे शहर में इस तरह की नफरत के लिए कोई जगह नहीं होनी चाहिए। यह वास्तव में चौंकाने वाली बात है कि यह सब हो रहा है। सिविल सोसायटी और दूसरे संगठनों ने अपने पत्र में मेयर सादिक खान से यह पुष्टि करने का आग्रह किया है कि उनके ऑफिस का कोई भी प्रतिनिधि आरएसएस से जुड़े किसी कार्यक्रम में शामिल नहीं होगा। अमेरिका और कनाडा का दौरा करने के बाद मोहन भागवत बुधवार को यूके पहुंचे हैं, जहां वह 7 सितंबर तक रहेंगे और कई कार्यक्रमों शामिल होंगे। स्क्रॉल के मुताबिक, मोहन भागवत के दौरे का विरोध करने वले समूहों ने पत्र में खासतौर से 2002 के गुजरात दंगों में आरएसएस की कथित भूमिका पर उस समय ब्रिटिश उच्चायोग की एक रिपोर्ट का हवाला दिया गया है।

अपार्टमेंट में गोलीबारी, 2 की मौत

संदिग्ध हमलावर भी मारा गया, तीन पुलिस अधिकारी घायल

वाशिंगटन, 3 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका के मिनियापोलिस में बुधवार दोपहर एक अपार्टमेंट में गोलीबारी हुई। इसमें 2 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, गोली चलाने वाला संदिग्ध भी मारा गया है।

घटना में 3 पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं, जिनमें 2 को गोली लगी है। तीनों अधिकारियों की हालत स्थिर है। पुलिस को स्थानीय समयानुसार बुधवार शाम करीब 4:30 बजे बिल्डिंग में गोली चलने की सूचना मिली थी।

इसके करीब 3 मिनट बाद पुलिसकर्मी बिल्डिंग में दाखिल हुए, जहां उन्हें पीड़ित मिले। पुलिस ने गोलियों की आवाज का पीछा करते हुए ऊपरी मंजिल तक पहुंचकर कार्रवाई की।

मिनियापोलिस पुलिस के सार्जेंट गैरेट पार्टेन के मुताबिक, एक पीड़ित की गोली लगने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे ने अस्पताल पहुंचने के बाद दम तोड़ दिया। संदिग्ध की मौत कैसे हुई, यह तुरंत साफ नहीं हो सका। हेनेपिन काउंटी मेडिकल सेंटर ने बताया कि अस्पताल में 7 मरीज लाए गए थे। हालांकि, अस्पताल ने घायलों की स्थिति के बारे में अतिरिक्त जानकारी नहीं दी।

पुलिस को ऊपर की मंजिल से गोलियों की आवाज सुनाई दी

पुलिस के मुताबिक, अधिकारी बिल्डिंग में दाखिल होने के बाद गोलियों की आवाज सुनकर ऊपरी मंजिल की ओर गए। वहां धुंध या धुएं जैसी स्थिति के कारण विजिबिलिटी काफी कम थी।

घटना के बाद सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में मिनियापोलिस कन्वेंशन सेंटर के पास एक अपार्टमेंट टावर की ओर पुलिसकर्मी राइफल ताने नजर आए। अधिकारियों ने पास के घनी आबादी वाले लॉरिंग पार्क इलाके के लोगों को घटनास्थल से दूर रहने की चेतावनी दी।

अपार्टमेंट बिल्डिंग में रहने वाले जूलियस बेली ने बताया कि वह बिल्डिंग के बाहर बैठे थे।

तभी उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी और एक ऐसे व्यक्ति को पिस्टल के साथ देखा, जिसे वह बिल्डिंग के निवासी के तौर पर पहचानते थे।

आधी रात को ही क्यों हुआ भगवान श्रीकृष्ण का जन्म?

द्वापर युग में श्रीकृष्ण ने रोहिणी नक्षत्र में जन्म लिया. इसका कारण उनका चंद्रवंशी होना था. पुराणों और धार्मिक ग्रंथों के अनुसार श्रीकृष्ण चंद्रवंशी थे. उनके पूर्वज चंद्रदेव से संबंधित थे. रोहिणी चंद्रमा की पत्नी और उनका स्व-नक्षत्र हैं. इसी कारण से भगवान श्रीकृष्ण ने रोहिणी नक्षत्र में जन्म लिया. वहीं अष्टमी तिथि शक्ति का प्रतीक मानी जाती है. एक मान्यता यह भी है कि चंद्रदेव की इच्छा थी कि श्रीहरि विष्णु मेरे कुल में कृष्ण रूप में जन्म लें. सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यही है कि केवल भाद्रपद माह की कृष्ण पक्ष की अष्टमी की आधी रात को वो शुभ महूर्त बन रहा था, जब भगवान विष्णु 64 कलाओं में निपुण भगवान कृष्ण के रूप में जन्म ले सकते थे।

पौराणिक कथाओं के अनुसार, चंद्रदेव की इच्छा थी कि भगवान कृष्ण उनके कुल में जन्म लें क्योंकि भगवान राम ने तो सूर्य के कुल में जन्म लिया था, इसलिए हे प्रभु इस अवतार में मेरे कुल में जन्म लें ताकि यह सुख मुझे भी प्राप्त हो सके और प्रत्यक्ष दर्शन कर सकूं. भगवान कृष्ण का रात्रि में जब प्रादुर्भाव हुआ, तब पूरे ब्रह्मांड का वातवरण सकारात्मक हो गया, देवी-देवता मंगल गीत गाने लगे और ईश्वर का गुणगान करने लगे. प्रकृति, पशु, पक्षी, साधु-संत, किन्नर आदि सभी नाचने-गाने लगे और ईश्वर के जन्म के लेकर हर्षित हुए।

आधी रात में जन्म का एक कारण यह भी

भगवान कृष्ण ने कंस के कारागार से निकलने के लिए भी आधी रात का समय चुना. ताकि उनके पिता सुरक्षित स्थान पर भेज सकें, इसलिए जब कृष्ण का जन्म हुआ, तभी कारागार के द्वार खुल गए और सैनिक गहरी नींद में सो गए. तब उनके पिता वसुदेव गोकुल में सुरक्षित पहुंचा सके और वापस जेल में अपनी पत्नी के पास आ गए।

जन्म आधी रात में कई वजहों से हुआ था

1. चंद्रमा रात्रि में निकलता है और कृष्ण ने अपने पूर्वज चंद्रदेव की उपस्थिति में जन्म लिया था.
2. चंद्रमा की पत्नी और उनका स्व-नक्षत्र रोहिणी है, इसलिए कृष्ण ने रोहिणी नक्षत्र में जन्म लिया।
3. अष्टमी तिथि को शक्ति का प्रतीक माना जाता है।
4. कृष्ण का जन्म 'विष्णु काल' में हुआ था, जो दिव्य ऊर्जा और शक्ति का प्रतीक है।
5. कृष्ण का जन्म लेने से पहले कारागार में कैद उनके माता-पिता को सुरक्षित स्थान पर जाने का समय मिला।

तुलसी पत्र और पंचामृत का बड़ा विधान

जन्माष्टमी की पूजा में तुलसी के पत्तों और पंचामृत का होना सबसे अनिवार्य माना जाता है. भगवान श्रीकृष्ण की पूजा बिना तुलसी दल के कभी पूरी नहीं मानी जाती, क्योंकि वे तुलसी के बिना किसी भी भोग को स्वीकार नहीं करते हैं. इसके साथ ही दूध, दही, घी, शहद और शक्कर को मिलाकर बनाया गया पंचामृत अभिषेक और भोग दोनों के लिए बेहद जरूरी होता है. पंचामृत से बाल-कृष्ण का स्नान कराने के बाद ही पूजन का विधान आगे बढ़ता है. इन दोनों ही चीजों को पूजा की थाली में शामिल करने से घर का वातावरण पूरी तरह से पवित्र हो जाता है. तुलसी और पंचामृत का यह पावन मेल पूजा के फल को कई गुना बढ़ा देता है और परिवार में हमेशा सुख-शांति बनाए रखने में मदद करता है।

जन्माष्टमी की पूजा विधि

जन्माष्टमी के दिन सुबह 4:30 से 5:15 बजे के बीच ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करें और स्वच्छ कपड़े पहनें।

पूजा स्थल की सफाई करने के बाद भगवान श्रीकृष्ण का ध्यान करें।

हाथ में जल, अक्षत और फूल लेकर व्रत और पूजा का संकल्प लें।

रात में निशिता काल के समय बाल गोपाल का जन्मोत्सव मनाएं।

शंख और घंटियां बजाकर भगवान की पूजा करें।

इसके बाद लड्डू गोपाल को पंचामृत से स्नान कराएं और नए वस्त्र पहनाएं। चंदन, फूल और माला से उनका श्रृंगार करें।

फिर बाल गोपाल को सुंदर पालने में विराजमान कराएं और लोरी या भजन गाते हुए उन्हें झुलाएं।

भगवान को माखन-मिश्री, पंजीरी, पंचमेवा, फल और मिठाइयों का भोग लगाएं। अंत में आरती करें और प्रसाद ग्रहण करें।

अपनी पारिवारिक परंपरा के अनुसार मध्यरात्रि पूजा के बाद या अगले दिन सूर्योदय के पश्चात व्रत का पारण किया जा सकता है।

जन्माष्टमी पर करें लड्डू गोपाल का श्रृंगार, मेष से मीन तक जानें 12 राशियों के लिए शुभ रंग

मेष- इस राशि के स्वामी मंगल हैं. जन्माष्टमी पर लड्डू गोपाल को लाल वस्त्र पहनाकर श्रृंगार करें. ज्योतिषीय मान्यता है कि इससे दांपत्य सुख बढ़ता और मानसिक तनाव कम होता है।

वृषभ- इस राशि का स्वामी शुक्र है. वृषभ राशि के जातकों को लड्डू गोपाल का श्रृंगार चांदी की वस्तुओं से करना चाहिए. ऐसा करने से वृषभ राशि के जातकों को भगवान श्रीकृष्ण की विशेष कृपा प्राप्त होती है.

मिथुन- इस राशि के स्वामी बुध ग्रह माने जाते हैं. जन्माष्टमी पर मिथुन राशि के जातकों को लड्डू गोपाल का श्रृंगार लहरिया प्रिंट वाले आकर्षक वस्त्रों से करना शुभ माना जाता है।

कर्क- इस राशि का स्वामी चंद्र है. कर्क राशि वालों द्वारा जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण का श्रृंगार सफेद रंग के वस्त्रों से करना शुभ माना गया है. ऐसा करने से व्यक्ति को हर कार्य में सफलता मिलती है।

सिंह- इस राशि के स्वामी सूर्य हैं. मंदिर में सुख-समृद्धि और सकारात्मकता बढ़ाने की इच्छा रखने वाले जातक जन्माष्टमी पर लड्डू गोपाल को गुलाबी वस्त्र पहनाकर श्रृंगार करें।

कन्या- इस राशि के स्वामी बुध हैं. कन्या राशि के जातकों को भगवान श्रीकृष्ण का श्रृंगार हरे रंग के वस्त्रों से करना चाहिए. श्रृंगार में चंदन का उपयोग भी कर सकते हैं. ऐसा करने से जातकों पर भगवान श्रीकृष्ण की कृपा सदैव बनी रहती है.

तुला- इस राशि के स्वामी शुक्र हैं. लंबे समय से आर्थिक परेशानियों से जूझ रहे जातक जन्माष्टमी पर लड्डू गोपाल को केसरिया रंग के वस्त्र पहनाकर श्रृंगार करें. इससे आर्थिक स्थिति में सुधार की मान्यता है।

वृश्चिक- इस राशि के स्वामी मंगल हैं. वृश्चिक राशि के जातक जन्माष्टमी पर भगवान श्रीकृष्ण का श्रृंगार लाल रंग के वस्त्रों से कर सकते हैं. ऐसा करने से कान्हा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देते हैं, जिससे जीवन में आर्थिक लाभ का योग बनता है।

धनु- इस राशि के स्वामी बृहस्पति हैं. धनु राशि के जातकों द्वारा जन्माष्टमी पर पीले वस्त्रों से लड्डू गोपाल का श्रृंगार करना शुभ माना जाता है. इससे सुख-समृद्धि और सकारात्मकता बढ़ती है।

मकर- इस राशि के जातकों के स्वामी शनि हैं. मकर राशि के लोगों को कृष्ण जन्माष्टमी पर लड्डू गोपाल का श्रृंगार पीले और लाल रंग के वस्त्रों से करना चाहिए. ऐसा करने से भगवान कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त होता है और व्यक्ति की मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।

कुंभ- इस राशि के स्वामी शनिदेव माने जाते हैं. जन्माष्टमी पर इस राशि के जातक लड्डू गोपाल को नीले वस्त्र पहनाकर श्रृंगार करें. मान्यता है कि इससे सुख-समृद्धि और सफलता के अवसर बढ़ते हैं।

मीन- इस राशि के स्वामी देवताओं के गुरु बृहस्पति हैं. जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप का श्रृंगार पीतांबर रंग के वस्त्रों से कर सकते हैं. साथ ही उन्हें पीले रंग के कुंडल भी पहनाने चाहिए. ऐसा करने से जातक का जीवन सुखमय बीतता है।

माखन-मिश्री और धनिया पंजीरी का भोग

भगवान के जन्मोत्सव पर उनके सबसे प्रिय भोग का होना अत्यंत आवश्यक होता है. बाल-कृष्ण को माखन और मिश्री का स्वाद बहुत पसंद है, इसलिए इसके बिना जन्मोत्सव की खुशी अधूरी मानी जाती है. इसके अलावा भाद्रपद मास के नियम के अनुसार सूखे धनिए की पंजीरी बनाकर अर्पित करना बहुत ही शुभ होता है. देसी घी, मखाना, कद्दू के बीज और मिश्री मिलाकर तैयार की गई धनिया पंजीरी एक सात्विक प्रसाद बनती है. यह भोग प्रभु को प्रिय होने के साथ-साथ व्रत के पारण के समय तुरंत ऊर्जा देने का काम करता है. इन पावन चीजों को भोग में शामिल करने से घर के सभी क्लेश मिटते हैं और धन-धान्य की वृद्धि होती है. इसलिए पूजा की तैयारी में इन दोनों भोगों को जरूर शामिल करना चाहिए।

श्रीकृष्ण के साथ माता यशोदा, बलराम, राधा, गौ माता और गोवर्धन पर्वत की भी करें पूजा

कल (4 सितंबर) श्रीकृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाएगी। द्वापर युग में भाद्रपद कृष्ण अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र के संयोग में मध्यरात्रि में भगवान श्रीकृष्ण प्रकट हुए थे। जन्माष्टमी पर अष्टमी तिथि का होना सामान्य बात है, लेकिन इस तिथि के साथ रोहिणी नक्षत्र का संयोग हर साल नहीं होता है। कई बार जन्माष्टमी की रात अष्टमी तिथि तो रहती है, लेकिन रोहिणी नक्षत्र नहीं होता। इस साल यह संयोग बना है। इस कारण जन्माष्टमी का महत्व और अधिक बढ़ गया है।

उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, भगवान श्रीकृष्ण रात में प्रकट हुए थे, इसलिए जन्माष्टमी की रात की घर में विराजित भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप लड्डू गोपाल की विशेष अभिषेक करना चाहिए। अभिषेक के लिए दक्षिणावर्ती शंख का इस्तेमाल करेंगे, तो बहुत शुभ रहेगा। शंख में केसर मिश्रित दूध भरकर भगवान का अभिषेक करें। पूजा में कच्चे दूध का उपयोग करना चाहिए। इसके बाद भगवान को साफ और आकर्षक पीले वस्त्र पहनाकर हार-फूल के साथ श्रृंगार करें। चंदन का तिलक लगाएं, मुकुट पहनाएं और पूजा स्थल पर मोरपंख रखें।

यशोदा, बलराम और गोवर्धन की भी करें पूजा

पूजा में श्रीकृष्ण के साथ ही माता यशोदा, बलराम, राधा, गौ माता और गोवर्धन पर्वत का भी स्मरण करना चाहिए। अगर संभव हो, तो इन सभी की प्रतिमाएं भी पूजा में रख सकते हैं। भोग में माखन-मिश्री, दूध से बनी मिठाई और मौसमी फल अर्पित किए जा सकते हैं। प्रसाद में तुलसी के पत्ते भी रखना चाहिए। इसके बाद धूप और दीप जलाकर आरती करें।

मंत्र और धार्मिक ग्रंथों का करें पाठ

जन्माष्टमी पर भगवान के मंत्रों का जप करें। जैसे- कृं कृष्णाय नमः और ॐ नमो भगवते वासुदेवाय, जय श्रीकृष्ण, राधे-राधे, राधे-कृष्ण मंत्रों का जप कर सकते हैं। मंत्र जप कम से कम 108 बार तुलसी की माला से करना चाहिए। इस दिन श्रीमद्भगवद्गीता के अध्यायों का पाठ करना चाहिए, गीता सार का अध्ययन कर सकते हैं। इनके साथ ही हरिवंश पुराण का पाठ भी किया जा सकता है। भगवान श्रीकृष्ण के अवतरण की कथा और उनकी लीलाओं को पढ़ना-सुनना भी पूजा का हिस्सा माना जाता है।

यमुना स्नान संभव न हो, तो घर में ऐसे करें स्नान

जन्माष्टमी पर यमुना स्नान करने की परंपरा है। अगर यमुना नदी तक जाना संभव नहीं हो, तो घर पर पानी में यमुना जल या गंगाजल मिलाकर स्नान कर सकते हैं। स्नान करते समय गंगा और यमुना का ध्यान करना चाहिए।

इस दिन भगवान विष्णु, श्रीराम और माता महालक्ष्मी की भी पूजा की जा सकती है। विष्णु-लक्ष्मी पूजन में दक्षिणावर्ती शंख का प्रयोग शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार शंख और लक्ष्मी दोनों की उत्पत्ति समुद्र से हुई है, इसलिए शंख को देवी लक्ष्मी से जुड़ा माना जाता है।

जन्माष्टमी पर भगवान शिव की भी पूजा करनी चाहिए।

जब आधी रात में खुद खुल गए मंदिर के द्वार, बैलगाड़ी से भक्त के साथ डाकोर चले आए श्री कृष्ण

4 सितंबर को देशभर में कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व मनाया जाएगा, हर वर्ष भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि और रोहिणी नक्षत्र में यह पर्व धूमधाम से मनाया जाता है. जन्माष्टमी के मौके पर आज हम आपको रणछोड़राय की कथा बताते हैं. गुजरात के खेड़ा जिले में बसा डाकोर भगवान श्रीकृष्ण के रणछोड़राय स्वरूप के प्रसिद्ध धाम के रूप में जाना जाता है. यहां देशभर से श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं. डाकोर की पहचान सिर्फ एक भव्य मंदिर से नहीं बल्कि उस अनोखी कथा से भी जुड़ी है, जिसमें कहा जाता है कि भगवान श्रीकृष्ण अपने भक्त की भक्ति से इतने प्रसन्न हुए कि खुद द्वारका से डाकोर चले आए. वह भी किसी राजसी रथ पर नहीं बल्कि एक साधारण बैलगाड़ी में बैठकर।

पिछले जन्म में ग्वाले थे बोदना

कहानी भगवान कृष्ण के परम भक्त बोदना से जुड़ी हुई है. मान्यता है कि अपने पिछले जन्म में बोदना गोकुल में विजयआनंद नामक ग्वाले थे. भगवान कृष्ण के रति उनके मन में गहरी श्रद्धा थी. समय बीता और कलियुग में उनका जन्म गुजरात में बोदना के रूप में हुआ. उनकी पत्नी का नाम गंगाबाई बताया जाता है. बोदना धीरे-धीरे श्रीकृष्ण के अनन्य भक्त बन गए।

भगवान कृष्ण अर्पित करते थे तुलसी दल

उनकी भक्ति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वे अपने हाथ में तुलसी का पौधा लेकर हर छह महीने में द्वारका पहुंचते और भगवान कृष्ण को तुलसी दल अर्पित करते थे. उम्र बढ़ने के साथ उनके लिए इतनी लंबी यात्रा करना मुश्किल होने लगा. जब वे करीब 72 वर्ष के हुए तो शरीर ने साथ देना कम कर दिया लेकिन भगवान के दर्शन की इच्छा कम नहीं हुई. भक्त की परेशानी देखकर मान्यता है कि भगवान कृष्ण ने स्वयं उन्हें दर्शन दिए और कहा कि अगली बार जब वे द्वारका आएं तो अपने साथ बैलगाड़ी लेकर आएं. भगवान ने वचन दिया कि वे उनके साथ डाकोर चलेंगे।

बैलगाड़ी लेकर द्वारका पहुंचे

बोदना भगवान के आदेश के अनुसार बैलगाड़ी लेकर द्वारका पहुंचे. वहां के पुजारियों ने जब उन्हें बैलगाड़ी के साथ देखा तो पूछा कि आखिर इसकी जरूरत क्यों पड़ी. बोदना ने सहजता से कहा कि वे भगवान कृष्ण को अपने साथ डाकोर ले जाने आए हैं. पुजारियों को उनकी बात पर विश्वास नहीं हुआ. रात में मंदिर के गर्भगृह के द्वार बंद कर दिए गए. आधी रात को भगवान कृष्ण ने मंदिर के बंद दरवाजे खुद खोल दिए. उन्होंने बोदना को जगाया और उनके साथ डाकोर चल पड़े. बोदना भगवान की मूर्ति को बैलगाड़ी में लेकर डाकोर की ओर निकल पड़े।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 4 सितंबर - 2026

भव्य मंदिर की बड़ी जिम्मेदारी

राम मंदिर की भव्यता जितनी महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण उसका अनुशासित, पारदर्शी और कुशल संचालन होना चाहिए। ऐसे में राम मंदिर ट्रस्ट द्वारा पूर्व एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र को मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया जाना एक महत्वपूर्ण निर्णय है। यह नियुक्ति उस जरूरत की ओर भी संकेत करती है, जिसे काफी पहले समझ लेना चाहिए था। इतने विशाल धार्मिक परिसर के संचालन के लिए पेशेवर प्रबंधन अनिवार्य है। चढ़ावे की चोरी का मामला सामने आने के बाद मंदिर प्रबंधन की व्यवस्थाओं पर सवाल उठना स्वाभाविक था। इस घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के अनुरूप सुरक्षा, निगरानी, लेखा-जोखा और प्रशासनिक नियंत्रण को लगातार मजबूत करना होगा। केवल धार्मिक भावना के भरोसे इतनी बड़ी व्यवस्था चलाने में चूक की संभावना बनी रह सकती थी। यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग दर्शन के लिए पहुंचते हैं, चढ़ावा आता है और दान तथा वित्तीय गतिविधियों का व्यापक संचालन होता है। इसलिए, हर स्तर पर जवाबदेही और निगरानी की ठोस व्यवस्था जरूरी है। व्यवस्था की छोटी चूक भी दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं की कठिनाई बढ़ा सकती है। पूर्व वायु सैन्य अधिकारी जितेंद्र मिश्र की नियुक्ति से दक्षता और अनुशासन की उम्मीद बढ़ गई है। सैन्य अभियानों में जिम्मेदारी निभाने का उनका अनुभव निश्चित रूप से जटिल व्यवस्थाओं को संभालने में काम आएगा। लेकिन मंदिर संचालन और सैन्य कमान की भूमिकाओं में काफी अंतर होता है। यहां कठोर अनुशासन के साथ संवेदनशीलता, धार्मिक मर्यादा, श्रद्धालुओं की सुविधा और संत समाज के साथ संतुलित संवाद भी उतना ही आवश्यक होगा। सीईओ का दायित्व प्रशासनिक प्रबंधन, मंदिर की दैनिक देखरेख, दर्शन व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण तथा दान और वित्तीय गतिविधियों के संचालन से जुड़ा है। धार्मिक अनुष्ठानों और परंपराओं से जुड़े विषयों में ट्रस्ट के अन्य सदस्य तथा संत समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण बनी रहेगी। इस निर्णय की सफलता का पैमाना यह होगा कि राम मंदिर आने वाला प्रत्येक श्रद्धालु व्यवस्था में पारदर्शिता, स्वच्छता, सुरक्षा और अनुशासन महसूस करे। मंदिर केवल एक विशाल भवन नहीं, बल्कि हिंदू समाज की आस्था का प्रतीक है। इसलिए यहां अव्यवस्था की गुंजाइश सामान्य संस्थानों की तुलना में नहीं होनी चाहिए। चढ़ावे की एक-एक राशि और दान की प्रत्येक मद का स्पष्ट हिसाब, प्रभावी ऑडिट और जवाबदेही सुनिश्चित करना ट्रस्ट की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में होना चाहिए। हालांकि मंदिर के संचालन को पूरी तरह किसी एक अधिकारी के भरोसे छोड़ देना भी उचित नहीं होगा। ट्रस्ट के सभी सदस्यों को अपनी जिम्मेदारियां गंभीरता से निभानी होंगी और धार्मिक आयोजनों से जुड़े मामलों में सामूहिक निर्णय तथा संतों का मार्गदर्शन आवश्यक रहेगा। संत समाज की यह मांग कि मंदिर का संचालन उसके हाथ में हो, अपनी जगह भावनात्मक महत्व रखती है, लेकिन इतने बड़े तीर्थस्थल की विशाल व्यवस्थाओं को देखते हुए केवल धार्मिक नेतृत्व पर्याप्त नहीं कहा जा सकता। आध्यात्मिक मार्गदर्शन और आधुनिक प्रशासनिक दक्षता का संतुलित मेल ही बेहतर मॉडल हो सकता है। राम मंदिर देश और दुनिया के करोड़ों लोगों की श्रद्धा का केंद्र बन चुका है। इसलिए, इसका संचालन ऐसा होना चाहिए जो राम के आदर्शों मर्यादा, सेवा, सत्य और लोककल्याण का जीवंत उदाहरण बने। नई नियुक्ति को इसी कसौटी पर परखा जाना चाहिए। यदि पेशेवर प्रबंधन, धार्मिक संवेदनशीलता और पूर्ण वित्तीय पारदर्शिता साथ चलें, तभी राम मंदिर की प्रतिष्ठा और अधिक ऊंची होगी। यही संतुलन मंदिर की गरिमा और ट्रस्ट पर जनविश्वास मजबूत करेगा।

भगवान कृष्ण और उनकी शक्तियां

निरंकार सिंह

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पूरे देश में बड़ी धूमधाम के साथ मनायी जाती है। दुनिया के कई देशों में बने इस्कान मन्दिरों की ओर से भी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समारोह का आयोजन किया जाता है। आज से लगभग पांच हजार वर्ष पहले श्रीकृष्ण भगवान का अवतरण इस धरा पर हुआ था। उनके उपदेशों के संग्रह भगवत गीता को आज भी दुनिया के कई देशों में सर्वश्रेष्ठ ग्रंथ माना जाता है। इस भगवत गीता में ही भगवान श्रीकृष्ण अर्जुन के प्रश्न का उत्तर देते हुए अपने जन्म और कर्म को आलौकिक बताया है। गीता के नवें अध्याय के तीसरे श्लोक में अर्जुन ने श्रीकृष्ण से पूछा क्या संसार से परे है? इस पर नवें अध्याय के चौथे, पांचवें और छठवें श्लोक में कहते हैं कि, 'मेरे अव्यक्त स्वरूप से यह सब जगत व्याप्त है अर्थात में जिस स्वरूप में स्थित हूं वह सर्वत्र व्याप्त है। सभी प्राणी मुझमें स्थान पाये हैं किन्तु मैं उनमें स्थित नहीं हूं क्योंकि मैं अव्यक्त स्वरूप में स्थित हूं। महापुरुष जिस अव्यक्त स्वरूप में स्थित है वहीं से (शरीर छोड़कर उसी अव्यक्त स्वरूप से ही) बात करते हैं। श्रीकृष्ण कहते हैं कि वस्तुतः सब भूत भी मुझमें स्थित नहीं है क्योंकि वे मरण धर्मा हैं। प्रकृति के आश्रित हैं किन्तु मेरी योगमाया के ऐश्वर्य को देख कि जीवधारियों को उत्पन्न और पोषण करने वाली मेरी आत्माभूतों में स्थित नहीं है। मैं आत्मस्वरूप हूं इसलिए मैं उन भूतों में स्थित नहीं हूं। यही योग का प्रभाव है। इसे स्पष्ट करने के लिए श्रीकृष्ण दृष्टान्त देते हैं जैसे आकाश में ही उत्पन्न होने वाली महान वायु आकाश में सदैव स्थित है लेकिन उसे मलिन नहीं कर पाती, ठीक वैसे ही सम्पूर्ण भूत मुझसे स्थित है। ठीक इस प्रकार मैं आकाश के समान निर्लिप्त हूं। वे मुझे मलिन नहीं कर पाते।

भगवान कहते हैं, 'जन्म कर्म च मे दिव्यम'-मेरा जन्म और कर्म अलौकिक है। इन चर्म चक्षुओं को देखा नहीं जा सकता है। गीता के ही चवथे अध्याय के दूसरे और तीसरे श्लोक में अपने स्वरूप को स्पष्ट करते हुए भगवान श्रीकृष्ण कहते हैं- 'अर्जुन, मेरी उत्पत्ति न देवता लोग जानते हैं और न महर्षिगण ही जानते हैं क्योंकि मैं सब प्रकार से देवताओं और महर्षियों का आदि हूं। जो मनुष्य मुझे अजन्मा, अनादि और सम्पूर्ण लोगों का महान ईश्वर जानता है अर्थात दृढ़ता से (सन्देह रहित) स्वीकार कर लेता है, वह मनुष्यों में ज्ञानवान है और सम्पूर्ण पापों से मुक्त हो जाता है। ब्रह्म संहिता में भी कहा गया है कि श्रीकृष्ण ही परात्पर ब्रह्म हैं। ब्रह्म संहिता के अनुसार 'अनंत कोटि ब्रह्माण्डों के संचालक भगवान श्रीकृष्ण के ही अंश महाविष्णु हैं और उनका अस्तित्व भगवान श्रीकृष्ण को एक श्वास से प्रतिपालित है अर्थात महाविष्णु स्वयं भगवान श्रीकृष्ण की एक कला के अवतार हैं।'श्रीमद्भागवत महापुराण के अनुसार सृष्टि की रचना के समय परब्रह्म ने अपनी एक शक्ति को कार्णार्णवशायी महाविष्णु के रूप में प्रकट किया। 'कार्णार्णवशायी विष्णु परब्रह्म के प्रथम अवतार माने जाते हैं। वे शाश्वत काल, पंच महाभूत की माया एवं उसमें व्याप्त अहंकार, परब्रह्म का सर्वव्यापक रूप गर्भोदशायी महाविष्णु तथा सम्पूर्ण जगत के चराचर जीवात्माओं के स्वामी हैं।' कार्णार्णवशायी महाविष्णु को परब्रह्म के प्रथम अवतार होने के कारण प्रथम पुरुष भी कहा जाता है। गर्भोदशायी महाविष्णु को द्वितीय पुरुष भी कहा जाता है। गर्भोदशायी महाविष्णु ने अनंत ब्रह्माण्डों को प्रकट किया और प्रत्येक ब्रह्माण्ड में एक विष्णु तथा एक शंकर को प्रकट किया। प्रत्येक ब्रह्माण्ड के विष्णु को क्षीरोदशायी महाविष्णु या तृतीय पुरुष कहते हैं। इनको परमात्मा भी कहते हैं जो अनंत कोटि ब्रह्मांडों के सभी जीवों के हृदय में बैठकर उनके प्रत्येक क्षण के प्रत्येक कर्म का साक्षी बन तत्पश्चात उनका फल प्रदान करते हैं। अतः यह स्पष्ट है कि भगवान श्रीकृष्ण की शक्ति (कार्णार्णवशायी विष्णु) की शक्ति (गर्भोदशायी महाविष्णु) की शक्ति का प्राकट्य क्षीरोदशायी महाविष्णु है। ब्रह्म संहिता में ही कहा गया है - विष्णुर्महान्स इट यस्य कलाविशेषो।। एक बार सृष्टि रचयिता ब्रह्मा जी भगवान श्रीकृष्ण से मिलने द्वारिका गये। ब्रह्मा जी ने द्वारपाल से अहंकार पूर्वक कहा कि, ''भगवान श्रीकृष्ण को सूचना दे दो कि ब्रह्मा उनसे मिलने के लिए प्रतीक्षा कर रहे हैं।'' जब द्वारपाल ने ब्रह्मा का संदेश सुनाया तो श्रीकृष्ण ने पूछा कि, ''कौन ब्रह्मा?''। यह सुनकर ब्रह्मा जी स्तब्ध रह गये, फिर ब्रह्मा जी ने उत्तर दिया, ''मैं सृष्टि रचयिता तथा चार कुमार परमहंसों का पिता। द्वारपाल ने ब्रह्मा जी को भगवान श्री कृष्ण से मिलने दिया। तब ब्रह्मा जी ने भगवान श्रीकृष्ण से नम्रतापूर्वक उनके द्वारा पूछे गये प्रश्न का कारण पूछा। भगवान ने ब्रह्मा जी को अपने विराट रूप का दर्शन कराया जिसमें अनंत ब्रह्मा, विष्णु, शंकर इत्यादि समाये हुए थे। दर्शन मात्र से ब्रह्मा जी का मिथ्या अहंकार नष्ट हो गया। तब ब्रह्मा जी को ज्ञात हुआ कि भगवान श्रीकृष्ण समस्त ब्रह्माण्डों के पालक हैं और ब्रह्मा तो उनमें से सबसे छोटे ब्रह्माण्ड के रचयिता हैं। ब्रह्मा जी ने भगवान श्रीकृष्ण के चरणकमलों में गिरकर क्षमा याचना की तथा उनकी स्तुति की कहा कि-'जिस प्रकार एक छोटे से छिद्र से आती हुई सूर्य की किरणों में अनंत धूल के कण दृष्टिगोचर होते हैं, उसी प्रकार आपके शरीर के रोम-रोम में अनंत ब्रह्मा, विष्णु, शंकर और उनके ब्रह्मांड समाये हुए हैं। आपक महिमा अवर्णनीय है।' इससे यह पता चलता है कि भगवान श्रीकृष्ण के दो प्रकार के अवतार होते हैं। एक युगावतार श्रीकृष्ण और एक स्वयं श्रीकृष्ण युगावतार। श्रीकृष्ण प्रत्येक द्वापर में अवतरित होते हैं जबकि स्वयं श्रीकृष्ण एक कल्प में केवल एक बार आते हैं। युगावतार तथा महाविष्णु दोनों अवतार हैं। जबकि स्वयं श्रीकृष्ण अन्य सभी अवतारों के स्रोत हैं। यद्यपि अवतारी और सभी अवतारों में अनंत दिव्यानंद है तथा श्रीकृष्ण के समकक्ष शक्तियां होती हैं परन्तु अवतार उन परम शक्तियों के अध्यक्ष नहीं होते। स्वयं श्रीकृष्ण ही समस्त दिव्य शक्तियों के स्वामी और नियंत्रण कर्ता हैं। आपके शरीर के रोम-रोम में अनंत ब्रह्मा, विष्णु, शंकर और उनके ब्रह्मांड समाये हुए हैं दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण ही अपनी शक्तियां अपने सभी अवतारों को देते हैं और श्रीकृष्ण अपनी शक्ति निष्पंद भी कर सकते हैं क्योंकि वे स्वयं ही समस्त शक्तियों के नियंत्रक हैं। उनकी शक्तियां और उनका वैभव अनन्त है। वेद, भागवत और श्रुतियां भी उनका सम्पूर्ण गुणगान करने में असमर्थ हैं। वे नेति-नेति कह करके हार जाते हैं। गोस्वामी तुलसीदास जी कहते हैं - हरहिं हरिता विधिहि विधिता, शिवहिं शिवता जो दई। अर्थात ''वे ही हैं जो विष्णु को पालन की शक्ति देते हैं। ब्रह्मा को रचना करने की शक्ति देते हैं, शिव को संहार करने की शक्ति देते हैं। भागवत के अनुसार भी ''न ही भगवान शंकर, न ही तुम और न ही मैं दिव्यानंद की सीमाओं का अंत पा सकते हैं तो देवी देवता की क्या बिसात? और हम सभी लोग भगवान की माया से मोहित हैं अतः व्यक्तिगत क्षमता के अनुसार ही हम लोग ब्रह्माण्डों को देख सकते हैं।'' भगवान श्रीकृष्ण के बारे में कृपालु महाराज कहते हैं कि एक ही परमेश्वर परमब्रह्म है और सभी अवतार उसी की शक्तियों से या उसकी शक्ति की शक्ति से शक्ति प्राप्त करते हैं। स्वयं श्रीकृष्ण एक कल्प में एक बार अवतरित होते हैं। आज से 5000 वर्ष पूर्व नंद और यशोदा के दुलारे पुत्र के रूप में जो श्रीकृष्ण अवतरित हुए थे, वे स्वयं श्रीकृष्ण थे।

आस्था, आधुनिक प्रबंधन और संस्थागत शुचिता का नया अध्याय

अशोक भाटिया

अयोध्या में श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट द्वारा भारतीय वायुसेना के सेवानिवृत्त एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र को अपना पहला मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त करना भारत के धार्मिक, सांस्कृतिक और प्रशासनिक इतिहास में एक युगांतकारी मोड़ है। यह घटना केवल एक पद को भरने की सामान्य प्रक्रिया नहीं है, बल्कि देश के सबसे संवेदनशील और भव्य सांस्कृतिक प्रतीक के प्रबंधन को पूरी तरह से आधुनिक, पेशेवर और पारदर्शी बनाने का एक सुविचारित संकल्प है। जिस सेनानायक ने कल तक देश की सरहदों की सुरक्षा के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' और 'ऑपरेशन सफेद सागर' जैसे ऐतिहासिक अभियानों में आसमान का सीना चीरते हुए वायुसेना की पश्चिमी कमान का सफल नेतृत्व किया था, आज उसी कर्मवीर के माथे पर 'रघुनंदन का चंदन' सज चुका है। यह संगम इस बात का जीवंत उदाहरण है कि जब राष्ट्र की संप्रभुता की रक्षा करने वाला शौर्य, अध्यात्म और जन-आस्था की सेवा से जुड़ता है, तो एक नई और सुदृढ़ व्यवस्था का जन्म होता है।

यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब अयोध्या का राम मंदिर वैश्विक मानचित्र पर करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की आस्था का मुख्य केंद्र बन चुका है। प्रतिदिन लाखों श्रद्धालुओं का आगमन, देश-विदेश से आने वाला भारी चढ़ावा, विशाल बुनियादी ढांचा और सुरक्षा की अभेद्य चुनौतियां—इन सबने मिलकर राम मंदिर के संचालन को एक बहुत बड़े और जटिल संस्थागत प्रबंधन में तब्दील कर दिया है। ऐसे में पारंपरिक व्यवस्था से ऊपर उठकर एक पेशेवर प्रशासनिक ढांचे की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही थी। ट्रस्ट ने 5,500 से अधिक आवेदनों की एआई आधारित स्क्रीनिंग और गहन छंटनी के बाद जिस तरह से एक उच्च-स्तरीय चयन प्रक्रिया के जरिए एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र का चयन किया, वह अपने आप में एक मिसाल है। इस बड़े कदम के पीछे केवल व्यवस्था को सुधारने की चाह ही नहीं थी, बल्कि हाल के दिनों में उपजे कुछ गंभीर विवाद भी थे। मंदिर के चढ़ावे और चंदे में कथित वित्तीय अनियमितताओं के जो आरोप लगे थे, उसने न केवल जनमानस को उद्वेलित किया, बल्कि ट्रस्ट की आंतरिक कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े किए थे। इन विवादों के बाद पूर्व महासचिव चंपत राय और सदस्य अनिल मिश्रा के इस्तीफे हुए, जिसके कारण आंतरिक पुनर्गठन अपरिहार्य हो गया था। ट्रस्ट ने स्वामी गोविंद देव गिरि महाराज को नया महासचिव और महेश भागचंदका को नया कोषाध्यक्ष बनाकर संगठन में एक बड़ा फेरबदल किया है, लेकिन इस पूरी प्रशासनिक मशीनरी के शीर्ष पर एक तटस्थ और अनुशासित सैन्य अधिकारी को बैठाना सबसे बड़ा और निर्णायक बदलाव माना जा रहा है।

इस नियुक्ति के पक्ष में खड़े विशेषज्ञों, विचारकों और आम श्रद्धालुओं का मानना है कि यह राम मंदिर के इतिहास का सबसे प्रगतिशील कदम है। किसी भी विशाल संस्थान को चलाने के लिए केवल धार्मिक ज्ञान या निष्ठा ही पर्याप्त नहीं होती, बल्कि आधुनिक कॉर्पोरेट और रणनीतिक प्रबंधन की भी उतनी ही जरूरत होती है। एयर मार्शल जितेंद्र मिश्र के पास 38 वर्षों से अधिक का सैन्य प्रशासनिक अनुभव है। उन्होंने वायुसेना की उस पश्चिमी कमान का नेतृत्व किया है जिसके कंधों पर देश की सबसे संवेदनशील सीमाओं की सुरक्षा का जिम्मा होता है। ऐसे नेतृत्वकर्ता के पास 'क्राइसिस मैनेजमेंट' (संकट प्रबंधन), लॉजिस्टिक्स, सुरक्षा ग्रिड की समझ और मानव संसाधन को अनुशासित ढंग से संचालित करने की अद्भुत क्षमता होती है।

एक सैन्य अधिकारी का जीवन ईमानदारी और सख्त नियमों के दायरे में बीतता है। जितेंद्र मिश्र की उपस्थिति से यह सुनिश्चित होगा कि मंदिर को मिलने वाले एक-एक पैसे का हिसाब पूरी तरह से पारदर्शी और ऑडिटेड हो, जिससे जनता का अटूट विश्वास फिर से मजबूत होगा। इसके अलावा, अयोध्या में हर त्योहार और आम दिनों में भी लाखों श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। ऐसे में भगदड़ जैसी अप्रिय घटनाओं को रोकने और वीआईपी व आम श्रद्धालुओं के बीच संतुलन बनाने के लिए सैन्य स्तर की योजना की आवश्यकता थी। एयर मार्शल मिश्र के अनुभव का लाभ उठाकर मंदिर परिसर के 70 एकड़ के क्षेत्र को एक सुरक्षित और सुलभ मॉडल में बदला जा सकता है।

मंदिर के मामलों में अक्सर विभिन्न धार्मिक गुटों, अखाड़ों, राजनेताओं और स्थानीय संस्थाओं का प्रभाव या दबाव देखा जाता है। एक बाहरी और गैर-राजनीतिक सैन्य पृष्ठभूमि के व्यक्ति के सीईओ बनने से प्रशासनिक निर्णय पूरी तरह से योग्यता और नियमों के आधार पर लिए जाएंगे, न कि किसी के तुष्टिकरण या प्रभाव में आकर। राम मंदिर परिसर में केवल पूजा-पाठ ही नहीं, बल्कि संग्रहालय, अनुसंधान केंद्र, डिजिटल गैलरी और कई जनकल्याणकारी परियोजनाएं आकार ले रही हैं। इन परियोजनाओं को समय सीमा के भीतर पूरा करने के लिए 'प्रोजेक्ट मैनेजमेंट' की जिस महारत की जरूरत होती है, वह भारतीय रक्षा बलों के अधिकारियों के रग-रग में बसी होती है। समर्थकों का स्पष्ट कहना है कि 'सिंदूर के नायक' ने हमेशा राष्ट्र को सर्वोपरि रखा है। जब ऐसा व्यक्तित्व रघुनंदन के चरणों में अपनी सेवाएं अर्पित करेगा, तो वह मंदिर को केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि विश्व स्तरीय व्यवस्था का एक अनुपम केंद्र बना देगा। दूसरी तरफ, हर बड़े और अभूतपूर्व निर्णय की तरह इस फैसले के भी कुछ आलोचक और शंकालु पक्ष हैं, जिन्हें पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। देश के कुछ पारंपरिक संतों, अखाड़ों के प्रतिनिधियों और रूढ़िवादी विचारकों के मन में इस नई व्यवस्था को लेकर कई तरह के संशय और आपत्तियां हैं। उनका मानना है कि सनातन धर्म के सबसे बड़े और पवित्रतम केंद्रों में से एक का संचालन पूरी तरह से धार्मिक मर्यादाओं, शास्त्रों की व्यवस्था और संतों के मार्गदर्शन में होना चाहिए।

अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक हैं कृष्ण

योगेश कुमार गोयल

भाद्रपक्ष कृष्ण अष्टमी का पावन पर्व सम्पूर्ण भारतवर्ष में भारतीय जनमानस के नायक, योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के रूप में अत्यंत श्रद्धा, उल्लास और भक्ति के साथ मनाया जाता है। जन्माष्टमी केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं बल्कि भारतीय संस्कृति, अध्यात्म और जीवन-दर्शन में श्रीकृष्ण के विराट व्यक्तित्व और उनके लोककल्याणकारी संदेशों का स्मरण कराने वाला पर्व है। श्रीमद्भागवत पुराण के अनुसार, भाद्रपक्ष कृष्ण अष्टमी की अर्धरात्रि में रोहिणी नक्षत्र और वृष राशि के संयोग में मथुरा के कारागार में वसुदेव की पत्नी देवकी के गर्भ से भगवान श्रीकृष्ण का अवतरण हुआ था। अत्याचारी कंस के आतंक से त्रस्त मथुरा में श्रीकृष्ण का जन्म अन्याय और अधर्म के विरुद्ध धर्म, सत्य और न्याय की विजय की आशा का प्रतीक बना। पौराणिक मान्यता के अनुसार, श्रीकृष्ण भगवान विष्णु के पूर्णावतार माने जाते हैं और उनके व्यक्तित्व में बाल-सुलभ चंचलता, अद्भुत करुणा, अनुपम प्रेम, असाधारण पराक्रम, दूरदर्शी कूटनीति तथा गहन आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत समन्वय दिखाई देता है। उन्होंने भगवद्गीता के माध्यम से कर्म, धर्म और कर्तव्य का ऐसा कालजयी संदेश दिया, जो आज भी मानवता का मार्गदर्शन करता है। इस वर्ष 4 सितंबर को भगवान श्रीकृष्ण की 5253वीं जन्माष्टमी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाई जा रही है। मंदिरों में विशेष सजावट, झांकियों, भजन-कीर्तन और मध्यरात्रि में भगवान के जन्मोत्सव के साथ यह पर्व भारतीय सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा प्रदान करेगा।

जन्माष्टमी के दिन देशभर में मंदिरों को सजाया जाता है, लोग रात्रि के 12 बजे तक व्रत रखते हैं और रात्रि 12 बजे शंख और घंटों की ध्वनि के जरिये भगवान श्रीकृष्ण के जन्म की खबर चारों दिशाओं में गूंज उठती है। भगवान श्रीकृष्ण ने अपने बाल्यकाल में अनेकों लीलाएं कीं, जन्माष्टमी के अवसर पर ऐसी ही अनेक लीलाओं का मंचन किया जाता है। सही मायनों में श्रीकृष्ण हमारे इतिहास के अभिन्न अंग हैं, जिनका सम्पूर्ण व्यक्तित्व जितना मोहक था, उतना ही रहस्यमयी भी और उतनी ही अनोखी थी उनकी लीलाएं। बाल्यावस्था से लेकर जीवनपर्यन्त लीलाएं करते रहे श्रीकृष्ण में कभी भगवान के दर्शन होते हैं तो कभी वे एक साधारण मानव सरीखे प्रतीत होते हैं। दिलचस्प तथ्य यह है कि मानव के रूप में भी श्रीकृष्ण उतना ही आकर्षित करते हैं, जितना कि भगवान के रूप में। उनका एक-एक कार्य मन में गहरा स्थान बना जाता है। उनके आदर्श, उनके जीवन की विद्वता, वीरता, कूटनीति, योगी सदृश उज्ज्वल, निर्मल एवं प्रेरणादायक पक्ष, सब हमारे लिए अनुकरणीय हैं। श्रीकृष्ण को प्रेम एवं मित्रता के अनुपम प्रतीक के रूप में भी जाना जाता है। बचपन के निर्धन मित्र सुदामा को उन्होंने अपने राज्य में जो मान-सम्मान दिया, वह मित्रता का अनुकरणीय उदाहरण बना। श्रीकृष्ण की लीलाओं को समझना जहां पहुंचे हुए ऋषि-मुनियों और बड़े-बड़े विद्वानों के बूते से भी बाहर था, वहीं अनपढ़, गंवार माने जाते रहे निरक्षर और भोले-भाले ग्वाले और गोपियां उनका सानिध्य पाते हुए उनकी दिव्यता का सुख पाते रहे। उन्हें कन्हैया कहें या कृष्ण, पीताम्बर कहें या वासुदेव या फिर देवकीनंदन अथवा यशोदानंदन, वास्तव में श्रीकृष्ण का भारतीय संस्कृति में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है। वे महाभारत काल के ऐसे आध्यात्मिक एवं राजनीतिक दृष्टा रहे, जिन्होंने धर्म, सत्य और न्याय की रक्षा के लिए दुर्जनों का संहार किया। वे शांति, प्रेम एवं करूणा के साकार रूप थे। महाभारत युद्ध के समय शांति के सभी प्रयास असफल होने पर उन्होंने संशयग्रस्त धनुर्धारी अर्जुन को ज्ञान का उपदेश देकर कर्तव्य मार्ग पर अग्रसर किया और अन्याय की सत्ता को उखाड़ने के लिए अपने ही कौरव भाइयों के साथ युद्ध करते हुए उन्हें अपने कर्मों का पालन करने के लिए गीता का उपदेश दिया। युद्ध के समय वे हर पल धर्म की रक्षा करने के लिए अधर्म करने वालों के खिलाफ खड़े नजर आए, इसीलिए उन्हें अधर्म पर धर्म की विजय के प्रतीक के रूप में भी जाना जाता है। गीता में उपदेश देते हुए श्रीकृष्ण ने कहा था:-यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत। अभ्युत्थानम धर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम।।

अर्थात हे भारत! जब-जब धर्म की हानि और अधर्म की वृद्धि होती है, तब-तब ही मैं अपने रूप को रचता हूं अर्थात साकार रूप से लोगों के सम्मुख प्रकट होता हूं। बाल्याकाल से लेकर बड़े होने तक श्रीकृष्ण की अनेक लीलाएं विख्यात हैं। श्रीकृष्ण ने अपने बड़े भाई बलराम का घमंड तोड़ने के लिए, हनुमान जी का आव्हान किया था, जिसके बाद हनुमान ने बलराम की वाटिका में जाकर बलराम से युद्ध किया और उनका घमंड चूर-चूर कर दिया था। श्रीकृष्ण ने नरकासुर नामक असुर के बंदीगृह से 16100 बंदी महिलाओं को मुक्त कराया था, जिन्हें समाज द्वारा बहिष्कृत कर दिए जाने पर उन महिलाओं ने श्रीकृष्ण से अपनी रक्षा की गुहार लगाई और तब श्रीकृष्ण ने उन सभी महिलाओं को अपनी रानी होने का दर्जा देकर उन्हें सम्मान दिया था। अपने एक उपदेश में योगेश्वर श्रीकृष्ण ने कहा था:-परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम। धर्मसंस्थापनार्थाय सम्भवामि युगे युगे। अर्थात साधु पुरुषों का उद्धार करने के लिए, पाप कर्म करने वालों का विनाश करने के लिए और धर्म की अच्छी तरह से स्थापना करने के लिए मैं युग-युग में प्रकट हुआ करता हूं।

शिक्षक दिवस – माला एक दिन की, परीक्षा पूरे साल की

कृति जैन

पाँच सितंबर को स्कूलों में सम्मान का शोर उठता है—दीवारों पर रंग चढ़ते हैं, हाथों में फूल आते हैं और मंच से शिक्षक की महिमा के पुल बाँधे जाते हैं। मगर तालियों के बीच एक सवाल अनसुना रह जाता है-यह शिक्षक दिवस है या हमारी एक दिन की औपचारिक कृतज्ञता? जिस शिक्षक को आज गुरु, मार्गदर्शक और राष्ट्रनिर्माता कहा जाता है, वही कल फाइलों, आदेशों, रजिस्टरों और परीक्षा परिणामों के बोझ तले फिर अकेला खड़ा होगा। फूल मुरझाएँगे, कार्ड फेंक दिए जाएँगे, तस्वीरें पुरानी पड़ जाएँगी; पर पहली घंटी के साथ उसकी जिम्मेदारियाँ फिर सामने होंगी।

शिक्षक दिवस की असली सार्थकता तभी है, जब समारोह खत्म होने के बाद भी शिक्षक का सम्मान बना रहे। कक्षा की चार दीवारों में अलग-अलग परिस्थितियों से जूझते बच्चे बैठे होते हैं—कोई भूखा है, कोई टूटे परिवार का बोझ ढो रहा है, कोई आर्थिक अभाव से सहमा है तो कोई मोबाइल के कारण एकाग्रता खो चुका है। किसी के पास किताब नहीं, किसी के घर पढ़ने की जगह या परिवार का सहयोग नहीं। फिर भी अपेक्षा है कि शिक्षक सबको समान परिणाम दे। यह वैसा है जैसे किसान को जमीन, पानी और मौसम की चिंता किए बिना भरपूर फसल देने को कहा जाए। बच्चे की परिस्थितियों और मनःस्थिति का हिसाब कोई नहीं रखता; परिणाम खराब होते ही सवाल शिक्षक पर आता है। समाज शिक्षक को मशीन मानता है-न थकने वाली, न परेशान होने वाली और न असफल होने वाली।

शिक्षक का अधिकांश श्रम कागज पर दर्ज नहीं होता। अपनी जेब से कॉपियाँ-किताबें खरीदना, गरीब बच्चे की फीस या परीक्षा-फॉर्म भरना, घर पर निःशुल्क पढ़ाना, अपने खाने का पैसा बचाकर जरूरतमंद विद्यार्थी की मदद करना-ये उसकी नौकरी की शर्तें नहीं हैं। बुखार हो या शरीर टूट रहा हो, कक्षा में खड़ा रहना पड़ता है; छुट्टी भी सवाल खड़े कर देती है। लेकिन परिणाम में दो अंक कम होते ही शिक्षक से जवाब माँगा जाता है। सम्मान का यह कैसा ढंग है—फूल भी उसी के लिए और दोष भी उसी के सिर? उसका असली श्रम रिपोर्टों में नहीं, बच्चे के आत्मविश्वास, टूटे विद्यार्थी की वापसी और गरीब बच्चे की तरक्की में दिखता है। आज शिक्षक को पाठ के साथ बच्चे को भी समझना है। मोबाइल ने उसकी उँगलियों में पूरी दुनिया रख दी है, लेकिन हर सूचना ज्ञान नहीं। ध्यान कुछ सेकंड में भटकता है, तुलना बढ़ती है और घर-परिवार का दबाव बच्चों को बेचैन करता है। फिर भी शिक्षक से अपेक्षा है कि वह कक्षा संभाले, अनुशासन रखे, पाठ्यक्रम पूरा करे और हर बच्चे को टॉपर बनाए। उसे अध्यापक के साथ मित्र, काउंसलर, प्रेरक और कई बार माँ-बाप की भूमिका भी निभानी पड़ती है। चालीस अलग-अलग दिमागों को समझना आसान नहीं। अभिभावक परिणाम, स्कूल अनुशासन और व्यवस्था लक्ष्य चाहती है; इन अपेक्षाओं के बीच शिक्षक की थकान, परेशानी और निजी जिंदगी सबसे पहले छूट जाती है।

ईमानदारी का तकाजा है कि शिक्षक को देवता न माना जाए। हर शिक्षक आदर्श नहीं होता। कुछ लापरवाह हैं, कुछ जिम्मेदारी से बचते हैं और कुछ विद्यार्थियों के साथ अन्याय करते हैं। ऐसे मामलों में जवाबदेही होनी चाहिए। लेकिन कुछ खराब उदाहरणों के आधार पर पूरे शिक्षक समुदाय को कटघरे में खड़ा करना भी गलत है। सवाल यह भी होना चाहिए कि शिक्षक को बेहतर बनाने के लिए व्यवस्था ने क्या किया? उसे कैसा प्रशिक्षण मिला? कक्षा में कितने बच्चे हैं? गैर-शैक्षणिक काम कितना है? संसाधन और पढ़ाने की स्वतंत्रता कितनी है? यदि शिक्षक का समय कागजी काम में जाए, कक्षा भीड़ से भरी हो और निर्णय ऊपर से आएँ, तो केवल परिणाम माँगना अपनी जिम्मेदारी से बचना है।

दर्जी की दुकान

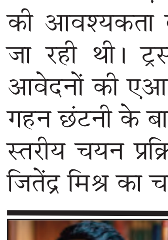

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

कस्बे के मुख्य बाजार के मुहाने पर करीम चाचा की सिलाई की दुकान किसी पुराने लोकतंत्र की तरह खड़ी थी जिसकी दीवार पर लकड़ी का एक घिसा हुआ नाप ऐसे टँगा रहता था जैसे किसी दफ्तर में नैतिकता की पुरानी तस्वीर धूल फाँक रही हो। उस नापने वाले गज के सिरों पर जड़ी पीतल की पत्तियाँ धूप की मार से वैसी ही मद्धम पड़ गई थीं जैसी चुनाव के बाद जनसेवक की ईमानदारी पड़ जाती है। दुकान में हर रोज सुबह आठ बजते ही सिलाई मशीनों की खटर-पटर ऐसे शुरू होती थी जैसे सरकारी विभाग में भ्रष्टाचार की फाइलें दौड़ने लगी हों। करीम चाचा रोज सुबह शटर उठाते ही सबसे पहले उस पुराने गज को दीवार से उतारते और उस पर जमी गर्द ऐसे पोंछते जैसे कोई नेता अपने दामन के पुराने दाग साफ करने की कोशिश कर रहा हो। सफेद जालीदार टोपी और आँखों पर आधा चश्मा टिकाए चाचा दिन भर उस गज को ऐसे निहारते थे जैसे वह लकड़ी का डंडा न होकर किसी बेईमान विभाग का ऑडिट रिकॉर्ड हो जिसे देखकर बड़े-बड़े ठेकेदारों का ब्लड प्रेशर बढ़ जाए। जब भी कोई नया ग्राहक नाप देने आता तो चाचा पुराने गज को हाथ नहीं लगाते थे क्योंकि उन्हें पता था कि नए जमाने के खोखले शरीरों को नापने के लिए प्लास्टिक का वह आधुनिक फीता ही काफी है जो हर मोड़ पर मुड़ने की सलाहियत रखता है। सलीम चाचा की इस आदत पर अक्सर मजाक उड़ाता कि जब प्लास्टिक का फ्लेक्सिबल फीता मौजूद है तो इस लकड़ी के बोझ को ढोने की क्या तुक है पर वह नहीं जानता था कि सख्त सिद्धांत अक्सर बोझ ही महसूस होते हैं। करीम चाचा बस एक कड़वी मुस्कान बिखेर देते जो किसी बजट भाषण की तरह नीरस और रहस्यमयी होती थी और कहते कि यह गज इंसान के ईमान का वह सच्चा पैमाना है जिसे नापने का हुनर आजकल के उस प्लास्टिक में नहीं जो खुद हर पल अपनी लंबाई बदलने को तैयार रहता है। उस कस्बे के सबसे रईस ठेकेदार बाबू बृजमोहन जी का अपनी दौलत पर वैसा ही अटूट विश्वास था जैसा एक अनपढ़ का अपनी तकदीर पर होता है। बृजमोहन जी जब अपनी लंबी चमचमाती गाड़ी से बाजार में कदम रखते तो पूरा बाजार उनके स्वागत में ऐसे बिछ जाता था जैसे किसी अपराधी के स्वागत में न्याय की गरिमा बिछ जाती है। बृजमोहन जी को अपने सूट सिर्फ करीम चाचा से ही सिलवाना पसंद था क्योंकि उन्हें पता था कि जितना करीम चाचा कपड़े की कमियाँ छुपा सकते हैं उतना तो शायद उनका मुनीम खातों की हेराफेरी भी नहीं कर पाता होगा। एक दिन जब बाजार में रौनक वैसी ही सुस्त थी जैसा किसी सरकारी स्कूल का लंच ब्रेक होता है तब बृजमोहन जी अपने नौकरों के साथ दुकान पर पहुँचे। उनके हाथ में विदेशी रेशम का वह थान था जिसकी चमक देखकर गरीब की भूख और बढ़ जाए। बृजमोहन जी ने गद्दी पर बैठते हुए ऐसे रौब से सूट तैयार करने को कहा जैसे वह किसी मंत्री को तबादले का हुक्म दे रहे हों ताकि शादी में आने वाले अफसर उनकी अमीरी की चौंध से अंधे हो सकें। जब उनकी नजर मेज पर रखे उस पुराने गज पर पड़ी तो उन्होंने नाक-भौं ऐसे सिकोड़ी जैसे किसी संस्कारी सभा में कोई सच बोल गया हो। उन्होंने तल्ख लहजे में पूछा कि इस कबाड़ को क्यों नहीं फेंक देते तो चाचा ने धीमे स्वर में कहा कि बाबूजी यह कबाड़ नहीं बल्कि उस दौर का गवाह है जब इस कस्बे में सरीफ इंसान और ईमानदारी का नाप भी इसी से लिया जाता था पुराने मुंशी दीनानाथ जो सालों से कचहरी की धूल फाँकते आए इतने अनुभवी हो गए थे कि चेहरे देखकर ही धाराओं का अंदाजा लगा लेते थे उन्होंने भी उस गज की महिमा का बखान शुरू किया। उन्होंने बताया कि पच्चीस साल पहले जब अकाल पड़ा था और लोग ऐसे तड़प रहे थे जैसे बिना रिश्वत के कोई फाइल तड़पती है तब चाचा के बेटे कासिम ने इसी गज से गरीबों का बदन ढका था।

कभी विवेक ओबेरॉय ने रिहर्सल रूम साफ किया था : डांसर्स को चाय भी लाते थे, कंपनी मूवी से डेब्यू किया, अब 'रामायण' में नजर आएंगे

अपने करियर में हीरो से लेकर विलेन तक कई तरह के किरदार निभाने वाले एक्टर विवेक ओबेरॉय आज 50 साल के हो गए हैं। हालांकि, उनका फिल्मी सफर शुरुआत से आसान नहीं था। फिल्मों में आने से पहले उन्होंने संघर्ष किया था। यहां तक कि उन्होंने फिल्ममेकर फराह खान को असिस्ट भी किया। इस दौरान वह रिहर्सल रूम साफ करते थे और डांसर्स के लिए चाय भी लाते थे।

विवेक ने बताया था कि वह ट्रेनिंग के लिए लंबे समय तक फराह खान को असिस्ट करते रहे। उन्होंने कहा था, "मैंने रिहर्सल रूम साफ करने और सभी डांसर्स के लिए चाय लाने से शुरुआत की और फिर आगे बढ़ता गया।"

विवेक ने यह भी बताया था कि उन्होंने कभी किसी को नहीं बताया कि उनके पिता कौन हैं। दरअसल, विवेक दिग्गज अभिनेता सुरेश ओबेरॉय के बेटे हैं। इसके बावजूद उन्होंने अपने पिता की पहचान का सहारा लेकर काम पाने की कोशिश नहीं की।

सुरेश ओबेरॉय ने लावारिस (1981), नमक हलाल (1982), मिर्च मसाला (1987), और मिस्टर इंडिया (1987) जैसी कई फिल्मों में काम किया है।

2002 में 'कंपनी' से मिला बड़ा ब्रेक

विवेक ओबेरॉय को साल 2002 में राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'कंपनी' से बॉलीवुड डेब्यू का मौका मिला था। फिल्म मुंबई के अंडरवर्ल्ड पर आधारित थी। इसमें विवेक ने चंदू का किरदार निभाया था।

'कंपनी' में विवेक के अभिनय को काफी पसंद किया गया। फिल्म की सफलता के साथ ही वह इंडस्ट्री में तेजी से पहचाने जाने लगे। अपने डेब्यू के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट मेल डेब्यू अवॉर्ड मिला था।

फिल्म 'कंपनी' के लिए विवेक ओबेरॉय को बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था। इसके बाद साल 2002 में ही वह 'रोड' और 'साथिया' में नजर आए। खासतौर पर 'साथिया' में रानी मुखर्जी के साथ उनकी जोड़ी पसंद की गई। फिल्म सफल रही और विवेक को बेस्ट एक्टर के फिल्मफेयर अवॉर्ड के लिए नॉमिनेशन मिला। विवेक ने अपने करियर में सिर्फ हीरो वाले रोल नहीं किए। उन्होंने नेगेटिव किरदारों में भी अपनी छाप छोड़ी। साल 2006 में विशाल भारद्वाज की फिल्म 'ओमकारा' में उन्होंने केशु का रोल किया था।

इसके बाद 2007 में आई 'शूटआउट एट लोखंडवाला' में उन्होंने गैंगस्टर माया डोलस का किरदार निभाया। इस रोल में विवेक के लुक और एक्टिंग की काफी चर्चा हुई। उन्हें इस किरदार के लिए फिल्मफेयर बेस्ट विलेन अवॉर्ड के लिए नॉमिनेशन भी मिला।

'रक्त चरित्र' में निभाया दमदार रोल

2010 में विवेक ने राम गोपाल वर्मा की फिल्म 'रक्त चरित्र' में परिताला रवि का किरदार निभाया। यह एक गंभीर और चुनौतीपूर्ण रोल था। फिल्म में उनके अभिनय को काफी सराहना मिली। इसके बाद 2013 में विवेक 'कृष 3' में नजर आए। उन्होंने फिल्म में सुपरविलेन काल का किरदार निभाया। ऋतिक रोशन और कंगना रनोट स्टारर इस फिल्म में विवेक की परफॉर्मेंस भी चर्चा में रही। उन्हें फिल्म के लिए फिल्मफेयर बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर के अवॉर्ड के लिए नॉमिनेशन मिला।

विवेक ओबेरॉय ने 29 अक्टूबर 2010 को प्रियंका अल्वा से शादी की थी। प्रियंका, कर्नाटक के पूर्व मंत्री जीवराज अल्वा की बेटी हैं। कपल के दो बच्चे बेटा विवान और बेटी अमेया हैं।

साउथ की फिल्मों में भी बनाई पहचान

विवेक ने हिंदी फिल्मों के अलावा साउथ की फिल्मों में भी काम किया। 2017 में उन्होंने तमिल फिल्म 'विवेगम' से डेब्यू किया। इसके बाद 2019 में वह मलयालम फिल्म 'लूसिफर' में नजर आए। इस फिल्म में उन्होंने विलेन बॉबी का रोल निभाया। मोहनलाल स्टारर फिल्म में उनके किरदार को दर्शकों ने पसंद किया। विवेक ने तेलुगु फिल्मों में भी काम किया। उन्होंने 'विनय विधेया रामा' में अहम भूमिका निभाई। 2022 में वह मलयालम फिल्म 'कडुवा' में भी नजर आए।

विवेक ओबेरॉय कंस्ट्रक्शन और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्र से जुड़ी कंपनी 'कर्म इंफ्रास्ट्रक्चर' के मालिक हैं। उन्होंने एडटेक, ज्वैलरी और स्वास्थ्य जैसे विभिन्न क्षेत्रों की करीब 29 से अधिक स्टार्टअप कंपनियों में निवेश किया है।

एक्टिंग के साथ प्रोडक्शन में भी कदम रखा

विवेक ने एक्टिंग के अलावा फिल्म प्रोडक्शन में भी हाथ आजमाया। साल 2011 में उन्होंने फिल्म 'देख इंडियन सर्कस' प्रोड्यूस की। इस फिल्म को इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में भी सराहना मिली। फिल्म ने 2011 में बुसान इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में ऑडियंस चॉइस अवॉर्ड जीता था।

विवेक ने टीवी पर भी काम किया। वह रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट ड्रामेबाज' में जज की भूमिका में नजर आए। इसके अलावा उन्होंने फिल्म 'पीएम नरेंद्र मोदी' में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का किरदार निभाया।

फिल्म 'पीएम नरेंद्र मोदी' 24 मई 2019 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब विवेक ओबेरॉय जल्द नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण पार्ट 1' में नजर आएंगे। फिल्म भारत में 8 नवंबर 2026 (दिवाली) को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म में वह रावण की बहन शूर्पणखा के पति विद्युत्जिह्व का किरदार निभा रहे हैं। शुरुआत में उनके विभीषण बनने की चर्चा थी। हालांकि, ट्रेलर के बाद उनका किरदार साफ हो गया। फिल्म में विवेक और रावण के बीच युद्ध का सीन भी देखने को मिलेगा। खास बात यह है कि विवेक ने फिल्म से मिलने वाली अपनी पूरी फीस कैंसर से जूझ रहे बच्चों के इलाज के लिए दान करने का फैसला किया है।

'विक्टिम कार्ड खेलना है तो वो इसके लिए स्वतंत्र हैं':पत्नी अपरा मेहता को बदसूरत कहने के आरोप पर दर्शन जरीवाला ने दी सफाई

सीनियर एक्टर दर्शन जरीवाला ने अलग रह रहीं पत्नी और एक्ट्रेस अपरा मेहता के उन्हें बदसूरत कहने के आरोपों पर सफाई दी।

दरअसल, कुछ समय पहले अपरा मेहता ने दर्शन जरीवाला से सेपरेशन पर बात की थी। हॉटरफ्लाई को दिए इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि दर्शन घर छोड़कर चले गए थे और उन्हें अब तक की सबसे बदसूरत महिला कहा था।

अपरा ने यह भी कहा था कि दर्शन ने उनसे कहा था कि उनका प्यार खत्म हो गया है। अब दर्शन ने अपनी अलग रह रहीं पत्नी के इन आरोपों पर जवाब दिया है। पूरी खबर यहां पढ़ें

दर्शन ने अपरा की बताई घटनाओं को गलत बताया। दर्शन ने कहा, "एक न्यूरोलॉजिकल घटना होती है, जिसमें समय के साथ किसी घटना की याद बदलती रहती है। मैं बहुत उदारता से कह सकता हूं कि यह गलत याददाश्त का मामला है। जिस तरह से इसे बताया गया है, वैसा कुछ हुआ ही नहीं था।"

दर्शन ने रूप-रंग पर टिप्पणी से इनकार किया

अभिनेता ने इस बात से भी इनकार किया कि उन्होंने अपरा के रूप-रंग पर कोई टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा कि इस तरह की बातें उनके स्वभाव से मेल नहीं खातीं।

दर्शन ने कहा, "मैं ऐसा आदमी नहीं हूं, जो किसी साधारण दिखने वाली महिला से भी कहे कि वह बदसूरत है। ऐसा कहना बिल्कुल गैरजरूरी होता। अगर मैं खुद को अच्छी तरह जानता हूं, तो मैं व्यक्ति के अंदर की बात करता, उसके बाहरी रूप की नहीं।"

दर्शन ने कहा कि अपरा विक्टिम कार्ड खेलने के लिए पूरी तरह स्वतंत्र हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि वह अपने अतीत से आगे बढ़ चुके हैं

और आज अपनी जिंदगी में बहुत खुश हैं।

दर्शन बोले-इतने साल बाद अब ये बातें क्यों?

दर्शन ने सवाल उठाया कि सेपरेशन के कई दशक बाद ये आरोप अब क्यों सामने आए। उन्होंने कहा, "मैं समझ ही नहीं सकता कि अलग होने के 23 साल बाद वह इन बातों पर क्यों बोलना चाहती हैं। इससे पहले कभी नहीं। अगर यही इतिहास है और उन्हें इसे मीडिया तक ले जाने का मौका मिला था, तो अब क्यों?"

उन्होंने आगे कहा, "हम उनके दिमाग में बैठकर उनकी नीयत का फैसला नहीं कर सकते। मैं अपना सच जानता हूं। मेरा सच मेरा सच है। झूठ की कोई सीमा नहीं होती। मैं उनकी मंशा का अंदाजा भी नहीं लगा सकता।"

दर्शन ने कहा, "जो लोग मुझे सच में जानते हैं, वे पूरी कहानी अच्छी तरह जानते हैं, क्योंकि मेरी बात कभी नहीं बदलती। सच के कई वर्जन नहीं होते।"

दर्शन के मुताबिक, 1982 में शादी के बाद धीरे-धीरे दोनों की प्राथमिकताएं और सोच अलग होती गईं। उन्होंने कहा कि निजी हालात, करियर और आर्थिक स्थिति में बदलाव ने भी रिश्ते में दरार की वजह बनाई।

एक्टर ने कहा, "दो लोग समय के साथ अलग तरह से बढ़ते हैं। अगर आप दो पौधे साथ लगाते हैं, तो वे अलग-अलग तरह से बढ़ेंगे। उनकी प्राथमिकताएं अलग थीं और मेरी अलग।"

उन्होंने कहा, "मेरे हालात बदल गए थे, क्योंकि मैं एक फेल बिजनेस प्लान में शामिल था। हम अपने करियर को किस तरह आगे ले जाना चाहते थे, इस पर भी हमारी सोच अलग थी।"

दर्शन ने कहा कि दोनों अपनी बेटी को अच्छा बचपन देने को लेकर साफ थे। उन्होंने कहा, "रिश्ता कभी-कभी बदलावों से गुजरता है।"

तलाक के लिए कागज दिए, जज ने आवेदन खारिज किया

दर्शन ने यह भी बताया कि उनकी शादी कानूनी रूप से खत्म क्यों नहीं हुई। उनके मुताबिक, उन्होंने तलाक की अर्जी दी थी, लेकिन प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी। उन्होंने कहा, "मैंने तलाक के कागज दिए थे, लेकिन जज ने आवेदन खारिज कर दिया। उन्होंने अपनी सहमति नहीं दी।"

दर्शन ने दावा किया, वह तलाक के लिए राजी हो गई थीं, लेकिन जज के सामने आखिरी समय पर उन्होंने अपना फैसला बदल दिया। शायद वह खुद को एक अच्छी और पीड़ित महिला के रूप में पेश कर रही हैं।

करीना कपूर ने 11वीं के बाद पढ़ाई छोड़ी थी : बोलीं- शिक्षा पूरी न करने का आज भी अफसोस

एक्ट्रेस करीना कपूर खान ने हाल ही में बताया कि उन्होंने 11वीं क्लास के बाद पढ़ाई छोड़कर फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था।

हनुमान दास के यूट्यूब चैनल में बातचीत में करीना ने कहा कि उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी नहीं की, जिसका अफसोस उन्हें सफलता मिलने के बाद भी रहा। उन्होंने कहा, "मैंने अपनी पढ़ाई पूरी नहीं की और यह बात मेरे साथ बनी रही। मुझे मौका मिला था, लेकिन फिल्मों में आ गई और क्लास 11 के बाद आगे पढ़ाई नहीं की।"

करीना ने माना कि लोग उनके पढ़ाई छोड़ने के फैसले पर सवाल उठा सकते हैं, लेकिन वह एक्ट्रेस के तौर पर खुद को साबित करना चाहती थीं। उन्होंने कहा कि वह अपने दिल की सुनकर आगे बढ़ना चाहती थीं।

करीना ने साफ कहा कि शिक्षा पूरी न करना आज भी उनके लिए पछतावे की बात है। उन्होंने कहा, "एजुकेशन ऐसी चीज है, जिसे पूरा न करने का मुझे अफसोस है।"

बच्चों को पहले पढ़ाई पूरी करने की सलाह दी

करीना ने बताया कि उनके अपने अनुभव का असर इस बात पर भी पड़ा है कि वह अपने बेटों की परवरिश किस तरह करती हैं। वह चाहती हैं कि तैमूर और जेह अपनी पसंद के क्षेत्र में आगे बढ़ें, लेकिन उससे पहले अपनी शिक्षा पूरी करें। उन्होंने कहा, "इसीलिए मैंने अपने बेटों पर पहले अपनी शिक्षा पूरी करने और फिर अपने दिल की सुनने के लिए जोर दिया है।"

बता दें कि करीना कपूर की शुरुआती पढ़ाई मुंबई के जमनाबाई नरसी स्कूल और देहरादून के वेल्हम गर्ल्स स्कूल से हुई थी।

इसके बाद उन्होंने मुंबई के मिठीबाई कॉलेज में कॉमर्स की पढ़ाई की। हालांकि, उन्होंने कॉलेज की डिग्री पूरी नहीं की। करीना ने हार्वर्ड समर स्कूल से माइक्रो कंप्यूटर का तीन महीने का कोर्स भी किया था।

इसके बाद उन्होंने मुंबई के गवर्नमेंट लॉ कॉलेज में दाखिला लिया। लेकिन एक्टिंग में करियर बनाने के लिए उन्होंने पढ़ाई बीच में छोड़ दी।

करीना शिक्षा के लिए काम करती हैं

करीना ने बताया कि भारत में युवा लड़कियों की शिक्षा को सपोर्ट करने के लिए UNICEF से जुड़ने की एक वजह उनका अपना अनुभव भी है। उन्होंने कहा कि उन्हें हमेशा यह अफसोस रहा कि उन्होंने अपनी पढ़ाई पूरी नहीं की थी।

करीना के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार फिल्म सिंघम अगेन (2024) में नजर आई थीं। वहीं वो जल्द मेघना गुलजार द्वारा निर्देशित फिल्म दायरा में दिखाई देंगी। दायरा में करीना एक पुलिस अधिकारी की भूमिका में नजर आएंगी। दायरा 18 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

मौनी रॉय ने बताया पहला रोल मिलने का किस्सा : सड़क पर चलते हुए 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में मिला था मौका

एक्ट्रेस मौनी रॉय ने हाल ही में बताया कि उन्हें पहले टीवी शो में रोल सड़क पर चलते हुए मिला था। मौनी ने फराह खान के व्लॉग के लिए हुई बातचीत में बताया कि उन्होंने टीवी शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में कृष्णा तुलसी का किरदार निभाकर डेब्यू किया था।

यूनिवर्सिटी के बाहर एकता कपूर की टीम ने देखा

हाल ही में फराह खान मौनी के मुंबई स्थित घर पहुंची थीं, जहां एक्ट्रेस ने अपने पहले एक्टिंग मौके से जुड़ी बातें शेयर कीं। मौनी ने बताया कि वह अपनी यूनिवर्सिटी के बाहर पैदल चल रही थीं, तभी प्रोड्यूसर एकता कपूर की टीम के किसी व्यक्ति ने उन्हें देखा।

फराह यह सुनकर हैरान रह गईं। उन्होंने कहा, "सच में ऐसा हुआ था? क्या बात कर रही है? हम तो ऐसी कहानियां ही सुनते हैं कि कोई कैफे में बैठा था और किसी ने उसे देख लिया।"

मौनी ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा, "लेकिन यह सच में हुआ था। बिल्कुल इसी तरह यह मौका मिला था। यह शो 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' था।"

कृष्णा तुलसी का किरदार और कहानी

मौनी ने यह भी बताया कि शो में कृष्णा तुलसी की कहानी दिलचस्प थी और उनके आने से तुलसी की जिंदगी में सकारात्मक बदलाव आया था। कृष्णा तुलसी के किरदार को एक अनाथ बच्ची के रूप में दिखाया गया था।

शो में तुलसी का किरदार स्मृति ईरानी ने निभाया था। जब तुलसी अपनी जान कुर्बान करने के लिए खुद को गंगा नदी में समर्पित करने का फैसला करती है, तब उसे गंगा में तैरती हुई यह बच्ची मिलती है। इसके बाद इस किरदार का नाम तुलसी के नाम पर कृष्णा तुलसी रखा गया था।

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में मौनी रॉय की जोड़ी पहले पुलकित सम्राट के साथ बनाई गई थी। बाद में शो में उनकी जोड़ी आकाशदीप सहगल के साथ भी दिखाई गई। इस शो के बाद मौनी ने कई लोकप्रिय टीवी शो में काम किया। उनके प्रमुख प्रोजेक्ट्स में 'देवों के देव महादेव' शामिल है, जिसमें उन्होंने सती का किरदार निभाया था। मौनी ने 'नागिन' के दो सीजन में भी काम किया। इसमें उन्होंने रूप बदलने वाली नागिनों शिवन्या और शिवांगी के किरदार निभाए थे।

एकता कपूर ने कई कलाकारों को मौका दिया

गौरतलब है कि एकता कपूर ने टीवी इंडस्ट्री में कई ऐसे कलाकारों को मौका दिया है, जिन्होंने आगे चलकर बड़ा नाम बनाया। उन्होंने जैसा मौका सड़क पर चलते हुए मौनी रॉय को दिया था, वैसा ही कुछ करण कुंद्रा के साथ फेसबुक के जरिए किया था।

शक्ति कपूर ने भागकर की थी शादी : शादी के बाद अखबार में छपा- 3 महीने में तलाक हो जाएगा

कई सुपरहिट फिल्मों में विलेन और कॉमेडियन का रोल प्ले करने वाले शक्ति कपूर आज 74 साल के हो गए। तकरीबन 700 से ज्यादा फिल्मों में काम कर चुके शक्ति का एक्टिंग करियर बेहद सफल रहा। उनकी पर्सनल लाइफ की लव स्टोरी भी काफी दिलचस्प है। शक्ति ने शिवांगी कोल्हापुरे से शादी की थी। दोनों की मुलाकात फिल्म 'किस्मत' के दौरान हुई थी।

कपिल शर्मा के शो में शक्ति कपूर ने बताया था कि शिवांगी को देखकर उन्हें वह पहली नजर में ही बेहद खूबसूरत लगी थीं। उन्होंने शिवांगी से हल्की-सी लाइन भी मारी और मन ही मन तय कर लिया था कि शादी करेंगे तो इसी मराठिन से करेंगे। फिर दोनों की मुलाकात के बाद दोनों में दोस्ती हुई और फिर यह दोस्ती प्यार में बदल गई।

शिवांगी कोल्हापुरे ने मुख्य तौर पर बतौर अभिनेत्री केवल 1 फिल्म (किस्मत) में काम किया। वहीं, उन्होंने युवावस्था में कई फिल्मों में अपनी आवाज दी, जिसमें यादों की बारात (1973), बारूद (1976) जैसी फिल्में शामिल हैं।

परिवार रिश्ते के खिलाफ था

जब दोनों की मुलाकात हुई थी, तब शक्ति कपूर करीब 30 वर्ष के थे और शिवांगी महज 18 साल की थीं। इसके अलावा, शक्ति कपूर फिल्मों में अक्सर विलेन के रोल निभाते थे। इसी वजह से शिवांगी के माता-पिता इस रिश्ते के सख्त खिलाफ थे। जब दोनों ने शादी की बात की, तो शिवांगी के परिवार ने उन्हें कमरे में बंद कर दिया था। परिवार को मनाने के सारे रास्ते बंद होने के बाद शिवांगी ने घर से भागकर शक्ति कपूर के साथ शादी करने का फैसला किया।

1982 में की कोर्ट मैरिज

साल 1982 में दोनों ने भागकर कोर्ट मैरिज कर ली। शुरुआत में शक्ति कपूर का परिवार भी थोड़ा हिचकिचा रहा था, लेकिन जब उन्हें पता चला कि शिवांगी मशहूर गायिका लता मंगेशकर के परिवार से ताल्लुक रखती हैं, तो वे मान गए। शादी के बाद शिवांगी के माता-पिता कई सालों तक उनसे नाराज रहे। हालांकि, बड़े बेटे सिद्धांत कपूर और बाद में बेटी श्रद्धा कपूर के जन्म के बाद दोनों

परिवारों के बीच की कड़वाहट खत्म हो गई। शिवांगी के माता-पिता ने भी इस रिश्ते को पूरी तरह से स्वीकार कर लिया।

अखबार में लिखा गया- 3 महीने में तलाक हो जाएगा

कपिल शर्मा के शो में शक्ति कपूर ने बताया था कि उनकी शादी के बाद अखबार में आया था कि 3 महीने में उनका तलाक हो जाएगा। हालांकि, ऐसा कुछ नहीं हुआ। वहीं, शक्ति के ससुर ने उनसे आकर बोला कि तुम्हारे जैसा जमाई मैंने कहीं नहीं देखा, मुझे तुम पर बहुत गर्व है।

शक्ति और शिवांगी की दो संतानें बेटा सिद्धांत कपूर (जन्म 6 जुलाई 1984) और बेटी श्रद्धा कपूर (जन्म 3 मार्च 1987) हुईं।

शक्ति कपूर की पत्नी शिवांगी कोल्हापुरे (अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे की बड़ी बहन) दिग्गज गायिका लता मंगेशकर की रिश्तेदार (भतीजी) हैं।

बता दें कि शिवांगी कोल्हापुरे के पिता पंडित पंधारीनाथ कोल्हापुरे की मां, लता मंगेशकर के पिता पंडित दीनानाथ मंगेशकर की सौतेली बहन थीं। इस नाते शिवांगी के पिता पंधारीनाथ जी, लता मंगेशकर और आशा भोसले के चचेरे भाई लगते थे।

एक नजर शक्ति कपूर के करियर पर

शक्ति कपूर ने 1977 में फिल्म 'खेल खिलाड़ी का' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। शुरुआती दौर में उन्हें कई छोटी भूमिकाएं मिलीं, लेकिन 'कुर्बानी' और 'रॉकी' में विलेन के किरदारों ने उन्हें पहचान दिलाई। इसके बाद 'हिम्मतवाला' और 'हीरो' जैसी फिल्मों में भी उन्होंने नेगेटिव रोल निभाया।

1990 के दशक में शक्ति कपूर ने अपनी एक्टिंग का दायरा बढ़ाया और कॉमेडी में भी खास पहचान बनाई। 'राजा बाबू' में नंदू का किरदार उनके सबसे यादगार रोल्स में शामिल है। इस भूमिका के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट कॉमेडियन अवॉर्ड मिला। 'अंदाज अपना अपना' में क्राइम मास्टर गोगो, 'चालबाज', 'इंसाफ', 'बाप नंबरी बेटा दस नंबरी' और 'बोल राधा बोल' जैसी फिल्मों में उनके किरदार भी खूब चर्चित रहे। बाद में उन्होंने 'हंगामा', 'हलचल', 'चुप चुप के' और 'मालामाल वीकली' जैसी फिल्मों में भी काम किया।

एलियन-सर्वाइवल थ्रिलर 'समुक' को लेकर बोले विपुल शाह
"हमने कभी एक ही फिल्म दोबारा बनाने की कोशिश नहीं की"

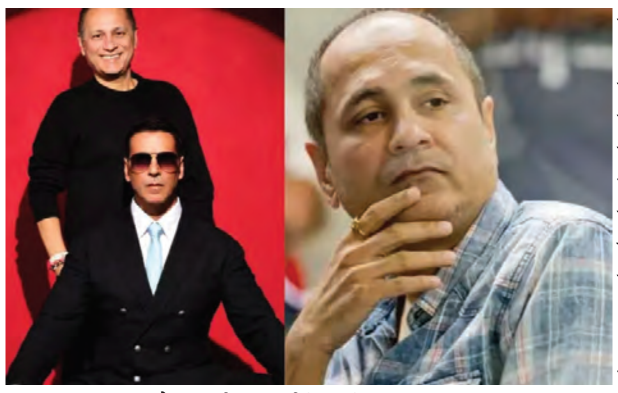

अक्षय कुमार ने अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'समुक' की शूटिंग आधिकारिक तौर पर शुरू कर दी है। बड़े पैमाने पर तैयार की जा रही यह फिल्म एक सर्वाइवल-एक्शन थ्रिलर है, जिसका निर्देशन कनिष्क वर्मा कर रहे हैं। फिल्म के प्रोड्यूसर विपुल अमृतलाल शाह हैं, जबकि आशिन ए. शाह इसके को-प्रोड्यूसर हैं। मेकर्स इस प्रोजेक्ट को एक ग्रैंड पैन-इंडियन थिएट्रिकल रिलीज के लिए तैयार कर रहे हैं।

'समुक' को लेकर पिछले दो साल से ज्यादा समय से काम चल रहा है। फिल्म में मिलिट्री रियलिज्म, सर्वाइवल हॉरर और एलियन मिथोलॉजी का अनोखा मेल देखने को मिलेगा। इस अलग और महत्वाकांक्षी दुनिया को बड़े पर्दे पर विश्वसनीय तरीके से पेश करने के लिए मेकर्स ने इंटरनेशनल लेवल के टैलेंट को भी टीम में शामिल किया है।

'एलियन' और 'प्रिडेटर' के क्रिएचर डिजाइनर से जुड़ा बड़ा प्रोजेक्ट

फिल्म के सेंट्रल मॉन्स्टर को डिजाइन करने की जिम्मेदारी एकेडमी अवॉर्ड नॉमिनेटेड क्रिएचर डिजाइनर एलेक गिलिस को दी गई है, जो 'एलियन' और 'प्रिडेटर' जैसी चर्चित फिल्मों पर काम कर चुके हैं। वहीं, ब्रिटिश एक्शन डायरेक्टर ल्यूक टम्बर फिल्म के हाई-ऑक्टेन और इंटेंस एक्शन सीक्वेंस तैयार करेंगे।

इस इंटरनेशनल टीम के साथ 'समुक' को भारतीय सिनेमा में एक अलग तरह का साइंस-फिक्शन और सर्वाइवल एक्सपीरियंस बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। 'समुक' अक्षय कुमार और विपुल अमृतलाल शाह की लंबे समय से चली आ रही क्रिएटिव पार्टनरशिप का एक और नया पड़ाव है। दोनों इससे पहले कई अलग-अलग जॉनर की फिल्मों में साथ काम कर चुके हैं। खास बात यह है कि उनकी फिल्मों में एक ही तरह के फॉर्मूले को दोहराने के बजाय अलग-अलग विषयों और शैलियों को आजमाने की कोशिश नजर आई है।

इसी क्रिएटिव सोच के बारे में बात करते हुए विपुल अमृतलाल शाह ने कहा कि दोनों बार-बार इसलिए साथ आते हैं क्योंकि उन्होंने कभी एक जैसी फिल्म बनाने की कोशिश नहीं की। विपुल अमृतलाल शाह ने कहा, "अक्षय और मैं बार-बार इसलिए साथ आते हैं क्योंकि हमने कभी एक ही फिल्म दोबारा बनाने की कोशिश नहीं की। हर बार साथ काम करने का हमारा मकसद अपने ही बनाए फॉर्मूले को तोड़ना रहा है।"

उन्होंने अपनी पिछली फिल्मों का उदाहरण देते हुए बताया कि 'आंखें' में हीस्ट थ्रिलर, 'वक्त' में इमोशनल ड्रामा, 'नमस्ते लंदन' में रोमांस, 'सिंह इज़ किंग' में एक्शन-कॉमेडी, 'एक्शन रिप्ले' में साइंस-फिक्शन और 'हॉलिडे' में मिलिट्री एक्शन जैसे अलग-अलग जॉनर को एक्सप्लोर किया गया।

विपुल शाह के मुताबिक, "हम लगातार एक-दूसरे को ऐसी चीजें करने के लिए चैलेंज करते हैं, जिन्हें पहले एक्सप्लोर नहीं किया गया। 'समुक' के साथ फिर से साथ आना, जो एक एलियन-सर्वाइवल थ्रिलर है, एक बार फिर साबित करता है कि हम हमेशा कुछ अलग लेकर आते हैं।"

'समुक' में दिखेगा प्रैक्टिकल एक्शन और क्रिएचर डिजाइन का मेल

'समुक' के साथ अक्षय कुमार और विपुल शाह की जोड़ी अपने पिछले काम से आगे बढ़ते हुए एक बिल्कुल अलग सिनेमाई दुनिया पेश करने की तैयारी में है। फिल्म में एक बड़े फिल्म स्टार की मौजूदगी के साथ इंटरनेशनल स्तर का क्रिएचर डिजाइन और प्रैक्टिकल एक्शन देखने को मिलेगा।

मेकर्स का लक्ष्य ऐसी कहानी को बड़े पर्दे पर पेश करना है, जिसमें सर्वाइवल का रोमांच, एलियन मिथोलॉजी और ग्राउंडेड मिलिट्री रियलिज्म एक साथ नजर आए। फिल्म के जरिए भारतीय साइंस-फिक्शन एक्शन को एक नए स्तर पर ले जाने की कोशिश की जा रही है।

अक्षय कुमार की लोकप्रियता और विपुल अमृतलाल शाह के अलग तरह की कहानियों के साथ प्रयोग करने के ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए 'समुक' को लेकर दर्शकों की उम्मीदें पहले से ही काफी बढ़ गई हैं।

जीनत अमान की एक झलक पाने को बेताब थीं करिश्मा कपूर
रोज सुबह देखने के लिए पहुंच जाती थी बीच पर

बॉलीवुड स्टार करिश्मा कपूर ने हाल ही में अपनी पुरानी यादें ताजा कीं। उन्होंने बताया कि बचपन में वह गोवा में अनुभवी एक्ट्रेस जीनत अमान को 'समुंदर में नहाके' गाने की शूटिंग करते देखने के लिए सुबह 7 बजे ही बीच पर पहुंच जाती थीं।

यह प्यारा सा किस्सा डांस रियलिटी शो 'इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5' के सेट पर सामने आया, जहां जीनत अमान ने स्पेशल अपीयरेंस दिया था। इस एपिसोड के दौरान, करिश्मा ने 1983 की फिल्म पुकार के सेट से जुड़ी अपनी बचपन की यादें साझा कीं, जिसकी शूटिंग गोवा में हो रही थी। करिश्मा ने बताया कि उनके पिता, एक्टर रणधीर कपूर भी इस फिल्म का हिस्सा थे और दोपहर में क्लाइमेक्स की शूटिंग के लिए सेट पर जाते थे जबकि अमिताभ बच्चन और जीनत अमान सुबह एक गाने की शूटिंग कर रहे थे।

एक छोटी बच्ची और जीनत की प्रशंसक होने के नाते, करिश्मा हमेशा वहां मौजूद रहने की कोशिश करती थीं।

करिश्मा ने बताया, जब मैं छोटी थी, जीनत आंटी, शायद आपको याद हो, 'पुकार' की शूटिंग गोवा में चल रही थी। मेरे पापा भी फिल्म में थे और अमित जी, जीनत आंटी और

टीना आंटी भी थे। दोपहर में क्लाइमेक्स की शूटिंग होती थी, तो मेरे पापा वहाँ जाते थे। और सुबह अमित जी और ज़ीनत आंटी के एक गाने की शूटिंग चल रही थी। वे 'समुंदर में नहाके' गाने की शूटिंग कर रहे थे और मैं उनकी बहुत बड़ी फैन थी ! मैं जीनत आंटी से इतनी प्रभावित थी कि शूटिंग देखने के लिए रोज सुबह 7 बजे ही बीच पर पहुंच जाती थी।

करिश्मा ने आगे बताया कि कैसे उनकी मां सुबह-सुबह उनके जाने पर सवाल उठाती थीं, लेकिन यह युवा एक्ट्रेस अपने पसंदीदा स्टार की एक झलक भी नहीं छोड़ना चाहती थी।

उन्होंने कहा, "तो मेरी मम्मी थोड़ी नाराज हो जाती थीं और पूछती थीं, 'क्यों जा रही हो ?मैं कहती थी, 'नहीं, मुझे जानत अमान को देखना है। वह पानी में डांस कर रही हैं । तो पुकार फिल्म की शूटिंग के दौरान आपको देखने की मेरी बहुत प्यारी यादें हैं। मुझे लगता है कि यह मेरे लिए बहुत सम्मान की बात थी कि मैं वह सब देख पाई। करिश्मा की बातों से प्रभावित होकर, जीनत ने भी उनकी तारीफ की और एक्ट्रेस के काम के साथ-साथ एक इंसान के तौर पर भी उनकी प्रशंसा की।

जीनत ने कहा, "मैं भी यही कहना चाहूंगी कि मैं इस युवा महिला की बहुत बड़ी फान हूं। सिर्फ़ एक एक्ट्रेस या डांसर के तौर पर उनके टैलेंट के लिए ही नहीं, बल्कि एक मां, एक बहन और एक बेटी के तौर पर वह जैसी हैं, उसके लिए भी। उनमें तारीफ करने लायक बहुत कुछ है। वह मजबूत, नारीत्व से भरपूर और ख़ूबसूरत हैं। आपको हमेशा वह सब मिले जिसके आप हकदार हैं और जो आप चाहती हैं। कुछ भी मत बदलिएगा।

मशहूर गाने 'समुंदर में नहाके' की बात करें तो यह रमेश बहल की 1983 की हिंदी फिल्म पुकार का एक लोकप्रिय गाना है। इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, ज़ीनत अमान, रणधीर कपूर और टीना मुनीम मुख्य भूमिकाओं में थे, जबकि प्रेम चोपड़ा ने भी अहम भूमिका निभाई थी। फ़िल्म का संगीत आर.डी. बर्मन ने तैयार किया था। इस गाने को खुद बर्मन ने ही गाया था और इसके बोल गीतकार गुलशन बावरा ने लिखे थे। यह गाना गोवा के समुद्र तटों पर अमिताभ बच्चन और जीनत अमान पर फिल्माया गया था।पुकार जीनत अमान की उस दौर की यादगार फिल्मों में से एक है। इसके अलावा उनकी अन्य सुपरहिट फिल्मों में 'हरे रामा हरे कृष्णा', 'यादों की बारात', 'डॉन', 'सत्यम शिवम सुंदरम', 'क़ुरबानी', 'धरम वीर' और 'रोटी कपड़ा और मकान' शामिल हैं।

प्रीति जिंटा बोलीं- मैंने रोज 18 घंटे काम किया : दीपिका पादुकोण ने 8 घंटे शिफ्ट के लिए छोड़ी थी मूवी

फिल्म इंडस्ट्री में काम के लंबे घंटों और वर्क-लाइफ बैलेंस को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। लगभग एक दशक के अंतराल के बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रहीं एक्ट्रेस प्रीति जिंटा ने इस मुद्दे पर अपना रुख साफ किया है।

मुंबई में अपनी आने वाली एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'वाइब' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में प्रीति जिंटा ने खुलासा किया कि उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग के दौरान रोजाना 18 घंटे तक काम किया।उन्होंने स्पष्ट किया कि ₹हर किसी की अपनी प्राथमिकताएं होती हैं और उन्होंने भारत में अपने कम समय के टूर और अमेरिका में बच्चों के पास जल्दी लौटने के लिए खुद यह लंबा शेड्यूल चुना था।

'बच्चों के पास लौटने के लिए 18 घंटे काम किया'

ट्रेलर लॉन्च के दौरान जब मीडिया ने प्रीति जिंटा से सेट पर लंबे वर्किंग आवर्स के बारे में सवाल किया, तो उन्होंने बताया कि लंबे समय तक शूटिंग करना मुश्किल जरूर था, लेकिन यह उनका अपना व्यक्तिगत फैसला था।

50 साल की प्रीति जिंटा ने कहा, सबकी अपनी पसंद और जरूरतें होती हैं। बेशक, मैंने 18 घंटे तक काम किया क्योंकि मैं अपना काम जितनी जल्दी हो सके खत्म करके अमेरिका वापस अपने बच्चों के पास जाना चाहती थी।

मेरा फोकस सिर्फ यही था कि मैं भारत आऊंगी, अपना काम तेजी से पूरा करूंगी और तुरंत लौट जाऊंगी। मैं यहां 30 से 40 दिनों के समय के लिए आई थी। इसलिए मुझे इतनी लंबी शिफ्ट में काम करने में कोई आपत्ति नहीं थी।

प्रीति ने यह भी बताया कि इस फिल्म में उन्होंने कई कठिन एक्शन सीन खुद किए हैं, जिसके लिए लगातार लंबे शोज और शारीरिक मेहनत की जरूरत थी।

दीपिका पादुकोण की थी 8 घंटे की शिफ्ट की मांग

फिल्म इंडस्ट्री में वर्किंग आवर्स का यह विवाद असल में तब शुरू हुआ था, जब एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण के संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म 'स्पिरिट' (प्रभास स्टारर) और 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल से अलग होने की खबरें सामने आई थीं।मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया था कि मां बनने के बाद दीपिका ने अपनी पर्सनल लाइफ और प्रोफेशनल लाइफ में बैलेंस बनाए रखने के लिए रोजाना 8 घंटे की वर्क शिफ्ट की मांग रखी थी।

मेकर्स के साथ काम के घंटों और फीस को लेकर सहमति न बन पाने के कारण दीपिका इन प्रोजेक्ट्स से हट गईं। इसके बाद सोशल मीडिया और इंडस्ट्री में इस बात को लेकर बहस छिड़ गई कि क्या भारतीय सिनेमा में तय वर्किंग टाइम लागू होना चाहिए या नहीं।

मेल सुपरस्टार्स् पर दीपिका का बयान

जब दीपिका पादुकोण की 8 घंटे की वर्किंग डिमांड पर विवाद बढ़ा, तो उन्होंने एक इंटरव्यू में भारतीय फिल्म इंडस्ट्री के दोहराव वाले रवैये पर खुलकर बात की।

दीपिका ने कहा था, यह कोई छिपी हुई बात नहीं है कि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में कई मेल सुपरस्टार्स् सालों से सिर्फ 8 घंटे ही काम करते आ रहे हैं। वे सोमवार से शुक्रवार तक 8 घंटे काम करते हैं और वीकेंड्स पर काम नहीं करते। लेकिन जब कोई महिला अपने लिए 8 घंटे की शिफ्ट मांगती है, तो इसे हेडलाइन बना दिया जाता है।

अक्षय कुमार करते हैं 8 घंटे काम

इसी दौरान एक्टर अभिषेक बच्चन का एक पुराना वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था, जिसमें वे 'द कपिल शर्मा शो' में अक्षय कुमार के वर्किंग स्टाइल के बारे में बता रहे थे। अभिषेक ने कहा था, पैकअप का ऐलान होते ही सबसे ज्यादा खुश अक्षय कुमार होते हैं। वे 8 घंटे से ज्यादा काम नहीं करते। सुबह 7 बजे सेट पर आते हैं और तुरंत अपना काम शुरू कर देते हैं।

क्या आसिम रियाज ने रुबीना दिलैक और हिना खान की बातों का दिया जवाब? अभिनेत्रियों के काम पर भी कसा तंज

हाल ही में आसिम रियाज ने ऐसी बात कही है, जिससे ऐसा लगता है कि उन्होंने अभिनेत्रियों रुबीना दिलैक और हिना खान को जवाब दिया है। हाल ही में दोनों अभिनेत्रियों ने रियलिटी शो में आसिम रियाज के व्यवहार को लेकर बयानबाजी की थी। दोनों ने रियलिटी शो 'बैटलग्राउंड' में काम करने के दौरान उनके कथित व्यवहार पर चर्चा की थी।

आसिम रियाज ने दिया जवाब

आसिम रियाज ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने पॉडकास्ट में की गई टिप्पणियों का जिक्र किया। रुबीना या हिना का नाम लिए बिना, उन्होंने उन्हें 'टीवी इंडस्ट्री की आंटियां और अंकल' कहा और उनके करियर के बारे में की गई टिप्पणियों का जवाब दिया।

रुबीना और हिना पर आसिम ने किया तंज

रियलिटी शो की लोकप्रियता में अपने योगदान के दावे का बचाव करते हुए आसिम ने लिखा, 'मैंने एक पॉडकास्ट का क्लिप देखा जिसमें टीवी इंडस्ट्री की ये आंटियां और अंकल बात कर रहे थे कि मैं हर रियलिटी शो में टीआरपी कैसे लाता हूं। तो जवाब है हां, मैं लाता हूं। आपके करियर के लिए शुभकामनाएं और इंडस्ट्री में अपनी भूमिकाएं निभाते रहें और कठपुतली बने रहें।'

क्या बोलीं थीं अभिनेत्रियां?

इससे पहले रुबीना ने पॉडकास्ट पर आसिम के व्यवहार के बारे में बात की थी। उन्होंने उन्हें 'परेशानी पैदा करने वाला' कहा और उनके इस दावे पर सवाल उठाया कि उनकी मौजूदगी की वजह से 'बिग बॉस', 'खतरों के खिलाड़ी' और 'बैटलग्राउंड' जैसे शो लोकप्रिय हुए। बातचीत में शामिल हिना खान ने भी रुबीना की बातों से सहमति जताई।

आसिम और हिमांशी का रिश्ता

इस बीच, आसिम अपनी पूर्व गर्लफ्रेंड हिमांशी खुराना के साथ हुए झगड़े को लेकर भी चर्चा में रहे हैं।

'बिग बॉस 13' के कंटेस्टेंट ने उन दावों को खारिज कर दिया था कि उन्होंने हिमांशी पर धर्म बदलने का दबाव डाला था।

बाद में उन्होंने कहा कि वह अपने रिश्ते को एक और मौका देना चाहती थीं और दावा किया कि उनके पास इसका सबूत है।

आसिम और हिमांशी की मुलाकात बिग बॉस 13 के दौरान हुई थी।

शो के बाद भी दोनों का रिश्ता कई वर्षों तक चला।

लगभग चार साल साथ रहने के बाद 2023 में उन्होंने अलग होने की घोषणा की।

कब शुरू हुआ था देसी गर्ल और निक की मोहब्बत का सफर?
प्रियंका ने डेटिंग के दिनों को याद किया

बॉलीवुड की देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा अब ग्लोबल आइकन बन चुकी हैं। साल 2018 में उन्होंने निक जोनस से शादी रचाई और सात समंदर पार जाकर बस गईं। हाल ही में प्रियंका चोपड़ा ने निक जोनस के साथ डेटिंग के दिनों की यादें ताजा की हैं।

कब शुरू हुआ था निक-प्रियंका की बातचीत का सिलसिला?

प्रियंका चोपड़ा और निक जोनस ने साल 2018 में शादी रचाई थी। कपल के एक बिटिया मालती है। निक और प्रियंका चोपड़ा की बातचीत का सफर नौ साल पहले यानी साल 2017 में शुरू हुआ था। प्रियंका चोपड़ा ने निक को अपना नंबर दिया था।

प्रियंका चोपड़ा ने क्या कहा?

प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें उन्होंने निक जोनस के साथ अपने शुरुआती रिश्ते के कुछ ऐसे पल शेयर किए हैं, जो पहले कभी नहीं देखे गए। इसी के

साथ उन्होंने याद किया कि कैसे उन्होंने साल 2017 की गर्मियों में निक को अपना नंबर दिया था। इस पोस्ट में उन्होंने इस याद को जोनस ब्रदर्स के नए गाने 'लिसन व्हेन सैड' से जोड़ा।

प्रियंका चोपड़ा ने कैप्शन लिखा है, 'ओह हां! मुझे याद है कि मैंने गर्मियों में तुम्हें अपना नंबर दिया था। साल 2017 की गर्मियों में'। इसी के साथ जानकारी दी है कि जोनस ब्रदर्स का नया गाना 'लिसन व्हेन सैड' रिलीज हो गया है।

परिणीति चोपड़ा ने क्या लिखा?

प्रियंका चोपड़ा पुरानी यादों में खोई नजर आई हैं। उन्हें याद है कि निक और उनकी मोहब्बत का सफर कैसे और कब शुरू हुआ। उन्होंने डेटिंग के दिनों की कुछ अनदेखी और पुरानी तस्वीरों का एक मोंटाज पोस्ट किया है। बैकग्राउंड में जोनस ब्रदर्स का नया गाना बज रहा था।

इस गाने में निक उस गर्मी के मौसम के बारे में गा रहे हैं, जब उनकी लव स्टोरी शुरू हुई थी। इस पोस्ट पर प्रियंका की चचेरी बहन और एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने भी कमेंट किया है। परिणीति ने लिखा है, 'वाह, गोवा वाली ट्रिप तो जबर्दस्त थी'।

तापसी पन्नू ने एक्शन में छोड़ी छाप
लेकिन मां-बेटी की कहानी नहीं कर पाई इमोशनल

गांधारी मूवी रिव्यू:

कलाकार : तापसी पन्नू , इश्वाक सिंह , स्वास्तिका मुखर्जी , छाया कदम , जतिन सरना , मीता वशिष्ठ और कियारा चौहान

चाइल्ड ट्रैफिकिंग पर हिंदी सिनेमा में पहले काफी कुछ हो चुका है। 'मर्दानी', 'लव सोनिया' और 'सेक्टर 36' इस विषय को अलग-अलग तरीके से दिखा चुकी हैं। 'गांधारी' इसमें मां की तलाश, बदला और एक्शन जोड़ती है।

साथ ही जॉयपुर्रा की अलग दुनिया, बहुरुपिए, सुरंगें और रहस्यमयी पूजा-पाठ भी कहानी का हिस्सा हैं। लेकिन सवाल यही है कि इन सबके बावजूद क्या 'गांधारी' एक असरदार कहानी बन पाती है? पढ़िए पूरा रिव्यू...

कहानी

बानी (तापसी पन्नू) और गोकुल (इश्कवाक सिंह) की जिंदगी अपनी 6 साल की बेटी मिष्ठी (किआरा चौहान) के इर्द-गिर्द घूमती है। एक सफर के दौरान मिष्ठी का अपहरण हो जाता है। रेलवे स्टेशन पर बच्ची को लेकर भाग रही महिला का पीछा करते हुए बानी पर हमला होता है। आंख के पास गंभीर चोट लगने के बाद.. कुछ समय के लिए उसकी आंखों की रोशनी चली जाती है।

डॉक्टर इसे ट्रॉमा से जुड़ी चोट बताते हैं। लेकिन बानी के लिए अंधेरा सिर्फ आंखों तक सीमित नहीं है। उसे अपनी बेटी को ऐसे शहर में ढूंढना है, जहां बच्चों के गायब होने के पीछे एक बड़ा नेटवर्क काम कर रहा है।

जॉयपुर्रा में कई बच्चों के गायब होने की बात सामने आती है और मामला चाइल्ड ट्रैफिकिंग से जुड़ता है। स्थानीय पुलिस सुस्त है और वरिष्ठ अधिकारी कबीर (जतिन सरना) अपनी तरफ से जांच आगे बढ़ाते हैं। कहानी का बैकड्रॉप बंगाल है और जॉयपुर्रा एक काल्पनिक शहर है। यहां बहुरुपिए, सुरंगें और रहस्यमयी पूजा-पाठ की परंपराएं हैं, जो फिल्म को अलग माहौल देती हैं।

अभिनय

तापसी पन्नू के लिए एक्शन कोई नई चीज नहीं है। 'बेबी' और 'नाम शबाना' में वह पहले भी एक्शन करती नजर आ चुकी हैं। 'गांधारी' में भी फाइट सीन्स उनके हिस्से की सबसे मजबूत चीज हैं। वह बानी के किरदार के एक्शन वाले हिस्से को अच्छे से निभाती हैं और मारधाड़ वाले सीन्स में उनका कॉन्फिडेंस साफ नजर आता है।

समस्या तब आती है जब बानी को सिर्फ लड़ना नहीं, टूटना भी होता है। बेटी को खोने के बाद मां की घबराहट और दर्द हर जगह उस तरह नहीं पहुंचता, जिस तरह पहुंचना चाहिए। कई बार तापसी की एक्शन हीरो वाली छवि किरदार की मां वाली बेचैनी को ढक देती है। इश्कवाक सिंह गोकुल के रूप में ठीक हैं, लेकिन उनका किरदार तापसी के सामने हल्का पड़ता है। पिता भी अपनी बेटी की तलाश में परेशान है, लेकिन फिल्म उसे बानी की बराबरी का इमोशनल किरदार नहीं बना पाती। बानी और गोकुल की केमिस्ट्री भी साधारण लगती है।

मीता वशिष्ठ फिल्म में ज्यादा असर छोड़ती हैं। झुनू अंबा के किरदार में उनके पास रहस्य भी है और ठहराव भी। छाया कदम ध्यान खींचती हैं। जतिन सरना, चंदन रॉय, स्वास्तिका मुखर्जी और प्रशांत नारायणन अपने-अपने हिस्से में ठीक हैं, लेकिन किसी को ज्यादा जगह नहीं मिलती।

निर्देशन

देवाशीष मखीजा ने जॉयपुर्रा को फिल्म का सबसे दिलचस्प हिस्सा बनाया है। गलियां, बहुरुपिए, चेहरे पर रंग, सुरंगें और पूजा...इन सबमें एक अजीब और असहज माहौल है। बानी के अंधेपन को कहानी की रणनीति से जोड़ना भी अच्छा विचार है।

दिक्कत यह है कि फिल्म हर जगह उतनी टाइट नहीं रहती। शुरुआत में बेटी की तलाश पकड़ बनाती है, फिर कहानी कई दिशाओं में घूमने लगती है। आखिर में एक्शन पर काफी भरोसा किया जाता है। कुछ फाइट सीक्वेंस इतने लंबे हो जाते हैं कि कहानी का तनाव पीछे छूट जाता है .. कुछ एक्शन सीक्वेंस सिर्फ बानी की ताकत दिखाने तक सीमित रह जाते हैं।

पटकथा और लेखन

कनिका ढिल्लों की पटकथा और लेखन में कमी आइडिया की नहीं, फोकस की है। बेटी का अपहरण, चाइल्ड ट्रैफिकिंग, पुलिस जांच, बहुरुपियों की दुनिया और बानी का अतीत ...सब कुछ एक साथ चलता है। शुरुआत में यह दिलचस्प लगता है, लेकिन आगे कहानी बिखरने लगती है। सबसे बड़ी कमी बानी और मिष्ठी के रिश्ते में है। मिष्ठी के गायब होने से ही पूरी कहानी शुरू होती है... लेकिन फिल्म मां-बेटी के रिश्ते को इतना मजबूत नहीं बना पाती कि बानी की बेटी के लिए लड़ाई देखकर दर्शक भी बेचैन हो जाए।

'गांधारी' नाम कितना सही?

महाभारत की गांधारी और बानी के बीच आंखों का कनेक्शन फिल्म साफ तौर पर बनाती है। वहां आंखों पर पट्टी पति के लिए थी, यहां अंधेरा बेटी तक पहुंचने का रास्ता बनता है। विचार अच्छा है, मगर फिल्म इस कनेक्शन को ज्यादा गहराई से इस्तेमाल नहीं कर पाती।

देखें या नहीं?

'गांधारी' उन फिल्मों में से है, जिनका कॉन्सेप्ट आपको फिल्म शुरू होने से पहले ज्यादा उत्साहित करता है, फिल्म खत्म होने के बाद नहीं। अगर आप तापसी पन्नू की एक्शन फिल्मों के फैन हैं और कहानी से ज्यादा स्क्रीन पर उनकी फाइट देखना चाहते हैं, तो फिल्म आपको कुछ हद तक पसंद आ सकती है। लेकिन अगर आप एक ऐसी मां की कहानी देखने जा रहे हैं, जिसकी बेटी के लिए पूरी दुनिया से लड़ने की वजह आपको अंदर तक महसूस हो, तो यहां निराशा हाथ लगती है। फिल्म में कई दिलचस्प चीजें हैं, लेकिन वे मिलकर एक याद रह जाने वाली फिल्म नहीं बना पातीं।

13 जिलों में बाढ़: गंगा समेत 8 नदियां उफान पर

कोसी में कटाव, इंद्रपुरी बैराज से 6 लाख क्यूसेक पानी डिस्चार्ज, सीएम ने लिया जायजा

पटना, 3 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में मानसून काफी मजबूत स्थिति में है। प्रदेश के कई जिलों में बीते दो दिनों से रुक-रुककर बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने आज भी 12 जिलों में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

पटना समेत बाकी 26 जिलों में मौसम सामान्य रहने का अनुमान है। इस दौरान 50 किमी की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी। इधर, बिहार की कई नदियां उफान पर हैं। पटना में गंगा खतरे के निशान से करीब 2 फीट ऊपर बह रही है। पटना सिटी के भद्रघाट और महावीर घाट की सर्विस लेन पर घुटनों तक गंगा का पानी पहुंच गया है।

सोन नदी पर स्थित रोहतास के इंद्रपुरी बैराज के सभी 69 गेट खोल दिए गए हैं। बैराज से सोन नदी में 5.16 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इससे निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति बनने की आशंका है।

बक्सर में नेशनल हाईवे पानी में डूब गया है। बेतिया में गंडक नदी के कटाव के कारण एक पक्का घर नदी में समा गया। वहीं, कैमूर में तेलहाड़ कुंड, करकटगढ़ और बंसी खोह जलप्रपात उफान पर हैं।

राम मंदिर के नए सीईओ ने अभी चार्ज नहीं संभाला

कहा- ट्रस्ट के साथ 2-4 बैठक करके कामकाज समझूंगा, फिर जिम्मेदारी संभालेंगे

अयोध्या, 3 सितंबर (एजेंसियां)। पूर्व एयर मार्शल जीतेंद्र मिश्रा गुरुवार सुबह अयोध्या पहुंचे। रामलला के दर्शन किए। उन्होंने राम मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों के साथ बैठक की। इसके बाद मीडिया से बातचीत में कहा- इस बैठक में सभी सदस्यों ने एक-दूसरे के बारे में और काम करने के तरीकों को समझा।

अगले 2 से 5 दिनों तक बैठक कर मंदिर से जुड़े कामकाज को अच्छी तरह समझूंगा। इसके बाद सीईओ के रूप में जिम्मेदारी संभालूंगा। हालांकि, इससे पहले सूचना आई थी कि उन्होंने सीईओ पद की जिम्मेदारी संभाल ली है।

जीतेंद्र मिश्रा ने कहा कि 17 साल की उम्र में देवरिया के अपने गांव से निकले। 60 साल की उम्र तक भारतीय वायु सेना में राष्ट्र सेवा की। अब भगवान श्रीराम ने राम मंदिर और राम भक्तों की सेवा करने का एक और अवसर दिया है।

इससे पहले सुबह 10 बजे

जीतेंद्र मिश्रा अयोध्या एयरपोर्ट पहुंचे। यहां उन्होंने कहा- पुरानी बातों को छोड़कर आगे बढ़ने का समय है। मैं चयन समिति और भगवान श्रीराम का तहे दिल से आभारी हूं, जिन्होंने इस महान और पवित्र काम के लिए मुझे चुना।

हालांकि, राम मंदिर ट्रस्ट में तीर्थ क्षेत्र कार्यालय के गेट पर मीडिया को देखकर वह नाराज हो गए। सवाल पूछने पर कहा- देखिए, मैं आप सबको पहचान रहा हूं, दोबारा आने नहीं दूंगा। अगर ये काम आप मेरे साथ करोगे।

हालांकि, गोविंद देवगिरी ने महासचिव, मोहन भागचंदका ने कोषाध्यक्ष, राम मंदिर के नए ट्रस्टी मोहन पांडेय और निर्मला यादव ने कार्यभार ग्रहण किया। बुधवार को ट्रस्ट की बैठक में इन लोगों को जिम्मेदारी सौंपी गई थी। यह बदलाव मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामला सामने आने के 3 महीने के बाद हुआ।

दूसरी ओर, रामलला के अर्चकों के लिए नया ड्रेस कोड जन्माष्टमी से लागू करने की तैयारी है। 36 अर्चकों के लिए वाराणसी से 80 ड्रेस मंगाई गई हैं, जिनमें 40 अयोध्या पहुंच चुकी हैं।

ड्रेस पीले रंग की है। नीचे अचला होगा, जो लुंगी की तरह पहना जाता है, जबकि ऊपर उत्तरीय (कुर्तानुमा) होगा। दोनों वस्त्र सिले हुए नहीं होंगे और इनमें जेबें भी नहीं होंगी। एक ड्रेस सेट की कीमत 7 हजार रुपए बताई जा रही है।

हनुमानगढ़ी मंदिर के महंत राजू दास महाराज ने कहा- सीईओ साहब से निवेदन है कि वहां की व्यवस्था अच्छी तरह से रखें। अयोध्या में तमाम गोशाला हैं, उनको राम मंदिर ट्रस्ट गोद ले। अयोध्या में जो भक्त आएं, उनकी भोजन की व्यवस्था राम मंदिर ही करे। संतों की चिंता हो।

गाजीपुर डीएम ने विद्यालय में छात्राओं संग चखा मेस का खाना

गाजीपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला ने गुरुवार को जवाहर नवोदय विद्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, छात्रावास, प्रयोगशालाओं और भोजनालय का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने विद्यार्थियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याओं, सुविधाओं और जरूरतों की जानकारी भी ली।

निरीक्षण के दौरान मेस के भोजन की गुणवत्ता परखने के लिए जिलाधिकारी खुद छात्राओं के साथ भोजन लेने के लिए लाइन में लगे। उन्होंने मेस से भोजन लेकर छात्राओं के साथ बैठकर खाना खाया और उसकी गुणवत्ता को परखा। जिलाधिकारी ने कक्षा 12 में चल रही गणित की कक्षा का भी निरीक्षण किया। उन्होंने शिक्षक की ओर से पढ़ाए जा रहे गणित के प्रश्न को विद्यार्थियों से ब्लैक बोर्ड पर हल कराया। इसके जरिए उन्होंने छात्रों की विषय पर पकड़ और समझ को परखा। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि सभी को अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए निर्धारित लक्ष्य हासिल करने की दिशा में मेहनत करनी चाहिए। ऐसा कार्य करना चाहिए जिससे परिवार के साथ-साथ जिले और देश का नाम भी गौरवान्वित हो।

विद्यार्थियों की समस्याओं और सुझावों को आसानी से विद्यालय प्रशासन तक पहुंचाने के लिए जिलाधिकारी ने विद्यालय में शिकायत और सुझाव बॉक्स लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थी अपनी समस्याओं और सुझावों को सीधे विद्यालय प्रशासन तक पहुंचा सकेंगे और उनकी समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया को बेहतर बनाया जा सकेगा। जिलाधिकारी ने विद्यालय की रसायन विज्ञान प्रयोगशाला का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध संसाधनों की जानकारी ली।

खान सर के खिलाफ अब एक और एफआईआर

एसएसपी ऑफिस पहुंचा युवक, कोचिंग पर कब्जा करने और जान की धमकी का आरोप

पटना, 3 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के चर्चित कोचिंग संचालक और यूट्यूबर फैजल खान उर्फ खान सर की मुश्किलें बढ़ सकती है। पटना में बीते दिनों एक महिला ने खान सर के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। अब खान सर के खिलाफ निखिल कुमार उर्फ रंजीत कुमार सिंह ने पटना एसएसपी ऑफिस पहुंचकर शिकायत दी।

निखिल कुमार की शिकायत पर पटना पुलिस ने खान सर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। खान सर पर कोचिंग को लेकर धोखाधड़ी, विश्वासघात, अवैध कब्जे और जान से मारने की धमकी समेत गंभीर आरोप लगाए हैं।

खान सर के खिलाफ अब निखिल ने दर्ज कराई एफआईआर

रौशन आनंद के साथ हुए विवाद के बाद खान सर उर्फ फैजल खान के खिलाफ लगातार विवाद सामने आ रहे है। कुछ दिन पहले उत्तर प्रदेश की रहने वाली एक महिला ने सामने आकर खान सर के खिलाफ गई गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस से सुरक्षा का मांग की थी।

यूपी की महिला ने खान सर के खिलाफ पीरबहोर थाना में मामला दर्ज कराया था। अब निखिल कुमार उर्फ रंजीत कुमार सिंह ने खान सर के खिलाफ एफआईआर कराई है।

फैजल खान सर के खिलाफ दर्ज कराई गई एफआईआर में निखिल कुमार ने आरोप लगाते हुए दावा किया है कि करीब 50 लाख रुपये निवेश कर कोचिंग सेंटर स्थापित किया। 2017 में खान सर ने उनके साथ साथ पढ़ाना शुरू किया था। फिर खान सर ने धीरे-धीरे उनकी पूरे कोचिंग पर कब्जा कर लिया। इसे लेकर इन्होंने सुल्तानगंज थाने में आवेदन भी दिया था।

निखिल ने अपनी एफआईआर में खान सर पर जान से मारने के धमकी देने का भी आरोप लगाया है। एफआईआर में कहा गया है कि 25 जून 2026 से लगातार खान सर की ओर से उन्हें धमकी दी जा रही हैं।

निखिल ने इस मामले को लेकर अब एसएसपी से मिलकर गुहार लगाई है। उन्होंने एसएसपी ने कहा कि खान सर ने उनकी जिस कोचिंग पर कब्जा किया है, वो उनकी संपत्ति है और उन्हें वापस दिलाई जाए।

कई जिलों में भारी बारिश के आसार

9 सितंबर को फिर बनेगा लो प्रेशर, अगले 6 दिन बदला-बदला रहेगा मौसम

रांची, 3 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड में अगले 6 दिनों तक मौसम में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा। मौसम विभाग के अनुसार आज से राज्य के कुछ हिस्सों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। आज और कल कहीं-कहीं मेघगर्जन और वज्रपात के साथ 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने का यलो अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि, बारिश की गतिविधि के बीच अधिकतम तापमान में करीब 4 डिग्री तक बढ़ोतरी हो सकती है। इससे उमस वाली गर्मी लोगों को परेशान कर सकती है। रांची का अधिकतम तापमान 26-28 डिग्री से बढ़कर करीब 30 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार बंगाल की खाड़ी में 9 सितंबर को फिर लो प्रेशर एरिया बनने की संभावना है। इसका असर झारखंड में भी दिखेगा। देवघर, दुमका, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज, जमशेदपुर, चाईबासा और सरायकेला-खरसावां के कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी है। अन्य जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

मानसून की शुरुआत में अल-नीनो के प्रभाव और कम बारिश के कारण झारखंड में सूखे की आशंका जताई जा रही थी। जून और जुलाई में भी बारिश की स्थिति चिंताजनक रही थी। धानरोपनी से लेकर जलाशयों तक में पानी की कमी दिखाई देने लगी थी। लेकिन अगस्त में बंगाल की खाड़ी में लगातार बने लो प्रेशर और साइक्लोनिक सर्कुलेशन ने मौसम की तस्वीर बदल दी।

पिछले तीन दिनों से हुई लगातार बारिश के कारण 2 सितंबर तक राज्य में होने वाली सामान्य बारिश का कोटा पूरा हो गया। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार 1 जून से 2 सितंबर तक झारखंड में सामान्य बारिश 815.6 एमएम होनी चाहिए थी, जबकि 818.4 एमएम बारिश दर्ज की गई है।

यह सामान्य से 3 प्रतिशत अधिक है। यानी इस अवधि की सामान्य बारिश का 100 प्रतिशत कोटा पूरा हो चुका है।

कारोबारी की यूपी के शूटरों ने की हत्या

15 लाख में तय हुआ था सौदा, बदला और जमीन कारोबार बना हत्या की वजह

जमशेदपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। चांडिल के कांदरबेड़ा स्थित टेंथ माइल स्टोन में होटल कारोबारी सह कदमा विजया हेरिटेज निवासी निखार सबलोक (33) की हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस जांच में हत्या के पीछे जमीन के कारोबार से जुड़ा विवाद और पुरानी दुश्मनी सामने आई है।

पुलिस के मुताबिक टेंथ माइल स्टोन के पीछे पिंडरापहाड़िया की तीन एकड़ जमीन की खरीद-बिक्री, सिदगोड़ा और सोनारी में जमीन के कारोबार में गणेश सिंह के करीबियों के पैर पसारने और देहरादून में विक्रम शर्मा की हत्या का बदला लेने की भावना ने इस हत्याकांड की नींव रखी। इसी बदले की आग में विक्रम शर्मा के करीबी अशोक सिंह उर्फ राघव ने निखार की हत्या की साजिश रची। हत्या के लिए 15 लाख रुपए में सौदा तय किया गया। इसके बाद स्थानीय अपराधियों के साथ उत्तर प्रदेश से शूटर बुलाकर पूरी वारदात को अंजाम देने की तैयारी की गई। पुलिस के मुताबिक साजिश को जमीन पर उतारने के लिए राघव से जुड़े लोगों ने एक-एक कर अपनी भूमिका संभाली। सोनारी सिद्ध कान्हू बस्ती निवासी सुशील केराई ने अपराधियों को हथियार उपलब्ध कराए। वहीं रितेश सिंह ने होटल जाकर निखार की रेकी की और शूटरों को उसकी पहचान कराई, ताकि वारदात के समय किसी तरह की चूक न हो।

उलीडीह संजय पथ निवासी सुनील रजक भी इस साजिश में शामिल था। पुलिस के अनुसार रितेश और सुनील, अभिमन्यु सिंह उर्फ सिंटू सिंह के जरिए राघव तक पहुंचे थे। हत्या को अंजाम देने के लिए उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर से शूटर अंकित सिंह और राजकुमार सिंह उर्फ प्रिंस को बुलाया गया। यानी स्थानीय स्तर पर रेकी, हथियार और साजिश की व्यवस्था के बाद बाहर से बुलाए गए शूटरों के जरिए निखार की हत्या की गई। वारदात के बाद साजिशकर्ताओं ने शूटरों को सुरक्षित बाहर निकालने का भी इंतजाम कर रखा था। पुलिस के अनुसार हत्या में इस्तेमाल लाल रंग की आई-10 कार से सुनील रजक शूटरों को रांची के मेसरा तक छोड़कर आया था।

नॉर्थ छत्तीसगढ़ में जानवरों के पेशाब से फैलने वाली बीमारी

72 मरीज मिले, भारत में मदुरै के बाद सरगुजा में केस

सरगुजा, 3 सितंबर (एजेंसियां)। नॉर्थ छत्तीसगढ़ में जानवरों के पेशाब से फैलने वाले संक्रमण के 72 पॉजिटिव केस मिले हैं। सरगुजा के ट्राइबल इलाके में लेप्टोस्पाइरा और स्क्रब टाइफस बीमारी फैली है। पीड़ित मरीज पहाड़ी कोरवा और पंडो जनजाति से हैं। इनमें 9 साल से लेकर 65 साल उम्र तक के लोग शामिल हैं।

डॉ. पंकज टेभूलकर के मुताबिक, यह इन्फेक्शन सामान्यतः दक्षिण अमेरिका और अफ्रीका के देशों में पाया जाता है। दक्षिण भारत में पहले मदुरै में इसके मामले सामने आए हैं। छत्तीसगढ़ में पहली बार यह बीमारी देखी गई है। समय पर इलाज नहीं मिलने पर यह जानलेवा भी हो सकती है।

सरगुजा में लेप्टोस्पाइरा के 50 और स्क्रब टाइफस के 22 मरीजों में इन्फेक्शन की पुष्टि हुई। स्क्रब

टाइफस संक्रमण ज्यादातर छोटे माइट के काटने से फैलता है। हालांकि इलाज के बाद सभी मरीज स्वस्थ गए हैं।

अंबुकापुर मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के एचओडी डॉ. पंकज टेभूलकर ने बताया कि जिन मरीजों का 5 दिन बाद भी बुखार नहीं उतरता है, उनके ब्लड सैंपल की लेप्टोस्पाइरा और स्क्रब टाइफस जैसे संक्रमणों की जांच के लिए एलाइजा टेस्ट (खून की जांच) किया जाता है। रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर मरीज का इलाज शुरू किया जाता है।

डॉ. पंकज टेभूलकर ने बताया कि लेप्टोस्पाइरा और स्क्रब टाइफस का संक्रमण दक्षिण अमेरिकी देशों ब्राजील और पेरू के साथ ही अफ्रीकी देशों में भी पाया जाता है। भारत में इसके मामले मुख्य रूप से दक्षिण भारत के मदुरै में सामने आए हैं। ऐसे में सरगुजा के आदिवासी क्षेत्र में यह संक्रमण मिलना डॉक्टरों के लिए चिंता और शोध का विषय है।

डॉ. टेंभुलकर ने बताया कि ट्राइबल इलाकों में लगातार बुखार के बढ़ते मामलों के पीछे वास्तविक कारण क्या है और कौन सा संक्रमण इसकी वजह बन रहा है, इसकी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि मानसून की शुरुआत में यह संक्रमण ज्यादा फैलता है। समय पर इलाज नहीं मिलने पर संक्रमण के कारण किडनी और लीवर खराब हो सकते हैं, जिससे मरीज की मौत भी हो सकती है।

मामले की गंभीरता को देखते हुए मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन, कम्युनिटी मेडिसिन और माइक्रोबायोलॉजी विभाग की टीम मिलकर इस पर रिसर्च कर रही है। मेडिकल कॉलेज की टीम प्रभावित गांवों में भी पहुंचेगी।

विधायक आवास के पास मर्डर

स्कॉर्पियो रोककर बात कर रहे युवक की कनपटी में मारी गोली, भागने के दौरान दो और गोलियां लगीं

पलामू, 3 सितंबर (एजेंसियां)। पलामू के हुसैनाबाद में बुधवार रात विधायक संजय कुमार सिंह यादव के आवास के पास एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वारदात पुरन्दरबिगहा गांव के पास जपला-दंगवार मुख्य सड़क पर हुई। मृतक की पहचान कचरा गांव निवासी भुनेश्वर सिंह के बेटे ओम प्रकाश सिंह उर्फ छोटू सिंह (32) के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार छोटू सिंह अपनी स्कॉर्पियो सड़क किनारे खड़ी कर किसी व्यक्ति से बात कर रहा था। इसी दौरान एक अज्ञात हमलावर वहां पहुंचा और उनकी कनपटी में गोली मार दी। अचानक हुए हमले के बाद छोटू ने जान बचाने के लिए स्कॉर्पियो का गेट खोला और वहां से भागने की कोशिश की।

लेकिन हमलावर ने उन्हें निशाना बनाते हुए दो और गोलियां चला दीं। गोली लगने के बाद घायल छोटू मुख्य सड़क से कुछ दूर जाकर गिर पड़ा। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर बाइक पर सवार होकर दंगवार की ओर फरार हो गया। पुलिस के अनुसार ओम प्रकाश सिंह उर्फ छोटू सिंह का आपराधिक रिकॉर्ड रहा है। उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट और शराब तस्करी से जुड़े आठ आपराधिक मामले दर्ज थे। वह कुछ महीने पहले ही जेल से बेल पर बाहर आया था। छोटू सिंह मूल रूप से कचरा गांव का रहने वाला था, लेकिन फिलहाल जपला के सिद्धनाथ पेट्रोल पंप के पास शिवशक्ति नगर में परिवार के साथ रह रहा था। घटना की सूचना मिलते ही हुसैनाबाद थाना प्रभारी चंदन कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने आसपास के इलाके में छानबीन शुरू कर दी है। घटनास्थल के आसपास की गतिविधियों और संभावित सुरागों को खंगाला जा रहा है। पुलिस हमलावर की पहचान के साथ हत्या के पीछे की वजह का पता लगाने में जुटी है। पुलिस के अनुसार घटना के समय मौके पर एक और संदिग्ध मोटरसाइकिल भी देखी गई थी। फायरिंग के बाद वह बाइक भी वहां से निकल गई। इससे पुलिस को आशंका है कि वारदात में एक से अधिक लोगों की भूमिका हो सकती है, हालांकि इसकी पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही होगी। फिलहाल पुलिस पुरानी रंजिश, आपसी विवाद और अन्य संभावित कारणों को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

मंत्री के पीए ने टोलकर्मी को 5 थप्पड़ जड़े

गाड़ी पर टोल बैरियर गिरने से तमतमाया, मारपीट की, थाने में शिकायत, एफआईआर दर्ज नहीं

सरगुजा, 3 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के पीए ने टोलकर्मी को पीटा है। दरअसल 2 सितंबर की रात मंत्री का काफिला लहपटरा टोल प्लाजा से गुजरा। इस दौरान काफिले की पहली गाड़ी टोल क्रॉस कर गई लेकिन दूसरी गाड़ी के ऊपर टोल बैरियर का बूम गिर गया। इस घटना से पीए ओम प्रकाश राजवाड़े तमतमा उठे। उन्होंने गाड़ी से उतरकर टोल कर्मचारी से गाली-गलौज की और तड़ातड़ 5 थप्पड़ जड़ दिए। पूरी घटना सीसीटीवी में रिकॉर्ड हो गई। मामला लखनपुर थाना क्षेत्र का है।

घटना के अगले दिन पीड़ित टोलकर्मी महेंद्र राजवाड़े ग्रामीणों के साथ थाने पहुंचा और मामले की शिकायत की।

हथौड़े से सिर-कुचलकर मर्डर, सीसीटीवी में सुनाई दीं चीखें

बिलासपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में रेलवे ठेकेदार के सुपरवाइजर की हत्या हुई है। उसके सिर पर भारी वस्तु से हमले के निशान मिले हैं। घटनास्थल पर लगे सीसीटीवी में एक संदिग्ध लड़का दिखा है, जो हाथ में हथौड़ा लेकर उसे मारने जा रहा है। मारने का विजुअल तो नहीं है, लेकिन सामने आए सीसीटीवी में उसकी चीखें सुनाई दे रही है।

घटना तोरवा थाना क्षेत्र स्थित आरपीएफ कॉलोनी के पास की है। मृतक की पहचान नरेश कुमार गुप्ता के रूप में हुई है। वह बिहार के आरा जिले का रहने वाला था। पुलिस चोरी या रंजिश दोनों एंगल से जांच कर रही है। हत्या के कारणों का पता लगाया जा रहा है। सीसीटीवी में कुछ संदिग्ध दिखे हैं। एफएसएल और डॉग स्क्वायड ने सबूत जुटाए हैं।

जानकारी के मुताबिक, नरेश कुमार गुप्ता पिछले करीब 2 साल से बिलासपुर में रहकर सुपरवाइजर के साथ चौकीदारी का काम कर रहा था। नरेश रेलवे स्टेशन के निर्माण कार्य से जुड़े सामान के गोदाम की रखवाली करता था।

गुरुवार (3 सितंबर) सुबह उसका शव आरपीएफ कॉलोनी में पानी टंकी के पास खून से लथपथ हालत में मिला। घटना की सूचना मिलते ही जीआरपी, आरपीएफ और तोरवा पुलिस की टीमें मौके पर पहुंचीं और जांच शुरू की। ठेकेदार के मुताबिक नरेश उसके गांव का ही रहने वाला था। काम के लिए उसे बिलासपुर लाया गया था। पुलिस ने घटना स्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। एफएसएल और डॉग स्क्वायड की टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। बताया जा रहा है कि फुटेज में एक संदिग्ध नजर आया हैं। इसकी उम्र करीब 25 से 30 साल के बीच है। पुलिस सीसीटीवी के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस जांच में यह भी देखा जा रहा है कि कहीं चोरी की नीयत से वारदात तो नहीं की गई या फिर हत्या के पीछे आपसी रंजिश कोई वजह है। पुलिस आसपास के लोगों और संबंधित कर्मचारियों से भी पूछताछ कर रही है। फिलहाल आरोपी फरार हैं और पुलिस की टीमें उनकी तलाश में जुटी हुई हैं।

आरपीएफ कॉलोनी रेलवे स्टेशन से लगा हुआ संवेदनशील इलाका है। यहां आरपी, जीआरपी और स्थानीय पुलिस की निगरानी रहती है।

दरोगा के सिर में गोली लगी लाश मिली

मथुरा, 3 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मथुरा से दरोगा की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। सदर थाना क्षेत्र के गोकुल बैराज के पास दरोगा का पार्थिव शरीर बरामद किया गया। दरोगा के सिर में गोली लगी थी। पास में ही मृतक का सर्विस रिवॉल्वर भी मिला है। इस संदिग्ध मौत के मामले ने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया है। पुलिस ने सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए जांच शुरू कर दी है। दरोगा की बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

पंकज कुमार यादव के बारे में जानकारी आई है कि वे 2019 बैच के सब इंस्पेक्टर थे। वे मूल रूप से एटा के रहने वाले थे। अभी मथुरा में एसपी ट्रैफिक के पेशकार के तौर पर उनकी नियुक्ति थी। सदर थाना क्षेत्र के गोकुल बैराज के पास दरोगा पंकज की डेड बॉडी बरामद किए जाने के बाद हड़कंप मचा हुआ है। दरोगा ने आखिर आखिर अपनी जान क्यों ली? यह सवाल उठ रहा है। साथ ही, हत्या के एंगल को भी खंगाला जा रहा है।

पुलिस को यमुना नदी के किनारे गोकुल बैराज के पास शव पड़ा होने की सूचना मिली थी। पुलिस वर्दी में शव मिलने की जानकारी मिलते ही स्थानीय थाना और सीनियर पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। घटनास्थल की जांच के दौरान शव के पास ही दरोगा का सर्विस रिवॉल्वर पड़ा मिला। इससे पहली नजर में आत्महत्या की आशंका जताई जा रही थी। हालांकि, पुलिस ने मामले में हत्या और सुसाइड दोनों एंगल से जांच शुरू की।

खिलौना चोरी का आरोप लगाकर बच्चों से यौन शोषण

दुकानदार ने बेल्ट से पीटा, सरेआम कपड़े उतरवाए, भाटापारा का दादा बताकर धमकाया

बलौदाबाजार, 3 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार के महारानी चौक में लगे मेले में दो नाबालिग बच्चों पर खिलौने चोरी करने का आरोप लगाकर उनका यौन शोषण किया गया। दुकानदार गोवर्धन वर्मा ने बच्चों पर चोरी का आरोप लगाकर उन्हें बेल्ट से पीटा, गाली-गलौज की और खुद को 'भाटापारा का दादा' बताते हुए धमकाया।

इसके बाद आरोपी ने मेले में लोगों के सामने बच्चों के साथ जबरन अप्राकृतिक यौन कृत्य किया। इसके बाद बच्चों के कपड़े भी उतरवाए। आरोपी ने इस पूरी घटना का वीडियो भी बनवाया। वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। यह मामला भाटापारा शहर थाना क्षेत्र का है।

पुलिस के मुताबिक, भाटापारा के महारानी चौक में मेला लगा हुआ था। इसी दौरान गोवर्धन वर्मा नाम के व्यक्ति ने मेले में खिलौने की दुकान लगाई है। दुकानदार ने दो नाबालिग बच्चों पर खिलौने चोरी करने का आरोप लगाया। इसके बाद उसने दोनों बच्चों को पकड़ लिया और उनके साथ मारपीट की। उन्हें बेल्ट से पीटा और उनके साथ गाली-गलौज की। इसके बाद आरोपी ने सभी के सामने खुलेआम बच्चों के साथ अप्राकृतिक यौन उत्पीड़न किया। इसके बाद बच्चों के कपड़े भी उतरवाए। आरोपी ने खुद को 'भाटापारा का दादा' बताते हुए उन्हें डराया-धमकाया। घटना के दौरान बच्चे काफी डरे हुए थे।

इस पूरी घटना का वीडियो भी बनाया गया। बताया जा रहा है कि वीडियो आरोपी के कहने पर बनाया गया था। बाद में यही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

वीडियो सामने आने के बाद मामले की जानकारी पुलिस तक पहुंची। पुलिस ने वीडियो को आधार बनाकर घटना की जांच शुरू की और पीड़ित बच्चों की पहचान कर उनके बयान दर्ज किए। भाटापारा शहर पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए आरोपी गोवर्धन वर्मा को हिरासत में लिया।

पूछताछ और पीड़ित बच्चों के बयान के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

जीडीपी डेटा पर विपक्ष के आरोपों को लेकर पीयूष गोयल बोले

आंकड़ों को तोड़-मरोड़कर पेश करने से सच्चाई को छिपाया नहीं जा सकता

नई दिल्ली,3 सितंबर (एजेंसियां)। जीडीपी डेटा पर विपक्ष के आरोपों को लेकर केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बुधवार को कहा कि आंकड़ों को एकत्रित करने की यह व्यवस्था वर्षों से चल रही है और इसमें राजनीतिक लोग शामिल नहीं होते हैं। साथ ही, कहा कि आंकड़ों को तोड़-मरोड़कर पेश करने से सच्चाई को छिपाया नहीं जा सकता है। ऑटोमोटिव कंपोनेंट मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसीएमए) के साइडलाइन में मीडिया से बातचीत करते हुए गोयल ने कहा कि इस तरह से आंकड़ों को लेकर नकारात्मक सोच रखना अपनेआप को छोटा करना है और यह जनता के हौसले को तोड़ने की कोशिश है, क्योंकि यह सरकार का प्रदर्शन नहीं, बल्कि इस देश के 140 करोड़ लोगों का परिश्रम और सामर्थ्य है। उन्होंने आगे कहा कि देश की स्टील, सीमेंट, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल और अन्य इंडस्ट्री अच्छा कर रही हैं। निर्यात में भी करीब 15 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, एक्सचेंज फाइलिंग में कंपनियों ने अच्छी आय बढ़ोतरी रिपोर्ट की है। यह सभी देश में मजबूत मांग होने का संकेत हैं। वहीं, केंद्र सरकार ने भी उन दावों को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के आंकड़े को अच्छा दिखाने के लिए पिछले साल की पहली तिमाही की चालू जीडीपी के आंकड़े को संशोधित करके 86 लाख करोड़ रुपए से घटाकर 80 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया है। अगर ऐसा नहीं किया गया होता तो चालू कीमतों में जीडीपी की ग्रोथ 2.6 प्रतिशत थी।सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर जारी बयान में कहा गया कि 2026-27 की पहली तिमाही की जीडीपी का अनुमान 2022-23 को आधार वर्ष मानकर नई सीरीज के आधार पर लगाया गया है। इस कारण, इसकी तुलना 2025-26 की पहली तिमाही के 86 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े से नहीं की जा सकती, क्योंकि यह आंकड़ा पुरानी सीरीज का हिस्सा था जिसमें 2011-12 आधार वर्ष था। सही तुलना केवल 2022-23 को आधार वर्ष मानकर नई सीरीज के डेटा के आधार पर निकाले गए 80 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े से ही की जा सकती है।

हैदराबादी स्टार्टअप ने बनाया भारत का सबसे तेज इंटरसेप्टर ड्रोन

498 किमी/घंटा की स्पीड हासिल की, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज

हैदराबाद,3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के स्टार्टअप अपोलियन डायनेमिक्स ने भारत का सबसे तेज इंटरसेप्टर ड्रोन आहूति एमके -II बनाया है। इसकी स्पीड 498 किलोमीटर प्रति घंटा है, जिसे 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' ने भी दर्ज किया है। अपोलियन डायनेमिक्स के फाउंडर जयंत खत्री ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि इस ड्रोन ने अपने ही प्रोटोटाइप मॉडल की 325 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड का पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है। आहूति एमके -II को हवा में आ रहे दुश्मन के ड्रोन या मिसाइल को तुरंत मार गिराने के लिए बनाया गया है।

ईरान के शाहेद-136 को आहूति एमके -II टक्कर देगा

आहूति एमके -II का मुकाबला अमेरिका के साथ जंग के दौरान ईरान की ओर इस्तेमाल किए गए शाहेद-136 ड्रोन से रहेगा। इसकी कीमत सिर्फ करीब 32 लाख रुपए है और इसने जंग के दौरान अमेरिका को भारी नुकसान पहुंचाया था। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध के पहले छह दिनों में ही अमेरिका ने करीब 1.04 लाख करोड़ खर्च किए थे, जो अप्रैल की शुरुआत तक बढ़कर करीब 2.31 लाख करोड़ से 3.24 लाख करोड़ पहुंच गया था। इसमें ज्यादातर हिस्सा इंटरसेप्टर मिसाइलों का रहा।

एडवांस ड्रोन से निपटने की प्लानिंग

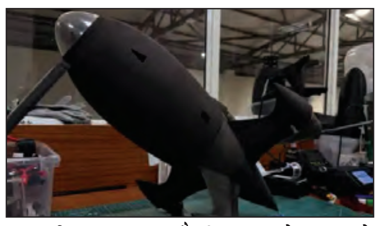

कंपनी का कहना है कि युद्ध के बदलते तरीकों को देखते हुए ड्रोन की स्पीड बढ़ाना बेहद जरूरी हो गया है। हालिया वैश्विक संघर्षों में शाहेद-16 जैसे सस्ते और खतरनाक ड्रोन्स का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। 'आहूति एमके - II' का मुख्य काम दुश्मन के ऐसे ही ड्रोन्स के करीब पहुंचकर उन्हें तुरंत हवा में ही नष्ट करना है।

10 बार बदला डिजाइन, 400 एम्पीयर करंट से मिली स्पीड

आहूति एमके -II ड्रोन को 498किमी/घंटा की रफ्तार देने के लिए इसके इंजन, मोटर और बॉडी में बड़े बदलाव किए गए, जिसके लिए 10 अलग-अलग मॉडल बनाए गए।यह ड्रोन एक बार में 400 एम्पीयर बिजली की पावर खींचता है, जिससे इसे जबरदस्त स्पीड मिलती है। इससे पहले कंपनी ने सेना को 300किमी/घंटा स्पीड वाले ड्रोन दिए थे, जिसे 8 महीने की मेहनत के बाद और ज्यादा तेज बनाया गया है। हालांकि ड्रोन की कीमत का खुलासा नहीं किया गया है।

कमाने में बेंगलुरु आगे, खर्च करने में चंडीगढ़ नंबर 1

उधारी में चेन्नई और दिल्ली सबसे बड़ा बाजार

नई दिल्ली,3 सितंबर (एजेंसियां)। देश के बड़े शहरों के बारे में की गई एक स्टडी में दिलचस्प आंकड़े सामने आए हैं। इसके मुताबिक कमाई और बचत के मामले में दक्षिणी शहर बेंगलुरु सबसे आगे है जबकि देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में सबसे ज्यादा अमीर परिवार रहते हैं। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के लोग सबसे ज्यादा उधार लेते हैं जबकि दिल्ली-एनसीआर देश का सबसे बड़ा बाजार है। प्राइस-टाटा की 100 सिटी स्टडी कई शहरी भारत के मुताबिक कमाई के मामले में बेंगलुरु पहले नंबर पर है। इस शहर में एवरेज एनुअल हाउसहोल्ड इनकम 28.3 लाख रुपये है जो कोलकाता से 1.7 गुना ज्यादा है। इसमें चंडीगढ़ दूसरे नंबर पर है जबकि वडोदरा और दिल्ली की एवरेज एनुअल हाउसहोल्ड इनकम 25.9 लाख रुपये है।

अमीरी में मुंबई आगे

लेकिन अमीर परिवारों के मामले में मुंबई सबसे आगे है। यहां 26.1% परिवारों की सालाना कमाई 36 लाख रुपये या उससे अधिक है। दिल्ली में यह आंकड़ा 22.4%, चेन्नई में 12.6%, कोलकाता में 10.4%, हैदराबाद में 8.8% और बेंगलुरु में 8% है। मिडिल इनकम के मामले में हैदराबाद सबसे आगे है। यहां 68.1% परिवारों की सालाना इनकम 6 से 36 लाख रुपये के बीच है। सालाना 1.5 से 6 लाख रुपये तक की कमाई करने वाले परिवारों की सबसे ज्यादा संख्या कोलकाता (35.2%) है। हालांकि सबसे ज्यादा खर्च करने के मामले में चंडीगढ़ सबसे आगे है। यहां प्रति परिवार सालाना खर्च 19.2 लाख रुपये है। इसके बाद तिरुवनंतपुरम, वडोदरा, तिरुपुर, सूरत, बेंगलुरु, पुणे, दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता का नंबर है। इसमें खानेपीने पर 29.9%, हाउसिंग पर 23.3%, ट्रांसपोर्टेशन पर 22.2%, एजुकेशन पर 7%, फैशन पर 5.7% और हेल्थकेयर पर 5.2% खर्च आता है।सेविंग्स की बात करें तो देश के छह बड़े शहरों में परिवारों की सेविंग्स उनकी इनकम की 42 फीसदी है जबकि ऑल इंडिया में यह आंकड़ा 25 फीसदी है। सेविंग्स के मामले में बेंगलुरु पहले नंबर पर है। यहां के परिवार अपनी इनकम का 45.9 फीसदी सेव करते हैं। इसके बाद दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद और चेन्नई का नंबर है। कर्ज लेने के मामले में चेन्नई नंबर वन है।

एयर इंडिया को जाते-जाते 10,000 करोड़ का चेक दे गए एन चंद्रशेखरन! इसी का घाटा बना था मुसीबत

नई दिल्ली,3 सितंबर (एजेंसियां)। रेकॉर्ड घाटे से जूझ रही एयर इंडिया के लिए अच्छी खबर है। टाटा संस के बोर्ड ने एयर इंडिया में 10,000 करोड़ रुपये (लगभग 1.1 बिलियन डॉलर) से ज्यादा की नई पूंजी लगाने को मंजूरी दे दी है। टाटा ग्रुप ने 2021 में 18,000 करोड़ रुपये में एयर इंडिया को सरकार से खरीदा था। उसके बाद यह एयर इंडिया में टाटा के सबसे बड़े निवेश में से एक है। हालांकि इस मंजूरी के साथ कुछ शर्तें भी जुड़ी हैं।

एयर इंडिया में निवेश को मंजूरी का फैसला जून में हुई बोर्ड मीटिंग में लिया गया। इसकी अध्यक्षता टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने की थी। इसमें टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और वाइस-चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन भी शामिल हुए थे। टाटा संस के नियमों के मुताबिक 100 करोड़ रुपये से ज्यादा के निवेश के लिए टाटा ट्रस्ट्स के नॉमिनी डायरेक्टर्स के बहुमत का समर्थन जरूरी है।

निवेश की शर्त

सूत्रों के मुताबिक बोर्ड ने एयर इंडिया और ग्रुप के अन्य वेंचर्स में नए निवेश के लिए, शर्तों के साथ सैद्धांतिक मंजूरी दी। किसी भी पूंजी निवेश के लिए एयर इंडिया और अन्य निवेश वाली कंपनियों को फंडिंग मांगते समय एक बिजनेस केस पेश करना होगा। टाटा संस ने एक साल से भी अधिक समय से एयर इंडिया में इक्विटी निवेश रोक रखा था। टाटा संस और टाटा ट्रस्ट्स, दोनों ने ही इस पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। एयर इंडिया का घाटा वित्तवर्ष26 में दोगुने से ज्यादा बढ़कर 22,238 करोड़ रुपये हो गया था। माना जाता है कि नोएल टाटा और चंद्रशेखरन के बीच मतभेद की एक बड़ी वजह एयर इंडिया का घाटा भी था। पिछले महीने चंद्रशेखरन ने अचानक घोषणा की थी कि वह तीसरे कार्यकाल के लिए अपनी दावेदारी पेश नहीं करेंगे और फरवरी 2027 में कार्यकाल पूरा होने पर पद छोड़ देंगे।

एयर इंडिया पर कर्ज

एयर इंडिया पर 11 बैंकों का कुल बकाया बढ़कर लगभग 40,000 करोड़ रुपये हो गया है। एसबीआई का सबसे ज्यादा 18,500 करोड़ और बैंक ऑफ बड़ौदा का 5,938 करोड़ रुपये का एक्सपोजर है। एयर इंडिया में टाटा संस की हिस्सेदारी 73.8% है, कर्मचारियों के पास एसबी आईसीपी ट्रस्टी कंपनी के जरिए लगभग 1.5% हिस्सेदारी है। सिंगापुर एयरलाइंस के पास 24.7% हिस्सेदारी है। अपनी हिस्सेदारी बनाए रखने के लिए उसे लगभग 3,350 करोड़ रुपये का निवेश करना होगा ताकि हिस्सेदारी कम न हो।

भारत का सर्विसेज पीएमआई अगस्त में बढ़कर 54.1 रहा

रोजगार वृद्धि 15 महीनों के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली,3 सितंबर (एजेंसियां)। भारत के सर्विसेज सेक्टर में अगस्त में जोरदार वृद्धि देखने को मिली है और एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बढ़कर 54.1 पर पहुंच गया है। इससे रोजगार वृद्धि भी 15 महीनों के उच्च स्तर पर रही है। यह जानकारी गुरुवार को जारी एक निजी सर्वेक्षण में दी गई। इससे पहले जुलाई में एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई 53.3 पर था। सर्वेक्षण में सेवा प्रदाताओं ने बढ़त की वजह अच्छी मांग और बाजार पहलों से नए बिजनेस में वृद्धि होने को बताया है। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय ग्राहकों से मांग भी बनी रही है और नए निर्यात ऑर्डर करीब जुलाई के समान ही बढ़े हैं। एचएसबीसी के डेटा के मुताबिक, अगस्त में भारतीय सेवा प्रदाताओं को ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, जापान, मलेशिया, सिंगापुर, श्रीलंका और यूएई से नए निर्यात ऑर्डर मिले थे। इसके अलावा, भारत की सेवा अर्थव्यवस्था में रोजगार तेजी से बढ़ा है। सर्वेक्षण में शामिल लगभग 11 प्रतिशत कंपनियों ने बताया कि उनके यहां कर्मचारियों की संख्या बढ़ी है। साथ ही, पिछले 15 महीनों में नौकरी पैदा होने की दर सबसे ज्यादा रही, क्योंकि कंपनियां अपनी कस्टमर सर्विस, सेल्स और डिजिटल ऑपरेशन को बेहतर बना रही हैं। एचएसबीसी की भारत में मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि अगस्त में सर्विस सेक्टर की गतिविधियां तेजी से बढ़ीं, जिसमें बेहतर आउटपुट और नए बिजनेस का योगदान रहा।भंडारी ने कहा, रोजगार में तेजी से बढ़ोतरी हुई और नौकरियां पैदा होने का आंकड़ा 15 महीने के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गया। उन्होंने यह भी कहा कि कीमतों का दबाव बहुत कम बढ़ा।इसके अलावा, अगस्त में एचएसबीसी इंडिया कम्पोजिट पीएमआई आउटपुट इंडेक्स 54.3 पर रहा, जो जुलाई के बराबर ही है, क्योंकि सर्विस सेक्टर में तेज ग्रोथ ने मैन्युफैक्चरिंग में आई सुस्ती की भरपाई कर दी।एचएसबीसी के डेटा से यह भी पता चला कि कुल रोजगार में 14 महीनों में सबसे तेजी से बढ़ोतरी हुई।

सोना 1,800 उछला, चांदी में 3,300 की तेजी

जन्माष्टमी से पहले कहां पहुंच गया भाव?

नई दिल्ली,3 सितंबर (एजेंसियां)। सोने और चांदी की कीमत में आज तेजी आई है। गुरुवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोने और चांदी की कीमतें लगातार दूसरे सेशन में बढ़त के साथ खुलीं। शुरुआती कारोबार में सोना 1,848 रुपये तक उछला जबकि चांदी में 3,300 रुपये की तेजी आई। अमेरिकी डॉलर में नरमी और बॉन्ड यील्ड में कमी के कारण सोने और चांदी में तेजी आई है। अब सबकी नजरें अमेरिका के नॉन-फार्म पेरोल डेटा पर हैं, जो फेडरल रिजर्व के अगले पॉलिसी फैसले की उम्मीदों पर असर डाल सकता है। एमसीएक्स पर 5 अक्टूबर की डिलीवरी वाला सोना पिछले सत्र में 152402 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था और आज यह 1,53,799 रुपये पर खुला। कारोबार के दौरान यह 1,846 रुपये की तेजी के साथ 1,54,248 रुपये तक उछला। इसी तरह 4 दिसंबर की डिलीवरी वाली चांदी भी 3,309 रुपये की तेजी के साथ 2,39,575 रुपये तक उछली।

बाजार में कीमत

फिजिकल मार्केट में भी सोने और चांदी की कीमत में तेजी आई है। गुड रिटर्न्स के मुताबिक 24 कैरेट वाला सोना 3,330

रुपये की तेजी के साथ 1,55,350 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। 22 कैरेट वाला सोना 3,050 रुपये ऊपर 1,42,400 रुपये पर पहुंच गया जबकि 18 कैरेट वाला सोना 2,490 रुपये की तेजी के साथ 1,16,510 रुपये पर ट्रेड कर रहा है। चांदी भी 5,000 रुपये ऊपर 2,50,000 रुपये पर ट्रेड कर रहा है।

अंतरराष्ट्रीय कीमतें

स्पॉट गोल्ड की कीमत $4,386.28 प्रति औंस पर स्थिर रही। पिछले सेशन में डॉलर और ट्रेजरी यील्ड के हालिया ऊंचे स्तरों से नीचे आने के बाद कीमतों में रिकवरी हुई थी, जो लगभग एक महीने के निचले स्तर पर थी। दिसंबर डिलीवरी के लिए यूएस गोल्ड फ्यूचर्स 0.4% बढ़कर $4,432.10 हो गए। दूसरी कीमती धातुओं में, स्पॉट सिल्वर $65.30 प्रति औंस पर स्थिर रही।

हिमचाल से तेलंगाना तक

अडानी ने खेला गैर भाजपा राज्यों में 5 लाख करोड़ का दांव

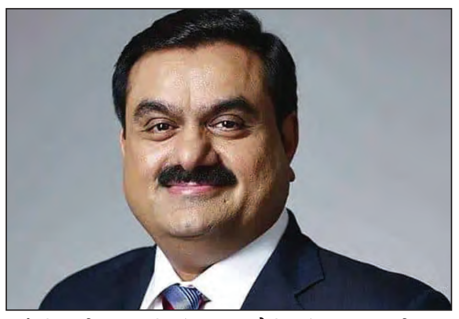

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप सड़क, बंदरगाह, बिजली, रिन्यूएबल एनर्जी, सीमेंट और डेटा सेंटर जैसे प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा है, जिनमें लगभग 5 लाख करोड़ रुपए का निवेश हो सकता है। राज्य सरकारें इंफ्रास्ट्रक्चर, इकोनॉमिक ग्रोथ और रोजगार पैदा करने के लिए प्राइवेट कैपिटल की ओर रुख कर रही हैं। इसकी जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि पोर्ट से लेकर एनर्जी तक के कारोबार में शामिल यह ग्रुप राजनीतिक सीमाओं से परे अपनी मौजूदगी बढ़ा रहा है।

कर्नाटक, तेलंगाना, केरल, तमिलनाडु, बिहार और आंध्र प्रदेश की सरकारें इस ग्रुप से निवेश की उम्मीद कर रही हैं। आखिर अडानी ग्रुप किस नॉन बीजेपी राज्य में कितना निवेश कर रहा है। कर्नाटक में, बेंगलुरु में हेब्बल और सेंट्रल सिल्क बोर्ड को जोड़ने वाली 16.75 किलोमीटर लंबी प्रस्तावित उत्तर-दक्षिण टनल रोड के दोनों पैकेज के लिए अडानी एंटरप्राइजेज सबसे कम बोली लगाने वाली कंपनी बनकर उभरी है। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि कंपनी ने इस प्रोजेक्ट के लिए 22,267 करोड़ रुपए की बोली लगाई, जो दूसरी सबसे कम बोली से लगभग 3,500 करोड़ रुपए कम है। कॉन्ट्रैक्ट को अभी अंतिम रूप नहीं दिया गया है।बेंगलुरु में ट्रैफिक की पुरानी समस्या को कम करने के मकसद से शुरू किया गया यह प्रोजेक्ट कर्नाटक सरकार के लिए राजनीतिक रूप से एक संवेदनशील परीक्षा बन गया है, क्योंकि यह बोली सरकार के अपने अनुमान से अधिक है।

बोली सार्वजनिक होने के कुछ समय बाद, ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी ने पिछले महीने बेंगलुरु में कर्नाटक के मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से मुलाकात की थी। अडानी की कर्नाटक में पहले से ही बड़ी मौजूदगी है, जिसमें 1,200 मेगावाट का उडुपी पावर प्लांट और मंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट शामिल हैं।केरल में, अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन ने विझिनजम इंटरनेशनल सीपोर्ट विकसित किया है। यह गहरे पानी वाली कंटेनर ट्रांसशिपमेंट सुविधा है, जिसे पिछली लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार के तहत शुरू किया गया था और मौजूदा कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार के तहत भी जारी रखा गया। ग्रुप ने जनवरी 2026 में 16,000 करोड़ रुपए के अतिरिक्त निवेश के साथ विझिनजम के विकास के दूसरे चरण की शुरुआत की, जिससे इस प्रोजेक्ट में उसका कुल निवेश लगभग 30,000 करोड़ रुपए हो गया।

अडानी तिरुवनंतपुरम इंटरनेशनल एयरपोर्ट का संचालन भी करते हैं और उन्होंने 2025 में कोच्चि के कलामासेरी में एक लॉजिस्टिक्स पार्क के लिए आधारशिला रखी, जिसमें 600 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश शामिल है। सूत्रों के अनुसार, 70 एकड़ के इस प्रोजेक्ट से 1,500 से ज्यादा नौकरियां पैदा होने की उम्मीद है।

आंध्र प्रदेश ग्रुप के लिए एक और बड़ा मौका है। गूगल ने विशाखापत्तनम में एआई हब बनाने के लिए 2026 और 2030 के बीच लगभग 15 बिलियन डॉलर का निवेश करने का वादा किया है, जिसमें गीगावाट-स्केल डेटा-सेंटर क्षमता, एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर और सबसी कनेक्टिविटी शामिल है। अडानी-कनेक्स और एयरटेल इस प्रोजेक्ट में इंफ्रास्ट्रक्चर पार्टनर हैं, जिसकी शुरुआत गूगल ने अप्रैल 2026 में की थी।

आंध्र प्रदेश में अडानी की मौजूदगी और भी व्यापक है, जिसमें कृष्णापटनम पोर्ट के साथ-साथ रिन्यूएबल एनर्जी और ट्रांसमिशन प्रोजेक्ट्स भी शामिल हैं। यह ग्रुप रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता में अलग से 20,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश कर रहा है, जिसमें दो पंप-स्टोरेज प्रोजेक्ट और ट्रांसमिशन लाइनें शामिल हैं। अडानी द्वारा संचालित कृष्णापट्टनम पोर्ट भारत के पूर्वी तट पर स्थित सबसे बड़ा पोर्ट है।

तेलंगाना में, कांग्रेस सरकार ने जनवरी 2024 में अडानी ग्रुप की कंपनियों के साथ कुल 12,400 करोड़ रुपए के निवेश के लिए चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए।

शेयर बाजार में लगातार चौथे दिन गिरावट

सेंसेक्स 417 अंक टूटा, निफ्टी 23,900 के नीचे

मुंबई,3 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी दिन गिरावट दर्ज की गई। बाजार बंद होने पर सेंसेक्स 417 अंक नीचे आकर बंद हुआ।

वहीं, निफ्टी भी 23,900 अंक के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे फिसल गया। सुबह के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी में 0.45 फीसदी तक की बढ़त देखी गई थी। यह पिछली गिरावट के बाद एक मामूली सुधार था। हालांकि, कारोबार के अंत तक बाजार नकारात्मक दायरे में चला गया। बजाज ऑटो और टेक महिंद्रा के शेयरों में 2 फीसदी की बड़ी गिरावट आई। सूचना प्रौद्योगिकी, एफएमसीजी, फार्मा और ऑटो शेयर दबाव में रहे। रियल्टी, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और रसायन क्षेत्र में मजबूत वृद्धि दिखी। निजी बैंक और वित्तीय सेवाओं में सकारात्मक रुझान में रहीं। तेल और गैस, सीमेंट तथा स्वास्थ्य संबंधी क्षेत्रों में मामूली बढ़त दर्ज की गई।

क्या वैश्विक बाजारों का रुख अलग रहा?

गुरुवार को वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुझान देखने को मिला। लंदन समय अनुसार सुबह 10:08 बजे स्टॉक्स यूरोप 600 में 0.3 फीसदी की वृद्धि हुई। एसएंडपी 500 वायदा में 0.1 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। नैस्डैक 100 वायदा भी 0.1 फीसदी ऊपर रहा। डाउ जोंस इंडस्ट्रियल एवरेज वायदा में 0.2 फीसदी की वृद्धि हुई।

किन सूचकांकों में तेजी आई?

एमएससीआई एशिया पैसिफिक इंडेक्स में 0.7 फीसदी की मजबूत वृद्धि हुई। एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स भी 0.2 फीसदी ऊपर बंद हुआ। वैश्विक स्तर पर सकारात्मक संकेतों के बावजूद भारतीय बाजार में गिरावट आई। यह घरेलू कारकों और निवेशकों द्वारा मुनाफावसूली का संकेत देता है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह	मे	सिंह	04-53 बजे
चंद्र	वृषभ	मे	कन्या	06-59 बजे
मंगल	मिथुन	मे	तुला	08-03 बजे
बुध	सिंह	मे	वृश्चिक	11-13 बजे
गुरु	कर्क	मे	धनु	13-29 बजे
शुक्र	तुला	मे	मकर	15-42 बजे
शनि	मीन	मे	कुंभ	17-24 बजे
राहु	कुंभ	मे	मीन	19-01 बजे
केतु	सिंह	मे	मेष	20-37 बजे
			वृष	22-20 बजे
			मिथुन	00-24 बजे
			कर्क	02-40 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083
शक संवत् -1948, सूर्य दक्षिणायने /उत्तर , ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - 432000
भोग्य कलि वर्ष. - 426873
कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - 1972949127
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127
सूर्योदय 06-01
सूर्यास्त. 18-39
दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष शुक्रवार 04 Sep 2026
तिथि - अष्टमी 00-14 रात्रि तक उपरान्त नवमीं
नक्षत्र - रोहिणी 23-04 रात्रि तक उपरान्त मृगशिरा
योग - हर्षण 15-43 तक उप वज्र
करण - बालव 13-21 तक उप कौलव

विशेष: श्री कृष्ण जन्माष्टमी दुर्वा अष्टमी, जाम्बोजी जन्म दिवस

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 10-42 से 12-15 तक

श्री पंचागुल्लि ज्योतिष केन्द्र Ph 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06 -01 - 07-37	शुभ	रोग	18-42 - 19-54	अशुभ
लाभ	07-37 - 09-09	शुभ	काल	19-54 - 21-21	अशुभ
अमृत	09-09 - 10-42	शुभ	लाभ	21-21 - 22-48	शुभ
काल	19-42 - 12-15	अशुभ	उत्पात	22-48 - 00-15	अशुभ
शुभ..	12-15 - 13-48	शुभ	शुभ	00-15 - 01-42	शुभ
रोग	13-48 - 15-21	अशुभ	अमृत	01-42 - 03-10	शुभ
उत्पात	15-21 - 16-54	अशुभ	चंचल.	03-10 - 04-37	शुभ
चंचल	16-54 - 18-42	शुभ	रोग	05-37 - 06-01	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आज का दिन सट्टा उद्यमों के लिए सबसे उपयुक्त है । आज एक लॉटरी टिकट या कंपनियों के शेयरों में निवेश करने से धन वृद्धि का एक उच्च मौका है। आपको किसी से एक अच्छा सुझाव मिल सकता है और अगर आप उसे समय पर करते हैं , तो आप अपनी आय बढ़ा सकते हैं। आज का दिन आपके के लिए शांतिपूर्ण रहेगा ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)
व्यावहारिक स्थिति आज आपको काफी तीव्रता से काम करने के लिए मजबूर कर रही हैं, पर आपका मन अपने परिवार के साथ समय बिताने में अधिक रुचिकर दिखेगा । इसलिए, आपको दक्षता से अपनी दोनों प्रतिबद्धताओं को निभाना होगा । आप अपने काम को नजरअंदाज न करें , हालाँकि आपका मन इधर उधर भागेगा ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,)
जहां तक वित्तीय मामलों का संबंध है, आज आप एक बुद्धिमान निर्णय लेंगे । सलाह आपका उचित मार्गदर्शन करेंगी , तो आज छोटे लाभ से संतुष्ट रहे । शेयर बाज़ार में लगे लोग आज बड़े शेयरों के निवेश से बचे । अपने भीतर की आवाज सुनकर अपने अंतर्ज्ञान से काम करे ।

कर्क (ही, हू, हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
अनुशासन और कड़ी मेहनत आपके विशिष्ट गुण हैं । आज अपने कार्य क्षेत्र से आपका मोहभंग हो सकता है , क्योकि आपको लगेगा की आपका करियर रुक सा गया है । हालांकि, कड़ी मेहनत हमेशा साथ देती है । आप सही रास्ते पर हैं ।अब महत्वपूर्ण है की इस पथ के साथ आप रहे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आपको विभिन्न भूमिकाओं का क्रियान्वन करना पड सकता है इसलिए दोस्तों से मदद लेने में संकोच न करे । वे सफलता के रास्ते पर आपको एक मजबूत समर्थन दे सकते हैं। छात्रों के लिए ये एक अच्छा दिन हो सकता है और उन्हें एक प्रतिष्ठित संस्थान से डिप्लोमा या डिग्री प्राप्त हो सकती है। इन स्थितियों की वजह से उच्च भुगतान नौकरियों में अवसर बढ़ेंगे ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज का दिन आपके लिए व्यस्त रहने की संभावना है क्यों की आपकी उपस्थिति अलग अलग दिशाओं में वांछनीय होगी , हालांकि अपने व्यक्तिगत विकास के लिए आप अधिक से अधिक समय समर्पित करने की कोशिश करे । ऑनलाइन परीक्षाओं या प्रमाणपत्र के लिए ऑनलाइन कुछ मार्गदर्शन की तलाश करें। आज आपको खर्चो की तुलना में अधिक बचत पर ध्यान देना होगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आज के दिन विधार्थियो , युवा बेरोजगारो और स्वनियोजित व्यवसायियों के लिए काफी करियर अवसर आयेंगे । आप एक ऐसी परियोजना के भागीदार बन सकते है जिससे आपके करियर की दिशा परिवर्तित हो सकती है और काफी समय से आपको इसकी तलाश भी थी । आपको इस अवसर का उपयोग काफी समझ के साथ करना है क्यों की ये अवसर जीवनभर में यदा कदा ही मिलता है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
अब आपके करियर में कितनी बाधाएं आती है , इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्यों की आप उन सब बाधाओं को पार कर जाएंगे जैसे की वो कभी थी ही नहीं । सफलता अब सहजता से आएगी , लेकिन आपको अति आत्मविश्वास की भावना से बचना होगा । आपको ये एहसास करने की जरूरत है की भाग्य की भूमिका भी उतनी ही है जितनी आपकी क्षमता , लेकिन ये जरुरी नहीं की भाग्य हमेशा आपका साथ दे ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज का दिन एक नए व्यापार उद्यम को लगाने का समय है । काफी समय से बात आपके मन में थी परन्तु उसे उपयोगिता में नहीं ला पा रहे थे लेकिन आज का दिन इसको पूरा करने का दिन है । आपको कई नए अवसर मिलेंगे और सब वैध एवं असली होंगे । अगर आप विवेकपूर्ण तरीके से निर्णय लेंगे तो जो भी मुश्किलें आ रही थी वे धीरे धीरे लुप्त होती चली जाएंगी ।

मकर (भो, ज, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी)
आज का दिन नौकरी से संबंधित कार्यो के लिए काफी अनुकूल है। आपने हमेशा से ईमानदारी और मेहनत के साथ कार्य किया है और अतीत में, हालाँकि आपको उतना फल नहीं मिला , लेकिन अब भाग्य आपके लिए स्थितियां अनुकूल करेगा । आपकी काफी सारी परियोजनाए सफलता के साथ फलित होंगी और आज का दिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों और अपने।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)
शोध विधार्थियों को आज के दिन शुभ सन्देश मिल सकता है । जो विद्यार्थी आज के दिन प्रतियोगिता परीक्षा में भाग ले रहे है वे भी अपनी आशा से ज्यादा अछी परीक्षा देंगे परन्तु समय के अनुसार निर्णय और काम करना काफी महत्वपूर्ण होगा । इन घटनाओं से आपको जो अवसर मिल रहे है आपको शीघ्र अतिशीघ्र इनका उपयोग करना होगा अन्यथा अवसर हाथ से निकल सकता है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपकी लंबित कई प्रतिबद्धताएं है जिन्हे आपको आज आसानी से पूरा करने के लिए समय मिलेगा , हालांकि आप अपने आप को बेचैन , असावधान और सुस्त महसूस करेंगे । परिणाम के रूप में, आपका कार्य लंबित होता जाएगा , क्योकि आपका ध्यान केंद्रित नहीं है, इसलिए एक दिन की छुट्टी ले और आराम करे । यह काफी हद तक आपके तनाव को दूर करने में मदद करेगा ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

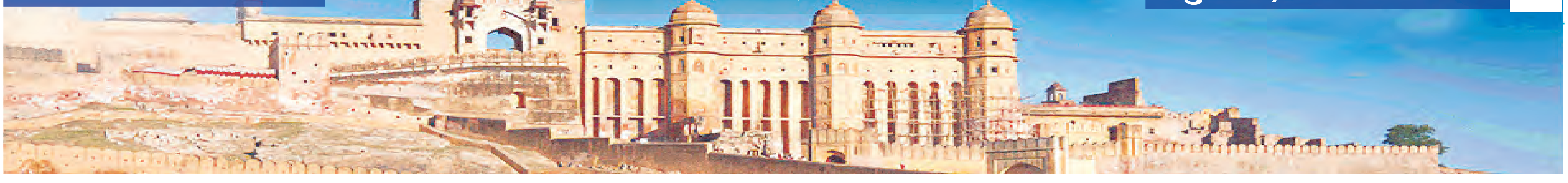

सीएम भजनलाल का वीडियो शेयर कर पेंशन के मुद्दे पर गहलोत ने बीजेपी को घेरा, तारीफ के साथ किया तंज

जयपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सामाजिक सुरक्षा पेंशन पर एक के बाद एक हमले बीजेपी सरकार पर कर रही है। इसी क्रम में उन्होंने एक और एक्स पोस्ट किया है। हालांकि इस पोस्ट में गहलोत ने सीएम भजनलाल को धन्यवाद दिया है। इस पोस्ट में अशोक गहलोत ने सीएम भजनलाल शर्मा को धन्यवाद देते लिखा है कि सामाजिक सुरक्षा पेंशन पर दो मांगें रखीं: पहली, पेंशन राशि का भुगतान हर महीने की 1 तारीख को नियमित रूप से सुनिश्चित किया जाए। दूसरी, केंद्र सरकार से केंद्रीय पेंशन राशि 300 से बढ़ाकर 3,000 करने की मांग की जाए।

इससे पहले देश भर में सामाजिक सुरक्षा पेंशन की राशि बढ़ाकर कम से कम 3,000 रुपये प्रतिमाह करने और लाभार्थियों का दायरा बढ़ाने को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर करारा हमला बोला है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखते हुए गहलोत ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार उद्योगपतियों के कर्ज तो माफ कर देती है, लेकिन गरीब और जरूरतमंदों को राहत देने के लिए तैयार नहीं है।

अशोक गहलोत ने अपनी पोस्ट में राजस्थान के पिछले घटनाक्रम का उल्लेख करते हुए बताया कि साल 2013 में उनकी सरकार ने बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों के लिए 500 रुपये प्रतिमाह से सामाजिक सुरक्षा पेंशन की शुरुआत की थी। उन्होंने कहा कि इसके बाद आई भाजपा सरकार ने 5 साल तक इसमें एक रुपये की भी बढ़ोतरी नहीं की। वर्ष 2018 में दोबारा कांग्रेस सरकार बनने पर इसे बढ़ाकर 750 रुपये और 2023 में 1,000 रुपये प्रतिमाह किया गया। गहलोत ने आगे कहा कि भविष्य में कोई भी सरकार इस राशि को कम न कर सके या रोक न सके, इसके लिए कांग्रेस सरकार ने कानून बनाकर हर साल पेंशन राशि में 15 प्रतिशत की स्वतः बढ़ोतरी का कानूनी प्रावधान भी लागू किया, जो आज लाखों परिवारों का मुख्य सहारा है।

केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र में कांग्रेस सरकार के समय 2013 तक पेंशन राशि बढ़ाकर 300 रुपये प्रतिमाह की गई थी। हालांकि, पिछले 12 वर्षों के शासन में मोदी सरकार ने इस राशि में एक रुपये का भी इजाफा नहीं किया है, जबकि इस दौरान महंगाई कई गुना बढ़ चुकी है। उन्होंने दावा किया कि संसद की स्थायी समिति ने भी इस राशि को नाकाफी बताते हुए बढ़ाने की सिफारिश की थी, लेकिन सरकार ने इसे नजरअंदाज कर दिया। साथ ही लंबे समय से लाभार्थियों की संख्या भी नहीं बढ़ाई गई है। पूर्व सीएम ने कांग्रेस और भाजपा की नीतियों का अंतर स्पष्ट करते हुए कहा कि एक तरफ मोदी सरकार बड़े उद्योगपतियों के लाखों-करोड़ रुपये के कर्ज एक झटके में माफ कर देती है, वहीं दूसरी तरफ जरूरतमंद बुजुर्गों, विधवाओं और दिव्यांगों की पेंशन बढ़ाने में आनाकानी करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता का पैसा कल्याणकारी योजनाओं के जरिए जनता तक पहुंचाती है, जबकि भाजपा की नीतियां कॉरपोरेट घराणों को फायदा पहुंचाने वाली हैं।

जर्जर स्कूलों के मुद्दे पर सीजेपी पर बरसे मदन राठौड़

बोले- विदेश से मिला पैसा स्कूलों को दे देते

जयपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में जर्जर स्कूलों को लेकर नागरिक संगठन सीजेपी की ओर से किए जा रहे प्रयासों के बीच भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने संगठन की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने सीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर संगठन को विदेश से पैसा मिला है तो उसे स्कूलों के विकास के लिए खर्च करना चाहिए। राठौड़ ने कहा कि सरकार अपना काम कर रही है और सीजेपी ऐसे मामलों में केवल श्रेय लेने का प्रयास कर रहा है।

बगरू के एक जर्जर स्कूल का जिक्र करते हुए मदन राठौड़ ने कहा कि जिस स्कूल का मुद्दा सीजेपी की ओर से उठाया गया है, उसके निर्माण के लिए सरकार करीब आठ महीने पहले ही राशि स्वीकृत कर चुकी थी। उन्होंने कहा कि स्कूल का नया भवन पहले से ही बनाया जाना था और इसके लिए जरूरी राशि भी पहले ही स्वीकृत की जा चुकी थी। ऐसे में CJP की ओर से इस मुद्दे को उठाकर श्रेय लेने का कोई औचित्य नहीं है। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि अगर यह साबित हो जाए कि सीजेपी के वहां पहुंचने के बाद सरकार ने स्कूल के निर्माण के लिए राशि स्वीकृत की है, तो सरकार को दोषी माना जा सकता है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ है। उनके मुताबिक, स्कूल के निर्माण के लिए करीब आठ महीने पहले ही राशि स्वीकृत हो चुकी थी और निर्माण की प्रक्रिया पहले से ही तय थी। मदन राठौड़ ने कहा कि बरसात के मौसम में नए भवन का निर्माण करने और पुराने जर्जर भवन को गिराने में कुछ व्यावहारिक परेशानियां आती हैं। इसके बावजूद सरकार बच्चों की सुरक्षा और उनके भविष्य को लेकर गंभीर है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता बच्चों को सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराना है और स्कूलों से जुड़े स्वीकृत कार्यों को प्रक्रिया के अनुसार पूरा किया जा रहा है।

सीजेपी पर टिप्पणी करते हुए राठौड़ ने कहा कि केवल श्रेय लेने के लिए इस तरह का नाटक करना उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार अपना काम कर रही है और जिन कार्यों के लिए पहले ही राशि स्वीकृत हो चुकी है, उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के तहत पूरा किया जाएगा। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर सीजेपी ने स्कूल के लिए कोई मदद की है तो वह बताए। क्या संगठन स्कूल के लिए कोई राशि लेकर गया है? मदन राठौड़ ने कहा कि अगर सीजेपी को विदेशों से पैसा मिला है तो वही पैसा स्कूलों के विकास में लगा देना चाहिए। उन्होंने कहा कि पहले से स्वीकृत सरकारी काम को लेकर आंदोलन करने और फिर उसका श्रेय लेने का क्या मतलब है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि सरकार बच्चों के हित में काम कर रही है। स्कूलों से जुड़े कार्यों को पूरा करने के लिए सरकार के स्तर पर जरूरी प्रक्रिया जारी है और पहले से स्वीकृत निर्माण कार्य भी प्रक्रिया के अनुसार पूरे किए जाएंगे।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष से मारपीट

आरोपी पिता-पुत्र छह साल के लिए निष्कासित, जांच के घेरे में अध्यक्ष

बीकानेर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के शहर जिलाध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल के साथ सार्वजनिक रूप से हुई मारपीट के मामले में मुख्य आरोपी पिता-पुत्र को छह साल के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया गया है। नगर निगम बीकानेर के वार्ड नंबर 50 में प्रत्याशी के चुनावी कार्यालय के उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान हुई इस घटना से पार्टी के भीतर जारी गुटबाजी उजागर हो गई है। इस बीच, पीड़ित जिलाध्यक्ष की शिकायत में शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष शशिकला राठौड़ पर साजिश का अंदेशा जताए जाने से राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है।

वार्ड नंबर 50 में चुनावी कार्यालय के उद्घाटन समारोह में जिलाध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने पहुंचे थे। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय नेताओं के बीच शुरू हुई बहस अचानक उग्र रूप ले बैठी। देखते ही देखते कार्यकर्ताओं और नेताओं के एक गुट ने जिलाध्यक्ष के साथ अभद्रता करते हुए मारपीट शुरू कर दी। अचानक हुए इस हमले से मौके पर अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद उपस्थित वरिष्ठ नेताओं ने बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।

प्रदेश नेतृत्व ने जिलाध्यक्ष स्तर के पदाधिकारी पर हुए इस हमले और अनुशासनहीनता को बेहद गंभीरता से लिया। प्राथमिक जांच के आधार पर संगठन ने कार्रवाई करते हुए मारपीट में शामिल आरोपी पिता-पुत्र को तत्काल प्रभाव से छह साल के लिए पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया। पार्टी नेतृत्व ने स्पष्ट किया है कि संगठन में किसी भी प्रकार की अनुशासनहीनता को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

'काकाजी देख लें, अब तो हो रहा है वन स्टेट वन इलेक्शन'

सीएम भजनलाल निकाय चुनाव घोषणापत्र जारी कर डोटासरा पर बरसे!

जयपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में नगर निकाय चुनाव को लेकर सियासी हलचल मची हुई है। इस बीच भजनलाल सरकार ने नगर निकाय चुनाव को लेकर अपना घोषणा पत्र जारी किया। इस दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीएम भजनलाल ने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा का नाम लिया बगैर उन पर तीखा तंज कसा। दरअसल, डोटासरा ने कहा था कि वन स्टेट वन इलेक्शन इनके (भजनलाल सरकार) काकाजी भी नहीं करवा सकते। इस पर सीएम ने पलटवार करते हुए था कि 'हम प्रदेश में वन स्टेट वन इलेक्शन करवा रहे हैं, काका जी देख लें'। सीएम के इस तीखे तंज से सियासत में हलचल मच गई है।

नगर निकाय चुनाव को लेकर राजधानी जयपुर में सीएम भजनलाल शर्मा ने बीजेपी का घोषणा पत्र घोषित किया। इस मौके पर उन्होंने अपनी डेढ़ साल की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमने जो कहा है, वही किया है और जो घोषणा पत्र घोषित किया था, उससे भी अधिक करके दिखाया है। उन्होंने वन स्टेट वन इलेक्शन के एक सवाल पर डोटासरा पर तीखा हमला किया। उन्होने कहा कि-

जब मैंने वन स्टेट वन इलेक्शन करवाने की बता कही, तब कांग्रेस के एक नेता ने कहा था कि आपके काका जी भी नहीं करवा सकते। आज वह देख लें, की यह हो रहा है। अब किसके काकाजी करवा रहे हैं। इस पर मैं नहीं जाना चाहता।

बता दें कि वन स्टेट वन इलेक्शन को लेकर डोटासरा ने काफी विरोध किया। फरवरी 2026 में उनका काका जी वाला बयान काफी सुर्खियों में रहा। इस दौरान उन्होंने सरकार को घेरते हुए कहा कि 'वन स्टेट वन इलेक्शन इनके काका जी भी नहीं करवा सकते। यह बड़ी-बड़ी बातें करते हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर एक लॉटरी तक से ढंग से नहीं निकल पा रहे हैं।' इस दौरान डोटासरा ने नगरी निकाय और पंचायत राज चुनाव में एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण अधिकारों के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा है कि वह चुनाव को टालकर जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों को दबाने की कोशिश करें।

इससे पहले बीजेपी अध्यक्ष मदन राठौड़ ने प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भजनलाल शर्मा की गारंटी पर प्रदेश की जनता पूरा विश्वास करती है। इस दौरान राजस्थान में हो रहे निकाय चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने अपना घोषणा पत्र जारी किया गया। यह कार्यक्रम सी-स्कीम स्थित एक होटल में पार्टी की ओर से हुआ। जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी, पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री हरीश द्विवेदी, संगठन महामंत्री अजेय कुमार और सांसद मंजू शर्मा मौजूद थे।

कार से 50 लाख से अधिक के हीरे जब्त

रतनगढ़, 3 सितंबर (एजेंसियां)। पुलिस ने मेगा हाईवे पर मालासर टोल प्लाजा के पास एक कार से 50 लाख रुपये से अधिक मूल्य के हीरे और 62 हजार रुपये की नकदी जब्त की है। पुलिस ने कार सवार दो लोगों को हिरासत में लेकर वाहन भी जब्त कर लिया। रतनगढ़ थानाधिकारी संदीप विश्नोई को सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति कार में कीमती सामान लेकर सरदारशहर की ओर जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मेगा हाईवे स्थित मालासर टोल प्लाजा के पास नाकाबंदी कर वाहनों की जांच शुरू की। नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने सामने से आ रही संदिग्ध कार को रोककर उसमें सवार लोगों से पूछताछ की। दोनों पुलिस के सवालों का संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। संदेह होने पर पुलिस ने कार की तलाशी ली।

पंचायती राज चुनाव: जिला प्रमुख के पद 33 से बढ़कर 41

ओबीसी सीटें फिर भी 5 ही क्यों? हाईकोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

जयपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान हाईकोर्ट ने आगामी पंचायती राज चुनावों में जिला प्रमुख पदों के लिए ओबीसी आरक्षण को लेकर दायर याचिका पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। याचिका में जिला प्रमुख पदों के लिए ओबीसी आरक्षित सीटों की संख्या पर सवाल उठाए गए हैं। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पूछा कि जब जिला प्रमुख के पदों की कुल संख्या बढ़ गई है तो ओबीसी के लिए आरक्षित पदों की संख्या क्यों नहीं बढ़ाई गई।

राधेराम गोदारा की ओर से दायर याचिका पर जस्टिस अनूप ढांड की अध्यक्षता वाली बेंच ने राज्य सरकार और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट के सामने बताया गया कि 2020 में कुल 33 जिला प्रमुख पद थे, जिनमें से 5 पद ओबीसी उम्मीदवारों के लिए आरक्षित थे। जिलों के पुनर्गठन और नए जिले बनने के बाद अब जिला प्रमुख पदों की संख्या बढ़कर 41 हो गई है, लेकिन ओबीसी के लिए आरक्षित पदों की संख्या अभी भी 5 ही है।

राजस्थान में निकाय चुनाव से पहले भाजपा-कांग्रेस को बड़ा झटका, 200 प्रत्याशी बाहर; बिगड़े सियासी समीकरण

अदालत ने सरकार से स्पष्टीकरण मांगा कि ओबीसी प्रतिनिधित्व को आनुपातिक रूप से क्यों नहीं बढ़ाया गया। हाईकोर्ट ने याचिकाकर्ता के वकील को पंचायती राज विभाग का प्रतिनिधित्व कर रहे एडिशनल एडवोकेट जनरल और सरकारी वकील को याचिका की एक कॉपी देने का निर्देश दिया है।

याचिकाकर्ता के वकील अरविंद शर्मा और आनंद शर्मा ने दलील दी कि जिलों के पुनर्गठन और नए जिलों के गठन के बाद जिला प्रमुख पदों की संख्या 33 से बढ़कर 41 हो गई है। ऐसे में कुल पदों की संख्या बढ़ने के साथ लागू नियमों के तहत ओबीसी आरक्षण की भी दोबारा गणना होनी चाहिए थी। उन्होंने जिला प्रमुख पदों के लिए ओबीसी आरक्षण की नए सिरे से गणना करने की मांग की है। साथ ही कुल आरक्षण को सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय 50 प्रतिशत की संवैधानिक सीमा के अंदर रखने की बात कही गई है।

याचिका में ओबीसी आयोग की रिपोर्ट को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं। याचिका के अनुसार, सरकार ने आयोग की रिपोर्ट को अभी तक सार्वजनिक नहीं किया है। याचिकाकर्ताओं ने मीडिया रिपोर्टों का हवाला देते हुए कहा है कि सरकार खुद भी रिपोर्ट को पूरी तरह सटीक नहीं मानती है।

याचिकाकर्ताओं ने करीब 16% ओबीसी आरक्षण के आधार पर भी सवाल उठाया है। उनका तर्क है कि ओबीसी का अनुपात इससे अधिक होना चाहिए। उन्होंने बताया कि 2020 में ओबीसी के लिए 18% आरक्षण दिया गया था। याचिकाकर्ताओं की गणना के अनुसार, 41 जिला प्रमुख पदों में ओबीसी के लिए आरक्षित सीटों की संख्या बढ़कर 7 होनी चाहिए।

हाईकोर्ट ने अभी तक इन दावों पर कोई फैसला नहीं दिया है और आगे बढ़ने से पहले सरकार से जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई 8 सितंबर को होगी।

भरतपुर में पूर्व प्रधान कविता फौजदार अरेस्ट

फर्जी सर्टिफिकेट से लड़ा चुनाव और पाई सरकारी नौकरी

भरतपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। कूटरचित दस्तावेज तैयार कर फर्जी ओबीसी प्रमाण पत्र बनवाकर सरकारी नौकरी हासिल करने और इसी प्रमाण पत्र के आधार पर पंचायत समिति कुम्हेर के प्रधान पद का चुनाव लड़कर निर्वाचित होने के आरोप में कुम्हेर थाना पुलिस ने कांग्रेस की पूर्व प्रधान कविता फौजदार को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उन्हें एसीजेएम कोर्ट डीग में पेश किया, जहां से न्यायालय के आदेश पर उन्हें महिला जेल भरतपुर भेज दिया गया।

थानाधिकारी जितेंद्र चौधरी ने बताया कि अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट कुम्हेर के न्यायालय में पेश इस्तगासे के आधार पर मामले की जांच शुरू की गई थी। मह रावर निवासी रश्मि फौजदार ने इस्तगासे में आरोप लगाया कि कविता कुमारी का जन्म उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में हुआ था और उनकी शिक्षा भी वहीं हुई। शादी के बाद वह कुम्हेर क्षेत्र के रीठौठी गांव में रहने लगीं।

मामले में कविता फौजदार के पति श्यामवीर सिंह के अलावा ई-मित्र संचालक, पटवारी और एक गवाह पर भी कथित षड्यंत्र में शामिल होने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने न्यायालय के आदेश पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस ने कविता फौजदार को उनके घर से गिरफ्तार किया। पुलिस अब ओबीसी प्रमाण पत्र, 1993 की मतदाता सूची सहित अन्य दस्तावेजों की जांच कर रही है। साथ ही मामले में नामजद अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

शिकायत में आरोप लगाया गया कि राजस्थान में ओबीसी महिला का जाति प्रमाण पत्र बनवाने के लिए आवेदन करते समय कविता ने स्वयं और अपने माता-पिता को कुम्हेर का निवासी बताया। इसके समर्थन में वर्ष 1993 की कुम्हेर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में नामों में कथित कूटरचना कर दस्तावेज तैयार किए गए और उन्हें प्रमाण पत्र के आवेदन के साथ लगाया गया। शिकायतकर्ता के अनुसार, इसी ओबीसी प्रमाण पत्र के आधार पर साल 2021 में कोविड हेल्थ सहायक के पद पर नौकरी हासिल की गई। इसके बाद इसी प्रमाण पत्र का इस्तेमाल पंचायत समिति कुम्हेर के प्रधान पद के चुनाव में किया गया। आरोप है कि कविता फौजदार इसी आधार पर प्रधान पद का चुनाव लड़कर निर्वाचित हुई।

250 खातों में घुमाए पैसे, 'बॉस' बनकर कंपनी से 6.80 करोड़ की ठगी, साइबर पुलिस ने एक हफ्ते में खोला राज

जयपुर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। साइबर ठग आए दिन ठगी के नए नए तरीके निकालते हैं। बीते कुछ दिनों से बॉस बनकर ठगी की वारदातें की जा रही है। पिछले दिनों जयपुर में ऐसी ही वारदात हुई थी। एक बड़ी कंपनी सीईओ की ओर से स्टेट साइबर क्राइम पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि किसी व्यक्ति ने खुद को कंपनी का बॉस बता कर अकाउंटेंट से चेटिंग की और 6.80 करोड़ रुपये अलग अलग खातों में ट्रांसफर कर ठगी कर ली। स्टेट साइबर क्राइम पुलिस ने महज एक सप्ताह में इस ठगी का खुलासा करते हुए चार बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। एडीजी वीके सिंह ने बताया कि साइबर अपराधियों ने कंपनी के अकाउंटेंट के कंप्यूटर को निशाना बनाकर व्हाट्सएप की संपर्क सूची में वास्तविक निदेशक के नंबर को हटाकर अपने नंबर को उसी नाम और प्रोफाइल फोटो के साथ जोड़ दिया। इसके बाद निदेशक और अकाउंटेंट के बीच पहले हुई बातचीत की नकल तैयार कर दी गई। इससे अकाउंटेंट को लगा कि वह कंपनी के निदेशक से ही बातचीत कर रहा है। साइबर ठगों के निर्देश पर कंपनी के खाते से कुल 6 करोड़ 80 लाख रुपये तीन बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिए गए।

घटना की जानकारी मिलते ही केंद्रीय साइबर अपराध पुलिस और राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 की टीम ने बैंकिंग लेन-देन पर तत्काल कार्रवाई शुरू की। पुलिस के संयुक्त प्रयासों से ठगी की कुल रकम में से करीब 3.50 करोड़ रुपये विभिन्न खातों में रुकवाए गए। इनके वापस दिलाने की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह ठगी की रकम को सीधे अपने खातों में रखने के बजाय दूसरे लोगों के बैंक खातों का इस्तेमाल करता था। ऐसे खातों को उपलब्ध कराने वाले लोगों को कमीशन दिया जाता था। ठगी की रकम इन खातों में आने के बाद उसे चेक, एटीएम, यूपीआई, नकद जमा मशीन, डिजिटल पर्स और अन्य बैंक खातों के माध्यम से कई स्तरों पर स्थानांतरित किया जाता था।

आरोपियों द्वारा टेलीग्राम के अलग अलग चैनल के माध्यम से बैंक खाते, एटीएम, सिम और पासबुक की व्यवस्था की जाती थी। जांच में सामने आया कि एक बैंक खाते की किट के लिए करीब 10 से 15 हजार रुपये तक दिए जाते थे। इन खातों में ठगी की रकम मंगवाने के बाद तत्काल दूसरे खातों या डिजिटल माध्यमों से आगे भेज दी जाती थी।

क्रिप्टो-हवाला से इंटरनेशनल साइबर ठगी

ब्यावर पुलिस ने दबोचे अजमेर के 4 गुर्गे, कंबोडिया-थाईलैंड तक जुड़े तार

अजमेर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। क्रिप्टोकरेंसी और हवाला कारोबार की आड़ में साइबर ठगी के नेटवर्क का ब्यावर पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने साइबर ठगी की रकम को ई-मित्र और अन्य कारोबारियों के बैंक खातों में डलवाकर नकदी हासिल करने वाले अजमेर नेटवर्क के चार गुर्गों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक पूछताछ में गिरोह के तार विदेश में बैठे साइबर ठगों से जुड़े होने व ठगी की रकम को क्रिप्टोकरेंसी में बदलकर विदेश भेजने का खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार नेटवर्क में हवाला का कनेक्शन भी सामने आया है।

पुलिस अधीक्षक रतनसिंह ने बताया कि जवाजा थाना पुलिस ने जवाजा कोटड़ा हाल अजमेर घूघरा घाटी भैरूजी मंदिर निवासी राजवीरसिंह चौहान उर्फ रोहित (24), रितिक मंडोलिया (23), त्रिलोक रेगर (23) व चन्दवरदाई नगर निवासी चिराग मूलचंदानी (26) को गिरफ्तार किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों, साइबर ठगी की रकम व विदेश में बैठे गिरोह के सदस्यों के संबंध में जानकारी जुटा रही है। एसपी सिंह ने बताया कि आरोपी एप के माध्यम से विदेश में बैठे साइबर ठगों के संपर्क में थे। साइबर ठग भारतीयों को धमकी, प्रलोभन व निवेश का झांसा देकर उनके खातों से रकम म्यूल खातों में ट्रांसफर करवाते थे। इसके बाद गिरोह के सदस्य ई-मित्र और अन्य कारोबारियों के खातों में रकम डलवाकर अपना कमीशन काटकर शेष राशि नकद हासिल कर लेते थे।

जवाजा थाने में ई-मित्र संचालक तुलसारसिंह ने रिपोर्ट दी कि सारोठ चौराहा स्थित ई-मित्र दुकान पर उसका भतीजा यश बैठता है। गत 28 अगस्त को दुकान पर एसयूवी में आए तीन युवकों में से रितिक नामक युवक को यश पहले से जानता था। युवकों ने नकदी उपलब्ध होने के बारे में पूछा तो ई-मित्र के लेनदेन में उपयोग होने वाला क्यूआर कोड उन्हें भेज दिया। कुछ समय बाद ही खाते में ज्योति कुमारी के नाम से 30 हजार रुपए आए। जिस पर यश ने 300 रुपए कमीशन काटकर 29,700 रुपए युवकों को दे दिए। इसके बाद सुशीला के नाम से आए 50 हजार रुपए में से 500 रुपए कमीशन काटकर 49,500 रुपए उसे दे दिए गए। अगले दिन बैंक खाते पर दिल्ली पुलिस की साइबर शाखा ने 'होल्ड' लगा दिया। बैंक की पड़ताल में खाते में साइबर ठगी की रकम आने का पता चला।

पति की हत्या कर रचाई दूसरी शादी

3 साल तक पुलिस को देती रही चकमा; अब हुई गिरफ्तार

सीकर, 3 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के सीकर जिले में पुलिस ने तीन साल पुराने हत्याकांड का खुलासा करते हुए बड़ी कार्रवाई की है। डाबला गांव में पति की हत्या के मामले में फरार चल रही आरोपी पत्नी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मंजू देवी पर अपने पति रविन्द्र सैनी की सिर में पत्थर मारकर हत्या करने का आरोप है। वारदात के बाद से वह फरार थी व गिरफ्तारी से बचने के लिए दूसरा विवाह कर अलग-अलग जगहों पर ठिकाने बदलकर रह रही थी। डाबला थानाधिकारी सुनीता बोयल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने लगातार तलाश के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार 20 जुलाई 2023 को डूंगरवास निवासी आंची देवी ने पाटन थाने में इस्तगासे के जरिए रिपोर्ट दर्ज कराई थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि उसके पुत्र रविन्द्र सैनी की हत्या उसकी पुत्रवधू मंजू ने की है। रिपोर्ट पर पाटन थाने में हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। डाबला थाना बनने के बाद मामले की जांच डाबला थाने में आ गई। घटना के बाद आरोपिता पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदलती रही। पुलिस ने सूचना जुटाई तो सामने आया कि मंजू ने दूसरा विवाह कर लिया है व दूसरे पति के साथ अलग-अलग स्थानों पर रह रही है। पुलिस टीम ने नीमकाथाना, पंचलंगी, उदयपुरवाटी, गुढ़ागौड़जी, सीकर व खाटूश्यामजी क्षेत्र में तलाश की। सूचना के आधार पर पुलिस ने आरोपिता को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार मंजू देवी (31) मृतक रविन्द्र सैनी की पत्नी है। वह मूल रूप से डूंगरवास निवासी है जो वर्तमान में उदयपुरवाटी थाना क्षेत्र के देवीपुरा बनी में रह रही थी।

मैंने न पार्टी के खिलाफ बोला, न मुख्यमंत्री की आलोचना की : कोंडा सुरेखा

✻ पार्टी छोड़ने का उनका कोई इरादा नहीं

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता कोंडा सुरेखा ने मंत्रिमंडल से हटाए जाने के घटनाक्रम पर अपनी बात रखते हुए कहा कि उन्होंने न तो पार्टी के खिलाफ कोई बयान दिया और न ही मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना की। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी बेटी कोंडा सुष्मिता की ओर से की गई टिप्पणियों से उनका कोई संबंध नहीं है और वह पहले ही इस मामले में अपना पक्ष पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के सामने रख चुकी थीं। कोंडा सुरेखा ने कहा कि वह करीब तीन दशक से कांग्रेस से जुड़ी हुई हैं और इतने लंबे राजनीतिक सफर के बाद भी पार्टी छोड़ने का उनका कोई इरादा नहीं है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के प्रति उनकी निष्ठा पर सवाल नहीं उठाया जाना चाहिए। उनके अनुसार, उन्होंने हमेशा पार्टी के लिए काम किया है और पार्टी नेतृत्व के फैसलों का सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि उनकी बेटी ने परकल विधानसभा क्षेत्र से संबंधित टिकट के फैसले को लेकर प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। परिवार की ओर से इस सीट पर पहले भी चुनाव जीतने का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी इस क्षेत्र से चुनाव लड़ने की इच्छुक थीं। हालांकि, बेटी की ओर से की गई टिप्पणी को उनके राजनीतिक रुख के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।सुरेखा ने कहा कि कार्रवाई से पहले उनसे सीधे बात की जाती और उनका पक्ष सुना जाता तो स्थिति अधिक स्पष्ट हो सकती थी। उन्होंने कांग्रेस के पुराने नेताओं का उदाहरण देते हुए कहा कि पार्टी में पहले भी वरिष्ठ नेताओं ने नेतृत्व के फैसलों पर अपनी असहमति व्यक्त की थी, लेकिन इससे उनकी राजनीतिक जिम्मेदारियां समाप्त नहीं की गईं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके मामले में परिस्थितियों को अलग तरीके से देखा गया और उनके खिलाफ राजनीतिक दबाव बनाया गया। सुरेखा ने कहा कि वह किसी व्यक्तिगत विवाद के कारण कांग्रेस से अलग होने वाली नहीं हैं। उन्होंने दोहराया कि उनकी निष्ठा कांग्रेस के साथ है और वह आगे भी पार्टी में रहकर अपनी राजनीतिक भूमिका निभाती रहेंगी।

कोंडा सुरेखा बनीं तेलंगाना की तीसरी बर्खास्त मंत्री

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की मंत्री कोंडा सुरेखा से जुड़े राजनीतिक विवाद का चरम बिंदु यह है कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने उन्हें राज्य मंत्रिमंडल से हटाने की मांग की है। मुख्यमंत्री द्वारा उन्हें तत्काल बर्खास्त करने का प्रस्ताव कथित तौर पर राज्यपाल को भेज दिया गया है और अब राजभवन से औपचारिक निर्णय की प्रतीक्षा है। यदि मंजूरी मिल जाती है, तो सुरेखा तेलंगाना राज्य के गठन (2014) के बाद से बर्खास्त होने वाली तीसरी मंत्री होंगी और वर्तमान कांग्रेस सरकार के तहत इस तरह की कार्रवाई का सामना करने वाली पहली मंत्री होंगी। वह तेलंगाना में बर्खास्त होने वाली पहली महिला मंत्री भी होंगी। पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने बीआरएस सरकार के पहले कार्यकाल के दौरान 2015 में डॉ. टी. राजैया को मंत्रिमंडल से हटा दिया था। भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री रहे राजैया को पद से हटा दिया गया था। मई 2021 में, आवंटित भूमि से संबंधित आरोपों के बाद केसीआर ने तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री ईटेला राजेंदर को मंत्रिमंडल से बर्खास्त कर दिया था। सुरेखा को हटाने के प्रस्ताव के साथ, तेलंगाना राज्य बनने के बाद से तीन मंत्रियों को मंत्रिमंडल से बर्खास्तगी का सामना करना पड़ेगा, जिनमें से दो स्वास्थ्य मंत्रालय संभाल चुके हैं। सुरेखा की बर्खास्तगी, बंदोबस्ती मंत्रालय संभालने वाले मंत्री के खिलाफ इस तरह की पहली कार्रवाई होगी।

कोई भी कांग्रेसी नेता पार्टी अनुशासन से ऊपर नहीं है : मल्लु रवि

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस अनुशासन समिति के अध्यक्ष मल्लु रवि ने गुरुवार को जोर देकर कहा कि किसी भी नेता को, चाहे वह कितना भी बड़ा नेता हो, पार्टी की "लक्ष्मण रेखा" पार करने या उसके आचार संहिता का उल्लंघन करने पर बख्शा नहीं जाएगा।

पूर्व मंत्री कोंडा सुरेखा और राज्य योजना बोर्ड के उपाध्यक्ष जी चिन्ना रेड्डी के खिलाफ की गई कार्रवाई का हवाला देते हुए रवि ने कहा कि अनुशासनात्मक समिति द्वारा शिकायतों और उनके बयानों की जांच करने और कांग्रेस उच्च कमान को अपनी रिपोर्ट सौंपने के बाद दोनों को उनके पदों से हटा दिया गया था। उन्होंने आगे कहा कि अनुशासनात्मक प्रक्रिया में समय लगा क्योंकि पार्टी इस मामले को लोकतांत्रिक तरीके से सुलझाना चाहती थी। देरी का एक कारण एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल का विदेश में होना भी था। रवि ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सुरेखा को उच्च कमान के समक्ष अपना पक्ष रखने के दो अवसर दिए थे।

उन्होंने जोर देकर कहा कि अनुशासनात्मक कार्रवाई का उद्देश्य तेलंगाना कांग्रेस कार्यकर्ताओं को यह स्पष्ट संदेश देना था कि पार्टी अनुशासन के उल्लंघन के गंभीर परिणाम होंगे। इस कार्रवाई पर हो रही आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए रवि ने कहा कि इसमें व्यक्तिगत द्वेष या जातिगत भेदभाव का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी का बचाव करते हुए कहा कि टिकट आवंटन और मुख्यमंत्री पद पर बने रहने के संबंध में उनकी टिप्पणियां पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने के उद्देश्य से थीं, जबकि अंतिम निर्णय उच्च कमान का था। रवि ने कहा कि औपचारिक शिकायतें मिलने और उनकी जांच होने पर कोमटिरेड्डी बंधुओं के खिलाफ भी कार्रवाई पर विचार किया जाएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री के खिलाफ अपनी बेटी द्वारा कथित तौर पर की गई टिप्पणियों की निंदा न करने के लिए सुरेखा की आलोचना भी की। वहीं, रवि ने कहा कि मंत्रिमंडल से हटाए जाने के बावजूद पार्टी चाहती है कि सुरेखा कांग्रेस में ही रहें, और इस बात पर जोर दिया कि आंतरिक मतभेदों को सार्वजनिक बयानों के बजाय बातचीत के माध्यम से सुलझाया जाना चाहिए।

नागार्जुन सागर की नहर का पानी नहीं छोड़ा, तो पदयात्रा करेंगे : केटीआर

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने गुरुवार को घोषणा की कि यदि कांग्रेस सरकार 14 सितंबर तक नागार्जुन सागर की बाईं नहर में पानी छोड़ने में विफल रहती है, तो वे हजारों किसानों के साथ कोडाड से हलिया तक पदयात्रा करेंगे। मिरयालगुडा में किसानों के विरोध प्रदर्शन को संबोधित करते हुए केटीआर ने कांग्रेस सरकार पर आरोप लगाया कि नागार्जुन सागर जलाशय में लगभग 180 टीएमसी पानी होने के बावजूद सरकार जानबूझकर किसानों की उपेक्षा कर रही है। उन्होंने मांग की कि सरकार लेफ्ट कैनाल के माध्यम से पानी छोड़ने का स्पष्ट कार्यक्रम तुरंत घोषित करे। केटीआर ने कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) द्वारा 2003 में नहर पर निर्भर किसानों की शिकायतों को उजागर करने के लिए कोडड से हलिया तक की गई पदयात्रा से प्रेरणा लेंगे। उसी भावना के साथ, मैं कांग्रेस सरकार की किसान विरोधी नीतियों के विरोध में एक बार फिर पदयात्रा निकालूंगा, केटीआर ने कहा, और चेतावनी दी कि यदि सरकार 14 सितंबर की समय सीमा तक कार्रवाई करने में विफल रहती है, तो हजारों किसान इस मार्च में शामिल होंगे।

जेएनटीयू से रायदुर्गम तक कैरिजवे बनाने की योजना बना रही है

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ट्रैफिक पुलिस, आईटी कर्मचारियों और रोज़ाना सफर करने वालों के लिए जेएनटीयू से रायदुर्गम मेट्रो स्टेशन पर सिन्क्रनी की ओर जाने वाली एक अलग लेन बनाने के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। इसका मकसद व्यस्त रास्ते पर हफ़्ते के दिनों में पीक-ऑवर के दौरान होने वाली भीड़-भाड़ को कम करना है।

इस प्रस्तावित व्यवस्था का मकसद आईटी हब की ओर जाने वाले कर्मचारियों के लिए आसान और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना और अलग-अलग जगहों पर जाने वाले वाहनों के बीच टकराव को कम करना है। साइबराबाद के संयुक्त पुलिस आयुक्त (ट्रैफिक) सुनप्रीत सिंह ने हाल ही में रायदुर्गम और गाचीबोवली में ट्रैफिक व्यवस्था का जायजा लिया था।

कांग्रेस सरकार की आलोचना करने में एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं भाजपाई : पोन्नम प्रभाकर

✻ मंत्री ने कहा-राज्य के लंबित बकाया के मुद्दे पर केंद्र से पूछे सवाल

हैदराबाद, 3 सितंबर(स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन और पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने गुरुवार को तेलंगाना में भाजपा नेताओं पर आरोप लगाया कि वे पार्टी के भीतर आंतरिक मतभेदों के बीच अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रखने के प्रयास में कांग्रेस सरकार की आलोचना करने में एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

उन्होंने एक बयान में कहा, 'अगर भाजपा नेता वास्तव में तेलंगाना के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं, तो उन्हें राज्य सरकार की आलोचना करने के बजाय दिल्ली जाकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल करना चाहिए।' मंत्री ने सवाल उठाया कि तेलंगाना भाजपा के नेता केंद्र से राज्य को मिलने वाली धनराशि, लंबित परियोजनाओं और तेलंगाना के लिए आवश्यक स्वीकृतियों से संबंधित मुद्दों को क्यों नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य को मिलने वाले धन, परियोजनाओं और स्वीकृतियों को सुरक्षित करने के लिए केंद्र सरकार पर दबाव डालना उनकी जिम्मेदारी है। पोन्नम प्रभाकर ने भाजपा नेताओं से यह भी पूछा कि भाजपा शासित राज्यों को स्वीकृत किए जा रहे फंड और परियोजनाएं तेलंगाना को उसी तरह क्यों नहीं दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं का यह मानना गलत है कि वे केवल कांग्रेस सरकार को निशाना बनाकर अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता बनाए रख सकते हैं या पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व का ध्यान आकर्षित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विपक्षी दल के रूप में भाजपा को राजनीतिक आलोचना तक सीमित रहने के बजाय तेलंगाना के अधिकारों को उठाकर और लंबित मुद्दों पर केंद्र पर दबाव डालकर रचनात्मक भूमिका निभानी चाहिए। मंत्री ने यह भी सवाल उठाया कि जब तेलंगाना में 10 साल तक सत्ता में रही पूर्ववर्ती टीआरएस सरकार ने कई लंबित बकाया राशियों को अधूरा छोड़ दिया था, तब भाजपा नेता चुप क्यों रहे। उन्होंने कहा कि मौजूदा कांग्रेस सरकार नियमित रूप से भुगतान कर रही है और साथ ही पिछली सरकार द्वारा छोड़े गए बकाया को चुकाने के लिए भी काम कर रही है। पोन्नम प्रभाकर ने आगे कहा कि केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के लगभग 13 वर्षों से सत्ता में होने के बावजूद, तेलंगाना से किए गए कई वादे, साथ ही राज्य को मिलने वाली धनराशि और परियोजनाएं अभी भी लंबित हैं।

गोलकोंडा ज़िला अध्यक्ष उमा महेंद्र, जामबाग के पूर्व कॉर्पोरेटर राकेश जायसवाल, गोलकोंडा ज़िला ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष वेंकटेश गौड़ और गोशामहल के पूर्व कॉर्पोरेटर लाल सिंह ने हैदराबाद ट्रैफिक कंट्रोल रूम के संयुक्त पुलिस आयुक्त जोएल डेविस को आने वाले गणेश उत्सव के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। इसमें वोल्गा होटल सर्कल से एक मीनार मस्जिद तक सड़क पर अवैध कब्ज़े, भारी वाहनों के लिए सड़क डायवर्जन, वन-वे एंट्री और वन-वे एग्जिट जैसे मुद्दों पर बात की गई। इस कार्यक्रम में मोहन गौड़, शैलेंद्र यादव, अशोक, सुधाकर गौड़, सुधीर, श्रीनिवास, लक्ष्मीकांत यादव और बीजेपी के नेता व कार्यकर्ता शामिल हुए।

ओस्मानिया यूनिवर्सिटी अपने 85वें दीक्षांत समारोह में 640 पीएचडी और 71 गोल्ड मेडल देगी

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। 8 सितंबर को होने वाले ओस्मानिया यूनिवर्सिटी के 85वें दीक्षांत समारोह में 12 फैकल्टी के तहत अलग-अलग विभागों से कुल 640 पीएचडी और 71 गोल्ड मेडल दिए जाएंगे।

गुरुवार को यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए वाइस चांसलर प्रो. कुमार मोलुगरम ने कहा कि गवर्नर और चांसलर शिव प्रताप शुक्ला समारोह में शामिल होंगे। भारत बायोटेक के संस्थापक और चेयरमैन डॉ. कृष्णा एम. एला दीक्षांत भाषण देंगे। प्रो. मोलुगरम ने कहा कि डिग्री पाने और गोल्ड मेडल जीतने वालों के लिए बैठने की खास व्यवस्था की जा रही है।

अधिकारियों ने घोषणा की कि छात्रों, शोधकर्ताओं और उनके परिवारों को इस यादगार पल को कैद करने में मदद करने के लिए, मुख्य कार्यक्रम स्थल के बाहर खास फोटोग्राफी और सेल्फी ज़ोन बनाए जाएंगे, जिनका इस्तेमाल आधिकारिक समारोह से पहले या बाद में किया जा सकेगा।

शिक्षकों के आदर्शों पर चलने का आह्वान

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। शिक्षक दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अध्यापक जगत के महापुरुष एवं पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन और आदर्शों को याद किया गया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षकों का समाज और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान है। शिक्षक विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान ही नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के दौरान निर्मला बैद ने कहा कि आज के समय में विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ संस्कार और अच्छे मूल्यों से जोड़ना भी आवश्यक है। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के भीतर अच्छे विचार, अनुशासन, सहयोग और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना भी है। शिक्षकों के मार्गदर्शन से विद्यार्थियों में इन गुणों का विकास संभव है। कार्यक्रम में नशामुक्ति, स्वच्छता, पर्यावरण की सुरक्षा, आपसी प्रेम एवं भाईचारे के साथ रहने तथा हिंसा से दूर रहने जैसे विषयों पर भी लोगों को जागरूक किया गया।

विद्युत कर्मचारियों की सुरक्षा पर कोई समझौता नहीं : जितेश वी. पाटिल

> कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था जांचने खुद बिजली के खंभे पर चढ़े सीएमडी

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कर्मचारियों की सुरक्षा केवल कागजों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि उसे कार्यस्थल पर भी पूरी तरह सुनिश्चित किया जाना चाहिए। इसी सोच के साथ तेलंगाना दक्षिणी विद्युत वितरण कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक तथा भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी जितेश वी. पाटिल ने चेवेल्ला क्षेत्र के अंतर्गत मलकापुर गांव में पहुंचकर विद्युत कर्मचारियों की सुरक्षा व्यवस्था का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। 'बस्ती बाटा' कार्यक्रम के तहत किए गए इस निरीक्षण के दौरान जितेश वी. पाटिल स्वयं बिजली के खंभे पर चढ़े और कर्मचारियों द्वारा विद्युत लाइनों तथा खंभों पर कार्य करते समय अपनाई जा रही सुरक्षा प्रक्रियाओं को करीब से देखा। उन्होंने कर्मचारियों के कार्य करने के तरीके, सुरक्षा उपकरणों के इस्तेमाल और कार्यस्थल पर अपनाई जा रही सावधानियों की जानकारी ली। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कर्मचारियों द्वारा व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों, सुरक्षा सामग्री और निर्धारित सुरक्षा प्रक्रियाओं के पालन का विशेष रूप से निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि विद्युत कार्य अत्यंत जोखिमपूर्ण होता है, इसलिए प्रत्येक कर्मचारी को निर्धारित सुरक्षा नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करना चाहिए। उन्होंने मैदानी अधिकारियों और कर्मचारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्य के दौरान सुरक्षा नियमों की अनदेखी किसी भी स्थिति में नहीं होनी चाहिए। कर्मचारियों की जान सबसे महत्वपूर्ण है और उनकी सुरक्षा के साथ किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। जितेश वी. पाटिल के इस प्रत्यक्ष निरीक्षण से कर्मचारियों में भी सकारात्मक संदेश गया। उन्होंने यह संदेश दिया कि अधिकारी केवल कार्यालयों में बैठकर निर्देश देने के बजाय कर्मचारियों के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं और कार्य परिस्थितियों को समझने के लिए तैयार हैं। खंभे पर चढ़कर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करने की उनकी पहल ने 'कहने से ज्यादा करके दिखाने' वाले नेतृत्व की मिसाल पेश की। उन्होंने स्पष्ट किया कि विद्युत कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए विभागीय स्तर पर लगातार निगरानी तथा सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

तेलंगाना में एसआईआर की समय-सीमा तीन हफ़्ते बढ़ाई जा सकती है

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में वोटर लिस्ट का चल रहा 'स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न' (एसआईआर) कम से कम तीन हफ़्ते और बढ़ाया जा सकता है। उम्मीद है कि भारत का चुनाव आयोग (ईसीआई) जल्द ही समय-सीमा बढ़ाने का आदेश जारी करेगा।

तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन कार्यालय के सूत्रों के अनुसार, राज्य सरकार ने हाल ही में ईसीआई को पत्र लिखकर एसआईआर प्रक्रिया को बढ़ाने की मांग की थी। सूत्रों ने कहा, ईसीआई ने जवाब मांगा था और हमने अपनी राय दी। ज़्यादातर संभावना है कि प्रक्रिया तीन हफ़्ते बढ़ाई जाएगी और फ़ाइनल वोटर लिस्ट नवंबर के आख़िरी हफ़्ते में जारी की जाएगी।

मौजूदा शेड्यल के अनुसार, ड्राफ़्ट वोटर लिस्ट पर दावे और आपत्तियां 16 सितंबर तक दर्ज की जा सकती हैं, जबकि नोटिस का चरण और दावों व आपत्तियों का निपटारा 15 अक्टूबर तक चलेगा। फ़ाइनल वोटर लिस्ट 19 अक्टूबर को जारी की जानी है। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लिखे एक पत्र में, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा था कि दावों और आपत्तियों के लिए एक महीने का समय काफ़ी नहीं होगा और उन्होंने चार हफ़्ते का समय बढ़ाने की मांग की थी। इसके अलावा, उन्होंने उन सभी वोटरों के लिए तीन से चार हफ़्ते का समय मांगा था जिन्हें नोटिस जारी करके जवाब देने और दस्तावेज़ पेश करने के लिए कहा गया था।

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने लोक भवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से शिष्टाचार भेंट की।

अलमासगुड़ा मंदिर की नई कार्यकारिणी का सम्मान समारोह आयोजित

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। करमनघाट-तुर्कायमजाल स्थित गेहलोत निवास स्थान पर सीरवी समाज अलमासगुड़ा मंदिर (बडेर) की नवगठित कार्यकारिणी का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में समाज के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का माला व साफा पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष-2 पोकरराम गेहलोत, नेमाराम काग, रामलाल सोनपुरा, नाथुराम सोलंकी, महेन्द्र हाम्बड़ एवं मीडिया प्रभारी रमेश भायल का माला व साफा पहनाकर सम्मान किया गया। समाज के उपस्थित सदस्यों ने नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए समाजहित में एकजुट होकर कार्य करने की बात कही। सम्मान समारोह के दौरान गेहलोत परिवार की ओर से विनोद, वेनाराम, नेमीचंद, जीवनराम, चेनाराम, चुन्नीलाल, नारायणलाल, वेनाराम, ताराराम, रूपाराम गेहलोत, बगदाराम, बंसीलाल एवं रामकरण सहित परिवारजनों ने अतिथियों का स्वागत किया। समारोह में समाज की एकता, संगठन की मजबूती तथा सामाजिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई।

भाग्यनगर गणेशोत्सव कार्यक्रम को लेकर तैयारियों की समीक्षा

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा नेता गोविंद राठी ने बताया कि आज भाग्यनगर गणेशोत्सव कार्यक्रम को लेकर तैयारियों की समीक्षा बैठक की गई। सुबह 11 बजे आयोजित उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर संबंधित अधिकारियों द्वारा तैयारियों और व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए गए।

कार्यक्रम के दौरान आयोजन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। संबंधित कार्यों को निर्धारित समय में पूरा करने तथा कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। आयोजन के दौरान व्यवस्था किए जाने की बात भी कही गई, ताकि कार्यक्रम से जुड़ी व्यवस्थाएं व्यवस्थित रूप से संचालित की जा सकें। इसके अलावा कार्यक्रम के दौरान लोगों को आवश्यक स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हेल्थ कैंप की व्यवस्था का भी उल्लेख किया गया। अधिकारियों ने संबंधित कर्मचारियों को कार्यक्रम से जुड़े कार्यों को आपसी समन्वय के साथ पूरा करने के निर्देश दिए। साथ ही आवश्यक व्यवस्थाओं की निगरानी करते हुए किसी भी कमी को समय रहते दूर करने पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम को लेकर की जा रही तैयारियों में आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता, बैरिकेडिंग तथा स्वास्थ्य शिविर जैसी व्यवस्थाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि कार्यक्रम के दौरान आवश्यक प्रबंधों में किसी प्रकार की कमी न रहे और सभी कार्य निर्धारित व्यवस्था के अनुसार पूरे किए जाएं।

शिरीषा हत्याकांड के विरोध में आसिफाबाद में कैंडल मार्च

आरोपी के एनकाउंटर की मांग

आसिफाबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला मुख्यालय में आदिवासी युवती शिरीषा के कथित बलात्कार और हत्या की घटना के विरोध में गुरुवार को भारी आक्रोश देखने को मिला। 'आदिवासी हक्कुला पोराटा समिति' (तुडुंदेब्बा) के आह्वान पर आयोजित कैंडल मार्च में स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों, आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधियों, नर्सों, शिक्षकों और बड़ी संख्या में आम नागरिकों ने हिस्सा लेकर घटना के प्रति रोष जताया। तुडुंदेब्बा के आसिफाबाद मंडल अध्यक्ष कोडपा जगन के संयोजन और जिला अध्यक्ष कोवा विजय कुमार के नेतृत्व में कैंडल मार्च कोमाराम भीम की प्रतिमा से शुरू होकर डॉ. बी.आर. आंबेडकर की प्रतिमा तक पहुंचा। प्रदर्शनकारियों ने वहां शिरीषा के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और मोमबत्तियां जलाकर श्रद्धांजलि दी।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaartha2006@gmail.com
svaartha@rediffmail.com
svaartha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

श्रीकांत ने वर्ल्ड नंबर-9 विक्टर लाई को हराया

चीन मास्टर्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, तन्वी शर्मा बाहर

शेनझेन एरिना, 3 सितंबर (एजेंसियां)। चीन के शेनझेन एरिना में खेले जा रहे चाइना मास्टर्स सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत के अनुभवी खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत ने पुरुष सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

गुरुवार को दूसरे दौर में पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 श्रीकांत ने कनाडा के वर्ल्ड नंबर-9 विक्टर लाई को 21-18, 21-19 से हराकर उलटफेर किया। दूसरी ओर, महिला सिंगल्स में हाल ही में ताइपे ओपन सुपर 300 का खिताब जीतने वाली तन्वी शर्मा जापान की वर्ल्ड नंबर-9 टोमोका मियाजाकी से 17-21, 21-18, 16-21 से हारकर बाहर हो गईं। मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी भी दूसरे राउंड में हार गई।

पहले गेम में श्रीकांत 3-7 से पीछे थे। उन्होंने लाई की गलतियों का फायदा उठाकर स्कोर 8-8 से बराबर किया। ब्रेक तक लाई 11-9 से आगे थे और फिर उन्होंने बढ़त 15-11 कर ली। इसके बाद श्रीकांत ने लगातार अंक जुटाए और स्कोर 15-15 कर दिया। उन्होंने 18-16 की बढ़त बनाई और 21-18 से पहला गेम जीत लिया।

दूसरे गेम में श्रीकांत 5-9 और फिर 9-14 से पीछे थे। उन्होंने लगातार अंक जुटाकर स्कोर 13-14 किया और 18-18 से बराबरी कर ली। इसके बाद लाई का शॉट बाहर चला गया और श्रीकांत को मैच पॉइंट मिला। अगली रैली में लाई का शॉट फिर बाहर गया और श्रीकांत ने 21-19 से गेम जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 श्रीकांत का क्वार्टर फाइनल में हांगकांग के ली चेउक यू से सामना होगा। श्रीकांत इसी साल यूएस ओपन सुपर 300 के फाइनल में भी पहुंचे थे। वहीं, विक्टर लाई ने पिछले महीने नई दिल्ली में हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप में अपना दूसरा ब्रॉन्ज मेडल जीता था। वह इसी साल इंडोनेशिया में अपना पहला सुपर 1000 खिताब भी जीत चुके हैं।

महिला सिंगल्स में तन्वी शर्मा ने टोमोका मियाजाकी को कड़ी टक्कर दी, लेकिन निर्णायक गेम में हार गईं। तन्वी ने पहला गेम 17-21 से गंवाया, फिर दूसरा गेम 21-18 से जीतकर वापसी की। तीसरे गेम में मियाजाकी ने 21-16 से जीत दर्ज कर भारतीय खिलाड़ी का सफर रोक दिया।

मिक्स्ड डबल्स में भारत के ध्रुव कपिला और तनीषा क्रास्टो को चीनी ताइपे के लियू कुआंग हेंग और सू यिन हुई ने 21-18, 21-18 से हराया। इसके साथ भारतीय जोड़ी भी टूर्नामेंट से बाहर हो गई।

गौतम गंभीर नहीं, एशियन गेम्स 2026 में वीवीएस लक्ष्मण होंगे टीम इंडिया के हेड कोच

मुंबई, 3 सितंबर (एजेंसियां)। जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से शुरू हो रहे एशियन गेम्स 2026 में क्रिकेट का खेल भी शामिल हैं. एशियन गेम्स में भारत और पाकिस्तान समेत कई बड़ी टीमें गोल्ड मेडल जीतने के लिए मैदान पर उतरेंगी. इस टूर्नामेंट के लिए टीम इंडिया का ऐलान पहले ही कर दिया गया है, जिसकी कप्तानी श्रेयस अय्यर को सौंपी गई है. वहीं, अब खबर सामने आई है कि एशियन गेम्स में गौतम गंभीर टीम इंडिया के हेड कोच नहीं होंगे. उनकी जगह पूर्व भारतीय क्रिकेटर और बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण टीम के हेड कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे.

पीटीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, एशियन गेम्स 2026 में पूर्व भारतीय क्रिकेटर वीवीएस लक्ष्मण टीम इंडिया के हेड कोच होंगे. वह गौतम गंभीर की जगह अंतरिम कोच के रूप में यह जिम्मेदारी संभालेंगे. लक्ष्मण पहले भी कई मौकों पर भारतीय टीम की कोचिंग करते रहे हैं. दरअसल, सितंबर-अक्टूबर में टीम इंडिया का शेड्यूल काफी व्यस्त रहने वाला है और इसी वजह से टीम के कोचिंग स्टाफ की जिम्मेदारियों को अलग-अलग टूर्नामेंटों के हिसाब से बांटा गया है. भारतीय टीम को सबसे पहले 13 से 17 सितंबर के बीच अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज खेलनी है.

इसके बाद टीम 27 सितंबर से 17 अक्टूबर तक घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज खेलेगी. इस बिजी शेड्यूल के बीच हेड कोच गौतम गंभीर वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली सीरीज में सीनियर भारतीय टीम के साथ रहेंगे. वहीं, इसी दौरान एशियन गेम्स में हिस्सा लेने वाली भारतीय टीम की कोचिंग की जिम्मेदारी लक्ष्मण संभालेंगे. एशियन गेम्स 2026 में वीवीएस लक्ष्मण टीम इंडिया के हेड कोच की भूमिका में नजर आएंगे. उनके कोचिंग स्टाफ में अनुभवी सुनील जोशी, ऋषिकेश कानिटकर और सुभादीप घोष सहायक कोच के रूप में शामिल होंगे. बता दें कि, एशियन गेम्स 2026 में मेंस क्रिकेट टूर्नामेंट 24 सितंबर से 3 अक्टूबर तक खेले जाएगा, जबकि वुमेंस का टूर्नामेंट 17 से 22 सितंबर तक चलेगा. मेंस कैटेगरी में 10 टीमें और वुमेंस कैटेगरी में 8 टीमें हिस्सा लेंगी. यह टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा.

51 वर्षीय वीवीएस लक्ष्मण लंबे समय से भारतीय क्रिकेट टीम से जुड़े हुए हैं और जरूरत पड़ने पर कई मौकों पर अंतरिम हेड कोच की भूमिका भी निभा चुके हैं. युवा खिलाड़ियों के साथ काम करने का उनका अनुभव टीम के लिए काफी अहम माना जाता है. हाल ही में लक्ष्मण के नेतृत्व में युवा भारतीय टीम ने जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में 3-0 से शानदार जीत दर्ज की थी. उस दौरान गौतम गंभीर टीम के साथ उपलब्ध नहीं थे और लक्ष्मण ने सफलतापूर्वक कोचिंग की जिम्मेदारी संभाली. गौरतलब है कि जिम्बाब्वे दौरे से पहले टीम इंडिया को इंग्लैंड और आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था. इस दौरान गौतम गंभीर भी भारतीय टीम के साथ मौजूद थे. ऐसे में जिम्बाब्वे में लक्ष्मण की कोचिंग में मिली क्लीन स्वीप जीत ने उनके कोचिंग अनुभव और युवा खिलाड़ियों को संभालने की क्षमता को एक बार फिर साबित किया.

यूएस ओपन: कार्लोस अल्कारेज ने तीसरे दौर में जगह बनाई

न्यूयॉर्क 3 सितंबर (एजेंसियां)। गत चैंपियन कार्लोस अल्कारेज ने पुर्तगाल के जैमे फारिया को 4-6, 6-0, 6-3, 6-2 से हराकर यूएस ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। अप्रैल में दाहिने कलाई की चोट से जूझने के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रहे अल्कारेज को लय पाने में थोड़ा समय लगा, लेकिन पहला सेट गंवाने के बाद उन्होंने शानदार वापसी की। दुनिया के 72वें नंबर के खिलाड़ी फारिया ने बेहतरीन शुरुआत करते हुए 3-3 पर पहला ब्रेक हासिल किया और पहला सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया।

इसके बाद स्पेनिश खिलाड़ी ने दूसरे सेट में जोरदार पलटवार किया, अपने पहले सर्विस गेम में ब्रेक प्वाइंट बचाने के बाद लगातार आठ गेम जीते। अल्कारेज ने एक बेहतरीन फोरहैंड पास के साथ फारिया की सर्विस तोड़ी और मात्र 33 मिनट में दूसरा सेट 6-0 से जीत लिया। अल्कारेज ने तीसरे और चौथे सेट में भी अपना दबदबा बनाए रखा और आत्मविश्वास के साथ खेले। उन्होंने 2 घंटे 40 मिनट में जीत दर्ज कर 2026 में ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट्स में अपने अजेय 9-0 के रिकॉर्ड को बरकरार रखा।

23 वर्षीय अल्कारेज रोजर फेडरर के बाद यूएस ओपन पुरुष एकल खिताब का सफलतापूर्वक बचाव करने वाले पहले खिलाड़ी बनने की कोशिश कर रहे हैं। फेडरर ने 2004 से 2008 तक लगातार पांच बार यह टूर्नामेंट जीता था। दो बार के यूएस ओपन चैंपियन अल्कारेज ने 2022 में न्यूयॉर्क में अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था और 2025 में फिर से यह ट्रॉफी उठाई थी। इस साल की शुरुआत में वह 22 साल की उम्र में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले सबसे कम उम्र के पुरुष खिलाड़ी बने थे। अगले दौर में अल्कारेज का मुकाबला चीन के वू यिबिंग से होगा, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के जेम्स डकवर्थ को 7-5, 6-3, 6-1 से हराया है। दोनों के बीच हेड-टू-हेड रिकॉर्ड में अल्कारेज 1-0 से आगे हैं, उनकी इकलौती भिड़ंत 2024 में शंघाई में हुई थी।

महिलाओं में तीसरी वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने यूएस ओपन में शानदार और दबदबे वाला खेल दिखाते हुए अमेरिकी खिलाड़ी सोफिया केनिन को हराकर महिला सिंगल्स के तीसरे राउंड में जगह बनाई। न्यूयॉर्क में लगातार सातवें साल वह इस स्टेज तक पहुंची हैं। दोनों खिलाड़ियों के बीच यह सातवां आमना-सामना था और पेगुला ने जबरदस्त फॉर्म दिखाते हुए सिर्फ 56 मिनट में 6-3, 6-1 से जीत हासिल की। पेगुला ने इस सीजन में अपना कुल रिकॉर्ड 47-12 और केनिन के खिलाफ 5-2 कर लिया है। केनिन ने अनुभवी वीनस विलियम्स को हराकर दूसरे राउंड में जगह बनाई थी। 2016 और 2021 के बीच खेले गए उनके शुरुआती चार मुकाबलों में से सभी तीन सेट तक चले थे, लेकिन यह मुकाबला सबसे आसान रहा। तब से पेगुला ने लगातार सेटों में तीन जीत हासिल की हैं, लेकिन यह पहली बार था जब उन्होंने आठ से कम गेम गंवाए।

एशियाई खेल: खेल मंत्रालय ने 246 टीम अधिकारियों को दी मंजूरी, एथलेटिक्स और क्रिकेट टीम को अधिक महत्व

नई दिल्ली, 3 सितंबर (एजेंसियां)। खेल मंत्रालय ने जापान के आइची-नागोया में होने वाले एशियाई खेलों में 36 खेलों में हिस्सा लेने वाले 503 एथलीटों के लिए 246 टीम अधिकारियों या सपोर्ट स्टाफ को मंज़ूरी दी है। एशियाई खेलों का आयोजन इस महीने होना है। खेल मंत्रालय की मंजूर की गई सूची में एथलेटिक्स दल को सबसे ज्यादा 31 लोगों का सहयोगी स्टाफ मिला है जबकि क्रिकेट टीम के साथ 20 अधिकारी होंगे।

मंत्रालय ने शुरू में खेलों के लिए 492 एथलीटों को मंजूरी दी थी, लेकिन उम्मीद के मुताबिक मुख्य रूप से एथलेटिक्स दल में कुछ और नाम जोड़े गए हैं। अब भारत के कुल दल की संख्या 768 हो गई है, जिसमें चीफ द मिशन सहदेव यादव और चीफ मेडिकल ऑफिसर डॉ. दिनशॉ पारदीवाला जैसे 19 स्टाफ सदस्य भी शामिल हैं। 79 सदस्यों वाले एथलेटिक्स दल में चोटिल भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा शामिल नहीं होंगे। एथलेटिक्स के लिए सबसे ज्यादा 31 सदस्यों का सपोर्ट स्टाफ है। इसमें नेशनल कोच पी. राधाकृष्णन की अगुआई में 20 कोच शामिल हैं।

दो क्रिकेट टीमों के लिए 20 लोगों के सपोर्ट स्टाफ को मंज़ूरी दी गई है, जिसकी अगुआई वीवीएस लक्ष्मण कर रहे हैं। भारत एशियाड में 36 तरह के खेलों में हिस्सा लेगा। ये खेल चार अक्तूब को खत्म होंगे।

स्पेन फुटबॉल महासंघ का बड़ा कदम

महिला खिलाड़ियों के एग फ्रीज कराने की तैयारी

मैड्रिड, 3 सितंबर (एजेंसियां)। स्पेनिश फुटबॉल फेडरेशन (आरएफईएफ) महिला राष्ट्रीय टीम की खिलाड़ियों के लिए एग फ्रीज कराने की योजना पर काम कर रहा है। इसके तहत खिलाड़ियों को फर्टिलिटी क्लिनिक के जरिए एग क्रायोप्रॉजर्वेशन की सुविधा दी जाएगी, जिससे वे अपने खेल करियर और परिवारिक योजनाओं के बीच संतुलन बना सकें।

यह कदम उन महिला एथलीटों को ध्यान में रखकर उठाया गया है जिन्हें उच्च स्तर के पेशेवर करियर और मातृत्व के बीच तालमेल बिठाने में कठिनाई होती है। दो बार की बैलन डी'ओर विजेता एलेक्सिया पुटेलस ने इस पहल का समर्थन करते हुए कहा है कि यह एक बड़ी प्रगति है क्योंकि फेडरेशन यह समझता है कि देश के लिए खेलते समय खिलाड़ियों को किस परेशानी से गुजरना पड़ता है।

महिला खेल जगत में मातृत्व एक बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है और फर्टिलिटी को सुरक्षित रखना खिलाड़ियों को अपना करियर रोके बिना फैसले लेने का विकल्प देता है। हालांकि, असिस्टेड रिप्रोडक्शन तकनीकों को लेकर अभी कोई आम प्रोटोकॉल नहीं है। इस मामले में विश्व डो एंटी-डोपिंग एजेंसी (वाडा) एक मुख्य बिंदु है, जो इस दौरान इस्तेमाल होने वाली दवाओं की समीक्षा करती है और कुछ पदार्थों के लिए चिकित्सीय छूट की अनुमति देती है।

स्पेनिश फेडरेशन इस दिशा में पहल करने वाला इकलौता महासंघ नहीं है। साल 2021 में अमेरिका का रेसिंग लुइसविले क्लिनिक के साथ समझौता करने वाला पहला क्लब बना था। इस साल यूएफा ने भी क्लबों को अपनी नीतियों में प्रजनन उपचार शामिल करने की सिफारिश की थी, जिसके तहत चेल्सी ने भी एक निजी क्लिनिक के साथ समझौता किया है और एग फ्रीज करने के खर्च को उठाने के लिए एक फंड का गठन किया है।

सीपीएल 2026: रहकीम कॉर्नवॉल 3 ओवर में बेस्ट प्रदर्शन

3 विकेट लेकर टीम को जिताया, बेटे के नाम किया प्लेयर ऑफ द मैच

ब्रिजटाउन, 3 सितंबर (एजेंसियां)। सीपीएल 2026 में एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस ने ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के खिलाफ मुकाबला 8 रन से जीत लिया. एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस की इस जीत में जो खिलाड़ी हीरो बना, उसकी लंबाई 6.5 फीट की है और वो दुनिया का सबसे भारी-भरकम क्रिकेटर हैं. हम बात कर रहे हैं रहकीम कॉर्नवॉल की, जिन्होंने मुकाबले में अपने काम को बखूबी अंजाम दिया. उन्होंने पहले बल्लेबाजी में छोटी मगर धमाकेदार पारी खेली. फिर गेंदबाजी प्लान के मुताबिक की और 3 ओवर में इतने विकेट झटके कि सीपीएल 2026 में अपना बेस्ट प्रदर्शन ही कर डाला.

एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस से मिले 184 रन के लक्ष्य का पीछा करने जब ट्रिनबागो नाइट राइडर्स उतरी तो वो लक्ष्य से 8 रन पहले ही थम गए. उन्होंने 20 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन बनाए. ट्रिनबागो नाइट राइडर्स को जीत से दूर रखने में रहकीम कॉर्नवॉल की भूमिका अहम रही, जिन्होंने प्लान के मुताबिक पावरप्ले का दूसरा ओवर डाला और उसी ओवर में एक के बाद एक 2 विकेट झटक लिए. ये दोनों विकेट ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के ओपनर्स के रहे. उन्होंने पहले अपना 100वां सीपीएल मैच खेलने उतरे कॉलिन मुनरो को चलता किया फिर सुनील नरेन का शिकार किया.

रहकीम कॉर्नवॉल यहीं नहीं रुके. इसके बाद उन्होंने ट्रिनबागो नाइट राइडर्स की इनिंग का छठा ओवर डाला और उसकी तीसरी गेंद पर एक और विकेट निकाला. इस बार उनका शिकार हुए ट्रिनबागो के कप्तान निकोलस पूरन. रहकीम कॉर्नवॉल ने 3 ओवर में 17 रन देकर ट्रिनबागो नाइट राइडर्स के 3 बेशकीमती विकेट झटके.

रहकीम कॉर्नवॉल ने 17 रन पर 3 विकेट चटकाकर सीपीएल 2026 में अपना बेस्ट प्रदर्शन किया. इस दमदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जिसे उन्होंने अपने बेटे के नाम कर दिया. रहकीम ने बताया कि 3 सितंबर को उनके बेटे का बर्थडे है और ये अवॉर्ड उसके लिए है.

इससे पहले रहकीम की बल्लेबाजी भी जबरदस्त रही. एविन लुईस के साथ मिलकर ओपनिंग विकेट के लिए उन्होंने 40 रन जोड़े. रहकीम का योगदान इसमें 7 गेंदों में 20 रन का रहा, जिसमें 5 चौके शामिल रहे. रहकीम ने अपनी इस इनिंग को लेकर मैच के बाद कहा कि उनका

हथकड़ी में दिखा इंग्लिश बॉलर तीसरे टेस्ट से भी बाहर

लंदन, 3 सितंबर (एजेंसियां)। इंग्लिश बोर्ड ने 9 सितंबर से पाकिस्तान के खिलाफ शुरू होने जा रहे तीसरे मैच के लिए टीम का ऐलान किया। इसमें सोनी बेकर को बरकरार रखा गया है। मैथ्यू फिशर बाहर किए गए हैं। नाइट क्लब विवाद में जांच का सामना कर रहे तेज गेंदबाज ब्रायडन कार्स को एजबेस्टन टेस्ट के लिए भी इंग्लैंड की टीम में जगह नहीं मिली है। 31 साल के कार्स को सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में हथकड़ी लगाए 4 पुलिस अधिकारियों के साथ जाते हुए देखा गया। इसके बाद उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट से बाहर किया गया था। 22 अगस्त को डर्बी में एक नाइटक्लब के बाहर हुई घटना के बाद पुलिस ने उन्हें कुछ समय के लिए हाथ बांधकर रखा था। इस घटना के बाद कार्स को गिरफ्तार किया गया था। वे अभी भी पुलिस की जांच के दायरे में हैं। कार्स ने पिछले हफ्ते ग्लॉसेस्टरशायर के खिलाफ काउंटी मैच में डरहम के लिए खेला था।

इमाम-उल-हक पर 2 साल का बैन लग सकता है

लॉर्ड्स टेस्ट में हुई इंजरी की पीसीबी जांच कराएगा; रिजवान भी घेरे में

इस्लामाबाद, 3 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बल्लेबाज इमाम-उल-हक पर लॉर्ड्स टेस्ट में इंजरी को लेकर 1 से 2 साल तक का बैन लग सकता है।

जियो न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड उनकी पिंडली की चोट से जुड़े मामले की जांच के लिए कमेटी बनाने की तैयारी में है। जांच में अगर इमाम दोषी पाए जाते हैं तो उन पर 1 से 2 साल का बैन लगाया जा सकता है। इमाम को इंग्लैंड के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन फील्डिंग के दौरान पिंडली में हल्का खिंचाव आया था। इसके बाद वे पाकिस्तान की दोनों पारियों में बल्लेबाजी के लिए नहीं उतरे। पाकिस्तान पहली पारी में 110 रन पर ऑलआउट हुआ था, जबकि दूसरी पारी में 389 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 194 रन पर सिमट गया। इंग्लैंड ने यह टेस्ट 194 रन से जीता था।

इमाम की चोट और इसके बाद उनकी अनुपलब्धता को लेकर पीसीबी ने जांच कराने का फैसला किया है। इमाम पहले भी चोट से जुड़े विवाद में रह चुके हैं। मार्च 2025 में न्यूजीलैंड दौरे के दौरान इंडोर नेट सेशन में गेंद उनके दाहिने पैर के अंगूठे पर लगी थी। जियो न्यूज के मुताबिक, उस मामले की पीसीबी जांच समिति ने इमाम को मेडिकल स्टाफ को गुमराह करने और चोट के लक्षणों को गलत तरीके से पेश करने के लिए जिम्मेदार ठहराया था। समिति ने माना था कि इमाम ने पाकिस्तान के पहले वनडे में नहीं खेलने के लिए अपनी चोट को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया था।

इमाम के अलावा विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान भी अनुशासन से जुड़े मामले में पीसीबी की जांच के घेरे में हैं। जियो न्यूज के सूत्रों के मुताबिक, बोर्ड आने वाले दिनों में रिजवान से पूछताछ कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि निकट भविष्य में पाकिस्तान की टीम में उनकी वापसी की संभावना कम मानी जा रही है।

सिर्फ 5 रन देकर झटके हैट्रिक समेत 7 विकेट

श्रीलंकाई कप्तान चमारी अटापट्टू ने एशिया कप में रचा नया इतिहास

दुबई, 3 सितंबर (एजेंसियां)। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मशहूर श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने महिला एशिया कप 2026 में गेंद से कहर बरपाते हुए इतिहास रच दिया. अटापट्टू ने अपनी शानदार गेंदबाजी से वो कारनामा कर दिखाया, जो मेंस और वुमेंस दोनों एशिया कप के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ था. इंडोनेशिया के खिलाफ अटापट्टू ने महज 5 रन देकर 7 विकेट झटके, जिसमें हैट्रिक भी शामिल रहा. इस घातक गेंदबाजी से उन्होंने न सिर्फ क्रिकेट जगत को हैरान किया, बल्कि एशिया कप के इतिहास में एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है.

दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए ग्रुप-बी मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने निलाक्षिका सिल्वा (50) की पारी के दम पर 7 विकेट पर 124 रन बनाए थे. इसके बाद श्रीलंका की कप्तान चमारी अटापट्टू ने गेंद से कहर बरपाया और अकेले ही इंडोनेशिया के बल्लेबाजी क्रम को तहस-नहस कर दिया. अटापट्टू ने सिर्फ 3.3 ओवर में 5 रन खर्च करते हुए 7 विकेट अपने नाम किए. इसी के साथ अटापट्टू मेंस और वुमेंस दोनों एशिया कप के इतिहास में 7 विकेट लेने वाली पहली गेंदबाज बन गई हैं.

अपनी इस स्पेल में उन्होंने हैट्रिक भी हासिल किया. अटापट्टू की घातक गेंदबाजी के सामने इंडोनेशिया के बल्लेबाजी बुरी तरह से बिखर गई और पूरी टीम महज 49 रन पर ऑलआउट हो गई. श्रीलंका ने इस मुकाबले को 75 रन से अपने नाम किया. इस शानदार जीत के साथ डिफेंडिंग चैंपियन श्रीलंका ने सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी दावेदारी को और मजबूत कर ली है. टीम 4 अंकों के साथ ग्रुप-बी में टॉप पर पहुंच गई है.

चमारी अटापट्टू ने इस शानदार प्रदर्शन के साथ महिला एशिया कप का पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ दिया है. इससे पहले टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन का रिकॉर्ड पाकिस्तान की जावेरिया खान के नाम दर्ज था, जिन्होंने 2008 महिला एशिया कप में बांग्लादेश के खिलाफ 6 विकेट हासिल किए थे. लेकिन अब चमारी ने 5 रन देकर 7 विकेट लेकर इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया है. इस शानदार गेंदबाजी प्रदर्शन के साथ चमारी अटापट्टू ने कई बड़ी उपलब्धियां हासिल कीं हैं. अटापट्टू एशिया कप टी20 इतिहास में 6 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं. इसके अलावा, यह उनके टी20 इंटरनेशनल करियर का पहला 5 विकेट हॉल भी रहा और वह श्रीलंका महिला क्रिकेट के इतिहास में हैट्रिक लेने वाली पहली गेंदबाज भी बन गई हैं.

5 रन देकर 7 विकेट का अटापट्टू का प्रदर्शन अब श्रीलंका की मेंस और वुमेंस दोनों टीमों के टी20 इंटरनेशनल इतिहास का सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन बन गया है. वह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 7 विकेट लेने वाली दुनिया की सिर्फ दूसरी कप्तान भी बन गई हैं. उनसे पहले अर्जेंटीना की एलिसन स्टॉक्स ने 2022 में पेरू के खिलाफ सिर्फ 3 रन देकर 7 विकेट हासिल किए थे.

बांग्लादेश ने एशियन गेम्स के लिए टीम का ऐलान किया, लिटन दास कप्तान

ढाका, 3 सितंबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश ने एशियन गेम्स के लिए अपनी टीम का ऐलान कर दिया है। लिटन दास टीम के कप्तान होंगे, जबकि तौहीद हृदोय को उप-कप्तानी सौंपी गई है।

नजमुल हुसैन शांतो और हसन महमूद की टीम में वापसी हुई है। वहीं नुरुल हसन और अब्दुल गफ्फार सकलैन को बाहर कर दिया गया है। नाहिद राणा साइड स्ट्रेन से उबर रहे हैं, इसलिए उनका नाम टीम में नहीं है। टूर्नामेंट में बांग्लादेश अपना पहला मैच 28 सितंबर को ग्रुप बी की विजेता टीम के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में खेलेगा। एशियन गेम्स क्रिकेट प्रतियोगिता के सभी मैच कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में होंगे। शांतो ने इस फॉर्मेट में अपना आखिरी मैच पिछले साल मई में यएई के खिलाफ खेला था। वह लगातार 19 पारियों में अर्धशतक नहीं लगा सके थे, जिसके बाद उनको कप्तानी से हटा दिया गया था। लिटन दास नए कप्तान बने थे। हाल ही में शांतो ने बांग्लादेश को ऑस्ट्रेलिया में ऐतिहासिक पहली टेस्ट जीत दिलाई थी।

उन्होंने डार्विन में खेले गए इस मैच में अर्धशतक लगाया था। शांतो ने पिछले साल बीपीएलल में 355 रन बनाए थे। इसमें एक अर्धशतक और एक शतक शामिल था। हसन महमूद ने पिछले साल पाकिस्तान दौरे में अपना आखिरी मैच खेला था।

लैपटॉप चोरी करने वाला आरोपी और खरीदार गिरफ्तार, 19 लैपटॉप बरामद

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद जोन के नारायणगुड़ा पुलिस ने लैपटॉप चोरी के मामले का पर्दाफाश करते हुए एक चोर और चोरी के लैपटॉप खरीदने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से हैदराबाद शहर, साइबराबाद और मल्काजगिरी पुलिस आयुक्तालयों के विभिन्न थानों में दर्ज 16 मामलों से संबंधित कुल 19 लैपटॉप बरामद किए हैं, जिनकी कीमत करीब 7.60 लाख रुपये बताई गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सिकंदराबाद के वारासिगुड़ा, न्यू अशोक नगर निवासी संगीशेट्टी विनीत (29) और वारासिगुड़ा निवासी वेमुनुरी श्रीनिवास (29) के रूप में हुई है। श्रीनिवास चोरी के लैपटॉप खरीदने वाला व्यक्ति बताया गया है।

पुलिस के अनुसार आरोपियों ने नारायणगुड़ा थाना क्षेत्र में केएमआईटी कॉलेज और तेलुगु अकादमी के आसपास दो दिनों के भीतर लैपटॉप चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया। आरोपी अध्ययन कक्षों में दोपहर के भोजन और रात के भोजन के समय बिना निगरानी के छोड़े गए लैपटॉप को निशाना बनाता था। चोरी किए गए लैपटॉप एक आदतन खरीदार को बेच दिए जाते थे। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने करीब एक महीने के भीतर शहर के विभिन्न इलाकों में कई लैपटॉप चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया। पुलिस ने बताया कि इन मामलों में सैफाबाद, मालकपेट, नारायणगुड़ा, अबिड्स, एसआर नगर, नल्लाकुंटा, चैतन्यपुरी, कुशाईगुड़ा, उप्पल, एलबी नगर, अलवाल और कुकटपल्ली थानों में मामले दर्ज हैं। नारायणगुड़ा थाने में दर्ज अपराध संख्या 302/2026 के अनुसार, 16 अगस्त की शाम करीब 7 बजे शिकायतकर्ता वी. सुरेश अपना एचपी लैपटॉप ब्राइट माइंड्स अध्ययन कक्ष के केबिन नंबर डी-18 में छोड़कर भोजन करने छात्रावास गए थे। रात करीब 8 बजे लौटने पर लैपटॉप गायब मिला। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच तथा तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान की और उसे 3 अगस्त की सुबह सिकंदराबाद के पारसीगुट्टा क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

खैरताबाद जोन की पुलिस उपायुक्त के. शिल्पावल्ली के मार्गदर्शन में नारायणगुड़ा थाना प्रभारी एम. साईदेश्वर, निरीक्षक बी. अभिलाष, उपनिरीक्षक सी. नागराजू और अपराध शाखा के कर्मचारियों ने मामले की जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी और चोरी का सामान बरामद करने में पुलिस टीम के प्रयासों की उपायुक्त ने सराहना की और उन्हें उचित रूप से पुरस्कृत किया गया।

मेडक के किसानों का आरोप पैक्स सेंटर पर यूरिया के लिए ज़्यादा पैसे वसूले गए

मेडक, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निज़ामपेट के प्राइमरी एग्रीकल्चर कोऑपरेटिव सोसाइटी सेंटर पर यूरिया की बोरियाँ लेने आए किसान तब हैरान रह गए जब स्टाफ़ ने हर बोरी के लिए 34 रुपये अतिरिक्त वसूले। किसान इसलिए हैरान थे क्योंकि स्टाफ़ ने यूरिया की एक बोरी की एमआरपी (266 रुपये) के बजाय 300 रुपये प्रति बोरी देने की मांग की। इसके अलावा, स्टाफ़ ने हमाली शुल्क के तौर पर 10 रुपये भी लिए, जिससे किसानों पर बोझ और बढ़ गया। किसानों ने स्टाफ़ से बहस की, लेकिन वे अपनी बात पर अड़े रहे, जिससे किसानों की मुश्किलें और बढ़ गईं। यह कोई इकलौता मामला नहीं है; पुराने मेडक ज़िले के किसान यूरिया की कमी से लगातार परेशान हो रहे हैं। लंबी-लंबी लाइनें और लाइनों में चप्पलें रखकर अपनी जगह सुरक्षित करना आम बात हो गई है। हालाँकि किसानों ने ऑनलाइन बुकिंग सिस्टम को खत्म करने की मांग को लेकर कई बार विरोध प्रदर्शन किए हैं।

साइबराबाद में गणेश उत्सव की तैयारियों की समीक्षा

54 विसर्जन स्थलों पर व्यापक इंतजाम

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद में गणेश उत्सव 2026 के सफल आयोजन को लेकर कार्ययोजना और तैयारियों की समीक्षा के लिए समन्वय एवं समेकित बैठक आयोजित की गई। साइबराबाद नगर आयुक्त डॉ. जी. श्रीजना और साइबराबाद के संयुक्त पुलिस आयुक्त, यातायात, सुन्प्रीत सिंह की मौजूदगी में हुई बैठक में भाग्यनगर गणेश उत्सव समिति के सदस्यों, नगर निगम अधिकारियों तथा विभिन्न विभागों और एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में साइबराबाद क्षेत्र में बनाए गए 54 गणेश विसर्जन स्थलों पर व्यापक इंतजाम सुनिश्चित करने और संबंधित विभागों एवं एजेंसियों द्वारा उठाई गई समस्याओं के समाधान पर चर्चा की गई। इस दौरान यातायात प्रबंधन, क्रेन की व्यवस्था, स्वच्छता, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, गड्ढों की मरम्मत, सुरक्षा एवं आपातकालीन तैयारियों, नियंत्रण कक्षों की स्थापना तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय जैसे महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के प्रमुख, जोनल आयुक्त, उप आयुक्त, अभियंता, यातायात पुलिस अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारियों ने हिस्सा लिया। अधिकारियों ने गणेश उत्सव के दौरान विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने, सभी व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने तथा यातायात एवं भीड़ प्रबंधन को प्रभावी ढंग से लागू करने पर जोर दिया। अधिकारियों ने कहा कि सामूहिक प्रयासों के जरिए साइबराबाद में गणेश उत्सव 2026 का आयोजन सुरक्षित, सुचारु और परेशानी मुक्त तरीके से सुनिश्चित किया जाएगा।

हुस्नाबाद में लंबित आरएंडबी सड़कों के काम जल्द पूरे करें : पोन्नम प्रभाकर

> परिवहन मंत्री ने मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी से मुलाकात की

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र में लंबित सड़क एवं भवन विभाग की सड़कों के कार्यों को तेजी से पूरा करने की मांग की है।

इस संबंध में उन्होंने सचिवालय में सड़क एवं भवन विभाग के मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी से मुलाकात की। बैठक के दौरान पोन्नम प्रभाकर ने हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र में लंबित विभिन्न सड़क कार्यों को मंजूरी देने के साथ ही पहले से मंजूर सड़कों के निर्माण कार्यों में तेजी लाने का आग्रह किया। उन्होंने विशेष रूप से सिद्दिपेट-एल्कतुरती राष्ट्रीय राजमार्ग के अंतर्गत लंबित कार्यों को जल्द पूरा करने की मांग की। उन्होंने सड़क पर लंबित पुलियों के निर्माण को पूरा करने के साथ ही मित्तपल्ली में रेलवे ओवरब्रिज के कार्यों में तेजी लाने का सुझाव दिया। मंत्री ने कहा कि इन कार्यों के पूरा होने से वाहन चालकों को हो रही परेशानियां काफी हद तक कम होंगी। पोन्नम प्रभाकर ने बताया कि एल्कतुरती जंक्शन पर करीमनगर, हनमकोंडा और सिद्दिपेट की ओर जाने वाली सड़कें एक स्थान पर मिलती हैं।

यहां सड़क संकरी होने के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती हैं। उन्होंने जंक्शन पर सड़क का विस्तार कर संकरे मार्ग की समस्या का स्थायी समाधान करने का आग्रह किया। इसके अलावा उन्होंने करीमनगर-एल्कतुरती और एल्कतुरती-हनमकोंडा के बीच चल रहे सड़क निर्माण कार्यों में तेजी लाने तथा लोगों को बेहतर परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी से अनुरोध किया। पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि हुस्नाबाद विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए सड़क ढांचा बेहद महत्वपूर्ण है। लंबित कार्यों को जल्द पूरा करने से लोगों और वाहन चालकों को हो रही समस्याओं का समाधान होगा तथा क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी।

जन्माष्टमी को लेकर आज अबिड्स में यातायात प्रतिबंध

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अबिड्स स्थित इस्कॉन मंदिर में 4 सितंबर को आयोजित होने वाले श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के मद्देनजर हैदराबाद यातायात पुलिस ने विशेष यातायात परामर्श जारी किया है।

श्रद्धालुओं की आवाजाही और भीड़ के अनुसार 4 सितंबर सुबह 4 बजे से 5 सितंबर रात 1 बजे तक यातायात प्रतिबंध और मार्ग परिवर्तन लागू किए जाएंगे। यूसुफ एंड कंपनी, जवाहरलाल नेहरू रोड, अबिड्स सर्किल, पुराने हैदराबाद कलेक्टर कार्यालय, चिराग अली लेन और नामपल्ली स्टेशन रोड पर भारी यातायात की संभावना जताई गई है। वाहन चालकों से इन मार्गों से बचने और संभव हो तो वैकल्पिक रास्तों का उपयोग करने की अपील की गई है। गनफाउंड्री और तिलक रोड जंक्शन से नामपल्ली स्टेशन रोड की ओर आने वाले यातायात को जीपीओ जंक्शन पर रुक-रुककर आगे बढ़ाया जाएगा तथा भीड़ अधिक होने पर एमजे मार्केट की ओर मोड़ दिया जाएगा। जामबाग रोड और एस.ए. बाजार मस्जिद से जीपीओ जंक्शन की ओर आने वाले यातायात को भी नियंत्रित किया जाएगा और भीड़ बढ़ने पर एमजे मार्केट से गांधी भवन तथा चैपल रोड की ओर डायवर्ट किया जाएगा। ताज आइलैंड और नामपल्ली से कोटी बैंक स्ट्रीट जाने वाले वाहनों को भारत पेट्रोल पंप से बाएं मुड़कर समाचार अधिकार भवन, यूसुफ एंड कंपनी, ट्रूप बाजार होते हुए कोटी बैंक स्ट्रीट जाने की अनुमति होगी। भाजपा प्रदेश कार्यालय की ओर से आने वाले वाहनों को पुराने हैदराबाद कलेक्टर कार्यालय जंक्शन की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी और उन्हें एमजे मार्केट रोड की ओर मोड़ा जाएगा। इस्कॉन मंदिर के आसपास चलने वाली आरटीसी बसों के लिए भी भीड़ और यातायात की स्थिति के अनुसार मार्ग परिवर्तन किया जाएगा। एमजे मार्केट जंक्शन पर रंगमहल-जामबाग रोड तथा एस.ए. बाजार मस्जिद-अफजल गंज से आने वाली बसों को जीपीओ जंक्शन और अबिड्स सर्किल की ओर जाने के बजाय गांधी भवन रोड तथा नामपल्ली स्टेशन रोड की ओर भेजा जाएगा। बी.जे.आर. सर्किल से लिबर्टी और बशीरबाग की ओर आने वाली बसों को जीपीओ जंक्शन- अबिड्स सर्किल की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी और उन्हें ए.आर. पेट्रोल पंप की ओर भेजा जाएगा। वहीं, रविंद्र भारती और एचटीपी जंक्शन से आने वाली बसों को बी.जे.आर. सर्किल की ओर मोड़ने के बजाय नामपल्ली स्टेशन रोड की ओर भेजा जाएगा। इस्कॉन मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए नामपल्ली स्थित प्रदर्शनी मैदान में पार्किंग की व्यवस्था की गई है।

हैदराबाद में 7 सितंबर तक हल्की से मध्यम बारिश की संभावना

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मौसम विभाग ने गुरुवार को अगले तीन से चार दिनों के लिए हैदराबाद और जिलों के कुछ हिस्सों में गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान जारी किया है।

हालांकि जुड़वां शहरों और पड़ोसी जिलों में कई जगहों पर घने बादल छाए हुए हैं, लेकिन किसी बड़े कम दबाव वाले सिस्टम के न होने के कारण भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना कम है। हालांकि, आईएमडी हैदराबाद के पूर्वानुमान के अनुसार, हैदराबाद और जिलों में कई जगहों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की बहुत संभावना है। आईएमडी हैदराबाद ने कहा कि मध्यम बारिश के साथ-साथ कुछ इलाकों में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज सतही हवाएं भी चल सकती हैं। 7 सितंबर तक इसी तरह के मौसम का अनुमान लगाया है, जिसमें हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवाएं शामिल हैं।

आईपीएस अधिकारी विशाल गुन्नी, कांती राणा टाटा का निलंबन रद्द

अमरावती, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार ने गुरुवार को वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों विशाल गुन्नी और कांती राणा टाटा का निलंबन रद्द कर दिया और उन्हें तत्काल प्रभाव से सेवा में बहाल कर दिया। सामान्य प्रशासन (एससी.डी) विभाग द्वारा जारी अलग-अलग आदेशों में कहा गया है कि दोनों अधिकारियों के निलंबन की समीक्षा की गई थी और अखिल भारतीय सेवा (अनुशासन और अपील) नियम, 1969 के नियम 3(1) के तहत समय-समय पर इसे बढ़ाया गया था। उनके निलंबन के नवीनतम विस्तार की अवधि 4 सितंबर, 2026 को समाप्त होने वाली थी।

मुंबई स्थित अभिनेता-सह-मॉडल कादंबरी नरेंद्र कुमार जेठवानी को परेशान करने में कथित संलिप्तता के आरोप में दोनों आईपीएस अधिकारियों को पहली बार 15 सितंबर, 2024 को निलंबित किया गया था और बाद में उनके निलंबन को कई बार बढ़ाया गया था। विशाल गुन्नी के मामले में, आंध्र प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (एचओपीएफ) द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर निर्णय लिया गया।

पुलिस को फेफड़े की विशेष जांच की सुविधा मिलेगी

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने सोसाइटी फॉर साइबराबाद सिक्योरिटी काउंसिल (एससीएससी) और यशोदा हॉस्पिटल्स के सहयोग से यातायात पुलिस कर्मियों के लिए निवारक स्वास्थ्य देखभाल और स्वास्थ्य समस्याओं का शीघ्र पता लगाने को बढ़ावा देने के लिए एक विशेष पल्मो और वैस्कुलर स्क्रीनिंग कैंप का आयोजन किया। इस शिविर में फेफड़ों की कार्यक्षमता, श्वसन स्वास्थ्य, व्यायाम क्षमता और रक्त परिसंचरण का आकलन करने के लिए पल्मोनरी फंक्शन टेस्ट (पीएफटी), फ्रैक्शनल एक्सहेल्ड नाइट्रिक ऑक्साइड (एफईएनओ) टेस्ट, सिक्स-मिनट वॉक टेस्ट (6एमडब्ल्यूटी) और वैस्कुलर स्क्रीनिंग की सुविधा प्रदान की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन साइबराबाद के पुलिस आयुक्त और एससीएससी के अध्यक्ष एम. रमेश ने किया। एसीपी चंद्रशेखर रेड्डी, आरआई वेलफेयर नागराजू रेड्डी, एससीएससी के सीईओ नावेद आलम खान और एसोसिएट डायरेक्टर वाई. भानु मूर्ति उपस्थित थे। सभा को संबोधित करते हुए पुलिस आयुक्त रमेश ने यातायात पुलिस कर्मियों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की आवश्यकता पर जोर दिया, जो कठिन बाहरी परिस्थितियों में लंबे समय तक काम करते हैं और नियमित रूप से धूल, वायु प्रदूषण और यातायात संबंधी खतरों के संपर्क में आते हैं। उन्होंने कर्मियों से नियमित स्वास्थ्य जांच कराने और शारीरिक गतिविधि, योग और श्वास व्यायाम जैसी स्वस्थ आदतों को अपनाने का आग्रह किया।

उन्होंने आगे कहा कि स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की शीघ्र पहचान से कर्मियों को समय पर चिकित्सा सलाह और उपचार प्राप्त करने में मदद मिलेगी। यह पहल साइबराबाद पुलिस, एससीएससी और यशोदा अस्पताल के संयुक्त प्रयासों को रेखांकित करती है, जिसका उद्देश्य निवारक स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना और पुलिस कर्मियों के समग्र कल्याण में सुधार करना है।

लेवल क्रॉसिंग और प्रस्तावित आरओबी का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

रंगारेड्डी, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ रेलवे विभाग द्वारा प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज तथा लेवल क्रॉसिंग संख्या 12 और 13 के आरओबी से संबंधित स्थानों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्रस्तावित आरओबी और लेवल क्रॉसिंग की स्थिति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों से विभिन्न पहलुओं की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि निरीक्षण के दौरान सामने आए विभिन्न मुद्दों और परिस्थितियों के आधार पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जाएगी। उन्होंने बताया कि रिपोर्ट को आगे की आवश्यक कार्रवाई के लिए रेलवे विभाग को सौंपा जाएगा।

सस्पेंड किए गए डीएसपी भीम रेड्डी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज

हैदराबाद, 3 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। इस साल जुलाई में की गई तलाशी के दौरान एंटी-करप्शन ब्यूरो (एसीबी) को लगभग 300 करोड़ रुपये की बेहिसाब संपत्ति का पता चला था, जिसके बाद एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट (ईडी) ने सस्पेंड किए गए डीएसपी भीम रेड्डी के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया।

ईडी ने कथित मनी ट्रेल की जांच शुरू कर दी है, जिसमें प्रॉपर्टी का असली मालिकाना हक, उन्हें खरीदने के लिए इस्तेमाल किए गए फंड का सोर्स और क्या संपत्ति रिश्तेदारों, साथियों या कथित बेनामीदारों के नाम पर खरीदी गई थी, ये सब शामिल है। जांच के हिस्से के तौर पर, अधिकारियों के यह भी देखने की उम्मीद है कि क्या भ्रष्टाचार से कमाए गए पैसे को अलग-अलग चैनलों के ज़रिए घुमाया गया और बाद में प्रॉपर्टी और दूसरी संपत्तियों में बदला गया। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट की बेनामी निषेध यूनिट पहले ही एक केस दर्ज कर चुकी है। एसीबी, ईडी और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट द्वारा जुटाई जा रही प्रॉपर्टी और फाइनेंशियल ट्रांज़ैक्शन की जानकारी, मालिकाना हक और फंड के सोर्स का पता लगाने में अहम भूमिका निभा सकती है। पुलिस कंप्यूटर सर्विसेज़ (पीसीएस) में तैनात भीम रेड्डी को एसीबी ने 6 जुलाई को इब्राहिमबाग के वेसेला मीडोज स्थित उनके घर से गिरफ्तार किया था। तेलंगाना और कर्नाटक में उनसे, उनके रिश्तेदारों और कथित बेनामीदारों से जुड़ी 16 जगहों पर तलाशी के दौरान, अधिकारियों ने कथित तौर पर प्रॉपर्टी के कागज़ात, उनके घर से 3.6 लाख रुपये नकद और एक कथित बेनामीदार के घर से 40 लाख रुपये ज़ब्त किए। खबरों के मुताबिक, लगभग 2 किलो सोना, 20 किलो चांदी और करीब 19.91 लाख रुपये का बैंक बैलेंस भी पाया गया। ईडी अपनी शुरुआती जांच पूरी करने के बाद भीम रेड्डी को नोटिस जारी कर सकती है। उनके बेनामीदार होने के शक वाले लोगों को भी पूछताछ के लिए बुलाए जाने की उम्मीद है। आगे की कार्रवाई जांच के नतीजों पर आधारित होगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.